



# د قرآن کریم اعجاز

مؤلف: ھارون یحیی

ژباړن: محمد فیض (( چال

Ketabton.com

هبله لرم د پښتو ژباړې په اړوندخپلې نظریې اووړاندیزونه په دې پته راولیږی:  
**shafiq.haqpal@Gmail.com**

|                                                                                                                        |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| دکتاب نوم: د قرآن اعجاز<br>مؤلف: هارون یحیی<br>ژباړن: محمدشفیق «حقیبال»<br>طرح او ډیزاین: شهریارکاډر<br>کال: ۱۳۸۷      |
| یادونه: دغه کتاب له انگریزی څخه ډاکټر فرید آسمند درې ژبې ته ژباړلی چې پښتو ژباړه یی له درې نه شوې.<br>کابل - افغانستان |

## لړلیک

|          |                                                     |
|----------|-----------------------------------------------------|
| 1.....   | د قرآن اعجاز .....                                  |
| 2 .....  | دقرآن کریم علمی معجزې .....                         |
| 2 .....  | دکایناتو یانړۍ پیدایښت .....                        |
| 3.....   | دکایناتو پراختیا .....                              |
| 4.....   | دنړۍ پای اوستراقباض .....                           |
| 5.....   | له تاوده لوګۍ نه خلقت .....                         |
| 5.....   | دځمکې اواسمانونو جلا کیدل .....                     |
| 6.....   | د داروین د تکامل د نظریې تېروتنه .....              |
| 6.....   | په نړۍ کې مطلق تعادل .....                          |
| 7.....   | په نړۍ کې لطیف میزان .....                          |
| 8.....   | دسترې چاودنې چټکتیا .....                           |
| 8.....   | دآسمانۍ جسمونو په مینځ کې واټن .....                |
| 10.....  | دستورو ، لمر اوسپوړمۍ په مینځ کې دجوړښت توپیر ..... |
| 11 ..... | النَّجْمُ الثَّاقِبُ .....                          |
| 11 ..... | مدارونه اوخرخېدونکې نړۍ .....                       |
| 12.....  | دلهر تګلوری .....                                   |
| 12.....  | دسپوړمۍ مدار .....                                  |
| 14.....  | دقمرۍ یا سپوږمېزګال محاسبه .....                    |
| 14.....  | دثقل قوه اوخوځېدنه په مدارونو کې .....              |
| 15.....  | کروی(کرده ) ځمکه .....                              |
| 15.....  | دځمکې دخرخېدو لوری .....                            |
| 15.....  | دځمکې شکل Geoid .....                               |
| 16.....  | دځمکې قطرونه اوخلأ .....                            |
| 16.....  | دځمکې دچاپیریال پورونه Atmosphere .....             |
| 17.....  | ساتونکې چټ .....                                    |
| 18.....  | ستنېدونکې آسمان .....                               |
| 18.....  | دځمکې طبقي یا پوړونه .....                          |
| 19.....  | دځمکې دچارجونو کانکې .....                          |
| 19.....  | دغرونو دندې .....                                   |
| 20 ..... | دغرونو خوځېدنه .....                                |
| 21.....  | دلهرختو اولویدو بیلابیل ځایونه .....                |

|         |                                                    |
|---------|----------------------------------------------------|
| 21..... | دپای له ټکو نه دځمکې لندول .....                   |
| 22..... | څیرې کیدونکې یا چاودېدونکې ځمکه .....              |
| 23..... | د اوسپنې معجزه .....                               |
| 24..... | د پطولو جوړښت .....                                |
| 24..... | د وخت نسبت .....                                   |
| 24..... | په شپږو ورځو کې پیداکیدل .....                     |
| 25..... | د تقدیر حقیقت .....                                |
| 26..... | د زوجونو یا جوړو پیدایښت .....                     |
| 26..... | د اتومونو ذرې .....                                |
| 27..... | تیاره یا تور سوری .....                            |
| 28..... | نبضانی ستوری .....                                 |
| 28..... | د شعری ستوری Sirius .....                          |
| 29..... | تیاره اوروښنایی .....                              |
| 29..... | پرتله له اورنه احتراق یا سوزیدنه .....             |
| 30..... | د وریځو دروند والی .....                           |
| 30..... | د باران اندول .....                                |
| 31..... | د باران جوړښت .....                                |
| 32..... | باران مړه ځمکه راژوندی کوی .....                   |
| 33..... | د ډلې ، تالندې او برېښنا جوړیدل .....              |
| 34..... | بار(حمل) ورکوونکي بادونه .....                     |
| 34..... | د باد د جوړېدو پړاوونه .....                       |
| 35..... | فوتو سنتیزڅه ډول سهار مهال پیلېږی .....            |
| 36..... | سمندرونه یو له بله سره نه گډېږی .....              |
| 36..... | په سمندرونه کې تیاره اوکورنۍ څپې .....             |
| 36..... | هغه ځای چې زموږ خوځښت کنټرولوی .....               |
| 38..... | دالله (ج) په یاد سره زړونه آرام مومی .....         |
| 39..... | عبادت شفا موندنه چټکوی .....                       |
| 40..... | د دین د نه مراعات له کبله روانی فشار اوځپگان ..... |
| 42..... | د انسان پیدایښت .....                              |
| 42..... | د منی څاڅکی Semen : .....                          |
| 46..... | له اوبونه د انسان پیدایښت .....                    |
| 46..... | له خټي نه جوړښت .....                              |
| 47..... | د جنینو تنظیم Gene .....                           |
| 48..... | حيض Menstruation .....                             |
| 48..... | د ماشوم د غړو د ودې ترتیب .....                    |
| 48..... | د شېدو جوړښت .....                                 |

|         |                                                                   |
|---------|-------------------------------------------------------------------|
| 49..... | د مورشېدې يوه معجزه زيږونکي مخلوط.....                            |
| 49..... | د تل تازه خوړو په هکله حقيقتونه:.....                             |
| 50..... | دگوتي د نښې له مخې پېژندنه.....                                   |
| 51..... | د انگېنو موچي.....                                                |
| 51..... | د انگېنو معجزه.....                                               |
| 52..... | کجوره(خرما) اوگتي يې.....                                         |
| 54..... | اينخر يوه فوق العاده مېوه.....                                    |
| 54..... | کب دخوړو يوه ښه منبع.....                                         |
| 55..... | د خوک د غوښي روغتيايي زيانونه.....                                |
| 55..... | زيتون يوروغتيا بخښونکي نبات.....                                  |
| 56..... | دزړه اونورو رگونو لپاره يي گتې :.....                             |
| 57..... | د زړه د رگونو عمليات.....                                         |
| 57..... | د خوځښت ، وينځلو اوځښلو روغتيايي گتې.....                         |
| 57..... | مکروسکوپک ژوند.....                                               |
| 58..... | د حيواناتو(ژوو) ټولنې.....                                        |
| 58..... | له حيات نه تقليد: د طرحو لپاره د ژوو له جوړښت نه الهام اخستل..... |
| 59..... | د ملخانو ډلې.....                                                 |
| 60..... | د مېريانو د اړيکو سيستم.....                                      |
| 60..... | د خوړو دوران.....                                                 |
| 61..... | په خوب کې د غوړونو فعاليت.....                                    |
| 61..... | د خوب په وخت کې د خوځښت اهميت.....                                |
| 62..... | په شپه کې د خوځښت کمښت.....                                       |
| 62..... | په لوړو سيمو کې د سينې انقباض.....                                |
| 63..... | د قرآن وړاندوېنې.....                                             |
| 63..... | د روم بری.....                                                    |
| 64..... | د فرعون د بدن ساتنه.....                                          |
| 64..... | د مکې فتحه.....                                                   |
| 65..... | دېني اسرائيلو قوم به ډير کبرجن شي.....                            |
| 66..... | خلايی څېړنې.....                                                  |
| 66..... | د سپوږمۍ سفر.....                                                 |
| 67..... | د لېږد رالېږد عصری وسايل.....                                     |
| 68..... | د الوتکې ټکنالوژۍ.....                                            |
| 68..... | د تصوير لېږد.....                                                 |
| 68..... | د بوی لېږد.....                                                   |
| 69..... | له پرېښنا نه گټه.....                                             |
| 69..... | د ارتيزن څاه.....                                                 |

|         |                                                            |
|---------|------------------------------------------------------------|
| 70..... | په ټکنالوژۍ کې د مېړیانو لښکر.....                         |
| 71..... | اتومي انرژۍ اوانشقاق.....                                  |
| 72..... | د قرآن تاریخي اعجاز.....                                   |
| 73..... | هامان او د مصر اهرام.....                                  |
| 73..... | موسیٰ (ع) او د سمندر دوه ځایه کول.....                     |
| 76..... | هغه ستونزې چې فرعون اود ده ملګری ورسره مخامخ شول.....      |
| 77..... | په قرآن کې د فرعون کلمه.....                               |
| 77..... | د نوح (ع) توپان.....                                       |
| 78..... | د نوح (ع) د توپان لرغونې نښې.....                          |
| 80..... | د ارم ښار.....                                             |
| 81..... | د سدوم او ګموره ښارونه.....                                |
| 82..... | د سباخلک او د عرم سېلاو.....                               |
| 84..... | د حجرخلک.....                                              |
| 84..... | په قرآن کې د ریاضي معجزې.....                              |
| 84..... | په قرآن کې د کلمو تکرار.....                               |
| 85..... | د ځمکې د وچې او اوبو انډول.....                            |
| 86..... | په قرآن کې د ایجدشمېرې.....                                |
| 87..... | په قرآن کې د نولس عدد معجزه.....                           |
| 91..... | د ادبیاتو له اړخه د قرآن کمال د قرآن د تقلید ناشونتیا..... |
| 92..... | د قرآن د تقلید ناشونتیا.....                               |
| 92..... | په قرآن کې د قافو عالي ماهیت.....                          |
| 95..... | قرآن د الله (ج) کلام دی.....                               |

## د مؤلف په اړوند:

هارون یحیی د عدنان اوختار مستعار نوم دی هغه په کال ۱۹۵۶ ز کې د ترکې په پلازمینه انقره کې زېږیدلی دی هغه په انقره کې لومړی د هنرونو پوهنځی، اویا یی د فلسفې پوهنځی، لوستی. ده د ماتریالیستي فلسفې د ردولو په هکله یی ډیر کتابونه لیکلی. له ۱۹۸۰ کال نه راپه دیخوا یی ډېر شمېر کتابونه د سیاست، ساینس او عقایدو په هکله لیکلی. ده د داروین د پروایز تکامل د نظریې په رد کې هم مهم کتابونه لیکلی.

د ده مستعار نوم د دوویغمبرانو له نامه یعنی هارون اویحیی نه اخستل شوی چې د بې عقیدتۍ په وړاندې یی کلکه مبارزه کړې. د هارون یحیی کتابونه د نړۍ په ډېرو ژبو له هغې ډلې نه په عربي، انګرېزي، فرانسوي، پرتګالي، اردو، فارسي، پښتو، ایتالوي، جرمني، البانوي، روسی، یونانی، ترکی او اندونیزیایي ژباړل شوی.

دده کارونه په نړۍ کې ستایل شوی اود ډېر شمېر خلکو د ایمان راوړلو لامل گرځېدلی .  
د دې لیکوال د کتابونو شمېر دهمدې کتاب تر لیکلو پورې ۱۲۳ علمی اودیني کتابونو ته رسېدلی.

[www.harunyahya.com](http://www.harunyahya.com)

## سپيڅلی قرآن تلپاتې معجزه

(د قرآن کریم اعجاز) د هغه علمي درانه او ارزښتناک اثر نوم دی چې ترکي لیکوال هارون یحیی لیکلی او گران او فاضل ورور محمد شفیق (حقپال) پر پښتو ژباړلی دی.

زموږ پرمحبوب او درانه پیغمبر (ص) را نازل شوی د ستر پالونکي جل جلا له وروستی کتاب (قرآنکریم) په ریښتیني معنا یوه تلپاتې داسې معجزه ده چې د سپيڅلي پیغمبر له رحلت څخه ۱۴ سوه کاله وروسته یې اوس ساینس او تکنالوژي پر حقانیت او ریښتینولي گواهي ورکوي.

(د قرآن کریم اعجاز) د خدای د سپيڅلي کلام په باب د ساینس او تکنالوژۍ پر همدې گواهیو بحث کوي. څه ډول ۱۴ سوه کاله پخوا خدای په خپل برحق کلام کې بشریت ته هدايات را استولي او د کایناتو له رازونو یې خبر ورکړی چې اوس یې ساینس ټکي پر ټکي ریښتیا ثابتوي.

قرآنکریم د ستر پالونکي رب له لوري بشریت ته د لارښوونې او هدایت وروستی کتاب دی چې تر قیامته به د ټولو زمانو او انسانانو لپاره وي ، آیا تر دې بله لویه معجزه کیدای شي چې قرآن د پرون انسان ته هم د وخت او حالاتو سره سم پیغام درلود او نن چې بشریت فضا تسخیر کړې او ساینس حیرانوونکي پرمختګ کړی دی قرآن بیا هم د تلپاتې او روښانه پیغام په توګه د بشریت هرې پوښتنې ، هرې اندیښنې او هرې ستونزې ته مناسب ، معقول او د فهم وړ ځواب او پیغام لري ؟

په دغه درانه اثر کې به لوستونکي د قرآن کریم پر همدې عظمت په زړه پورې بحث لولي ، د فتنو او مادي ځل بل په دغه دوران کې د داسې درانه او ارزښتناک اثر لیکل او دهغو ژباړه ډیر لوی خدمت او معنوي کار دی ، زه یې لیکوال په تیره درانه ورور (حقپال صیب) ته د ژباړې مبارکي وایم او له ستر پروردگار څخه یې قلم لاتاند ، پیاوړی او په همدغسې ارزښتناکو لیکنو بوخت غواړم ، همدغسې درانه لوستونکي ددې سپيڅلي اثر لوستلو ته را بولم تر څو معنوي فیض ترې واخلي.

په مینه اودرنښت

محمد زبیر شفیقي د 1387 لمریز

د تلې 15 مه- کابل

## دښتوژباړن څوڅېړې

عظيم الشان قرآن هغه كتاب دى چې په هكله يې څېړې له انساني فكر او ذهن نه ډېرې اوچتې دى خو بيا هم پوهان دخپل ذهن اوفكر په كچه ددې ستر كتاب په هكله څېړنې ويناوې لري اوله دې پراخ سمندر نه څاڅكى رااخلي اورباړې اچوى .

قرآن دې ته اړتيا نه لري چې علمى اوساينسى پرمختياوې يې يې حقانيت ثابت كړې اوبيا دمنلو ورشى ځكه خپله قرآن برحقه كتاب دى اودكايناتو دخالق كلام دى چې مسلمان بايد هيڅ شك پرې ونه كړي دا قرآن دى چې علمى تاريخى ... وړاندوينې كوي او هغه رد يا تايد وي .

د قرآن متن ، دقرآن بيان د قرآن ترتيب د قرآن هره سوره هرايت هريو دمقطعاتو نوري اوهر ټكى يې اعجازدى . خوارلس پېرې وړاندې په دې وسعت سره كلام چې ديوه نالوستي پيغمبر له لارې نړۍ ته رسول شوى خپله يوه معجزه ده. دقرآن نه منونكى كه قرآن نه مني خو هيڅكله اوپه هيڅ توان سره يې دهغه ديوې څېرې د ردولو توان هم نه لري . دېپلكې په ډول كه قرآن ۱۴ پېرۍ مخكې واى چې (هرنفس دمړينې څښونكى دى بيا تاسو زما لورته راگرځئ). العنكبوت ۵۷

ددې آيت له نزول نه دادى بيا سوونه كاله تير شول اودومره پرمختگونه وشول نه چا مرگ له مېنځه يووړ نه هم داچا ثابته كړاى شوه چې دخداى محاسبې ته ورتلل نشته اونه به په راتلونكي كې علمى پرمختگونه اونه هم پرته له خدايه بل كوم ځواك وتوانېږي چې يا مړېنه ختمه كړي ياهم څوك دخداى (ج) له محاسبې نه وژغورل شي. قرآن داسې معجزه ده چې هريې ايمان كه يوڅه عقل هم ورسره وي بايد ايمان پرې راوړي اوهغه دخپل ژوند لارښود وگرځوى .

د قرآن د علمى ، ساينسى اوتاريخي اونورو اړخونو دويناوو اواروندو برخو روښانول زموږ پوهه دقرآن په اړوند لازياتوى اوددې هراړخيز اوعلمى كتاب عظمت لاهم روښانوى. د"قرآن اعجاز" دهمدغو لېكنو اوڅېړنو يوه بېلگه گڼلى شو چې تركي پوه هارون يحيى ليكلى دى. نوموړى كتاب داكتر فريد آسمند په خپل زيار په درې ژباړلى . كله چې دغه كتاب دژباړن له خوا ماته راكړل شو له لوستلو وروسته ډيرراته په زړه پورې ؤ اوپه خپل ډول كې له نادرو كتابونو نه گڼل كېږي. سره له دې چې دكتاب دليكلو له وخته يوڅه موده تيره شوې هارون يحيى صاحب په هغه كې څه زياتونې هم راوستي چې موږ په دې متن كې هغه ځاى نه كړاى شوې خو بيايې هم همغه پخوانۍ ليكنې ډيرى گټورې اوپه زړه پورې دى ، نو ځكه مې دغه كتاب له فارسۍ نه پښتوته وژباړلو اونږدې يو كال يې په ژباړه اوكمپيټور كولو بوخت وم . خداى د وكړې چې زما دغه هڅه سره له هغو كمزورتياوو چې دژباړې په برخه كې يې شته دښتوژبوويونكو ته گټوره وي اوله دوى نه ددعا غوښتونكى يم. الله (ج) دې موږ ټول دقرآن عظيم الشان رېښتينى لارويان وگرځوى.

په درنښت

**محمد شفيق "حقپال"**

د ۱۴۲۹ ق. كال درمضان المبارک د مېاشتي ۲۷

## د قرآن اعجاز

### سريزه:

څوارلس پيړۍ مخکې الله (ج) قرآن راووليږه ، دغه کتاب انساني عقل د حق لوری ته سيځوی اوتول بشریت ته تعليم ورکوی څوچې د سپېڅلي وحې په ارزښتونو پوه شي. دوحې له وخته تر قيامته پورې به دغه کتاب دانسان د لارښوونې لپاره د يوې بې ساری وسيلې په توگه پاتې شي. په دغه کتاب کې الله (ج) فرمایي:

وَمَا هُوَ إِلَّا ذِكْرٌ لِلْعَالَمِينَ

اونه دی دغه (قرآن) مگر پند لپاره د عالمانو (القلم ۵۲)

له هغه وخته چې قرآن رالېږل شوی د يوې ساده او آسانې ژبې اولهجې نه برخمن دی ، اودتولولپاره دپوهيدووردی. الله (ج) په دې هکله فرمایي:

أَوَلَقَدْ يَسَّرْنَا الْقُرْآنَ لِلذِّكْرِ فَهَلْ مِنْ مُدَكِّرٍ

آسانه موکړ دغه قرآن لپاره د پند اخستلو ، آیا کوم پندمنونکی شته ؟ (القمر ۲۲)

دقرآن دژبې ادبي کمال ، اوبه محتوا کی یی بیساری ښووه اوعالی پوهه ددې ثبوت دی چې دغه دالله کلام دی.

برسیره پردې قرآن په هره کلمه کی داسې معجزې لری چې ثابتوی دا د الله (ج) کلام دی. له هغو څخه دیر شمېر علمی حقایق دی چې په دې سپېڅلی کتاب کی ځای شوی. په دی کتاب کی چې یوزروڅلورسوه کاله مخکې په محمد (ص) باندې نازل شوی دیر شمیر معلومات شته چی په یویشتمه میلادی پيړۍ کې کشف شوی دی.

قرآن د علمی موضوعاتو ترڅنګ ، په اصل کی یو اخلاقی اودمعنوی لارښوونوڅخه ډک کتاب دی. په یوویشتمه پيړۍ کې یواځې یوشمېر علمی معلومات چی قرآن کې موجود و دتکنالوژی په مټ کشف شوی دی ، چې دقرآن شریف دنازلیدو په وخت کې خلکوته لانه و څرګند شوی اوهغوی ته دپوهیدو وړنه وو چې داپه خپله ددې ستر کتاب دحقانیت اوداچي دالله (ج) کتاب دی ثبوت کتل کیږی .

دقرآن عظیم الشان د علمی اعجازدپوهیدلپاره لومړی باید پوه شوچې هغه وخت علم څومره پرمختګ کړی و ، دهغه په پوهیدوسره به موږ ته څرګنده شی چې دغه کتاب څومره څارق العاده او ارزښتناک دی.

په اوومه میلادی پيړۍ کې کله چې قرآنی آیتونه نازلیدل ، د عربو خلک په اوهامواوخرافي خیالونو کی کی غرق ول. دتکنالوژی اودطبیعت د پیژندنې په هکله لږه اونیمګړې پوهه ددی لامل ګرځیدلی وه چې اعراب په هغو تحریف شویو نکلونو اوافسانو ، پرته له پوښتنې باوروکړی چې له مخکې نسلونو څخه دوی ته پاتې وې. دبېلګې په ډول هغوی فکر کاوه چې داغرونه دی چې آسمان یی اوچت ساتلی ، اوغرونه هغه سترې ستنې دی چې آسمان یې لکه دیوه چت غونډې پر ځمکه نیولی دی. په داسې یوه چاپیریال کې قرآن نازل شو ، چې د غفلت اوپې علمی پرخای یی عقیده ، ایمان اوسمی لارښوونې راوړې. دقرآن یو آیت وایی:

اللَّهُ الَّذِي رَفَعَ السَّمَوَاتِ بِغَيْرِ عَمَدٍ تَرَوْنَهَا

الله (ج) هغه ذات دی چې آسمان یی پرته له ستونو پورته کړی . (الرعد ۲)

دغه آیت هغه نظریه چې ګواکې آسمان دغرونو پرستونو ولاردی ردکړه. قرآن له هغو حقیقتونوډک دی چې داسې وخت کې رانښکاره شو چې خلکو یی دپوهیدو لپاره کومه وسیله نه درلوده. قرآن په داسې وخت کې نازل شوی چې خلکو له فزیک ، بیولوژی اونجوم څخه هیڅ کره معلومات نه درلودل . خو دغه کتاب دیکلې په توګه دعالم د جوړښت اوپیداکیډو ، له جنیني حالت څخه بیا ترزړښته پوری دانسان د پیدایښت اوودې ، دځمکې دماحول جوړښت (Atmosphere) ، اوهغه توازن چې دځمکې په سره زموږ دژوندانه ضامن دی معلومات ښکاره اوبیان کړل. دځینو دغو بېلګودتفصیل دپوهیدولپاره راځی چې دغه کتاب ولولو.

## دقرآن کریم علمی معجزې

### دکایناتو یانړۍ پیدایښت

دشلمې پیړۍ ترمنځنیو کلونو پورې په اصطلاح ځینو علمی ټولنو کې داسې انګیرل کیده چې دغه نړۍ لایتناهی اوې پایه دنل لپاره موجوده ده او تل به وجود ولری. ددغې فرضیې پر بنسټ داسې ګڼل کیده چې کاینات ثابت Static Universe دی پیل او پای نه لری.

ددې په پام کې نیولو سره چې نړۍ دثابتو اونه بدلیدونکو موادو ټولګه ده دمدادی فلسفې بنسټ کېښودل شو ، چې په پایله کې دخالق له وجود څخه ددغې فلسفې قبلوونکو انکار وکړ. په داسې حال کې چې په را وروسته موده کې ساینس اوټکنالوژۍ دثابتوکایناتو فرضیه ردکړه.

اوس چې موږ په یوویستمه پېړۍ کې یو اونوي څرګونه زموږ په انتظار کې دی. تراوسه ډیر شمیر تجربې ، څېړنې اومحاسبې دنړۍ دفزیک پوهانو اوڅېړونکو له خوا ترسره شوی اوثابته شوې چې نړۍ یو پیل درلود اوپه لنډه شېبه کې دیوې ځواکمنې چاودنې په پایله کې له هېڅ څخه رامېنځته شوې. برسیره پردې اوس دماټریالیستانو دنظریې پرخلاف دثابته شوی چې دنیا ثابته اومعینه نه ده. پرخلاف ددې نړۍ تل دحرکت ، بدلون اوپراختیا په حال کې ده. داحقیقوتونه نوی موندل شوی چې دمدادی پرستانو دنظریې پرتابوت وروستی میخونه ټکوهی. علمی نړۍ اوس دغه علمی حقیقت منلی دی.

قرآن دکایناتو پیل داسې بیانوي:

بَدِيعَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ

(الله) دخمکې اواسمانونو پیداکونکي دی. (الانعام ۱۰۱).

چې دپوهانو یادې شوی نوې موندنې دقرآن له دغې وینا سره مطابقت لري.

څه ډول چې مخکې وویل شول فزیک پوهان دې پایلې ته رسیدلي چې ټول کاینات له خپلو ټولو مادی اوزماني ابعادو سره دیوې سترې چاودنې په اثر ډیره موده مخکې مینځته راغلی چې دغه پېښه دسترې چاودنې يا Big Bang په نامه یادېږي چې له هېڅ څخه دکایناتو دپیدایښت دنظریې تاییدوونکي ګڼل کېږي.

څه ډول چې ټول پوهان اوس دې موافقې ته رسیدلي چې دغه چاودنه پنځلس میلیارده کاله مخکې له یوه ټکي نه صادره شوی.

اومخکې له دغې سترې چاودنې څخه دمدادې په نوم څښی وجود نه درلود. دنیستی له حالت څخه چې نه مادې نه انرژۍ او ان وخت یا زمان موجود نه ؤ رامنځ ته شول. دغه مسأله چې په دې وروستیو کې څرګنده شوې څوارلس پېړۍ مخکې قرآن یاده کړی.

دامریکې دخلا اوالوتنو ادارې يا NASA په کال ۱۹۹۲ کې په خلا کی دسترې چاودنې پاتې شونې وموندلې. دغه ستر کشف ډیر ښه مدرک دی چې له هېڅ څخه دکایناتو درامنځته کیدوحقیقت روښانوي.

## دکایناتو پراختیا

قرآن څوارلس پېړۍ مخکې چې هغه وخت لادساینس اونجوم پوهې لومړنۍ بڼه درلوده دکایناتود پراختیا په هکله داسې فرمایلي:

وَالسَّمَاءَ بَنَيْنَاهَا يَافَيْدٍ وَإِنَّا لَمُوسِعُونَ

اواسمان مو په خپل قدرت سره ودراره اوهغه ته پراخوالی ورکوو(الذاریات ۴۷).

څه ډول چې په دې آیت کې لیدل کېږي دسماء کلمه چې آسمان ژباړل شوی دقرآن په ډیر ځای کې راغلی. سماء په فضا اوپراخو کایناتو باندې دلالت کوي. اوپه دې ځای کې هم همدا مانا لري. یعنی چې کاینات پراخوالی مومي د(انا لموسعون) کلمه دا مانالري چې (موږچې هغه ته مدام پراخوالی ورکوو). موسعون د وسعه له ریښې څخه اخستل شوې یعنی پراختیا ورکول اودله مانا یعنی ډیر دی. بنا پردې دغه جمله وایی چې: موږ آسمان یاکایناتوته ډیرپراخوالی ورکوو. داهغه پایله ده چې اوسنی پوهان پری پوهیدلی.

دشلمې پېړۍ ترپیله پوهان په دې اند ول چې کاینات ثابت طبیعت لري اوتل موجود دی. په داسې حال کې چې نویوڅېړنو ، شواهدو اومحاسبو دمعاصرې ټکنالوژۍ په مټ دا وښوده چې کایناتو پیل درلودلی اوتل به پراخېږي.

دشلمې پېړۍ په پیل کې روسی فزیک پوه الکساندر فریدمن اوبلجیمي ستوری پیژندوکی جورج لهیتر محاسبه وکړه چې کاینات تل دحرکت اوپراخوالی په حال کې دی. دغه خبرونه اومعلومات د۱۹۲۹ کال په لیدنو اوڅېړنو کې تایید شوي. ادوین هوېل امریکایی ستوری پیژندونکی دتلسکوپ له لاری ولیدل چې ستوری اوکېکشانونه تل یوله بل څخه دلرې کېدو په حال کې وي. چې دغه لیدنه اوڅېړنه دستوری پیژندنې په پوهه کې ستره پرمختیا وه. هوېل ومونده چې دستوروپه مینځ کې دفاصلې په زیاتیدو سره دهغو روښنایی سره کیږي. ځکه چې دنوری فزیک له قانون سره سم هغه نور چې دلیدلو دټکي په لور راځي بنفش رنګ نیسي اوکله چې دلیدو له ټکي څخه فاصله نیسي ډیرسور رنګی کیږي. لنډه داچې دهوېل دمشاهداتو سره سم ستوری اوکېکشانونه هره شېبه یو

له بله دلری کیدو په حال کې دی . هغه نړی چې هرڅه په هغه کې یو له بل څخه لری کیږی داسی نړی . وی چې تل پراخوالی مومی . ددې موضوع د لاروښانتیا لپاره فرض وکړی چې نړی د پوقاني دسطحي په شان ده ، هرڅومره چې دغه پوقانه ډېره پو شی په هماغې کچې یی دسطحي د مخ ټکی یوله بل څخه لرې کیږی . آسماني کړي هم کله چې یوله بل نه لری کیږي نو نړی پراخوالی مومی . دغه موضوع په نظری توگه دشلمې پېړۍ دوتلی پوه البرت انیشتین له خوا کشف شوه ، خو ددې له امله چې دثابتي نړی دنظری پلویان ډیر ول انیشتین په خپلې دغې موندنې ډیر ټینگار ونه کړ ، چې وروسته ده خپله دغه کړنه دخپل ژوندانه یوه ستره تیروتنه وبلله .

دغه موضوع قرآن هغه وخت ښودلی وه چې تلسکوپ او اوسنی ټکنالوژی لانه وه ، داځکه چې قرآن دنول عالم دخالق کلام دی .

### دنړۍ پای اوسترانقباض

څه ډول مو چې مخکې وویل دنړی خلقت له یوې سترې چاودنې پیل شو ، اوله هماغه ټکی نه نړی . تل مخ پر پراخیدو ده . پوهان وایی کله چې دنړی کتله په کافی کچه لویه شی په پای کې به دغه پراخیدنه تمامه شی ، ځکه دثقل قوه به یی په خپل ځان کی داضمحلال سبب شی . عقیده پردی ده چې نړی به دیوه ستر انقباض یا Big Crunch پر مخ درومی ، چې دابه دژوندانه داوسنی خیرې پای وی . اناثا کوش اواندرې لیند دسانفورد پوهنتون فروفیسران داسې لیکي :

نړی به انقباض وکړی اوله مینځه به ولاړه شی ، ټول هغه شیان چې مور یی وینو یا یی نه شو لیدلی هغه به انقباض وکړی اوله پروتون څخه به دیوه کوچنی ټکی په شان شی ، کټ مټ په دی شان به لکه مورچې په یوه تور سوری کې واوسو . دوی وایی چې مور پردی پوه شوو چې انرژي به په تدریجی توگه منفی شی اونړی به دیی ثباتی ، انقباض اوپه پای کی دله مینځه تلو سره مخ شی . فزیک پوهان پوهیږی چې تبار انرژي کولای شی منفی شی اونړی به په یوه لرې راتلونکی کې مضمحله شی . اوس کیدای شی مور دنړی دژوندانه په پیل کې نه بلکې په منځنیو وختو کې واوسو . Big Crunch یا دستر انقباض نظریه وایی هغی نړی چې پراختیا موندلې په چټکی سره به مضمحله شی ترهغو چې خپله ټوله کتله له لاسه ورکړی اوپه یوه واحد ټکی به دلایتناهی کثافت سره واوری . دغه موضوع په پاک قرآن کې داسې راغلې :

يَوْمَ نَطْوِي السَّمَاءَ كَطَيِّ السِّجِلِ لِلْكُتُبِ كَمَا  
بَدَأْنَا أَوَّلَ خَلْقٍ نُعِيدُهُ وَعَدًا عَلِيمًا إِنَّا كُنَّا فَاعِلِينَ

هغه ورځ چې آسمانونه دیوه طومار په شکل تاوراناوکړو اوهغه لومړنی حالت ته به یی راوگرځوو چی لومړی ځل مو پیداکړی وو دغه وعده ده چې سرته به یی ورسوو . (الانبیاء ۱۰۴) .

وَالْأَرْضُ جَمِيعًا قَبْضَتُهُ يَوْمَ الْقِيَمَةِ وَالسَّمَوَاتُ مَطْوِيَّاتٌ بِيَمِينِهِ

اوپه یو بل آیت کی داسې ویل شوی: دقیامت په ورځ به ځمکه دده په قبضه کی وی اوآسمانونه به تاوراناو دده په ښی لاس کی وی . (الزمر ۶۷) .

Big Crunch د فرضیې مطابق نړی . په تدریجی ډول اوپه کراره مضمحله کیږی اوشاته درومی . په پای کی به نړی دیوه لایتناهی کثافت درولودونکی شی اوپی حده به توده اوکوچنی شی . دساینس دغه فرضیه له قرانی توضیحاتو سره مطابقت لری .

## له تاوده لوګی نه خلقت

نن پوهان کولای چې له سرو اوګرمو وریځونه دستورو جوړیدل ووينی. دغه راز نړۍ هم له دکازاتو له یوې ګرمې کتلې څخه جوړه شوې چې قران کریم دپوهانو دغه کشف تاییدوی. اوکله یی چې آسمانونو ته پام وکړ لوګی و. (فصلت ۱۱).

لوګی ته په عربی کی دخان وایی چې په دغه آیت کی سور لوګی عالم ته ویل شوی. دغه مسأله په قرآن کی په یوه کلمه کی تشریح شوی ده ، ځکه چې لوګی دیوې حرارت لرونکی گاز کتله وی چې یوله بل سره تړلو کوچنیو ذرونه جوړشوی. په دغه ځای کې قرآن د عربی ډیره ښه کلمه دکایناتو دهغه پړاو دجوړیدو لپاره کارولې. باید یادونه وشي چې یواځې په شلمه پیړۍ کې پوهان په دې

ثُمَّ أَسْتَوَىٰ إِلَى السَّمَاءِ وَهِيَ دُخَانٌ

وپوهیدل چې نړۍ له تودوخې لرونکو گازونو څخه دلوګی په شکل جوړه شوې. چې دغه معلومات دقرآن له معجزو څخه شمېرل کیږی.

## دځمکې اوآسمانونو جلا کیدل

دآسمانونو دجوړیدو په هکله یو بل آیت داسې وایی:

أَوَلَمْ يَرِ الْذِّينَ كَفَرُوا أَنَّا السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ كَانَتَا رَتْقًا فَفَتَقْنَاهُمَا وَجَعَلْنَا  
مِنَ الْمَاءِ كُلَّ شَيْءٍ حَيٍّ أَفَلَا يُؤْمِنُونَ

آیا کافرانو ونه لیدل چې آسمانونه اوځمکه سره تړلی وو ، هغه مو پرانستل اوسره جلاموګړل اوله اوبو نه مو هرڅه راژوندی کړل ، بیا نو ولی ایمان نه راوړی.

(الانبیا ۳۰)

د "رتق" کلمه چې یوله بل سره دګندلی مانا ورکوی په عربی سیمه یزه ژبه کی دګډ یا مخلوط په مانا هم کارېږی. فتقه چې عربی کلمه ده دیو له بله دشلیدو اودهغو څیزونو تخریب چې یو له بل سره ګندلی وی اویا هم له ځمکې څخه دخوانکی دسروولو په مانا هم کارېږی.

اوس بیا که دی آیت ته څیر شو مانا داسی ده چې ځمکه او آسمانونه یو له بل سره تړلی یا ګندلی وو اوهغوی مو له یو بل نه بیل کړل. په همدغه ترتیب دپوهانو نظرداسې دی چې لومړی ټوله نړۍ یو ټکی وه ، یعنی چې ځمکه آوسمانونه ټول په یوه حال یوپه بل کی نغښتی وو اووروسته دغو ټکو ستره جاونده وکړه اوتوتی یی یوله بله جلا شوې.

## دهغه څه

په قرآن کریم کې ډیر داسې آیتونه شته چې دځمکې آسمانونو اوهغه څه. چې دهغو په مینځ کی دی هغه بیانوی.

لَهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا وَمَا تَحْتَ الثَّرَى

(طه ۶).

هرڅه چې په آسمانونو اوځمکه اودهغوی په مینځ کی اودخاورو لاندی موجود دی ټول دهغه ملک دی.

پوهان وایی چې لومړی دهغه ګرم لوګی کتله مخ په زیاتیدوشوه. وروسته دغه کتله ټوټه ټوټه شوه چې آسمانی اجسام ، ستوری اوسیاری یی جوړې کړې. په بل عبارت ځمکه اوستوری ټول هغه ټوټې دی چې د گازونو له یوې واحدې کتلې څخه مینځته راغلی. ځینې دغه ټوټې په لمر اوستورو بدل شول اوپه دی ترتیب سره شمسی منظومې اوکهکشانونه مینځته راغلل. دویش په بهیر کې یوشمېر اضافه ذرو چې نوې له دغو جسمونو نه جوړې شوې وې فضایی جوړه کړه. پوهانو دغه اضافی ذرې دستورو اوکهکشانو په مینځ کی ماده یاده کړه. دغه ماده له شپیتو په سلو کې هایدروجن ، اته دیرش په سلوکې هلیوم اودوه په سلوکې نوروڅېړنونه جوړه شوې. نهه نوی په سلوکې دغه ماده گاز اویو په سلوکې هغه ګرد دی چې دجامداتو له ورو زرو نه چې قطر یی یو پرزرو تر لس زروملی متره ده جوړشوی.

دغه ذرې دومره ورې دې چې د لوکي یا کارو په څیر لیدل کیږي. خو کله چې په بشپړه توګه ولیدل شي په فضا کې دټولو کهکشانونو د لویې کتلې استازیتوب کوي. د کهکشانونو په مینځ کې ماده په کال ۱۹۲۰ کې کشف شوه خو موجودیت یې په سلګونو کاله مخکې عظیم الشان قران بیان کړی.

## د داروین د تکامل د نظریې تیروتنه

قرانکریم د موجوداتو آنی خلقت له هېڅ نه په لاندې آیتونو کې روښانوي:

آل عمران 47، مریم 35، البقره 117، نحل 40، یس 82 و غافر 68:

إِنَّمَا أَمْرُهُ إِذَا أَرَادَ شَيْئًا أَنْ يَقُولَ لَهُ كُنْ فَيَكُونُ

کله چې د یو شې اراده وکړي وایې چې وشه بیا کیږي. (یس ۸۲)

د داروین د فرضیې پربنا ، حیات د پرله پسې پیښو له کبله خود په خوده تکامل موندلی. اود ژونديو موجوداتو تکامل له ساده شکلونو نه پیچلو شکلونو ته صورت نیولی. اصلی پوښتنه دلته ده چې چې آیا ژوندی موجودات په اتفاقي توګه د یو ساده طبیعي بهیر له لارې مینځ ته راغلي اویا دا چې دهغوی وجود د یوه پوه اوباخبره خلقت له لوری شوی؟

د تکامل نظریه ادعا کوي چې پې سا شیان د ډیرو پیښو په پایله کې د یو بل ترڅنګ راټول شوی اویا په بل ګام کې د تصادفاتو په پایله کې د طبیعي پیښو تر اغیز لاندې لومړی د حیات یا ژوند اصلی اوبنسټیزې ستنې اویا خپله حیات یې مینځته راوړی. په دې ډول زمان یا وخت ، ماده او اتفاقونه د جوړونکي ځواک په توګه پېژندل شوي. د تصادف او اتفاق لید لوری چې د تکامل یا بشپړیدو په نظریه کې مطرح شوی د علم اویوې له خوا مردود ګڼل شوی. عملی موندنې له دغې ادعا سره په ښکاره تضاد کې دي چې وایې حیات د پرله پسې اتفاقاتو په نتیجه کې د طبیعي عواملو تر اغیزې لاندې رامینځته شوی. ځکه نن د ژونديو موجوداتو په مینځ کې داسې بیلګې شته چې د پېچلې جوړښت لری ، اوان چې یو حجره لرونکی موجودات هم حیرانوونکی اویپچلی جوړښت لری چې د اتفاق له مفهوم سره په بشپړه توګه تناقض لری.

هغه څارنکي العاده جوړښت او طراحي چې په ژونديو موجوداتو کې لیدل کیږي ، په ښکاره توګه داجوتوی چې ټول ژوند د یو ستر شعور له لوری چې همغه عالم اوکامل الله (ج) دی خلق شوی. آیا ژوندی موجودات په احتمالي توګه کیدای شي چې یو له بله مینځته راغلي وي؟ نه هېڅکله هم داسې نه ده. علمی معلومات په تېره بیا فوسیلی موندنې او پرتلیزه اناتومی په بشپړه توګه ددې خبرې خلاف ده. په حقیقت کې هېڅ د ډاډ وړ دلیل ددې په اړه چې د بشپړتیا بهیر دځمکې په مخ اتفاقي ده وجود نه لری. فوسیلی موندنې داجوتوی چې د ژوو بیلابیل ډولونه د تکامل له لارې قدم قدم په یو اوبل نه دی اوښتي بلکې ټول دغه ډولونه په بشپړه توګه له یو بل څخه بیل او پرته له کومې ګډې لرغونتیا په یوځلې دخپلو ځانګړو جوړښتونو سره مینځته راغلي. نه الوتونکي له خوزیدونکو څخه مینځته راغلي اونه هم دوجې اوسیدونکي ژوی د ګبانو د تکامل له لارې مینځته راغلي. هر یو ژوی په بیل ډول اوله خپلو ځانګړو اوانفرادي نښانو او ځانګړتیاو سره پیدا شوی ، چې ان ددغې نظریې یعنې د تکامل د نظریې ډیرو نومیالیو پلویانو هم دغه علمی واقعیت منلی اودوی ارشوی چې هغه دخلقت لپاره د شاهد په توګه په رسمیت وپېژنی.

مارک چارنکی د تکامل د نظریې پلوی اولرغون پېژندوکی وایې چې : د تکامل د نظریې د اثبات وړاندې ستره مانع فوسیلی موندنې دي. په دغو موندنو کې د داروین د نظریې هېڅ یوه تاییدونکي بیلګه نه لیدل کیږي. د ژوو ډولونه په نابېره توګه مینځ ته راځي اوهم په نابېره توګه له مینځه ځي.

هغه پرمختګونه او اوموندنې چې په وروستيو ۵۰ کلونو کې په تېره بیا دلرغون پیژندنې ، میکرو لوی ، جنیتیک اود اناتومی په برخه کې شوي ددې څرګندویي کوي چې د تکامل په اصطلاح نظریه سمه نه ده. ژوندی موجودات په نني بڼه او له یو بله څخه په جلا توګه دځمکې په سره څرګند شوي. الله (ج) هریو دغه ژوندی موجودات د((کن فیکون)) په امر په جلا جلا توګه پیدا کړي اودایو قطعی او څرګند حقیقت دی.

## په نړۍ کې مطلق تعادل

اَللّٰهُ خَلَقَ سَبْعَ سَمَوٰتٍ طَبَاقًا مَّا تَرٰی فِيْ خَلْقِ الرَّحْمٰنِ مِنْ تَفَوُّتٍ فَارْجِعِ الْبَصَرَ هَلْ تَرٰی مِنْ فُتُوْرٍ

هغه چې اووه آسمانه يې له منظمو پورو سره پېداکړل. په څېر سره ووينه چې آيا درحمن رب په خلقت کې به کومه بې نظمۍ اونقصان ومومي؟ (الملك ۳).

په مېليونونو ستوري اوکېکشانونه ددنيا دمطلق تعادل په حال کې په خپل تکلوري کې خوځنده دي. ستوري ، سياري ، سپوږمۍ نه يواځې په خپل ځان راڅرخي بلکې يو ځای له يوبل سره دداسې يو سيستم په شاوخوا څرخي چې دهغه برخه گنل کېږي.

کله هم له سلونه تر درې سوو ميليارډو پوري ستوري په متقاطع مسيرونو کې په حرکت کې وي. خو سره له هغه هم د حيرانتيا خبره دا ده چې هيڅ ټکر ددوی په مينځ کې چې دعالم دتخريب سبب شي نه واقع کېږي. داهغه ستره معجزه ده چې کولای شو موږ يې بيان کړو.

په نړۍ کې دچټکتيا يا سرعت مفهوم ډير له هغه څه نه پراخ دی چې دځمکنيو مقباسونو په واسطه اندازه شي. ستوري ، سياري اوکېکشانونه چې په زرگونو ميليارده ټنه دروندوالي لري په فوق العاده چټکتيا سره په فضا کې په خوځښت کې دي.

لکه ځمکه چې ۱۶۷۰ کيلومتره په ساعت کې راڅرخي. په داسې حال کې چې هغه ډيره چټکه مرمۍ چې تر دې دمه جوړه شوی ۱۸۰۰ کيلومتره په ساعت کې چټکوالی لري. دځمکې دحجم اوکټلې دلوۍ والی سره سره وينو چې هغه په چټکۍ سره خوځښت لري.

دلهر په شاوخوا دځمکې راڅرخيدل شپېته ځلې دمرمۍ له چټکتيا نه زيات دی يعنې ۱۰۸۰۰۰ کيلومتره په ساعت کې. که په دی چټکتيا سره مو کوم موټر جوړولای شوای په دوه ويشت دقيقو کې به دځمکې په شاوخوا راڅرخيده.

په لمر پوري تړلی ارقام لانور خارق العاده دي. دشمسې منظومۍ چټکتيا زموږ له تصور نه اوچته ده. هرڅومره چې يو ه منظومه لويه وي په همغه کچه ډيره چټکتيا لري. دشمسې منظومۍ چټکتيا دکېکشان په مدار کې ۷۲۰۰۰۰ کيلومتره په ساعت کې ده. دشپږې لاری دکېکشان چې څه ناڅه له دوو سوو ميليارډو ستورو نه جوړشوی ۹۵۰۰۰۰ کيلومتره په ساعت کې حرکت لري.

په داسې يوه مغلق اوچتک سيستم کې دتصادم اوټکر احتمال ډير زيات دی ، خو هيڅ داسې ټکر چې ددوی د نه پاييدو سبب شي صورت نه دی نيولی اوپه اصطلاح خپل کرار ژوندته دوام ورکوي. ځکه په نړۍ کې هرڅه دمطلق تعادل په حال کې فعاليت کوي چې هغه الله (ج) تنظيم کړی دی. اوڅه ډول چې په مبارک آيت کې لولوپه خلقت کې هيڅ ډول اختلاف موجود نه دی.

## په نړۍ کې لطيف ميزان

بيا هم دالملك سورې ۳ آيت ته پام کوو چې وايي: هغه چې اووه آسمانه يې له منظمو پورو سره پيدا کړل. په څېر سره ووينه چې آيا درحمن رب په خلقت کې به کومه بې نظمی اونقصان ومومي؟

برسيره پردې:

وَحَلَقَ كُلَّ شَيْءٍ فَقَدْ رَمَقْنَاهُ

ټول موجودات يې پيدا کړل اوپه خپل کامل حکمت سره يې دهرڅه لپاره حد اوقدر ټاکلی (الفرقان ۲).

دماترياليزم فلسفي ادعا وکړه چې ټول سيستمونه په طبيعت اونړۍ کې لکه اتومات ماشينونه کارکوي ودهغوی نظم يوه تصادفي پديده ده. په داسې حال کې چې نن دماترياليزم دروغجن طبيعت اودداروين فرضيه علماً ناسمه ثابته شوې ده.

دنجوم اوبيولوژي په علم کې دشلمې پېړۍ موندنو وښوده چې نړۍ اوحيات دواړه پيداشوی دي. داروين فرضيه شاته ولاړه او دسترې چاودنې فرضيې ثابته کړه چې نړۍ له هيڅ نه پيدا شوې. وروستيو موندنو وښوده چې په مادي نړۍ کې يو لطيف توازن شته چې دماترياليسم بې بنسټه طبيعت اوفلسفه ردوي.

دژوندانه لپاره دلازمو شرايطو دليدو په خاطر وينو چې يواځې ځمکه ددی شرايطو درلودونکې ده. دحيات دبقا لپاره بيشماره شرايط ضروري دي چې په يو وخت کې اوپرته له وقفې نه صورت نيسي. په داسې حال کې چې په سل گونه ميليارده کېکشانونه اوپه هريوه کې په منځنۍ توگه سل ميليارده ستوري موجود دي اوپه احتمالي توگه په همدغه شمېر ستوري هم موجود دي. پس بايد دې ته څير شو چې ولې په استثنایي ډول يواځې په ځمکه کې دژوند شرايط چمتوشوی دي.

هرڅه چې په نړۍ کې شته زموږ دژوندانه شرايط يې برابر کړي ، له لومړنۍ يا سترې چاودنې نه ديوه اتم ترفيزيکي ارزښتونو پوري ، داساسی قووله څلورمې سويې نه دستوروپه مينځ کې تر کيمياوي تعامله پوري ، دهغه نورنه نيولی چې له لمر څخه خبرپېري دابو دغلظت تر درجې پوري ، دسپوږمۍ اوځمکې په مينځ کې له واټنه تر هغو گازونو پوري چې دځمکې په سر شته ، دځمکې د مدارڅخه چې د لمر په شاوخوا راڅرخي تر هغې زاويې پوري چې هغه پرې راتاوپېري ، دځمکې ددوراني سرعت څخه چې په خپل ځان راڅرخي دغرونو اوسمندرونو تر فعاليتنه پوري ، اونورو ټولو زموږ دژوندانه شرايط برابر کړي دي.

ننې ساينس دغه ټول دانسانې اصل اولطيف ميزان په توگه مطالعه کوي. دغه مفاهيم ددې ښکارندوي دی چې نړۍ دموادو يو تصادفي ، بې هدفه اوله کنټروله وتلی پدیده نه ده بلکې ټوله په يوه ځانگړی دقت سره دانسان دژوند لپاره جوړه شوی ده.

په پورته یاد شوی مبارک آيت کې دخلقت دهماهنکې اودقدر يا ټاکلې اندازې موضوع په هکله پاملرنه وکړی چې دتقدير کلمه يعنې طرح ، اندازه اوله اندازه نيونې سره جوړونه په دغه آيت اوپه نورو آيتونو لکه دالفرقان دوهم آيت کې ذکرشوی.

دطابقا کلمه يعنی په نظم اوهماهنکې کې دالمک دسورې په دريم اونوح دسورې په پنځلسمو آيتونو کې کارول شوی اودتفاوت کلمه يعنې دعدم توافق اوپې نظمې ، نقصان ، مخالفت اوتخريب په مانا ده.

دلطيف ميزان يا Fine Tuning چې دشلمې پېړۍ په پای کې کارول شوی داحقيقت لانورهم روښانوي. په دې وروستيو کې يو شمېر زياتو پوهانو ،ليکوالانو اودنظرخواندانو روښانه کړې چې نړۍ دتصادفاتو يو ه ټولگه نه ده. بلکې هرڅه ديوه منظمې طرحې له لارې کارکوي چې دانسان دژوند شرايط يې چمتو کړی.

ډاکتر کارل گيرسن چې يو فزيکپوه دی وايي: په ۱۹۶۰ کال کې فزيک پوهان په دی پوه شول چې نړۍ دانسان دبقا لپاره په ډيرلطافت سره ميزان شوی.

انگريزي ستوري پېژندونکې پروفيسور جورج اليس وايي: دقوانينو په مينځ کې حيرانوونکې لطيف توازن ددې نړۍ مېنځته راتلل ممکن کړی دی. دديرې پېچلتيا دکچې په پوهيدو سره هغه څه چې سرته رسيدلی ډيره ستونزمنه ده چې دنړۍ هستی ته يوه معجزه ونه وايو.

وَلِلّٰهِ مَا فِي السَّمٰوٰتِ وَمَا فِي الْاَرْضِ وَإِلَى اللّٰهِ تُرْجَعُ الْأُمُورُ

اوالله ته دی هغه څه چې په ځمکه اوآسمانونو کی دی. اوتولې چارې به الله ته وړاندې کېږی. (آل عمران ۱۰۹).

## دسترې چاودنې چټکتيا

هغه توانمندۍ چې دسترې چاودنې نه رامینځته شوې او هم دنړۍ آنی جوړښت دثابتي چې دعالم پيدايښت تصادفي نه دی. دنوميالی فزيکپوه پال ديويس دويما مطابق که چيرې هغه اتساعي چټکتيا چې له سترې چاودنې څخه وروسته رامینځته شوه ديو پرمليارد ميليارد په اندازه (۱/۱۰<sup>۸</sup>) بدلون ومومي نړۍ به مينځته نه وای راغلې.

ستيفن هاگين وايي که دغه دقيقوالي دنړۍ په اتساعي چټکتيا کې که چيرې ديو په سلو زروميلیونو په اندازه هم لږ وای نړۍ به مضحله شوی وای اوخپل اوسنی جسامت ته به نه وای رسيدلې.

### څلورگونۍ قوې:

په نړۍ کې ټول خوځښتونه دڅلورو قوو دتوازن اوکړنې مرهونه دی چې دمعاصر فزيک له خوا تثبیت شوی:

۱- دثقل قوه ۲-الکترومقناطیسی قوه ۳- ځواکمنه هستوی قوه

۴- کمزوری هستوی قوه چې دانول بوله بله جلا ارزښتونه لری. دبیولوژی نوميالی پوه مالیکولی ددې څلورو قوو په مينځ کې فوق العاده توازن په لاندې ډول بيانوي:

ديبلکې په ډول که دثقل قوه زر ميليارده واری قوی وای په هغه صورت کې به نړۍ ډيره کوچنۍ اودژوندانه موده به ډيره لنډه وای. په منځنۍ توگه به هرستوری زر ميليارده واري له لمر نه کوچنی وای اويواخي يو کال به يې عمر درلودلای. له بل پلوه که دثقل قوه کمزوری وای ، هيڅ يوکهکشانی ستوری به نه وای جوړشوی ، دغه راز نورې قوې هم ارزښتناکه دی ، که چيرې ځواکمنې قوې لږ کمزورې وای يواځنی ثابت موجود به هايډروجن وای اونورعنصرونه به موجود نه وای.که چيرې له الکترومقناطیسی قوی څخه لږ قوی وای ، په هغه صورت کې به داتومونو هستو يواخي دوه پروتونه درلودلای يعنې هايډروجن به په نړۍ کې وجود نه درلودلای. ستوری اوکهکشانونه به څه ډول چې اوس دی هسې به نه وای. په ښکاره توگه که چيرې يوې له دغو قوو څخه خپله دقيقه کچه نه درلودلای نه به کوم ستوری نه به کهکشان نه به اتوم اونه به ژوند وجود درلودلای.

## دآسمانی جسمونو په مينځ کې واټن

په ځلاکي دآسماني جسمونو توزيع اوددوی په مینځ کي سترواتن دځمکي دوجود لپاره ډیر اړین دی. دآسماني جسمونو په مینځ کي واټن داسې حساب شوی چې څو ځواکمني قوي دځمکي په سر ژوند تأمینوی. مایکل دنتن دستور واثواقبو په مینځ کي دواټن په هکله وایی: ((دثواقبو اوستورو ترمنځ واټن ډیر ارزښتناک دی. زموږ په کهکشان کي دستور ترمنځ واټن دیرش میلیونه میله دی ، که دغه واټن لږ څه هم لږ څه هم لږ وای دستورمدارنو یوله بل سره لگیدل. اوکه دغه واټن لږ څه ډیر وای ثواقب به داسی خپریدل چې دځمکي غونډې سیارې جوړیدلای نه شوې. نو دثواقبو وړانگې اوځلا په یوه دقیق نظم اوتاکنونونو باید ترسره شی څوچې دژوند بهیر جاری پاتې شی.))

### دثقل قوه:

که دثقل قوه لږ څه ځواکمنه وای ، دځمکي په سربه ډیر میتان اواومونیا راټول شوی وای چې ژوند به یی ناممکن کړی وای.

### دځمکي اولمر په مینځ کي واټن:

دغه واټن که لږ څه ډیر وای ځمکه به ډیره سړه وای ، داوبو دوران به له مینځه تللی وای اوتولې به کنکل شوې وای. اوکه چېرې ځمکه په ډیره لږه کچه لمر ته نږدې وای نوهرڅه به سوزیدلی وای.

### دځمکي دیوش پرېوالی:

که دځمکي باندنی پوښ لږ څه پرېر وای له ځلانه به یی ډیراکسیجن ځان ته جذب کړی وای . اوکه چېرې دځمکي باندنی پوښ لږ څه نازک وای نو اورغورځونې به ژوند دځمکي په سر ناممکنه کړی وای.

### دځمکي دخرخیدو چټکتیا:

که چېرې دځمکي پر ځان راخرخیدنې چټکتیا لږ څه لږ وای دشپې اوورځې په مینځ کي به دتودوخې درجې ډیر توپیر درلودلای اوکه چېرې لږ څه هم دغه چټکتیا ډیره وای نو دبادوونو چټکتیا به دومره ډیره وای چې توپانو اوپرېوکیو به ژوند ناممکنه کړی وای.

### دځمکي مقناطیسی ساحه:

که چېرې دځمکي مقناطیسی ساحه لږ څه ځواکمنه وای نو ستر الکترومقناطیسی توپانونه به رامینځته شوی وای. اوکه چېرې دغه ساحه لږ څه کمزورې وای ځمکي به دهغو مضره ذراتو په وړاندې چې له لمر څخه خپرېږی خپل محافظت له لاسه ورکړی وای. چې په دواړوصورتونو کي به ژوند ناممکنه شوی وای.

### د البډو اغیزه Albedo Effect:

دالبډواغیزه دهغې روښنایی دکچې داندول یاتناسب څخه عبارت دی چې دځمکي له لاری جذبېږی اوانعکاس ورکول کیږی.که دغه تناسب لږ څه ډیر وی هرڅه به کنکل شوی وای اوکه یوڅه لږ وای نو هغه ټولې واورې اویخونه چې پر ځمکه شته ویلی شوی به وای اوهرڅه به یی لاندې کړی وای اوروسته به هرڅه سوخیدلی وای.

### پرځمکه داکسیجن او نایتروجن په مینځ کي اندول:

که دغه اندول ډیر وای نو دژوند فعالیت به ډیر چټک وای اوکه لږ وای دژوند فعالیت به ډیر سست وای.

### دځمکي پر سر دکاربن ډای اکساید اواوبو په مینځ کي اندول:

که چېرې دغه اندول ډیر وای هوا به ډیره توده وای اوکه چېرې لږ وای نو هوا به ډیره سړه وای.

### داوزون دیورپرېوالی:

که چېرې داوزن دیورپرېوالی ډیر وای دځمکي تودوخه به ډیر لږ وای ، اوکه دغه پرېوالی لږ وای نو دځمکي تودوخه به ډیره زیاته شوی وای اودلمر دزیان لرونکو وړانگوڅخه به هم مخنیوی نه شوای کیدلای.

**زلزله:**

که چېرې زلزلې اودځمکې ښویدنې پېښې ډیری وای ځمکه به تل دښوریدو په حال کې وای اوکه چېرې لږې وای نو په سمندرونو کې به ژووې له خوراکي توکوڅخه محرومه پاتی شوی وای اوله مینځه به تللی وای اوله دی سره به دهغو ژوو لپاره دخوړو دتوکوکمښت رامېنځته شوی وای چې هغوی له سمندری خوړو نه گټه اخلي.

**دځمکې د انحنأ زاویه**

ځمکه دخپل مدار پر سر د۲۳ درجو زاویې په اندازه خمه شوی ده. چې داکروپوالي دموسومونو دجوړیدولامل گرځي . که چېرې دغې انحنأ لږ څه توپیر درلودلای ددوی تودوخه اودژمی ساره به له زغم څخه وتلی وای.

**دلیر حسامت:**

کوچنی لمر به دځمکې دکنکړ وهلو لامل گرځیدلای وای اوکه لوی وای دسوخیدولامل به گرځیدلای وای.

**دلیراوسپوړمی به مینځ کی دراکښلووقوه**

که دغه قوه لږ څه ډیره وای ، دځمکې پر حرکت اودسمندرونو په جزرومد باندې به یی ژورې اغیزی ایښې وای ، اوکه دغه قوه لږه وای دځمکې پر تودوخه به یی ژورې اغیزی کړی وای چې دانسان ژوند به کې ناممکنه وای.

**دځمکې اوسپوړمی به مینځ کې واټن:**

که دغه واټن لږ څه لږ وای سپوړمی به لمر ته جذبه شوی وای اوله ځمکې سره به یی ټکر کړی وای اوکه دغه واټن ډیر وای نو سپوړمی به په خلا کې سرگردانه وای اوله ځمکې څخه به بیله شوی وای. حتی که ډیر لږ هم دځمکې اوسپوړمی په مینځ کې واټن فرق کړی وای دډیرو خطرلرونکو جذراو د لامل به گرځیدلای وای اودځمکې ټولې ټیټې سطحې به تراوبو لاندې شوی وای . دسمندرونو دتودوخې درجه به لوړه شوې وای اوهغه ژوی چې هلته دی هغه به له مینځه تللی وای.

إِنِّ فِي خَلْقِ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَآخْتِلَافِ أَيْدِيهِ وَالنَّهَارِ لَآيَاتٍ لِّأُولِي الْأَلْبَابِ

دځمکې اواسمانونو په پیدایښت کې اودشپې اوورځې په تفاوت کې دپوهې دځاوندانو لپاره روښانه دلیونه شته (آل عمران ۱۹۰).

**دځمکې دتودوخې درجه اودکاربن له برکته ژوند:**

دکاربن شته والی چې دټولو ژوو اساس یا بنسټ جوړوی دځمکې دتودوخې له ټاکل شوې درجې سره اړیکه لری ، کاربن دعضوی مالیکولونو لپاره حتمی برخه ده چې دژوندانه بنسټ جوړوی. نو له همدې کبله دځمکې تودوخه باید یواځې اویواځې همداوسنی حالت ولری.

هغه څه مو چې تراوسه وویل هغه یواځې یو لږ څه اړین توازنونه دی چې دژوندانه ددوام لپاره اړین گڼل کیږی اوتول داچوتوی چی دایدایښت یا خلقت دتصادف پربنا نه دی.

وَلِلَّهِ مُلْكُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَاللَّهُ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ

الله (ج) داسمانونو اوځمکې خاوند دی او الله (ج) پر هرڅه توان لری . (آل عمران ۱۸۹).

**دستورو ، لمر اوسپوړمی په مینځ کې دجوړښت توپیر**

اولمر مو لکه روښانه څراغ وگرځاوه (النباء ۱۳)

وَجَعَلْنَا سِرَاجًا وَهَّاجًا

څه ډول چې څرګنده ده په شمسي ټولګه کې يواځې روښانه سرچينه لېږدی. دټکنالوژۍ په پرمختګ سره ستوری پېژندونکي په دې پوه شول چې سپوږمۍ دنورسرجينه نه ده اوخپله روښنايي له لمرڅخه ترلاسه کوي. اودسراج کلمه دڅراغ په مانا کتايه ده له لمرڅخه چې دروښنايي اوتودڅې سرچينه ده. الله (ج) په قرآنکريم کې دلهر ،سپوږمۍ اوستورو لپاره ييلابيلې کلمې کارولي.اوپه دې توګه يې آسماني جوړښتونو کې توپير روښانه کړی.

اوسپوږمۍ يې نور اولمر يې روښانه څراغ وګرځاوه. (نوح ۱۶).

په دغه آيت کې د "نور" کلمه دسپوږمۍ لپاره کارول شوې اود "سراج" يا څراغ کلمه دلهر لپاره. دسپوږمۍ ستايل په روښانه نور انعکاس موندونکي اوبې حرکت شوی اولمر يې په داسې توګه ښوولي اوستايلي لکه چې يوڅه سوزی .

وَجَعَلَ الْقَمَرَ فِيهِنَّ نُورًا وَجَعَلَ الشَّمْسُ سِرَاجًا

اوتل د روښنايي سرچينه وی. برسیره پردې دستوری لپاره دنجم عربي لغت کارول شوی چې دظاهريدونکي يا ښکاره کيدونکي مانا لری . بل لغت چې دستوری لپاره

کارول شوی ثاقب دی چې په خپله د سوزيدونکي څيز مانا لری ، چې دتبارو روښانوونکي اوخليدونکي هم کتل کيدای شی.

### النَّجْمُ الثَّاقِبُ

هغه ځلیدونکي ستوری چې په تیارو کې ځلیری . (الطارق ۳).

په اوسني زمانه کې موږ پوهیږو چې سپوږمۍ له ځانه نور نه لری اوخپل نور له لمر څخه اخلي چې دسپوږمۍ په سر لویږی اوبیا هغه ته انعکاس ورکوي. اوهم پوهیږو چې لمر اوستوری خپله له خپل ځانه نور ورکوي . دغه موضوع کانې داسې وخت کې قرآن یادې کړی چې انسانانو ددې مسألې دپوهیدو لپاره څه په لاس کې نه درلودل.

### مدارونه اوڅرخیدونکي نړۍ

دنړۍ دتعادل یو مهم دلیل په ټاکل شوو لوړو دآسماني جسمونو خوځښت دی . ستوری اوسپوږمۍ ټول په خپل محور او له هغه سیستم سره چې دوی په کې قرار لری. راڅرخي. نړۍ له یوه لطیف توازن سره تل خوځښت لری ، کټ مټ لکه دیو ماشین څرخ.

په نړۍ کې دلیدو وړ له سلو میلیاردو ډیر کهکشانونه شته چې هرکوکچنی کهکشان په ځان کې میلیاردونه ستوری لری اولوی کهکشان له زرو میلیاردو زیات ستوری لری . ډیری دغه ستوری ځانته سیاری لری اوسیاری یې بیا سپوږمکۍ لری. آسماني جسمونه ډیر دقیق محاسبه شوی مدارونه او لوری وهی. اوبه میلیویونو کلونو په دغه لاره کې له نقصانه پرته اوپرته له دې چې په توازن کې یې څه بدلون راشی خوځښت لری. برسیره پردې ډیر شمېر لکۍ لرونکي ستوری هم په خپل ټاکلي لوړخوځنده دی.

مسپرونه یا تګلوری څو آسماني جسمونو ته نه وی محدود شوی ، لمریزه منظومه اونورکهکشانونه دنورو کهکشانونو په شاوخواهم راڅرخي. هرکال لمریزه منظومه اونورکهکشانونه له ځمکې سره یوځای پنځه سوه کیلومتره له خپل پخواني ځای نه ییځایه کیږی. له دې نه څرګندیږي چې له اصلی لوری نه ډیر لږ اوښتون دنړۍ دپای سبب کیدای شی. دیلکې په توګه که چېرې ځمکه له خپل اصلی تګلوری نه یواځې دری ملی متره انحراف وکړی ډیرې بدې پایلې به ولری . ځمکه دلهر په شاوخواکې دخوځښت په وخت کې وروسته له هرو اتلسو میلو نه ۸، ۲ ملی متره له مستقیمې کرښې نه انحراف کوی څو چې یو بیضوی تګلوری ووهی ، که چېرې دغه انحراف ۳ ملی متره شی دتباهی لامل به شی. ان که دغه کوږوالی ددوه اعشاریه اتو پرځای دوه نیم ملی متره هم شی دځمکې دڅرخیدو مدار به ډیر لوی شی او ټول به ساړه ووهی. که انحراف یا کوږوالی له درې ملی مترو نه ډیر شی ټول ژوی به وسوځي اومره به شی . قرآن په خپل محور باندی دآسماني جسمونو خوځښت تاییدوی.

وَالسَّمَاءَ ذَاتِ الرَّجْعِ

قسم پر هغه آسمان چې راګرځیدونکي دی. (الطارق ۱۱)

دقران دنارلیدو په وخت کې خو ټکنالوژی دی حد کې نه وه چې ټول جسمونه چې یوله بل نه لری ول وویښی. اوڅوک نه توانیدل چې وپوهیږی خلا دمدارونو درلودونکی ده څه ډول چې په دې آیت کې راغلی:

وَالسَّمَاءِ ذَاتِ الْحُبُوبِ

قسم په هغه آسمان چې په هغه کې کږی وږی لارې دی.

(الذاریات ۷).

## دلهر تکلوری

په قرآن کی راغلی چې سپوږمۍ اولمرد ټاکلی تکلوری په خواحرکت کوی.

وَهُوَ الَّذِي خَلَقَ اللَّيْلَ وَالنَّهَارَ وَالشَّمْسَ وَالْقَمَرَ كُلٌّ فِي فَلَكٍ يَسْبَحُونَ

اوهغه (الله)دی چې شپه اوورځ لمر اوسپوږمۍ یی پیداکړل چې هریو په خپل ټاکلی مدار باندې خوځښت لری. (الانبیاء ۳۳).

دلهر نه سکون او په ځانگړی لوری یی خوځښت په بل آیت کی هم بیان شوی:

وَالشَّمْسُ تَجْرِي لِمُسْتَقَرٍّ لَّهَا

اولمر په خپل مدار کی څرخیری. (یس ۳۸).

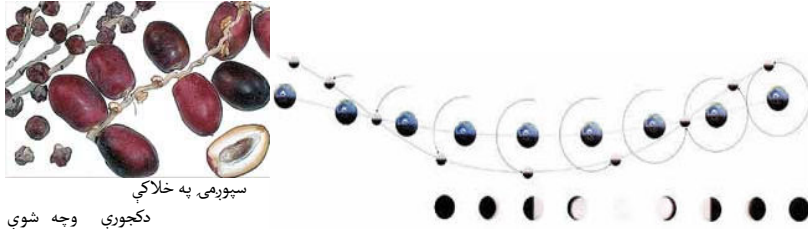
دغه یاد شوی حقیقتونه چې پخوا په قرآن کې ذکر شوی اوس اوس زمونږ په زمانه کی موندل شوی. دستوروپیژندونکو له شمېر سره سم لمر په یوه ډیر گړندی خوځښت سره یعنی اووسوه شل زره کیلومتره په یو ساعت کی په حرکت کی دی. یعنی چې دورځی داووه لسو میلیونو کیلومترو په شاوخواکی مزل وهی اوله لمر سره سم ټولې سیارې اوارونده سپوږمۍ یی هم دا لاره وهی.

## دسپوږمۍ مدار

وَالْقَمَرَ قَدَرْنَاهُ مَنَازِلَ حَقٍّ عَادًا كَالْعُرْجُونِ الْقَدِيمِ  
لَا الشَّمْسُ يَنْبَغِي لَهَا أَنْ تُدْرِكَ الْقَمَرَ وَلَا اللَّيْلُ سَابِقُ النَّهَارِ وَكُلٌّ فِي فَلَكٍ يَسْبَحُونَ

اوهم مو دسپورمی خوځښت ټاکلو منزلونو ته مقررکړ څو چې دکجورې دنری اوزری ښاخې په څیر راوگرځی. نه لمر ته ښایي چې سپورمی ته ورسېږي اوشپې اوورځی مخکې شی اوهریو په خپل ټاکلي مدارکې حرکت کوی. (یس 39-40).

سپورمی لکه دستوروپه شان په یوه مستقیم مدار کې حرکت نه کوی. په داسې حال کې چې دخمکې په شاوخوا راڅرخي ځینې وخت شاتګ کوی اوځینې وخت مخکې کیږي. ځکه چې په عین وخت کې له خمکې سره یوځای دلمر په شاوخوا هم راڅرخي اوخوځښت یی په فضا کې لکه دیوه منظم مارپیچ په شان ده چې دسپورمی دادول حرکت په خلا کې قرآن دکجورې یاخرما زړې ښاخې ته تشبیه کړی ده.



سپورمی په خلا کې  
دکجورې وچه شوې

په خلا کې دسپورمی خوځښت

ښاخه

له شک پرته چې دستوروپېژندونکولپاره هغه مهال کله چې قرآن نازلېده ناممکنه وه چې څوک دسپورمی په دغه حرکت باندې پوه شی. په پاک قرآن کې دسپورمی ددغه حرکت بیان چې دټکنالوژۍ له لارې اوس اوس کشف شوی یوه معجزه ګنلی شو.

## دقمری یا سپوږمیزکال محاسبه

هُوَ الَّذِي جَعَلَ الشَّمْسُ ضِيَاءً وَالْقَمَرَ نُورًا وَقَدَرَهُ مَنَازِلَ لِتَعْلَمُوا عَدَدَ السِّنِينَ وَالْحِسَابَ

هغه دی چې لمر یې خلیدونکی اوسپوږمی یې نورانی وگرځوله اودهغو لپاره یې

منزلونه وټاکل خوچې ددغو شمېرو له لاری په کلونو اووخت باندې پوه شی. (یونس ۱۰).

په دغه آیت کې الله (ج) روښانه کړی ده چې دسپوږمی خوځښت دکلونو دشمېرلو لپاره یو وسیله ده دغه راز داجوتوی چې دوخت شمېرنه دسپوږمی دخپل ټاکلی موقعیت په لوری په تکلوری کې صورت نیسی. اوداخکه چې دسپوږمی اوځمکې اوسپوږمی اولمر په مینځ کې زاویه تل په بدلون کی ده ، سپوږمی په بیلابیلو وختونو کې په ډول ډول څېرې سره گورو کله کوچنۍ اوکله هم غټه. برسیره پردې موږ سپوږمی ځکه لیدلای شوچې دلهر روښنایی ته انعکاس ورکوی. په هغه کچه نور چې له سپوږمی نه موږ ته رارسې هرڅپه بدلون مومی دهمدی بدلونونو له مخې موږ کولای شو په ښه توګه دمیاشتو ورځو اوکلونو حساب وکړای شو.

دقمری اوشمسی کلونو په مینځ کې توپیر تقریباً یوولس ورځی دی چې دغه توپیر ته دقرآن په یوه آیت کې اشاره شوی ده.

وَلْيَسْأَلِ كَافِرُهُمْ ثَلَاثَ مِائَةِ سِنِينَ وَأَزْدَادُوا تِسْعًا

اوهغوی په سوری کې دری سوه کاله اونېه کاله نور ورزیات شوی پاتې شول.(الکھف ۲۵).

یوه قمری میاشت په منځنۍ توګه 29.55039 ورځې وی.

یو قمری کال 354.603948 ورځی وی .

یو شمسی کال 365.2411 ورځی وی .

$$309 \times 354.603948 = 109572 = 300 \times 365.2411$$

نو دری سوه شمسی کلونه برابردي له دری سوه نهو قمری کلونو سره .

څه ډول چې وینو قرآن په غار کې داصحاب کھف پاتې کیدل په دواړو شمی اوقمری کلونو

شمېرلی اوروښانه کړی اود(۹) کلونو توپیر یې هم شمیرلی دی (والله اعلم). له شک پرته قرآن چې داسې دقیق اوعلمی معلومات چې ان داوسنی پېړۍ دمعلوماتونو نه هم اوچت دی ستره معجزه ده.

## دثقل قوه اوخوځښتونه په مدارونو کې

فَلَا أُقْسِمُ بِالْخَنَسِ الْجَوَّارِ الْكُنَسِ

قسم دی په بیا راګرځیدونکو ستورو چې په ګرځیدو راشی اوپه خپل منزل کې پټ شی. (التکویر ۱۶-۱۵)

دخنس کلمه یعنی انقباض اوییا راگرخیدل او له ډاره کړوپیډل چې جمع یی یو ټاکلی تکلوری دی ( ننوتل خپلي خالي ته اویا خوځښت دیکورپه لور اوپه هغه کې پټیدل ) . دالجوار کلمه جاريه جمع ده اومانایی دیوه خوځنده اوبهیدونکی څیز ده. ددې کلمو دمانا گانو په پام کې نیولو سره داسې اټکل کیږی چې پورتنی آیتونه دثقل دمرکز اوپه خپل مدار دحرکت لور ته اشاره کوی. دغه کلمې دایبانوی چې په مدار کې خوځښت دثقل له مرکز نه منشا اخلی . دخنس کلمه خپل مرکز اوهم دلمر لوری ته دجذیدو ښکارندویي کوی. (والله اعلم) دثقل قوه چې په نړۍ کې شته دنیوتن له خوا په ۱۷ او ۱۸ پیړۍ کې محاسبه شو. دالجوار کلمه په مدارونو کې دحرکت لورته اشاره ده چې له مرکز نه دفرار دقوې اومرکز ته دجذب دقوې (دثقل قوه) دعمل په پایله کې منځته راځی. ددې درې کلمو کارونه په پورتنیو آیتونو کې ددې یادونه کوی چې سلگونه کاله مخکې په قران کې دهغی پراهمیت باندی ټینگار شوی دی.

### کړوی (کرده ) ځمکه

يُكْوِرُ اِلَيْكَ عَلَى النَّهَارِ وَيُكْوِرُ اِلَيْكَ لَيْلًا

شپه په ورځ کې راتاووی اوورځ په شپه کې راتاووی. (الزمر ۵). هغه کلمې چې دنړۍ په هکله دمعلوماتو لپاره په قران کې کارول شوی ډیرې مهمې دی. په دې آیت کې دتکویر کلمه راخرخیدل یا راتاوول ژباړل کیږی ، لکه دلنگی تاوول . ددغه آیت معلومات د ورځواو شپو په یو بل کې د را تاوولو یا راخرخولو دځمکې شکل یا بڼه روښانوی . داقضیه په هغه صورت کې دامکان ورده چې ځمکه کړوی یا کرده بڼه ولری . قران کریم دځمکې گرد والی په اوومه میلادی پیړۍ کې بیان کړی په داسې حال کې چې ستورویپېژندونکو هغه وخت ځمکه اواره اومسطح کبله اوخپلې ټولې علمی شمېرنې یې داوړای سطحی پر بنسټ کولې. اوپه پای کې دادی په دی ورستیو پیړیو کی ستوری پېژندونکی اوبوهان په دې مسأله پوه شوی دی.

### دځمکې دخرخیدو لوری

وَتَرَى الْجِبَالَ تَحْسِبُهَا جَمْدًا وَهِيَ نَمْرُ مَرِّ السَّحَابِ

اوغرونه وینی اوکومان کوی چې ولاړ دی خو هغوی لکه چټکې ورېځې خوځښت لری. (النمل ۸۸). دغه آیت نه یواځې دځمکې حرکت بلکې دحرکت لوری هم بیانوی. دورېځو ددرنو کتلو دخوځیدو لوری چې دری نیم څلورزره متره دځمکې له سطحې پورته وی تل دلویدیز له لوری نه دختیز لوری ته وی. له همدې کبله تل دهوا دحالاتو دپوهیدو لپاره لویدیز لوری ترمطالعې لاندی نیول کیږی. هغه مسأله چې په سلگونو کاله مخکې په قران کې یاده شوی اوس اوس کشف شوې چې ځمکه په خپل ځان له لویدیز نه دختیز لوری ته څرخیری.

### دځمکې شکل Geoid

وَالْأَرْضُ بَعْدَ ذَلِكَ دَحَاهَا

اوییا یی ځمکه خپره کړه(النازعات ۳۰).

د(دحا) کلمه په عربی کې دښویونکی مانا لری چې د "دحو" له ریښې څخه دخپریدو نه اخستل شوی. دغه راز دپوښونکی اوزینت (ښکلا) ورکونکی په مانا هم کارول شوی برسیره پردې دحو په یوه سوری کې دیوه غونډوسکی یا دیوه کاتی داچولو په مانا هم کارول کیږی . دغه راز بله کلمه لکه د اویښ مرغی. (شتر مرغ)دخالی جوړولو ، دخای پاکول له ورو ډبرو نه اودهکې. خای هم له دحو نه اخستل شوی.

په حقیقت کې ځمکه کرده بیضوی ده چې دغه دځمکې کینودل یا نښېخل شوی کره د Geoid په نامه یادېږي. له دې کبله ددحا کلمه دځمکې د شکل په هکله مهم معلومات راکوي. په داسې حال کې چې په سل گونه کاله وروسته له اسلام نه هم خلکو ځمکه اواره انگېرله.

## دځمکې قطرونه او خلا

يَمْعَشَرَالْجَنِّ وَالْاِنْسَإِنْ اَسْتَطَعْتُمْ اَنْ تَنْفُذُوا مِنْ اَقْطَارِالسَّمَوَاتِ وَالْاَرْضِ فَانْفُذُوا

ای پریانو اوانسانانو که کولای شی دځمکې او آسمانونو په قطرونو کې لاره وکړی بیا ورننوخئ.

(الرحمن ۳۳).

په دغه آیت کې روښانه شوې چې ځمکه او آسمانونه قطرونه لری. اوددغې موضوع شرح چې ځمکه او آسمانونه دقطرونو درلودونکي دی یوه معجزه بلل کېږی. که یو جسم بشپړ کروی وی کولای شوی یواځې یو قطر ولری. یو جسم هغه وخت څو قطرونه درلودلای شی چې کره نامنظمه وی. چې دا دځمکې پر بیضوی والی یو دلیل ګڼل کېدای شی. برسیره پردې د انشتین دنسبیت د فرضیې مطابق نړۍ تل د ودې په حال کې ده. مانا دا چې خلا پراخېږی اودکېکشانونو ترمنځ واټن ډیرېږی. پس دځمکې او آسمانونو قطرونه هم ثابت نه دی چې یو قطر ورته وکارول شی، بیا نو په قرآن عظیم الشان کې داقطار دکلمې کارونه په خپله یو حکمت دی..

## دځمکې د چاپیریال پورونه Atmosphere

یوه مسأله چې په قرآن کې روښانه شوې هغه داده چې آسمان اووه پورونه یا طبقې لری:

ثُمَّ اَسْتَوٰی اِلٰی السَّمَآءِ فَسَوَّاهُنَّ سَبْعَ سَمَوٰتٍ

اوبیا یی آسمانونو ته پام وگرځاوه او هغه یی اووه ډوله آسمانونه تنظیم کړل. (البقره ۲۹).

دسماوات کلمه دځمکې په سر دآسمانونو اوهم دکایناتو په مانا کارول شوی. له پورتني آیت نه داسې مطلب اخستل کېږی چې آسمان یا دځمکې چاپیریال له اوو پورونو جوړ شوی. ننۍ پوهې هم دآسمان یا دځمکې چاپیریال پورونه تثبیت کړی، چې هریو پور د فزیکي ځانګړتیاو له اړخه اودګازونو اودندو ډډول له کبله له یو بل نه توپیر لری. دځمکې د چاپیریال پورونه عبارت دی له:

- Troposphere تروپوسفیر چې له ۸ نه تر ۱۵ کیلومتره پورته دځمکې له سطحې قرار لری اوزموږ اودورېڅو ډګتي ور هوا په کې ده.
- Stratosphere ستراتوسفیر چې له ۱۵ تر ۵۰ کیلومترو پوری پورته د ځمکې له سطحې نه قرار لری اودیری داووزون ګازلری چې دماورا بنفش له زیان لرونکو وړانګو څخه مخنیوی کوی. دتودخې درجه ددې پور په بیلابیلو ساحو کې ډیرتوپیر لری اودلوروالی په زیاتیدو سره تودوخه کمېږی.
- Mesosphere میستوسفیر یا منځنی پور چې ۵۰ نه تر ۸۵ کیلومتروپوری دځمکې له سطحې پورته ساحه احتوا کوی اودارتقاع په زیاتیدو سره دحرارت درجه هم ټیټی اوتر منفی ۷۳ درجو پوری رسیږی.
- Thermosphere ترموسفیر دغه پور چې ۸۵ تر ۶۴۰ کیلومترو پوری پورته دځمکې له سطحې نه ده، په دې پورکې دماورالبنفش وړانګې دایونونو اومثبتو چارچونو دجوړیدولامل ګرځی.
- Ionosphere آیونوسفیر چې دتودوخې درجه په هغه کې ډیره جکه ده اوتر ۲۵۰۰ دسانتي ګرید درجو پوری رسیږی. دغه پور ټول غږیږیسېګنالونه چې له ځمکې نه تښتی هغو ته انعکاس ورکوی اوبیایي ځمکې ته رالېږی.
- Exosphere ایکسپوسفیر یا بهرنۍ پور چې له ۵۰۰ نه تر ۱۰۰۰ کیلومترو پورته دځمکې له سطحې نه قرار لری او وروستی. برید یی تر لسوزروکیلومتروپوری رسیږی.

Magnetosphere مګنیتو سفير دځمکې مقناطیسی ساحه چې تر لسو زرو کیلومترو پوری رسیږی.

قرآن فرمایي:

وَأَوْحَىٰ فِي كُلِّ سَمَاءٍ أَمْرَهَا

هرآسمان ته یی دنده وروسپارله (۱۲ فصلت)

په ریښتیا سره هم څه ډول به یی چې په وروستیو مخونو کی ولولو هریو له دې پورونو نه دځمکې دمخ دژوندانه لپاره ډیرې مهمې دندې په غاړه لری لکه دباران جوړول ، دزیان لرونکو وړانګو مخنیوی اونور.

أَلَمْ تَرَوْا كَيْفَ خَلَقَ اللَّهُ سَمْعَ سَمَوَاتٍ طِبَاقًا

آیا نه وینی چې الله (ج) څه ډول آسمانونه په اوو پوړونو کې پیداکړل. (نوح ۱۵).

دطباقا کلمه دطبقو یا پوړونو په مانا داڅرګندوی چې هرپور په منظمه توګه یو پر یو باندی قرارلری. اودآسمان له اوو طبقو څخه هدف کیدای شی دځمکې دشاوخوا چاپیریال اوپوړونو څخه وی اوننی علم داثابته کړی چې دغه شین آسمان هماغه دځمکې چاپیریال دی له بیلابیلو پوړونو سره چې په سلګونو کاله مخکی قرآن ذکرکړی.

## ساتونکی چت

په قرآن کې الله (ج) دآسمان یوه مهم صفت ته اشاره کوی.

وَجَعَلْنَا السَّمَاءَ سَقْفًا مَحْفُوظًا

اواسمان مو ساتندوی چت وګرځاوه (الانبیاء ۳۲).

دشلمی پېړۍ څېړنو دآسمان دغه صفت موندلی: دځمکې چاپیریال دژوندانه دساتنې لپاره اساسی دنده لری. ځمکه دثاقب شهابونو نه ژغوری . دلهر وړانګې فلتر کوی اوهغه برخې یی چې دژوند لپاره زیان لرونکی دی دفع کوی. په داسې حال کې چې دلهر هغه وړانګې چې دژوندانه لپاره لازمی اوګټورې دی هغو ته اجازه ورکوی. دماورای بنفش زیاتره وړانګې چې خطرلرونکی دی داووزون په پورې جذبیږی اوبواځې یو لږڅه چې دنباتاتو دفتو سنتیز عملیې اوتولو ژوو لپاره اړینې دی ځمکې ته رارسېږی. اوبله دنده یی له بی ساری یخنۍ نه دځمکې دسطحې ساتنه ده چې په خلاکې منفی ۲۷۰ درجو ته رسیږی. برسیږه پردې هوا Magnetosphere دځمکې مقناطیسی ساحه چې دون آلن بلت په نامه یادېږی هم دیوه ساتونکی پوښ په توګه دزیان لرونکی وړانګو په وړاندې عمل کوی. دغه زیان لرونکې وړانګې چې تل له لمر اوستورو څخه خپرېږی دژوو لپاره وژونکی دی.

دون آلن بت په هکله ډاکتر هوګ روسن وایی: په حقیقت کې ځمکه له ټولو هغو ستورونه چې په شمسی منظومه کې دی لوړ کثافت لری دځمکې په هسته کې داوسپنې اونکلو شته والی دځمکې په شاوخوا دیوې ځواکمنی مقناطیسی ساحې دجوړیدولامل ګرځیدلی. دغه مقناطیسی ساحه دون آلن په نامه یوه محفظه جوړوی چې ځمکې دزیان لرونکی وړانګو له بهیاره ژغوری. که چېرې دغه محفظه نه وای دځمکې پرسر به حیات موجود نه وو. هغه یواځنی بله ستوری چې ډبرینه مقناطیسی محفظه لری مریخ دی. خو ځواکمنی یی سل ځلی دځمکې له ساحې څخه کوچنی ده. دزهري ستوری مقناطیسی ساحه نه لری.

هغه انرژي چې په دې وروستیو کلونو کې د یوې آسمانی چاودنې په پایله کې منځته راغلی په دوهمه نړیواله جګړه کې په هیروشیما کې دکارول شوی بم سل میلیارده برابره اټکل شوی ده. لنډه داچې دځمکې پرسر یو بشپړسیستم په کاردی چې ځمکه یی چاپیره کړی او له باندنیو خطرونو څخه یی ساتی. اودغه موضوع قرآن څوارلس پېړۍ مخکې بیان کړی ده.

## ستیندونکی آسمان

وَالسَّمَاءَ ذَاتِ الرَّجْعِ

قسم دی په بیا راگرځیدونکی آسمان (الطارق ۱۱).

د "رجع" کلمه دراکړځیدو اویا لېرلوپه مانا ده. څه ډول چې پوهیږو دځمکې چاپیریال له پورونو یا طبقو څخه جوړشوی او هریوردځمکې لپاره یوه مهمه دنده لری څیړنو ښودلې چې یو یی ځمکې ته دورانکو اونورو شیانو دراتلو مخنیوی کوی اویبیرته یی فضا ته لېری اوهغه څه چې له ځمکې څخه خپری هغه بیا ځمکې ته ستوی. دیلکې په ډول:

- تروپوسفیر د ۱۵-۱۳ کیلومترو په واټن کې داوبو بخارچې دځمکې له سطحی نه هوا ته خپری جامدوی اویبیرته یی په اوبو بدلوی اودباران په توگه یی ځمکې ته راگرځوی.

- د ۲۵ کیلومترو په جگوالی ستراتوسفیر یا داوزون پور دماورای بنفش وړانکې فضا ته بیرته گرځوی.

- د ایونوسفیر (Ionosphere) پور ټولې رادیوی څپې چې دځمکې له لوری خپریږی دځمکې بیلابیلو برخو ته لیږدوی. یعنی درادیو لپاره لکه د یوې مصنوعی قمرپه څیر کارکوی. نو بیا داپور دیسیم ،رادیو اوتلویزیون اریکې په اوږدو واټنونو کې برابروی.

- Magnetosphere یا مقناطیسی پور زیان لرونکې وړانکې چې له لمر اونورو ستورو نه راځی هغه دفع کوی.

دغه حقیقتونه چې په شلمه پیړۍ کې موندل شوی د قرآن علمی معجزې دې.

## دځمکې طبقې یا پورونه

اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ سَبْعَ سَمَوَاتٍ وَمِنَ الْأَرْضِ مِثْلَهُنَّ

الله (ج) هغه ذات دی چی اووه آسمانه اوهغو غونډې اووه ځمکې یی پیداکړی. (الطلاق ۱۲).

دجیولوژی علم هم په دې باوردی چې ځمکه اووه پوره لری:

۱- داوبو کلک قشر Lithosphere (water)

۲- کلکه برخه یا وچه Lithosphere (land)

۳- پوکه برخه Asthenosphere

۴- پورتنی پوښ Upper Mantle

۵- کورنۍ پوښ Inner Mantle

۶- بهرنۍ هسته Outer core

۷- کورنۍ هسته Inner core

لیتو سفیرچې Lithos دډیږی په مانا له کلې څخه اخستل شوی دځمکې پوښ جوړوی. دغه پورونوروپورونو په پرتله ډیر نازک دی اوپریوالی یی له سمندرونو لاندې ۸۰ کیلومترو ته رسیږی.دغه له نوروپورونو څخه کلک اوسوردی.

استنوسفیر چې د Asteno یا کمزوری له کلې نه اخستل شوی دغه پور له نیمه جامداو ویلی شوواوسرومادو نه جوړشوی پوردی. فکر کیری چې لتوسفیر پر همدې پور باندې خوځیږی.

له استنوسفیر لاندې ډیرې سرې نیمه جامد دډبرو پورونه شته چې ۲۹۰۰ کیلومتره پریږوالی لری چې د (Mantle) منټال پوښ په نامه یادېږی. اونظر دځمکې پوښ ته دډیرې اوسپنې اومگنیزیمو درلودونکی دی. دځمکې په مرکز کې دهغې هسته قرار لری چې دپوښ دوه برابره کثافت لری. چې دکثافت دلوړوالی دلیل یی همغه داوسپنې اونکلودالیاژودیره اندازه ده. هسته له دوو پوړونو څخه جوړه شوې. یوه یی بهرنی اوبلنه چې ۲۲۰۰ کیلومتره پریږوالی لری اوبل یی داخلي یا کورنی پور چې جامد اوکلک دی اوپریږوالی یی ۱۲۵۰ کیلومترو ته رسیږی. دهستې اوبلن پوړ دځمکې مقناطیسی ساحه جوړوی .

## دځمکې دچارچونو کانکې

إِذَا زُلْزِلَتِ الْأَرْضُ زِلْزَالَهَا وَأَخْرَجَتِ الْأَرْضُ أَثْقَالَهَا

کله چې ځمکه په زلزلې سره ولړزیږی اوخپل درانه بارونه دباندې وغورځوی. (الزلزله ۲-۱).

داثقال کلمه یعنې چارچونه اودرانه بارونه. په دې ځای کې دزلزلې په هکله یوه مهمه مسأله بیان شوې. نوې څېړنې څرگندوی کله چې ځمکه سره شی کثافت لرونکی مواد په اوبلن پورکې غرقېږی اوسپک مواد پورته راځی له دې کبله دځمکې پوښ لږ وزن لرونکی مواد لکه تورې اوکلکې ډېرې لری. په داسې حال کې چې دځمکې په هسته کې درانه مواد لکه اوسپنه اونکل ډیر دی له دې کبله دځمکې دپوښ لاندی چې له درنو اوبلنو فلزاتو نه جوړه شوې دځمکې له پورتنې سطحې څخه دروند وی. داروبښانه شوې هغه برخه چې دفلزاتو ډیرې زیرمې لری زیاتره زلزلې په کې پېښېږی. دزلزلې په مهال دځمکې دپوښ لاندې درانه مواد داوخت پیداکوي چې پورته راشی څه ډول چې قرآن عظیم الشان بیان کړی چې ځمکه خپل چارچونه دکانکو(استفراغ) په څیردباندي غورځوی.

## دغرونو دندې

وَجَعَلْنَا فِي الْأَرْضِ رَوَاسِيَ أَنْ تَمِيدَ بِهِمْ

اوپرځمکه مو غرونه ودرول چې له خوزیدواواضطرابه پاتې شی. (الانبیا ۳۱).

دغه آیت وایی چې غرونه دځمکې له لړزیدو څخه مخنیو ی کوی چې داموضوع اوس اوس په جیولوژی علم کې پیژندل شوی ده. پوهانوموندلې چې هرغر دخپل جگوالی لس پنځلس برابره رینېږی په ځمکه کې دننه لری. یعنې چې غر لکه یوه میخ غوندی دننه ځمکه کې ننوتې دی. دبېلکې په ډول دیوریست څوکه چې څه ناڅه ۹ کیلومتره دځمکې پرسردی ۱۲۵ کیلومتره په ځمکه کې دننه رینښه لری. غرونه دځمکې پوښ دخوځښتونو اوتکرونو په پایله کی مینځته راغلی. کله چې دوه صفحې یوله بل سره ټکر وکړی ځواکمنه صفحه به ښکته لاړه شی اوبله به پورته راشی اوپه دی توکه غرونه اودځمکې لوړې غونډې جوړوی. ښکتنې پور به دځمکې لاندې ځی اویوه بیخلنه رینښه به غرونو لپاره جوړوی. نو هرڅومره چې دځمکې یوه برخه اوچته اولوره وی په همغې کچې به دځمکې پوښ په هغه برخه کې پریږ وی اوبیخلن به دپوښ یا Mantle په مینځ کې به مخکې تللی وی. پروفیسر سیاویدا دنړې وتلی جیولوجست وایی: " د وچې دغرونو اود سمندرونو د غرونو په مینځ کې توپیر د دوی د مواد په مینځ کې دې. خو دواړه داسې رینېږی لری چی دوی استواره ساتی. "

أَلَمْ تَجْعَلِ الْأَرْضَ مِهْنَدًا وَالْجِبَالَ أَوْتَادًا

آیا ځمکه مو مهد یا بستره اوغرونه مو میخونه(موری) جوړنه کړل. (النبأ ۷-۶).

وَالْجِبَالَ أَرْسَاهَا

"ارسها" يعني ريښه لرونکې ، ثابت اوتکوهل شوی. غرونه دځمکې په پوښ کې غزول شوی اودځمکې لاندې کرښې یو له بله سره تړی. دځمکې دمخ په تثبیت سره غرونه دپورونو له ښویدو اوپه Magma باندې دصفحو له تویدو څخه مخنیوی کوی. عینا لکه دلرگبو تختې اوکندې چې یو پر بل میخ شوی وی. دغرونو په واسطه دغې د تثبیت عملیې ته په ساینس کې Isostasy وایی. ایزوستازی عبارت دی د پوښ د پور دقوی توازن پورته خواته اودځمکې دقشرلاندې لورته. هغه ډول چې غرونه ددبرو د ورستېدو ، دڅاروی دکمېدو اودکنکل دویلي کیدو له کبله کوچنی کیږی په همدغه ډول کولای شی دکنکلاسیونو دجوړیدو ، اوغورځونکو چاودونو اودڅاروو دتولیدو له کبله ستر شی.

ښایېدلې کله چې غرونه سپک شی دموچودې قوې له لارې په مایعاتو کې پورته خواته تېله کیږی اوپه هغه صورت کې چې غردرونه شی دثقل قوې له لارې دپوښ دپور لورته ښکته شی. نن پوهیږو چې دځمکې د مخې دبرین پوردهاودو له کبله د لامبووهنکوصفحو په څیر داوبلنې لاوا په مخ قرارلری. ځکه چې ځمکه په ډیرې چټکتیا سره په خپل محور راڅرخي که چیرې غرونه دثبات لامل نه وی دغه صفحې به تل دخای دبدلیدو په حال کې وای. په دې صورت کې به دځمکې په سر خاوره نه تولیدې او خاورې اوآوبو به له یو بله سره تراکم نه کولای ، نباتات به نه راشنه کیدل . لارې اوکورونه به نه شواي جوړیدلای. لنډه داچې ځمکه به دژوندانه لپاره ناممکنه وای.

د الله (ج) په مهربانی سره غرونه لکه دمورېو په څیرعمل کوی اوتردیره بریده دځمکې دسطحی دخوځښتونو څخه مخنیوی کوی. اودغه دلورې پوهې بیلکه سلگونه کاله مخکې په قرآن کې بیان شوی ده.

## دغرونو خوځښتونه

قرآن کریم فرمایي چې غرونه ولاړنه دی بلکې تل دخوځښت په حال کې دی.

وَرَرَى الْجِبَالِ تَحْسَبُهَا جَمَادًا وَهِيَ تَمْرُؤُا السَّحَابِ

اوغرونه چې جامدوینې ، لکه دوریځو په شان په خوځښت کې دی. (النمل ۸۸).

دغرونو دغه خوځښت دځمکې دقشر دخوځښت له کبله مینځ ته راځی . دځمکې قشر دپوښ په پورباندې خوځیږی. لومړی ځل یوه آلمانی پوه الفرد وگنر په شلمه پیړۍ کې روښانه کړه چې لویې وچې په لومړۍ سره کې یو له بل سره نښتې وې اووروسته بیا دخوځښت له کبله یو له بله بیلې شوې اوپه بله لړې شوې.

پنځوس کاله وروسته له ده نه په کال ۱۹۸۰ کې ځمکې پېژندونکی دده دنظریې په حقیقت پوه شوې. پنځه سوه میلیونه کاله وړاندې دځمکې لویې وچې یوله بل سره تړلې وې اوپه سویل قطب کې یې قرار درلود چې پوهانو ورته پانګیا نوم ورکړی. یوسلو اتیا میلیونه کاله مخکې دغه پانګیا په دوو برخو وویشل شوه ، چې ورته گوندوانا نوم ورکړشوی چې افریقا ، آسټرالیا ، انټرکتیکا ، اوهند په کې شامل وو. اودوهمې برخې ته یې لوریشیا نوم ورکړی شوی چې اروپا ، شمالي امریکا ، آواسیا پرته له هنده په کې شامله وه. چې یوسلو پنځوس میلیونه کاله نور دغه دوه لویې وچې په ورو برخو وویشل شوی.

له پانګیا څخه جوړه شوې توتې په چټکۍ سره څوسانتي متره په کال کې خوځښت لري چې دغه حرکت دځمکې پېژندوکو له خوا داسې تشریح شوی دی:

دځمکې قشر اودپوښ دپورپورتنۍ برخه چې سل کیلومتره پریوالی لری په داسې پاڼو ویشل شوې چې Plates پلاټس په نامه یادېږی. شپږ لوی پاڼې یا صفحې اودیږې نوری وړوکې پاڼې دی. دپانودفرضیې له مخې دغه پاڼې دځمکې په سر حرکت کوی چې زیادتره یې لویې وچې له ځان سره وری. دلویو وچو خوځښت په کال کې له یوه نه ترپنځو سانتي مترو پوری اټکل شوی دی. اوڅکه چې داپاڼې تل په خوځښت کې دی دجغرافیایي بدلونونو سبب گرځي دبلکې په ډول داطلس بحر هرکال یوڅه پراخېږی.

مهم تکی دادی چې قرآن غرونه لامبو وهونکي اوخوځیدونکي ښوولی اواوسنی پوهه هم لویی وچې خوځیدونکي جوتوی اودا خوځیدنه داسې نه ده چې په سترگو ولیدل شی پس آیا دامعجزه نه ده هغه څه چې په شلمه پیړۍ کې خلک پری پوه شول په اوومه پیړۍ کې بیان شوی وو په داسې حال کې چې هغه وخت به دومره خلک ددی آیتونو په اصلی مفهوم نه پوهیدل اودا بل دلیل دی دالهی کلام په اعجاز.

## دلرختو اولویدو بیلابیل ځایونه

فَلَا أُقِيمُ رَبِّ الْمَشْرِقِ وَالْمَغْرِبِ إِنَّا لَقَدِرُونَ

قسم په خدای د مشرقونو او مغربونو چې موږ قادريو. (المعارج ۴۰).

دمشرق یا ختیز اوهم لويديز لپاره د جمعې صيفې کارول داڅرگندوی چې لمر یواځې له یوه ځای نه نه راڅیژی اونه هم په یوه ټکی کې لویږی اودالله قسم په دی موضوع دهغه اهمیت باندې ټینګار کوی.

ځمکه په خپل ځان ۲۷-۳۰ درجه زاویې باندې راڅرخي. ددې زاوی له کبله اودځمکې د شکل دگرد والی له کبله دلمروړانګې تل په یوه زاویه پرځمکه نه لویږی ، بنا پر دې کله چې څوک داستوا له کرښې نه لری و اوسی کولای شی وویښ چې دګال په اوږدو کې دلمر ختل اولویدل په بیلابیلو ټکو کې واقع کیږی. څوک چې داستواد کرښې پر سروی تل دلمر ختل اولویدل په یوه ځای دلويديز اوختیز کې وینی. اوڅرنگه چې عربستان داستوا کرښې ته نږدی دی په بیلابیلو ټکو کې دلمرلویدل دلیدو وړنه دی اوداسی ښکاری چې لمر له هغې یوې نقطې راڅیژی اوپه یوه نقطه کې لویږی. خو ددې موضوع حقیقت قرآن څرګند کړی. (والله اعلم).

## دپای له ټکو نه دځمکې لنډول

أَوَلَمْ يَرَوْا أَنَّا نَأْتِي الْأَرْضَ نَنْقُصُهَا مِنْ أَطْرَافِهَا

آیا ویی نه لیدل چې موږ دځمکې عزم کوو اودهغه له شاوخوا نه یی رالندوو. (الرعد ۴۱).

ځمکه دالفا ، دذرو له لارې چې له لمر نه پروتون اوالکترونونه راځی تر یرغل لاندې نیول کیږی ، دغه لمریز بادونه ډیرځواکمن وی اوکولای شی چې دځمکې اتوموسفیر دځمکې له کرې نه جلاکړی خودځمکې مقناطیسی ساحه یی نه پریږدی چې ځمکې ته زیان ورسېږی. دغه راز یادشوی آیت کولای شی په قطبونو کې دځمکې نقصان ته اشاره وی . په اوس وخت کې دځمکې دقطبونو دکنګلونو د تدریجی ویلي کیدو له کبله دسمندرونو د اوبو کچه مخ په لوریږد ده . چې دغه داوبو زیاتیدنه به کراکرار دځمکې وچه راکمه کړی. د (نقصها من اطرافها) جمله ممکنه ده په سویل اوشمال کې دځمکې دساحلونو دنیولو په ماناوی.

نیویارک تایمز داسې رپوټ ورکوی:

" په وروستی پېړۍ کې دځمکې تودوخه دفارنهایت یوه درجه لوړه شوی اودقطبی کنګلونه دویلي کیدو چټکتیا ډیره شوې. دګاوارد دفضای انستیتیوت پوهان چې دامریکا دخلایې چارودموسسی NASA ناسا پورې اړوند دی لاسته راغلی رقمونه په ۱۹۵۰ ، ۱۹۶۰ و ۱۹۹۰ کلونو کې سره پرتله کړی چې پایلې یی دا جوتوی چې دقطبی کنګلونو پریږوالی پنځه څلوېښت په سلوکې کوچنی شوی.

دغه راز په مصنوعی اقیاروکې اخستل شوی تصویرونه داڅرگندوی چې دځمکې دقطبونو کنګلونه په دې وروستیو کلونو کې ډیر لږ شوی دغه موندنې کېدای شی دغه آیتونه تفسیر کړی.

شریدل یا نقصان دځمکې په شاوخوا اویا دځمکې په وروستی برخه کې چې په قرآن کې یادشوی ممکنه ده یوې بلی علمی پېښې ته هم اشاره کړې وی.

دغه حقیقت چې ځمکه دخپل محور په شاوخوا راڅرخي اوبنه یی بشپړه کړوی نه ده بلکې په دواړو قطبونو کې یوڅه کېکاکل شوی ده (شکل Geoid).

څېړنو ښوولی چې دځمکې قطر داستوا دلیکې په دوام کې په خپل محور دڅرخیدو دقوی له کبله مخ په زیاتیدودی اوله محور سره یی موازی قطر په دوو انجانونو یا دوو قطبونو کې مخ په کمیدو دی . اوڅکه چې ځمکه تل په خپل محور راڅرخي دغه بدلونونه به لاهم پېښېږی. د نقصها کلمه هم نااستمراری حالت لری اوپه دواړوانجانونو کې دوامداره کمښت جوتوی.

دآسمانی اجرامو مدورښکلوونه په هغو کې دثقل دقوی داغېزې له کبله مینځته راغلی. په داسې حال کې چې کړوی شکل مطلق نه وی بلکې په قطبونو کې یوڅه هوار اوداستواپه محیط کې وتلی وی. دناسا NASA دڅېړنو له مخې افقی قطر یا داستوا دسطح قطر ۶۳۷۸۰۱ کیلومتره اومحوری قطر یا بین القطبی ۶۳۵۶۰۸ کیلومتر ه ده یعني ۰.۳ فیصده فرق ددواړو په مینځ کې شته.

دځمکې د شکل دغه ماډل چې په کال ۱۶۸۷ زیږدیز کې دنیوتن له خوا وړاندې شوی ، سلکونه کاله مخکې له قرآنه اخیستل کېدای شوی.



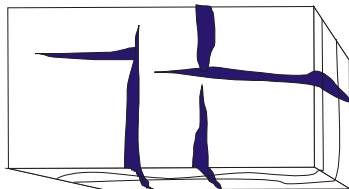
## خیرې کیدونکې یا چاودېدونکې ځمکه

وَالْأَرْضِ ذَاتِ الصَّيْعِ



(قسم) په چاودیدونکې ځمکې (الطارق ۱۲).

د "صدع" کلمه دچاودیدلو څیرې کیدلو ، اوبېلېدلو په ماناده دالله سوگند په دې موضوع دهغه اهمیت جوتوی. په ۱۹۴۵-۱۹۴۶ کلونو کې پوهان دسمندرونو تل ته دڅیړنو لپاره وزغلل . یوه مهمه مسأله چې ددې څېړنو په ترڅ کې وموندل شوه دځمکې چاودلې جوړښت وو. دځمکې دبرین قشر دسترو چاودو له لارې چې لسکونه زره کیلومتره اوږدوالی لری توتو ته کپړی . دغه چاودونه له شمال نه دسویل لوری ته اوله ختیز نه لویدیز لوری ته ادامه لری. پوهان په دې هم پوه شول چې په سمندرونو کې ددغو توتو لاندې دمکما Magma پندوالی سل نه تر یوسلوپنځوسو کیلومترو پوری رسېږی.



ددې چاودوله کبله لاوا دبحرونو مخ ته وځي ، اوپه دې ترتیب یوه زیاته اندازه تودوخه له لاسه ورکوي او د سمندری غرونو دډبرو ټوټې هم جوړیږي. که ځمکې دغه جوړښتونه نه درلودلای ټوله تودوخه به دځمکې دمخې له لاری ضایع شوی نه وای اوپه پایله کې به د ډیرې تودوخې له کبله دځمکې پر سر ژوند ناممکنه وای. دداسې یوې مغلفې مسألې توضیح چې په نوې ټکنالوژۍ سره مطالعه شوې څوارلس پېړۍ مخکې په قرآن کې بیان شوې. چې داهم دقرآن یوه معجزه بللی شو.

## د اوسپنې معجزه

وَأَنْزَلْنَا الْحَدِيدَ فِيهِ بَأْسٌ شَدِيدٌ وَمَنْفَعٌ لِلنَّاسِ

اود غه راز اوسپنه مو نازله کړه چې په هغه کې شديد قوت اوډېرې گټې دی لپاره دخلکو. (الحديد ۲۵).

د انزلنا کلمه چې دښکته لیرلو په مانا ژباړل شوې کیدای شي داوسپنې لپاره داستعارې په ډول کارول شوی وی اوهدف په کې داوی چې یو کټورشی خلکو ته ورکړشوی. اوکه هغه کټ مټ د لاندې ټویدلو په مفهوم لکه چې دباران لپاره کارول شوې په دې صورت کې دقرآن ستره علمی معجزه څرگندوی. دستورویژندنې معاصره پوهه وایی هغه اوسپنه چې په ځمکه کې شته دپهرنۍ فضا له ډیرو سترو ستورو څخه راغلې. نه یواځې دځمکې اوسپنه بلکې دټولې شمسی منظومې اوسپنه له بهرنۍ فضا څخه راغلې ، ددې دلیل دادی چې دلهر تودوخه داوسپنې دجوړیدولپاره کافی نه ده . دلهر په سطح کې شپږزره سانتي گریده اودلهر دهستي تودوخه شل میلیونه سانتي گریده ده. اوسپنه له لمر نه په ډیرو لویو ستوروچې دتودوخې درجه په هغو کې څو سوو میلیونو درجو دسانتي گریدو نه رسیږي تولیدیږي. کله چې داوسپنې کچه په یوه ستوری کې له یوه ټاکلی بریده ډیره شي دیوه خلیدونکي ستوری غوندې چاودنه کوي اواوسپنه یی فضا ته آزادیږي.

دنووا Noval په نامه دچاودنو مخکینې شواهد شته ، داوسپنې (Fe-60) ډیره اندازه دسمندرونو په تل کې دیوه سترې نووا Supernova چاودنې ښودنه کوي چې ۹۰ نوری کاله مخکې چې له پنځومیلویونو کلونو سره برابری واقع شوی. دجیولوژی په پورونو کې دډیرې اندازی ایزوتوپونو شته والی ددې ښودنه کوي چې په دې نږدی وختو کې په لنډه فضا کې دهغو درې جوړې شوی اووروسته ځمکې ته لېږدول شوی.

قرآن په اوومه زېږدیزه پېړۍ کې روښانه کړی چې اوسپنه په ځمکه کې نه ده جوړه شوې بلکې نازل شوې یا له پاسه راېرل شوې. اویواځې الله (ج) دی چې پوهه یی په هرڅه رسیږي د "و" کلمه ( دلته ددغه راز مانا ورکوي ) هم په آیت کی اوهم دشلمې پېړۍ دنجوم په علم کې واضح شوې چې له اوسپنې برسیره نورمواد هم په نورو ستورو کې جوړیږي اوییا ځمکې ته توپړی . خو په دغه آیت کې داوسپنې په اهمیت ټینګار شوی . مایکل وټن وتلی مایکروبیولوژیست داوسپنې داهمیت په هلکه وایی :

" دژوند لپاره ډیر مهم فلز اوسپنه ده ، په غټوستوروکې همدغه داوسپنې زیرمې دی چې دناوا دچاودنو لامل ګرځي اوییا په خلاکي یی اتومونه خپریږي. ددرونوالی له کبله داوسپنې اتومونه دځمکې دمرکزپورته ځي اودډیر لوړحرارت دجوړیدولامل ګرځي چې دغه تودوخه دکیمیاوي تفريق زمینه مساعدوي اودځمکې داتوموسفیر ګازونه اودهایدورسفیر پورجوړوي. دځمکې په هسته کې اوبلنه اوسپنه دیوې سترې ډاینمو په څیر کارکوي اودځمکې مقناطیسی ساحه جوړوي. دځمکې مقناطیسی ساحه دوان آلن ملابندونه جوړوي چې ځمکه له خلا څخه د وړانوونکووړانګو له شر څخه چې دفوق العاده انرژۍ درلودونکي وی ژغوري.

داوسپنې له شته والی پرته ژوند دکاربن په اساس ناممکنه دی ، اوهیڅ هغه څه چې پورته یاد شول نه شواي جوړیدلای. هیمو کلوبین نه شواي جوړیدلای اوداسی کوم فلز به نه وای چی په میتابولیزم کې داحتراق سبب ګرځیدلای وای.

د ژوندانه او اوسپنې په منځ کې ځواکمني اړیکې ، دویني سره کرویات او ځینې رنگینه ډیر لرې ستوری نه یواځې دژوند اړیکې له فلزاتو سره بلکې د نړۍ دوجود لپاره څرګندوي. (Biocentricity). " نو پراسپنه دټینګار اهمیت په قرآن کې واضح شوی. دالحديد سوره دوه نور مهم ریاضیکي اړخونه هم لری: الحديددقرآن ۵۷ سوره ده ، د "ابجد" له نظره الحديد مساوی ده له ۵۷ سره

● اوحديد د ابجد له نظره ۲۶ ده اود اوسپنې اتومي نمبر هم ۲۶ دی.

یو آلمانی پوه د ډاکتر فرنډریاس یوردن په نامه داوسپنې داکساید ذری دسرطان ناروغی ددرملنې لپاره هم کارولی.

## د بطرولو جوړښت

الَّذِي خَلَقَ فَسُوَّىٰ وَالَّذِي قَدَّرَ فَهَدَىٰ وَالَّذِي أَخْرَجَ الْمَرْعَىٰ فَجَعَلَهُ غُثَاءً أَحْوَىٰ

شنه کباه

هغه چې هرڅه یې پیداکړل اوسم یې کړل هغه چې اندازه یې کړل اولارښوونه یې وکړه هغه چې

یې راوویستله اوهغه وخت یې وچ کړل اوتوریې کړل. (الاعلیٰ 2-5).

څه ډول چې څرګنده ده بطرول په سمندر کې د نباتاتو اونورو وړو له پاتې شونو څخه جوړېږي، میلیونونه کاله وروسته کله چې دغه پاتې شوني په سمندرونو کې ورستې شوې په یوې غوړې مادې واوښتې. چې دغه مواد د خټو اوډبرو لاندې په پای کې په نفتواوکازو بدلیږي. دځمکې دقشر خوځښت ځینې وخت په سمندر کې دتجگر لامل ګرځي اودنفتو حجری په زرګونو مترو لاندې ځنښيږي. ځینې وخت دغه نفت دډبروله سوریو څخه راوځي اوله څوکیلومترو لاندې نه ځان دځمکې سطحې ته رسوي چې دلته بیا تبخیريږي او قیر یې په ځای پاتې کیږي. درې دغه یادشوی ټکي په ۲ او ۴ پورتنیو یادوشوو آیتونو کې دنفتو دجوړښت له پړاوونو سره سمون خورلای شی. په ډیر ګمان د "المرعی" کلمه یعنې شنبلی کیدای شی دنفتو دجوړیدو لومړنۍ مادې ته اشاره وي. دوهمه کلمه چې دپام ورده د "احوی" کلمه ده چې دتوربخوند شنبلی لورته اشاره ده. دغه کلمه کولای شی چې له نباتاتو نه پاتې شوی د فاضله موادو ورستېدل توضیح کړي، چې دځمکې لاندې لاهم توریږي. اوداکلمه په "غثاء" ستایل کېږي چې ډیریکر شوی شنه واښه په مانا ده. دغه راز کیدای شی دهغو موادو په مانا راشي چې داوبو له لاری راوړل شوی وي یا داسې چې داوبو سر ته له ځمکې رااځستل شوی وي. په حقیقت کې نفت هم له ځمکې نه رابهریږي اودیوې تورې شنې بخوندې ځک لرونکې مادې په څیر بهیږي نو وینو چې د "غثاء احوی" کلمه څومره په مهارت اوپوهې سره په دغه آیت کې کارول شوې. څه ډول چې مو ولیدل د نباتاتو بدلیلد په اوبلنوسرینښناکواوتورو موادو باندې ډیر مشابېت لری له نفتو سره، ددغې موضوع بیانیدل په داسې وخت کې چې خلکو لا نفت او له هغو څخه لاسته راغلی مواد لکه بطرول نه پېژندل په خپله دقرآن کریم یوه معجزه ده.

## د وخت نسبیت

د وخت دنسبیت حقیقت باندې پوهان اوس پوه شوی اوانیشتین دشلې پېړۍ په لومړیو کې دغه فرضیه بیان کړه. اوهغه ثابتۀ کړه چې وخت له کتلې اوسرعت سره اړیکې لری. په داسې حال کې چې قرآن کریم ډیر مخکې دوخت دنسبیت مسأله بیان کړی ده.

وَلَا تَعْلَمُ يَوْمَئِذٍ كَالْفَسْفَسِ فَتُعَلِّمُ الْمَلِئِكَةُ وَالرُّوحُ إِلَيْهِ فِي يَوْمٍ كَانَ مِقْدَارُهُ خَمْسِينَ أَلْفَ سَنَةٍ

هغه یوه ورځ دالله په وړاندې لکه زرکاله ستاسو په شمېر ده (الحج ۴۷).

تَعْلَمُ الْمَلِئِكَةُ وَالرُّوحُ إِلَيْهِ فِي يَوْمٍ كَانَ مِقْدَارُهُ خَمْسِينَ أَلْفَ سَنَةٍ

... هغه ورځ چې دپنځوس زروکلونو سره برابره ده (المعارج ۴).

له پورتنی آیت نه په روښانه توګه دوخت دنسبیت مسأله څرګندیږي.

## په شپږو ورځو کې پیداکیدل

إِنَّ رَبَّكُمُ اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ فِي سِتَّةِ أَيَّامٍ

ستاسو هستونکي الله چې ځمکه اواسمانونه یې په شپږو ورځو کې پیداکړل (الاعراف ۵۴).

بله موضوع چې دقرآن اوننی ساینس په مینځکې همغږی جوتوی هغه دنړۍ عمر دی. پوهانو دنړۍ ټول عمر دشپاړسوو نه تراوولسومیلیاردو کلونو پوری اټکل کړی دی. قرآن وایی چې نړۍ په شپږو ورځو کې پیداشوې دغه دوه وخته سره له دې چې په ظاهره له یوبل سره په تضاد کې ښکاري خو په حیرانوونکي ډول یوه له بل سره ورته والی لری په حقیقت کې دغه دواړه رقمونه صحیح دی یعنې چې نړۍ په شپږو ورځو کې چې زموږ له اووه لس میلیاردو کلونو سره معادله ده پیداشوی.

پروفیسر بینامین لیبٹ پہ کال ۱۹۷۳ دکلفورنیا په پوهنتون کې خپرنې وکړې چې داسې څرگندویي کوله چې زموږ تصمیومونه ټول مخکې له مخکې په دماغ کې تنظیم شوی. اوشعور نیمه ثانیه وروسته له هود اوتصمیم څخه په کارلویری . داعصابو یوبل متخصص موضوع داسې روښانوی: "موږ اصلاً په ماضی کې ژوند کوو اوزموږ شعور لکه دیوه مونږتور (دتلویزیون ښیښه) غونډې دی چی هرڅه موږ ښه کړی وروسته ښکاروی.

بنا پردې زموږ هيڅ يوه تجربه داوسنی زمان سره تړاو نه لري اوهرڅه نيمه ثانيه وروسته له اصلی پېښې نه منځ ته راځي. داکتر ليبت خپلې څېړنې پرته له دې چې انستېزي ته اړتيا پيداشي په دماغ باندې دجراحی عملیاتو له لارې په داسې حال کې چې هغه کس بشپړ ويښ و ترسره کړي. ليبت ترعملیاتو لاندې شخص ددماغ ټاکلې برخه دبرېښنا په واسطه تحریک کړه داسې چې فکر وکړي له لاس سره یې یو څه لگیدلی. ترعملیاتو لاندې کس وویل نيمه ثانيه مخکې دده په لاس یو څه ولگیدل. له دې اندازه اخستې سره ليبت دې پایلې ته ورسېد چې ټول ادراکونه دماغ ته لېږدول کېږي اوداچې هرادراک تر شعورلاندې تحلیل اوتعبیرېږي زه يا Ego له هغه څخه نه خبرېږي. ددې لپاره چې پرهغو معلوماتو چې مخکې زموږ له فکر کولوړوښانه شوی پوه شو، هغه له یوڅه څخه نه وروسته زموږ دماغ ته لېږدول کېږي.

یعنې، د یوې عضلې دحرکت ورکولو لپاره تصمیم مخکې له هغه نیول کېږي چې زموږ شعور یې اړتیا ويني. تل دعصبی ادراک اوله هغه فکر نه زموږ دخبریدو ترمینځ یوواتن اوورسته والی وجود لري. په بله وینا موږ هغه وخت له خپل تصمیم نه خبرېږو چې له مخکې نه یې پریکړه شوی. داڅرگندوی چې هر فکر، عاطفه، احساس اوحرکت مخکې له دې چې زموږ شعور پرې پوه شي پېښېږي. اوله دې نه دااثبتېږي چې راتلونکی په پریکنده توګه زموږ له واک نه وتلی.

په یوه بله تجربه کې همدغه فروبېسر تر تجربې لاندې خلک په خپل واک کې پریښودل څو چې خپلې ګوټې دیوبل په وړاندې جګې کړي، اوخپله یې دهغوی دماغ ترخپلې نظر لاندې ونیو. په واقعیت کې دعمل داجرا لپاره ددماغ دحجروفعالیات مخکې له دې چې هغه شخص تصمیم ونیسي پیل شو. په بله وینا د( وکره یا مه کړه) قومانده شخص ته ورسېده، وروسته له هغه دشخص دتصمیم نیولو قومانده دماغ ولوستله اوشخص وروسته له نیمې ثانې څخه پرهغه خبر شوی. شخص تصمیم نه نیسي چې څه وکړي اوڅه ونه کړي بلکې له مخکې نیول شوی تصمیم عملی کوي. البته دماغ یو بدلون راولی اوهغه دادی چې هرډول داسې شواهد چې داسې څرګنده کړي چې کواکې داهرڅه له مخکې نه پیښ شوی هغه له مینځه وړي. په همدې دلیل هغه وخت ته چې موږ اوس وایو په حقیقت کې داسې ژوند کوو چې له مخکې نه ټاکلی شوی. داتجربه جوړتوی چې هرڅه دالله دغوښتنې مطابق ترسره کېږي.

### د زوجونو یا جوړو پیدایښت

سُبْحَنَ الَّذِي خَلَقَ الْأَزْوَاجَ كُلَّهَا مِمَّا تُنْثِي الْأَرْضُ وَمِنْ أَنْفُسِهِمْ وَمِمَّا لَا يَعْلَمُونَ سبېڅ

لی دی هغه الله چې ټول یې جفت پیداکړل، هغه څه چې په ځمکه شنه کېږي، اوله دوی نه (راپیداکېږي) اوپه هغه څه چې نه پوهېږي دوی. (یس ۳۶).

زوج یا جفت دښځې اونه په مانا کارول کېږي په داسې حال کې چې دهغه څه په هکله چې خلک نه پوهېدل لاستره مانا لري. په ریښتیا هم هغه وخت یواځې ددې کلمې یوه مانا باندې خلک پوهېدل. دپال دیرک په نامه یو انګریز فزیکپوه په دې موندنې سره چې ماده په جفت ډول پیداشوې، په کال ۱۹۳۳ زیږدیز کې یې دنوبل جایزه خپله کړه. هغه په ماده کې دزوجیت اودمخالقو ځانګړتیاو درلودنکو پدیده ښکاره کړه لکه دمثبت چارج درلودنکی پروتون اودمنفی چارج درلودونکی الکترون. هره ذره خپله مخالفه ذره چې دمخالف چارج درلودونکی وی دفع کوي. د (Uncertainty Rotation) نظریه وایی چې هرچېرې اوهروخت دجفتونو خلقت اوله مینځه تلل یې په خلا کې واقع کېږي.

دجفتونوبله بلهګه نباتات دی، نبات پېژندونکی سل کاله وړاندې په نباتاتو کې دجنسونو په توپیر پوه شول. په داسې حال کې چې الله (ج) ځواکس پېږي، مخکې دغه موضوع په خپل کتاب کې روښانه کړې:

وَأَنْزَلْنَا مِنَ السَّمَاءِ مَاءً فَأَنْبَتْنَا فِيهَا مِنْ كُلِّ زَوْجٍ كَرِيمٍ

اوله آسمانه مو اوبه راولېږلې اوپه هغومو ډیرګټه لرونکي زوجونه راشنه کړل (لقمان ۱۰).

### د اتومونو ذرې

له پخوا څخه پوهانو داموندلې وه چې دمدادې کوچنۍ ذره اتوم ده اواتوم دتجزیې وړنه دی خو اوس اوس ساینس په دې پوه شو چې اتوم هم تجزیه کېږي.

لَا يَعْزِبُ عَنْهُ مُثْقَلٌ ذَرَّةً مِنَ الْأَرْضِ وَلَا أَكْبَرُ إِلَّا فِي كِتَابٍ مُبِينٍ، وَلَا أَصْغَرُ مِنْ ذَلِكَ

پټ نه پاتې کېږي له هغه نه په اندازه د ذرې په آسمانونو اوځمکه کې اوهرڅه چې کوچنۍ يا لوی له ذرې نه وی اوهرڅه په کتاب کې ښکاره دی (سبا ۳).

دا آیت اټوم اوله هغه نه کوچنیو ذروته اشاره لري. ترڅه باندې دوه لسیزو وړاندې (ددې کتاب ترلیکلو) پروتون اونیوترون داتوم کوچنۍ ذرې پېژندل کیدې په دې وروستیو کې ان هغه کوچنۍ ذرې موندل شوی چې پروتون اوالکترون ترې جوړشوی. په دې اړوند یوه ځانګړې څانګه چې دپراکتیکال فزیکس په نامه یادېږي جوړه شوې څو چې دغه ذرې ترڅېړنې لاندې ونیسي. دذروي فزیک مطالعې ښودلې چې پروتونونه اونیوترونونه له نوروذرو چې دکوارک په نامه یادېږي جوړشوی. ددې ذرولوی والی دانسان له پوهې نه بهر دی یعنې  $10^{-18}$  متره (یو پر 10000000000000000 برخه د متر). دپام وړ بل ټکی په دې آیت کې داتوم وزن دی. دمثقال کلمه داتوم وزن ته اشاره کوي. داهم موندل شوې چې الکترونونه ، پروتونونه اونیوترونونه یو ځای شوی اواتوم یی جوړکړی اوهغه ته وزن ورکوي. اودا دقرآن یوه بله معجزه ده چې داتوم له تجزیې او اوله وزن نه یی بحث کوي. (اتومي وزن ډیر کوچنی وی چې دمنډلیف په جدول کې د عناصرو وزن یادشوی اوکله چې قرآن نازلیده اټوم لا چا نه پېژانده وزن خو یی لاپریږده خو قرآن په صراحت سره په پورتنۍ آیت کې دمثقال له کلمې نه چې له ثقلت نه اخستل شوې یادونه کوي اود ذری لپاره دروند والی ته ګوته نیسي. پښتوزباړونکی)

## تیاره یا تور سوری

په شلمه زیږدیزه پېړۍ کې دخلاپه هکله ډیرې موندنې وشوې. چې له هغې ډلې نه یوه یې په دې وروستیو کې څرګنده شوې اوهغه تیاره سوری دی. دغه سوری هغه وخت جوړېږي چې یو ستوری خپل ټول دسونک ټوکی مصرف کړی ، دغه ستوری انقباض کوي اوپه یوه تورسوری په لایتناهی کثافت سره چې حجم یی له صفر سره مساوی کیږي چې یوه ډیره زوروره مقناطیسي ساحه لري بدلیږي. دغه تورسوری په ډیرو ځواکمنو تلسکوپونو سره هم دلیدو وړنه دی. ځکه چې دهغه دثقل قوه دومره ځواکمنه ده چې نور یا روښنایی نه شی کولای له هغه نه وتښتی ، خو تورسوری دهغې مقناطیسي قوې چې په خپل شاوخواکې یی جوړوي موندل کیدای شی. دتورسوری اصطلاح Black hole لومړی ځل په کال ۱۹۶۹ میلادی کې دیوه امریکایی فزیکپوه جان هوپلر په نامه وکارول شوه. مخکې داسې انګیرل کیده چې ټول ستوری لیدلای شو ، په داسې حال کې چې وروسته څرګنده شوه چې داسې ستوری هم شته چې موږ هغه لیدلای نه شو ځکه دهغو ی رڼا ختمه شوې او له مینځه تللی (Collapsed) ده. له داسې یوه سوري نه چې فوق العاده کثافت ولري اویو کوچنی ځای په خلا کې ونیسي نور نه شی کولای تیر شی ، دهغه لایتناهی دثقل قوه ډیر چټک شیان حتی دنور کوچنۍ ذرې (Photon) ځان ته جذبوي. دډبلکې په ډول دیوه ستوری دسوځیدو پړاو چې دري ځلې له لمر نه ستر وي اوتر پایه وسوځیږي ، دیوه تورسوری(سوري) د ۲۰ کیلومترو په قطر شی په هره توګه به دیوې تورې سورې په څیر شی اودلیدو وړ به نه وي ، خو په نامستقیم ډول به خپله اغیزه هرومرو په نوروآسماني جسمونو څرګندوي اوپه دی توګه به خپل شتون ثابتوي. کیدای شی دامبارک آیت همدې موضوع ته اشاره کوي:

وَمَا أَدْرَاكَ مَا الطَّارِقُ النَّجْمُ الثَّاقِبُ

اوڅه ډول پوهیدلای شي چې طارق څه دی ،هغه ستوری چې نفوذکوي(په تیاره کې) (الطارق ۲-۳).

برسېره پردې ډیر لوی ستوری هم دخلاپه برخه په ځان کې رانغاړي. تورسوری نه یواځې دخلا دتاوراتاویدو لامل ګرځي بلکې دیوې ټوټه کیدو لامل هم ګرځي. دغې موضوع ته په قران کې اشاره داڅرګندوي چې داکتاب یواځې د الله (ج) کلام دی.

فَإِذَا النُّجُومُ طُمِسَتْ

هرکله چې ستوری یې نوره اومحوه شی (المرسلات ۸).

## نبضانی ستوری

دالطارق دسورې په لومړیو آیتونو کې د "طارق" کلمه دطرق له رېښې نه دکلک وهلو په مانا چې غږ جوړکړی اخستل شوی دی . که په دې آیت کې په احتمالي توګه دنبض الوتلو یعنې همغه له غږ سره دوهمو په مانا وی په یوه مهم علمی خبره باندې دلالت کوی . په وروستی آیت کې وایی چې طارق هغه ستوری دی چې په شپه یا په تیاره کې نفوذ کوی . په شپه کې پیداکړی مخکې ځی ، نبضان لری چټک اوپر یکنوکی دی. اوقسم یی یاد کړی اوپه هغه باندی سوګند کول دیوې مهمې علمی موضوع په اهمیت باندې دلالت کوی.

هغه څپرې چې جوسلین بل بورنل په کال ۱۹۶۷ کې دکامبریج په پوهنتون کې کړی د یوه منظم راډیوی زیکنال له لارې یی داخبره تایید کړه. مخکې له هغه څرګنده نه وه چې آسمانی جسمونه دزره په شان دنبض وهلو ځانګړنه لری . په کال ۱۹۶۷ کې ستورپېژندونکو روښانه کړه کله چې یوه ماده په خپله هسته کې متکاښه شی ، دخپل ځان په شاوخوا په څرخیدو راځی اودهغه مقناطیسی ساحه هم په څرخیدو راځی اودیره قوی کیږی. دبلکې په ډول زرمیلیارده یا یو ترلیون ځلې دځمکې دمقناطیسی قوی څخه ځواکمنه کیږی. هغوی داسی جسمونه وموندل چې په ډیره چټکۍ سره تاویری اوقوی راډیویي څپې دیوه مخروط په شان له خپل ځانه خپروی.

وروسته ډیر ژر څرګنده شوه چې ددغه زیکنال سرچینه دنیوترونی ستورو ګرځیدل دی . دغه نیوترونی ستوری نوی موندل شوی چې دنبضانی Pulsar په نامه یادیږی. دغه نبضانی ستوری چې د روښانه ستورو دچاودنې په پایله کې مینځ ته راځی دډیری کتلې اوروښنایی اوچټک خوځښت درلودونکی وی. ځینې دهغوی ۶۰۰ ځلې په یوه ثانيه کې په ځان راڅرخي. دنبضانی کلمه چی له نبض څخه اخستل شوې دخوځښت کولو یا منظم ښوریدو په مانا ده چې په هرځل ښوریدو کې منظم انقباض اوانبساط ښکاره کړی. اودغه موضوع مخکې له دې چې دغه نبض وهونکی ستوری وموندل شی په قرآن کریم کې یاده شوې ده.

نیوترونی ستوری په خپل ځان یا خپله هسته کې دراغونډیدو په پایله کې له ډیرو سترو ستورو څخه مینځته راځی. یو فوق العاده متراکمه کتله دڅرخیدو په بې ساری خوځښت سره دستوری دوزن اومقناطیسی ساحې په اخستو سره هغه ته فشار ورکوی اوپه ځان کې یی راغونډوی . ددغو نیوترونی ستورو بې سارې مقناطیسی ساحه چې چټک څرخېږی درادیوی څپو دلېرلو لامل ګرځی چې په ځمکه کې دسنجولو جوګه دی. دطارق دسورې په دریم آیت کې دثاقب کلمه یعنې نفوذ کوونکی ، مخکې تلونکی اوسوری کونکی مانالری دابنکاروی چې ستوری په تیاره کې یو سوری جوړوی . له داسې ستورونه چې څو برابره له لمر څخه غټ دی جوړشوی نبض وهونکی ستوری داسې آسمانی جرمونه دی چې پوهیدل پری څه آسانه کارنه دی ، له همدې امله سوال شوی چې څه ډول به پوه شي؟  
(و ما ادراک؟).

## د شعری ستوری Sirius

دقرآن یوه بله معجزه دشعری ستوری یادونه ده چې په یوویشتمه پېړۍ کې پېژندل شوی.

دنجم سوری په ۴۹ آیت کې دشعری ستوری یادونه دپام وړ ده . دشعری ستوری په شپه کې ستر اوخلیدونکی ستوری دی چې دپوهانو دڅېړنو له مخې په اصل کې دوه ستوری دی . لوی ستوری یی شعری . الف یا Sirius-A چې ځمکې ته نږدی دی اوروښانه دی ، دوهم یی کوچنی دی اوله تلسکوپ پرته ددیدو وړنه دی دشعری-ب یا Sirius-B په نامه یاد یږی. دشعری د ستوری مدار بیضوی دی او یو دور چې دیوه واحد مدارپه شاوخوا راڅرخي ۹، ۴۹ کاله موده نیسی. دغه موضوع د هاروارد ، اوتاوا و لینستر دپوهنتونو له لوری ثابته شوه په داسې حال کې چې دنجم دسورې ۴۹ و ۹ آیتونو څوارلس سوه کاله مخکې له هغی نه یادونه کړې وه .

وَأَنذَرُ هَوْرَبُ الشَّعْرَى

اوهغه دی دشعری دستوری رب(النجم 49).

## فَكَانَ قَابَ قَوْسَيْنِ أَوْ أَدْنَىٰ

ددولیندیوپه شان یا هم له هغه نه نږدی وو (النجم 9).

د نجم سوری نهم آیت (دستوری په مانا) ممکنه ده چې په خپل مدار کې ددغو ددو ستور تقارب شرح کړی وی.

### تیاره اوروښنایی

## وَجَعَلَ الظُّلُمَاتِ وَالنُّورَ

تیاره اوروښنایی یی جوړه کړه (الانعام ۱).

له روښنایی پرته څه نه شو لیدلای په داسې حال کې هغه نور چې موږ لیدلای شو هغه یوه برخه دهغی انرژۍ وی چې چې له سرچینې نه خپور شوی وی. دنور بیلابیل ډولونه لکه د X وړانګه ، ماواری بنفش ، رادیویي څپې اونورې لیدلای نه شو.

په زړه پوری خو لاداده چې دتیاره کلمه تل دجمعې په ډول په قرآن کې یاده شوې (ظلمات د ظلمت جمع) د ظلمات کلمه په قرآن کې ۲۳ ځلې یاده شوې اویوځل هم په مفرد ډول نه دی کارول شوې.

په قرآن کې دتیارې دکلمې یادونه داروښانوی برسیره پرهغو ډولونو دنورونو چې موږ یی لیدلای شو نور هم شته. دهرنور دڅپو اوږدوالی دهغه دانرژۍ له مخې چې دالکترومقناطیې خلا په نامه یادیرې فرق کوی. دالکترومقناطیسی وړانګوتول ډولونه دانرژۍ دموجونو په څیر په خلا کې عمل کوی. ددې موضوع دلا روښانتیا لپاره په ولاړو اوبو کې دیوې ډبرې دغورځیدو له امله دڅپو له جوړیدو څخه یادونه کولای شو. هغه ډول چې مینځ ته راغلی څپې په ابوکې ددبرې دغورځیدو په چټکتیا اوشدت له مخې مختلفې وی دالکترو مقناطیسی څپو اوږدوالی هم مختلف وی.

ټول ستوری له خانه یو ډول وړانګه نه خپروی . دغه وړانګې ددوی دڅپو داوږوالی له مخې په ډلو ویشل کیږی. دنوری څپو دطیف اوږدوالی ډیر پراخ دی. دکاما دورانګې دڅپې داوږدوالی توپیر<sup>25</sup> دی. دلهر ټوله وړانګه یواځې یوه برخه ددغه<sup>(10<sup>25</sup>)</sup> طیف جوړوی. اویا په سلو کې هغه وړانګې یا بیلابیلې څپې چې له لمر نه خپریږی ۳ ، ۰ نه تر ۵ ، ۱ مایکرونه دی چې درې ډوله نور لری: هغه نور چې موږ یی وینو ، له سره رنګ نه لاندی نور اود ماوراء بنفش وړانګې ، دلیدو وړ نور یواځې ۴۱ په سلوکې دلهر نورجوړوی. نو وینو چې هغه الکترومقناطیسی څپې چې دانسان دسترګور لپاره دلیدو وړ نور جوړوی دنور دطیف یوه وړوکې برخه ده. اونورځایونه چې دنور څپې یی د انسان دسترګو دلیدو وړنه دی ټول تیاره پاته کیږی له همدې کبله ډیره تیاره له هغې تیاری نه هم شته چې موږ یی پېژنو.

### پرته له اورنه احتراق یا سوزیدنه

## لَا شَرَفٌ لَّغَرِبَةٍ وَلَا غَرْبَةٍ يَكَادَرِيهَا يُضِيءُ وَلَوْ لَمْ تَمْسَسْهُ نَارٌ

نه لری (النور ۳۵).

نه ختیزواله ده نه لویدیز واله ، هغه بلیدونکې غوردی چې نور ښی په داسې حال کې چې له اورسره تماس

دغه آیت هغه څه ته اشاره لری چې نور خپروی ، په داسې حال کې چې نه په ختیز کې ده اونه په لویدیز کې . یعنی فزیکي ابعاد نه لری اونه د اور له لاری روښانه شوی دی. که داسې فرض شی چې ددې سرچینه یواځې انرژۍ ده ، نو په ډیر اټکل سره به منظور له برېښنا نه وی . دتیلی اوکازی څراغونو په خلاف په برېښنایی څراغ کې نه څه شی سوزول کیږی اونه هم داور له لاری روښانه کیږی. که فرض شی چې سرچینه انرژۍ ده نو هغه به برېښنا وی. دتنګستن فلز دنری تار دتودوخې درجه کله چې دبرېښنا دتبریدو له کبله دوه زرو سانتي کیږیدو ته ورسېږی. دغه رڼا رامینځته کیږی ، په دغه درجه دحرارت کې ډیر شمېر فلزات ویلې کیږی خو د تنګستن فلز نه ویلې کیږی. خو سره له دغې ډیرې تودوخې هېڅ شی نه سوزیږی ځکه چې دګروپ په مینځ کې اکسیجن نه شته اودتنګستن تار هم نه کمیږی. څه ډول چې په قرآن کې یادشوی دغه حالت دیوه روښانه ستوری سره ورته والی لری.

باید دا وویل شی چې برېښنا دبشریت دتاریخ یوه ډیره ستره موندنه ده اوتوله نړۍ یی په اصطلاح روښانه کړی ده. نو ډیر احتمالا شته چې دغه آیت برېښنایی رڼا ته اشاره وی.

موضوع داسې هم روښانولی شو: نور په ستوری کې دهستوی تعاملاتو له کبله جوړیږي. ستوری هغه روښانه اوسره څرخېدونکي کتلي دی چې دهستوی تعاملاتو له کبله په ډیره کچه روښنایی اوتودوخه خپروی. دیر غټ ستوری دخپل ځان دځواکمنې جاذبې قوې له کبله انقباض کوی یعنې چې مرکز یی تراکم کوی اوسورکيږي. کله چې دستوری دمنځ دتودوخې درجه ډیره شی اوسومیلیونو سانتي گريدو ته ورسېږي، هستوی تعاملات پیلېږي. دهايدروجن دهستوی ذرو ديوځای کيدو له کبله هغه په هيلیوم بدليږي. له څلوراثومو هايدروجنونه یو اتم هیلوم جوړیږي. ددې لپاره چې پروتونونه اونيوترونونه یوځای شی اودهیلوم هسته جوړه کړی زیاته انرژي آزادېږي. دغه آزاده شوی انرژي دستوری له سطحې نه دنور اوحارارت په شان خپريږي. کله چې هايدروجن ختم شی، ستوری دهیلوم په سوزیدو سره مخکې ځی اوپه همدې توگه درانه اودرانه ائومونه جوړیږي. دغه حالت ترڅو پوری چې دستوری کتله ټوله وسوزيږي دوام مومی. په داسې حال کې چې په دغو تعاملاتو کې اکسیجن کومه برخه نه لری، نو دغو تعاملاتو ته احتراق نه شوویلاي، نو هغه وړانکې چې دستورو په سطح کې لیدل کيږي له اوره نه وی. په دې توگه دستوری سوزیدل اودنور خپریدل داور له شتون پرته صورت نیسي.

## د وړیځو دروند والی

د وړیځو دروندوالی په بې ساری توگه ډیریدلای شی. لکه د تالندې اوبرېښنا جوړونکې وړیځې چې د درې سووزرو ټنو اوبو څخه جوړې شوې دی. اوداحقیقت چې درې سوه تنه کتله دې په هوا کې معلقه پاتې شي دحیرانتیا خبره ده. دوریځو دروندوالی ته پاملرنه په دغه مبارک آیت کې شوې ده.

هُوَ الَّذِي يُرِيكُمْ الْبَرْقَ خَوْفًا وَطَمَعًا وَيُنشِئُ السَّحَابَ الثِّقَالَ

هغه دی چې برېښنا دډار اوهیلې په توگه (درحمت باران) تاسو ته درښی اودرې وړیځې رااوچتوي. (الرعد ۱۲).

کله چې قرآن نازلیده ناممکه وه چې دوریځو دوزن یا دروندوالی په هکله څېړنه وشي اوددغه حقیقت بیان په قرآن کې بله داسې معجزه ده چې یوازې همدا ستر کتاب یی بیانولی شي اوبس.

## د باران اندول

وَالَّذِي نَزَّلَ مِنَ السَّمَاءِ مَاءً يَقْدِرُ فَأَنْشُرَ نَابِهَ بَلَدَةٍ مِّمَّا

هغه څوک چې له آسمانه یی باران په ټاکلې کچه نازل کړ اووچه ځمکه یی پرې ژوندی کړه (الزخرف ۱۱)

نورمعلومات په قرآن کې په ټاکلی کچه دباران کوزیدل دی لکه په پورتنی آیت کې.

دغه ټاکلی اورښت دنویو څېړنو په پایله کې وموندل شو. اټکل شوی چې په یوه ثانیه کې نږدې شپاړس میلیونه تنه اوبه دځمکې له سره تبخیريږي. دغه اندازه په یوه کال کې پنځوسوودیارلسو میلیاردو ټنو ته رسیږي چې دغه شمېره معادله ده له هغو اوبو سره چې هرکال دباران له لاری اورېږي، مانا داچې اوبه دیوه اندول له مخې دځمکې اوهوا په مینځ کې دڅرخېدو په حال کې دی. اوژوند په ځمکه کې همدې دوران پوری تړلی دی. که د اوسنۍ وخت ټوله ټکنالوژي په لاره واچول شي دغه ډول منظم دوران په مصنوعی توگه نشي جوړولای. له دغه تعادل نه ډیر کوچنی انحراف به داورښت په کچه او دژوندانه چاپیریال کی ژور بدلون رامنځته کړی اودژوند دختمیدو سبب به شی. خوداسې نه دی شوی اوباران په ټاکلی کچه څه ډول چی په قرآن کې راغلی راکوزيږي.

ټاکلی کچه یواځی دهغه شمیر نه وی بلکې دکوزیدو چټکتیا یی هم ده، دباران دکوزید چټکتیا له یو ټاکلی حد نه تیری نه کوی.

یو آلمانی فزیکپوه فلیپ لینارد چې په کال ۱۹۰۵ کې یی دنوبل جایزه هم ترلاسه کړې ومونده چې دباران دڅاڅکی دحجم په ډیریدو سره دهغه چټکتیا هم ډیریری ترهغو چې څلورنیم ملی مترو ته ورسیری. اوکه له دې نه دباران دڅاڅکی دحجم کچه ډیره شی چټکتیا یی په ثابته کي له اتومتروډیریری. دلیل دادی چې دسترو څاڅکو شکل دخوا دبهیر له کبله بدلون مومی اودا بدلون دخوا دمقاومت شکل بدلوی اوهغه زیاتوی اوپه پایله کې دڅاڅکی دلویدو چټکتیا راکموی.

### د باران جوړښت

داچې باران څه ډول جوړیږی یوه ستره پوښتنه وه چې پیری، پیری، بی ځوابه پاتې وه. کله چې دخواپېژندنې رادار جوړشو انسانان دباران دجوړیدو په پړاوونو پوه شول. دباران جوړښت درې پړاوو کې صورت نیسی: لومړی اومه ماده (اوبه) تبخیریری اوهواته پورته کیږی بیا ورپې جوړیږی اودریم دباران څاڅکی جوړیږی. په قرآن کې دغه موضوع په دقیقه توګه روښانه شوی:

اَللّٰهُ الَّذِیْ رَسَلَ الرِّیْحَ فَتَنِيْ رَسْحَابَا فَيَبْسُطُهُ  
فِي السَّمَاۗءِ کَیْفَ یَشَآءُ وَیَجْعَلُهُ کِسْفًا فَنَرٰی الْوَدْقَ یَخْرُجُ مِنْ  
خِلَالِهٖۙ

الله (ج) هغه ذات دی چې بادونه رالېږی څو چې ورپې پورته کړی اوهرډول چې وغواړی په آسمانونو کې یی منبسطوی اوتری یی اوبیا یی سره بیلوی اوباران به ووینی چې څاڅکی څاڅکی له هغه تویږی. (الروم ۴۸).

راځی چې وګورو دغه درې پړاوونه څه ډول له پورتنی آیت سره اړیکې مومی:

### لومړی پړاو: الله (ج) هغه څوک دی چې بادونه رالېږی:

ډیر شمېر حبابونه دسمندرونو دمخې له ځک نه جوړیږی چاودی اودهغه درې پورته هواته ځی. دغه زړې چې دمالکې درلودونکې وی دباد په واسطه پورته کیږی اوورپې جوړوی، ورپې داوبو دورو څاڅکو اودسمندر دمخ داوبو دتبخیر څخه جوړیږی.

### دوهم پړاو: څو چې ورپې راپورته کړی:

ورپې داوبو دبخارنه چې دمالکې دتوتو شاوخوا راغونډیږی (یو پرسلو ملی مترو قطر لری) ورپې په آسمان کې معلقې پاتې کیږی اوبیا خوریږی. اوپه دې توګه آسمان له ورپې پوښل کیږی.

### دریم پړاو: اوباران وینی:

داوبو هغه ذرې چې دمالکې دورو توتو په شاوخوا کې په هو اکې ځای نیسی یوبل سره یو ځای کیږی، پندیږی اودباران څاڅکی جوړوی. اوهغه څاڅکی چې نظر وهواته درنېږی ورپې پرېږدی اولاندې راتویږی.

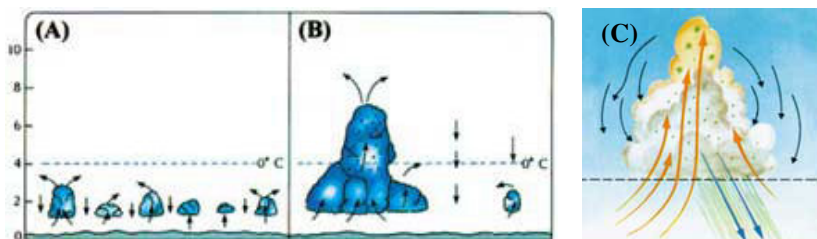
څه ډول مو چې ولیدل دباران دجوړیدو هرپړاو په دې مبارک آیت کې یادشوی. په یوه بل آیت کې دباران دجوړیدو په هکله داسې معلومات ورکړشوی:

الْقُرْآنَ اللَّهُ يُرْسِي  
سَعَاءَ يَوْمَ يُؤْتَفُكُنَّ بِهِمْ جَعَلَهُمْ رَكَاظًا فَرَى الْوَدَفَ يَخْرُجُ مِنْ  
خَلْلِهِ وَيَنْزِلُ مِنَ السَّمَاءِ مِنْ جِبَالٍ فِيهَا مِنْ بَرَدٍ فَيُصِيبُ بِهِ مَنْ يَشَاءُ  
وَيَصْرِفُهُ عَنِ مَنْ يَشَاءُ يَكَادُ سَنَاقُورُهُ يَذْهَبُ بِالْأَبْصَرِ

آيا ودي نه ليدل چي الله وربخي له هرلوري نه وشري خو چي يوبل سره يي وتري ، راتولي اومتراکهي يي کري ، هغه وخت به وويني چي دباران خاڅکي دوربخو له مينځ نه لاندې توي شي اوداسمان له غرونو نه پلي راتوي کري خوچي هرجانه خدای وغواړي ولريږي اوپر هرجا يي چي وغواړي ونه لريږي اودبرېښنا روښنايي داسي ولريږي چي سترگي يوسي (النور ۴۳).

دپوهانو څېړنې دوربخو دډولونو په برخه کي حيرانوونکي پايلې درلودې ، باراني وربخي دټاکلي سيستم اوپړاوونو پرېنست جوړيږي چي عبارت دي له :

۱. ديو بل په لور دراتوليدو پړاو: کوچنۍ وربخي يواځي کيږي يوه ستره وربخ جوړوي.
  ۲. دتوييدوپړاو: کله چي کوچنۍ وربخي سرپه سرشي اوستري وربخي جوړې کري ، دهغه تراکم په منځني برخه کي له څلورخواووڅخه ډير وي ، چي دغه سرپه سرکيدل په عمودي ډول دوربخو دکتلي دلويډو لامل گرځي لکه ( غر ) . دغه عمودي لويډل دورخي له خوا دکتلي دستريډو لامل دخمکي سرې برخي ته کيږي . سره سيمه کي داوبو خاڅکي جوړيږي اوکرارکرارلاندې توپري. کله چي دغه خاڅکي دومره لوي اودرانه شول چي دوربخو کتله هغه معلقه ونه شي ساتلي دخمکي لورته دباران اوړلي په څير راوړيږي.
- بايد په ياد ولرو چي هواپېژندونکي په دې وروستيو کي دټکنالوژي لکه کمپيوټر ، الوتکي ، مصنوعي سپوږمکي اونورو له لارې ددې خبرې په پوهيدو بريالي شوي دي په داسي حال کي چي دغه موضوع څوارلس پېړۍ مخکي په قرآن کي روښانه شوې.



باران مړه ځمکه راژوندي کوي

مِنْ السَّمَاءِ مَاءً طَهُورًا  
وَهُوَ الَّذِي أَرْسَلَ الرِّيحَ فَثَرَّابًا يَكْنِي رَحْمَتَهُ وَأَنْزَلْنَا  
لِنُخْرِجَ بِهِ بَلَدَةً مَيْتًا وَنُسْقِيَهُ مِمَّا خَلَقْنَا أَنْعَامًا وَأَنْاسٍ كَثِيرًا

اوله آسمانه مو پاکي اوبه راوړلېږلي خو په هغه باندې مړه ځمکه راژوندي کړو او هغه څه چي له څارويو اوانسانانو مو پيدا کړي ، هغوي پرې اوبه کړو (الفرقان ۴۸-۴۹).

باران نه يواځي داچي دژوو بنسټيزه اړتيا ده دسري په څير دشنه کيدو اوتقويه کيدو ځانگړتيا هم لري. باران چي دسمنډر له سطحې نه تبخيريريږي اووربخو ته رسېږي دداسي موادو درولودونکي دي چي ځمکه پري ددوهم ځل لپاره ژوندي کيږي. دغه خاڅکي دداسي يودول سري له ځانگړنې نه برخمن دي چي دسطحي راکټيل کيدونکو وروڅاڅکو په نامه ياديږي . دغه خاڅکي دسمنډر

دپورتني سطحې څخه جوړېږي چې بيولوژيستان ورته ميكروسكوپي پور وايي . دغه پور دملې متر له لسمې برخې نه هم کوچني پريپروالي لري ، دديرو عضوي موادو چې دالجي اونورو ژونديو ميكروسكوپي موجوداتو څخه په لاس راتلاي شي جوړېږي . دغه مواد سره يوځای کيږي اوفاسفورس ، مگنيزيم اوپوتاشيم چې دسمندريه اوبو کې ډير لږوي اودغه راز داسي فلزونه لکه مس ، جست ، کوبالت اوسرب هم ځان ته جذبوي . په دې توگه دځمکې نباتات ډيرهغه مواد چې دخپلې ودې لپاره ورته اړتيا لري دباران له څاڅکو څخه په لاس راوړي . هغه مالګې چې دباران له څاڅکو سره راځي دسرې دجوړيدو لپاره يې يوه بيلگه گڼلې شو چې حاصل پرې زياتېږي . په Aerosol ايرسول کې شته درانه فلزات دنبات وده زياتوي . لنډه داچې باران يودول سره هم ده . يوه پېړۍ دباران په اوږدوسره يوه شاړه ځمکه کيدای شي دکښت وروگرځي . ځنگلونه هم په همدې توگه خپل دارتيا ورتوکی له سمندرونو څخه په لاس راوړي . په دې توگه هرکال يوسلو پنځوس ميليونه تنه دسرې ذرې پرځمکه اوږيږي . که دباران دغه ځانگړنه نه وای دځمکې پر سر سربېره دنباتاتو کچه به ډيره لږه وای ، اودځمکې پرسربه دژوند امکان له مينځه تللی وای . په قرآن کریم کې دباران ددغې ځانگړتيا په اړه معلومات ددې کتاب له بې شمېره معجزو څخه يوه معجزه ده .

### د ډلې ، تالندې او برېښنا جوړيدل

أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ يَرْجِي  
سَعَابًا ثُمَّ يَقُولُ يَوْمَئِذٍ يَمْحُلُهُ رِجًا مَا فَرَى الْوَدْقَ يَخْرُجُ مِنْ  
خِلَالِهِ . وَيُنَزِّلُ مِنَ السَّمَاءِ مِنْ جِبَالٍ فِيهَا مِنْ بَرَدٍ فَيُصِيبُ بِهِ مَنْ يَشَاءُ  
وَيَصْرِفُهُ عَنِ مَنْ يَشَاءُ يَكَادُ سُنَّابُ رِقَابِهِ يَذْهَبُ بِالْأَبْصَارِ

آيا ودي نه ليدل چې الله وربځي له هرلوري نه وشړي څو چې يوبل سره يې وتړي ، راتولي اومتراکمي يې کړي ، هغه وخت به وويني چې دباران څاڅکي دوريوخو له مينځ نه لاندې توي شي اودآسمان له غرونو نه ډلې راتوي کړي څوچې هرجاته خدای وغواړي ولږيږي اوپر هرجا يې چې وغواړي ونه لږيږي اودبرېښنا روښنايي داسې ولږيږي چې سترگې ييوسي ( وبي برېښوي ) (النور ۴۳) . په دغه آيت کې ډلې او برېښنا ته اشاره شوې . او دهواپېژندنې له اړخه هم موضوع په همدې توگه روښانه شوې ده . کله چې ډلې ديوې ډيرې سړې اوکنګل شوي برخې نه توپري ، وربځې برېښنايي کيږي . اوبلن څاڅکي په دغه برخه کې کنګل کيږي اوکله چې ډلې دانه يا کنډرکي جوړيږي ، پته تودوخه ترې آزادېږي . دغه تودوخه ډلې سطح له دهغو کنګلونو نه چې ډلې په شاوخواکې شته توده ساتي . کله چې ډلې دانه دکنګلونو سره تماس مومي يوه مهمه پېښه مينځته راځي . الکترونونه ديوه ساره شي نه دتاوده شي په لوري ځي . په دې توگه ډلې دانه منفي چارج نيسي . دغه اغېزه دسرو څاڅکو اوډلې ددانو له تماس څخه پېښېږي او دکنګل توتي چې مثبت چارج لري پرې ماتېږي . دغه مثبتې توتي چې سپکي دي دهوا دهېر له لارې هوا ته پورته کيږي . اوس چې ډلې منفي چارج لري دوربځې لاندېني برخې ته لويږي نو له همدې امله دوريوخو لاندېني برخه منفي چارج اخلي اودغه بهير دبرېښنا دجوړيد لامل گرځي نو له دې څخه څرگنديږي چې ډلې دبرېښنا دجوړيدو لامل دي .

لاندېني آيت دباراني وريځو او برېښنا په مينځ کې داريکو ، اود برېښنا دجوړيدو څرنگوالي روښانوي .

أَوْ كَصَيِّبٍ مِنَ السَّمَاءِ فِيهِ ظُلُمَاتٌ وَرَعْدٌ وَنُقُرٌ

لکه دتوپان په څير وربځي په آسمان کې چې په هغو کې تياره اوتالنده او برېښنا وي . (البقره ۱۹) .

باراني وربځي دډير حجم اووزن درلودونکي وي چې پراخوالي يې تردوسوو شپېتو کيلومترو پورې اوچکوالي يې تر دولسو کيلومترو پورې رسېږي . له دې کبله يې لاندېني برخه تياره وي او داوبو اوکنګل دزياتوالي له کبله دلهر وړانګې نه شي کولای له هغو تېرې شي . نو له همدې کبله دلهر لږه انرژي ځمکې ته رسېږي . په دغه آيت کې دتالندې او برېښنا دجوړيدو پړاوونه دوربځې دتياړې نه وروسته ياد شوي . په وريځو کې يو برېښنايي چارج جوړيږي ، کله چې هوا ونه شي کولای دعايق په څير عمل وکړي ددغو چارجونو توليدل ديوې شارتي اولمبې لامل گرځي چې دمثبتو اومنفي چارجونو ديوځای کيدلو له کبله مينځته راځي او دبرېښنا ولتاژ ان تر يو ميلياردو ولتو ته رسېږي . دغه لمبه يا چې موږ ورته برېښنا وايو ددوو وريځو دکتلې ياهم دوريوخو دمثبتو چارجونو اودځمکې دمنفي چارجونو دتکر له امله مينځ ته راځي . ( کله چې دوريوخو مثبت چارجونه دځمکې له منفي چارج سره يوځای شي نو په ځمکه کې دتندر دلويدولامل همداوي ) " ژباړن .

ددغو چارگونو نابیره زیاتیدل دبرېښنا دخط په تکلوری کې تر لسوزرو سانتي کريدو پورې د تودوخې لامل گرځي چې په پایله کې یې هوا په چټکۍ سره پرسپړی چې دتالندې دغږ لامل گرځي.

وَيْسِّحُ الرِّعْدُ بِحَمْدِهِ

اوتالنده دده تسبیح وایی (الرعد ۱۳).

### بار(حمل) ورکونکی بادونه

دقرآن کریم په یوه آیت کې دبارورکونکو بادونو اودباران جوړیدل یادشوی :

وَأَرْسَلْنَا الرِّيحَ لَوَافِحَ فَأَنْزَلْنَا مِنَ السَّمَاءِ مَاءً فَأَسْقَيْنَاكُمُوهُ

موږ بار(حمل) ورکونکی بادونه راولېږل اودهغو په اثر مو باران له آسمانه واوراوه خوچې ټولوته اوبه ورکړی (الحجر ۲۲).

دغه آیت څرگندوی چې دباران دجوړیدو لومړی پړاو باد دی . له شلمې زیږدیزې پېړۍ څخه مخکې داسې انگیرل کیده چې دباد یواځینې دنده دورېځو راوړل دی. په داسې حال کې چې دهوا پېژندنې موندنو دباد ونډه دبارانونو په بارورکونه کې روښانه کړه.

څه ډول چې مو مخکې وویل دسمنډر په سطح کې بې شمېره حبابونه جوړیږي کله چې دغه حبابونه وچوې بېشمېره دملی متر په سلمه برخه کوچنۍ ذرې هواته پورته کیږي. دغه اېرسولونه Aerosol چې له مخکې نه پورته شویودورو اولرو سره له باد سره یوځای راځي اوسره گډپېری دځمکې پورتنۍ برخې ته اوچتېږي اوخوځښت کوي ، په پای کې دبادونو له لارې پورته اوپورته وړل کېږي خوچې دابودبخارونو سره تماس مومي . داوبو بخار ددغو ذروپه شاوخوا تراکم کوي اوداوبو څاڅکي جوړوي چې ټول یوځای ورېځې جوړوي اوپرځمکه دباران په څېر اورېږي. نو وینو چې څه ډول باد تبخیر شوې اوبه دهغو ذروله لارې چې دسمنډر له مخې څخه یې اخلی بارورکوي اودورېځو اوباران په جوړیدو کې مرسته کوي.

دباد له لارې دباران اوورېځو په جوړیدو کې دغه ارزښتناک ټکي سلگونه کاله مخکې کله چې دطبیعی پدیدو په هکله پوهې ډیر لږ پرمختګ کړی و په قرآن کې بیان شوی. بله مهمه مسأله په دې آیت کې دکالانو په تلقیح اوبارورکونه کې دباد ونډه ده.

ډیر کلان خپل گردونه یا Pollen دباد له لارې شپنې اودخپل ډول بقا ته ادامه ورکوي. ډیر نباتات له پرانستو(دخپريدوور) تخمونو سره لکه دصبردونو ، دکجورو دونو ، هغه هکې لرونکي نباتات چې گل کوي اودشنې گیاه په څیرنباتات ټول دباد له لارې القاح کېږي. باد د نبات له یوه بوټي نه بل هماغه ډول بوټي ته گرد لېږدوي اودالقاح عملیه ترسره کېږي. تردې وروستيو پورې دغه حمل ورکونکي میکانیزم څرګند نه وو ، کله چې څرګند شوچې نباتات هم دنارینه اوبنځینه جنس درلودونکي دي دباد دغه عمل هم وموندل شو . په داسې حال کې چې قرآن له مخکې دا مسأله څرګنده کړې وه.

### دباد دجوړېدو پړاوونه

يَعْقِلُونَ

### وَتَصْرِيفِ الرِّيحِ ءَايَتٌ لِّقَوْمٍ

اوباد ته په لوری ورکولو کې د عقل د خاوندانو لپاره نښانې دی (الجاهیه ۵).

باد د دوو مرکزونو په مینځ کې د بېلابېلې تودوخې د خوځښت څخه عبارت دی. توپیر لرونکې د تودوخې درجې ، د هوا توپیر لرونکې فشارونه جوړوي او تل له پورته نه له لور فشار څخه ښکته تیت فشار خواته جاري وي. هرڅومره چې د تودوخې درجې توپیر او په پایله کې یې د فشار توپیر زیات وي ځواکمن بادونه جوړوي. حیرانوونکې مسأله داده چې د ځمکې گردچاپېره د تودوخې درجې اوفشار د ډیر توپیر سره سره لکه داستوا د کرنې تودوخه او د قطبونو سره هوا بیا د خدای په فضل ډیر وژونکې او وړانوونکې بادونه نه جوړيږي. اوکه چېرې داستوا او قطبونو په مینځ کې بادونه کرار نه وای د ځمکې پر سره د ژوند امکان موجود نه وای. او تل به ځواکمنو بړیو کېو او توپانونو دوام درلود. د تصریف لغت یعنې ځووړه راتاوول ، لوری ورکول ، بڼه ورکول تنظیمول او اوڅېړول دی . د دغه لغت انتخاب د باد لپاره په خپله دهغه د بهیر ډول څرگندوي. او همدا رنگه دا رسوی چې بادونه تصادفي نه دي بلکې تل داسې د الله (ج) له خوا تنظیمېږي چې د ژوند بقا په ځمکه کې تامینېږي.

### فوتو سنتیز څه ډول سهار مهال پیلېږي

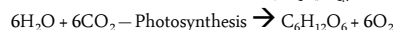
#### وَاللَّيْلِ إِذَا عَسَسَ وَالصُّبْحِ إِذَا تَنَفَّسَ

قسم په شپه چې تیاره کېږي او په سهار چې سا اخلي. (التکویر ۱۸-۱۷).

د نباتاتو فوتو سنتیز Photosynthesis هغه کاربن دای اکساید چې دانسانانو لپاره زیان لری جذبی او پرځای یی اکسیجن آزادوي. دیرش په سلوکې د ځمکې دسر اکسیجن د ځمکې دوچې د نباتاتو او اویا په سلوکې د سمندرونو لاندې نباتاتو له لاری جوړيږي . فوتو سنتیز یوه مغلقه عملیه ده چې تراوسه په سمه توگه څوک پرې نه دی پوهیدلی . ځکه چې تعاملونه د مالیکولونو ، اټومونو او الکټرونونو په سطح صورت نیسي . نو دغه عملیه په سترگو نه شو لیدلای . خواغېزه او پایلې یی د اکسیجن او هغو خوراکی توکو کې چې موږ ترې گټه اخلو وینو. د فوتو سنتیز گټه دهغه اکسیجن له مخې چې جوړوي یی اندازه کېږي. سهارمهال کله چې دلهر وړانکې ډیرې متراکمې وي ډیرې تولیدېږي . دلهرختو په وخت پانې په خوله کولو پیل کوي او په همغه انډول د فوتو سنتیز عملیه گرندی کېږي. ماسپښین مهال فوتو سنتیز ورو کېږي اوسا خستنه زیاتېږي ځکه تودوخه ډېرېږي او خوله هم زیاتېږي . د شپې مهال کله چې تودوخه کمېږي نو خوله هم کمېږي او نبات ارام کوي.

د اذاتنفس کلمه په سهار کې اوږدې سا اخستلو ته اشاره ده . ځکه چې د اکسیجن تولید چې د ساخستنې اساسی توکي دی پیلېږي او ډیره کچه یی په همدې وخت کې وي . کله چې الله (ج) په هغه سوگند یادوي ، د موضوع پر اهمیت ټینګار کوي. دغه مسأله چې په قرآن کې یاده شوی د شلمې پېړۍ مهمه موندنه بلل کېږي.

شپږ مالیکوله اکسیجن + شپږ مالیکوله قند → فوتو سنتیز → شپږ مالیکوله کاربن داي اکساید + شپږ مالیکوله اوبه



سمندرونه يو له بله سره نه کېږي

دسمندرونو يوه خانګړنه چې اوس اوس خلک پرې پوه شوي دې آيت پوري تړاولري:

دوه سمندرونه يی يو بل ته نږدې اومخامخ کړی خو ددوی په مېنځ کې يو حد شته چې يو پر بل نېری **مَرَجَ الْبَحْرَيْنِ يَلْتَقِيَانِ بَيْنَهُمَا بَرْزَخٌ لَا يَبْغِيَانِ** نه کوی (الرحمن ۱۹-۲۰).

سمندريپېژندونکي په نږدې وختو کې پوه شوي چې دسمندرونو اوبه سره له دې چې يو بل ته دېرې نږدې دي اوبو له بله سره تماس لري خو سره نه مخلوطېږي . ددغو اوبو دکثافت توپير اودسطحي راکټيښې توپير يی داسې عمل کوي چې کواکې ددوي په مېنځ کې يو نړی ديوال شته دی. دېبلکې په ډول دمديترانې سمندرګې اوداطلس سمندرګې تل جذر اومدونه پېښېږي اوڅواکمني خپې لري او اوبه يی يو په بل کې ننوځي خو هېڅکله هم دهریوه دتودوخې درجه ، کثافت او دمالکې اندازه بدلون نه مومي. ځکه چې داسې يوه مانع شته چې دوی يوله بله بېل ساتي.

**وَهُوَ الَّذِي مَرَجَ الْبَحْرَيْنِ هَذَا عَذْبٌ فُرَاتٌ وَهَذَا مِلْحٌ أُجَاجٌ وَجَعَلْ بَيْنَهُمَا بَرْزَخًا وَجِجًا جُورًا** اوهغه دی چې دوه سیندونه يی يوپه بل کې ننويستل يو يی خوندور اوڅور کړ اوبل يی اوتریخ اوددوی په مېنځ کې يی داسې يوه پرده ونيوه چې يوله بله بېل واوسي(الفقران 53).

ددغې موضوع شرح په قرآن کې خپله يوه ستره معجزه دی اوهغه وخت بيان شوې چې دفریک علم دسطحي راکټيښې په هکله په څه نه ؤ خبر.

په سمندرونه کې تياره اوکورنۍ څپې

**أَوْ كَظُلُمَاتٍ فِي بَحْرٍ لَّيْلِ يَغْشَاهُ مَوْجٌ مِّنْ فَوْقِهِ مَوْجٌ مِّنْ فَوْقِهِ سَعَابٌ** يا لکه د ژورسمندر تيارې چې دڅپو له لارې پوښل شوي چې برسېره يی بله څپه وي اوپرسرېې (النور 40).

په ژوروسمندرونو کې ددوسومترو په ژورتيا تياره وي . اودزرومترو په ژورتيا کې هېڅ رڼا نشته. نن موږ دسمندرونو دڅېرې ، په هغو کې دژوو ، دمالکې دکچې دلورې اوژورې په هکله يی معلومات لرو ، داوبتلونو اونورو وسيلوله لارې پوهانو زيات معلومات لاسته راوړي . په داسې حال کې چې انسان دځانګړو وسايلو نه پرته نه شي کولای تر اويا مترو ژورو اوبو کې ولاړی اوددوسوومترونه ژور ځای کې خو ژوندی نه پاتې کېدو له دې کبله دا قرآنی معجزه ده چې څوارلس سوه کاله مخکې دسمندرونو په ژورتيا کې يی تياره بيان کړې وه چې پوهان ايله اوس پرې پوه شوي. برسېره پرتيارې يوه بله موضوع هم په دې آيت کې ياده شوی: اوس پوهانو موندلې چې ترسطحي لاندې څپې (sub-surface waves) هم په سمندرونو کې شته چې دسمندر دژورو پورونو اوبه چې لوړ کثافت لري په ځان کې رانغاړي. دغه څپې کټ مټ دسطحي څپو په څېر وي اوپه هماغه توګه له مېنځه ځي . دغه کورنۍ څپې په هېڅ توګه نه ليدل کېږي بلکې دډېرې مطالعې اوڅېړنې نه وروسته پر هغه پوهيدلای شو چې دادقرآن عظيم الشان بله معجزه ګڼل کيدای شي.

هغه ځای چې زموږ خوځښت کنټرولوي

**كَلَّا لَئِنْ لَّمْ يَنْتَهِ لِنَسْفَعْ بِالنَّاصِيَةِ نَاصِيَةٍ كَذِبَةٍ خَاطِئَةٍ**

نه ، که هغه ونه درید ، مور به یی دتڼې له وېښتو ونیسو ، یوه دروغجنه خطاکاره وچولی . (العلق ۱۵-۱۴)

د"ناصیة کاذبة خاطئة" کلمه په دې آیت کې ډیر عجیب دی . ننیوڅېړنو ښوولی چې دماغ دوچولی په برخه کې دځانګړو دندو دتنظیم مسؤلیت لری . دغه دندې چې څوارلس سوه کاله مخکې په قرآن کې ورته اشاره شوې یواځې شپېته کاله مخکې پوهان پرې پوه شوی . یو کتاب چې داناتومی اوفیزیولوژی بنسټونه نوم لری داسې لیکي:

"دیوه هوډ لپاره وړاندوینه اوهڅونه ددماغ په مخکینی برخه کې چې په انګرېزی کې ورته (Prefrontal area, frontal lobe) وایی صورت نیسی اوددماغ په همدغه ځای کې دیرغل کوونکو کړونو مرکز هم قرار لری . نو همدا وچولی دی چې دښې یا بدې کړنې یا درینښتیا اودروغو ویلو دپلان جوړونې ځای دی .

په ډاډ سره ویلو شو چې پورتنی آیت ددماغ همدغې برخې ته اشاره کوی چې په دې وروستیو شپېتو کلونو کې موندل شوی دی .

### دالله (ج) په یاد سره زړونه آرام مومی

د امریکې د څېړونو په ملی مرکز کې د داوید لارسن څېړنې دملحدو او مؤمنو خلکو تر مېنځ په پرتله کولو کې حیرانوونکې پایلې ترلاسه کړې: دبېلګې په توګه باایمانه اودینداره خلک شپېته په سلو کې تر یو دینه خلکو لږ دزړه په ناروغۍ اخته شوی وو ، دوینې لورفشار اودځان وژنې پېښې هم په مؤمنو کسانو کې ترملحدینو اوبی دینو خلکو ډېرې لږې وې . د عقلی طب یوه نړیواله مجله رپوټ ورکوي چې بې عقیدې خلک زیات ناروغه کېږي اودژوند اوږدوالی یی کم دی. دمعدي او تنفسی سیستم ناروغۍ شپېته په سلو کې ترپرځای باورلرونکو خلکو نه په هغوی کې ډېره ده.

ارواپېژندونکې هم ورته پایلو ته رسېدلې ، یعنې چې عقیده دانسان اروا ځواکمنوي اوروغتیا ښه کوي. دغه توضیح به کفایت وکړي خو مسأله هغه وخت لا روښانه کېږي چې عملی تجربه سرته ورسېږي .

ایمان په الله (ج) له هرې بلې روانې انگېزې نه ځواکمن وي. دهربرت هنس دڅېړنو مرکز چې دامریکې دهارواد پوهنتون کې دی په دې هکله په زړه پورې اوحیرانوونکې څېړنې اویاپیلې لري. سره له دې چې ډاکټر هربرت خپله عقیده نه لري اویو ملحد دی ،خو دې پایلې ته رسېدلې چې دالله (ج) عبادت دانسان په روغتیا کې له هر بل څه نه ډیره اغېزه لري. ده ثابت کړه چې هېڅ عقیده دومره اروایی آرامښت انسان ته نه ورپه برخه کوي لکه پر الله (ج) ایمان یی چې ورپه برخه کوي.

دانسان دجسم اوروح اوايمان په مېنځ کې داریکوپه هکله څه دلیل موجود دی؟ دی وایي: چې جسم اوروح داسې تنظیم شوی چې باید پرالله (ج) عقیده ولري.

أَلَا يَذْكُرُ اللَّهُ تَطْمِئِنُّ الْقُلُوبُ

اودغه حقیقت چې دطب ننی پوهه پرهغه اعتراف کوي په قرآن کې یاد شوی :

پوه شی چې یواځې دالله (ج) یاد زړونو ته ډاډ وربښي(الرعد ۲۸).

ولي هغه کسان چې پرالله ایمان لري اودهغه عبادت کوي جسماً اوروحاً روغ دي. ځکه چې هغوی دخلقت دموخې مطابق عمل کوي. هغه فلسفې اوسیستمونه چې دخلقت دحقیقت خلاف وي تل درد لرونکي اوغم راوړونکي وي.

معاصر طب نوی پرمختګونه په دې هکله لري . څه ډول چې پاتریک ګلاین وایي: "په وروستیو پنځه ویشو کلونو کې علمی څېړنې اوارواپوهنه څرګندوي چې دیني اعتقاد ددماغی روغتیا لپاره منطقي اوجوړونکې عامله اړتیا ده.

### په اسلام کې بڅښنه اودهغه روغتیا یی ګټه

خُذِ الْعَفْوَ

په قرآن کې یادشوی یو اخلاقي صفت عفواوبڅښنه ده.

عفو ونیسه(وکره)(الاعراف ۱۹۹).

وَجَزَّوُاسِيَّةٍ سَيِّئَةٍ مِّثْلَهَا فَمَنْ عَفَا وَأَصْلَحَ فَأَجْرُهُ عَلَى اللَّهِ

اودبدې جزا دهغه په مثل بدې ده خو که چا عفو وکړه هغه اصلاح وکړه. اجرېی الله(ج) ورکوي (الشوری ۴۰).

څوک چې دغه اللهی امر ونه مني عفو به ورته ستونزمنه وي ځکه چې ډیر ژر به عصبی شی اوپه خطا به اخته شی. په داسې حال کې چې قرآن وایي: چې عفو له انتقام یا کساد نه بهتره ده. ځکه باایمانه کسان بڅښونکي اوصبرناکه وي.

وَالْكَاظِمِينَ الْغَيْظَ وَالْعَافِينَ عَنِ النَّاسِ

خپله غوصه کراروی او خلک بخښی (آل عمران ۱۳۴).

په ایمان لرونکو کې د بخښنې خصلت له بې ایمانو څخه ډیر توپیر لری . ځکه که یو څوک ادعا وکړی چې یو څوک یی بخښلی خو بیا هم تریو خته پوری غصه ناک اوڅپه وی اوزیار باسی چې خپل قار کېږی. په داسې حال کې چې د بایمانه اومسلهان بخښنه مخلصانه وی ، ځکه هغوی پوهېږی چې انسانان په دې نړۍ کې تل زیار باسی اوله خپلو تېروتنو څخه زده کړه کوی ځکه هغوی بخښونکی او صبرناکه وی. اوايمان لرونکی کله چې عفو کوی نو مقابل لوری یی خطا کاروی اودی په حقه وی اوکیدای شی چې ستر زیان هم دمقابل لور له گناه نه ورته رسیدلی وی خو دی دخدای لپاره بخښنه کوی اووایی چې هرڅه دالله له لوری وی.

دنویو څېړنو پربنسټ چې امریکایانو تره سره کړی ، هغه کسان چې د بخښنې قدرت لری له روحی اوجسمی اړخه له روغتیا څخه برخمن وی. داکتر فریدریک لوسکین چې خپله دوکتورایی دارواپوهنې په څانگه کې داستانفورد له پوهنتون څخه ترلاسه کړې په سانفرانسسکو کې یی په دووسو دری پنځوسو تنو باندې څېړنه کړې. ده دغه خلک شپږو مجلسونو ته چې هریو یی یونیم ساعت وخت درلود وغوښتل اوعفو اوبخښنه یی ورته توصیه کړه. دغو کسانو وروسته له بخښنې ډیر لږ زیان ولید اوهم له جسمی اړخه ښه ول. دبیلگې په ډول پردوی باندې روحی فشار دملا درونه ، بې خوښی ، دسردرد ، دکېدې درد ترپخوا لږ وه.

د فریدریک لوسکن د ((ښه توب لپاره عفو)) کتاب کې بخښنه دخوښۍ اوروغتیا لپاره ډېره ښه نخسه گڼل شوې. دی په دې کتاب کې لیکي چې عفو پر هیله ، صبر اوپرځان باور باندې ډېره مثبتې اغېزه کوی ، هغه زیاتوی چې غصه پرجسم باندې ښکاره اغېزه لری ، پرله پسې غصه دوجود دتودوخې پرنظام یا Thermostat باندې ناوړه اغېزه کوی. کله چې یو څوک په لږڅپکان یا غصې سره هم چې دوامداره وی عادت وکړی دنارمل اغېزنازل سم توپیر نه شی کولای. په دې حالت کې دادرنازلین کچه تل لوړه وی اوله هغه سره دی عادت کوی . دوجود اضافه ادرنازلین سوزوی اومنطقی فکر کول ستونزوسره مخ کوی ، چې داپه خپله دوضعی دخرابیدو لامل گرځی.

برسېره پردې داکتر لوسکن وایی چې دقار اوغصې په وخت کې دخپنو انزایمونو لوړیدل دونې فشار لوروی.

په یوه بله څېړنه کې چې په یوزرو پنځه سوو کسانو کې معلومه شوې په دینداره اوبایمانه کسانو کې روانې ستونزې اواروایی ناروغی لږې دی. داکتر هربرت هنسن چې دغه څېړنې یې سرته رسولی وایی: عفو دفیزيولوژی یوه برخه ده ... که عفو ونه کړې هغه مساله به تا وخوری. دهاروارد په مجله کې یوه خپره شوې مقاله کې لیکل شوی چې قار اوغصه دزړه لپاره ډېره زیان رسوونکې ده . ایچر کواچي دغه موضوع علماً جوتنه کړې. دده څېړنو ښوولې چې دډېر عمر بدخویه اوقارجن سړی له خپلو معادل عمر لرونکو سړو څخه ډېر ژر زیږې اودزړه په ناروغی درې برابره له هغوی څخه ډېر اخته کېږی. کواچي وایی چې دغه درې برابره دزړه دناروغی خطر نېغ په نېغه اریکه لری له ډېر قار ، کسات غوښتنې ، دجکړې غوښتنې اوسزاورکولو له حس سره.

څېړونکي پردې باور دی چې دروحی فشارونو له کبله داکسیجن مصرف دزړه عضلې غټوی ، دویږي دټینکیدواوپه پای کې دزړه دحملي لامل گرځی.

دغه راز قار اوغصه بیرحمی رامېنځته کوی اوپه وینه کې دپروتینونو دپرسوب سبب گرځی. دغه پروتینونه درگونو دیوالونه کلکوی دزړه دناروغیو امکان ډیروی.

تولې څېړنې ښی چې قار اوغصه دانسان روغتیا ته زیان رسوی. په داسې حال کې چې عفو اوبخښنه خوندوره اودروغتیا لپاره گټوره ده. دعقوې اساسی موخه باید دالله (ج) رضا وی. دغه علمی حقیقت په قرآن کې له زرگونو بېلکو څخه یوه بېلکه ده چې په قرآن کې نغښتې حکمت راسپړی.

### عبادت شفا موندنه چټکوی

الله (ج) وویل ما وغواړی خو ستاسو دعا قبوله کړم (غافر ۶۰).

وَقَالَ رَبُّكُمْ ادْعُونِي أَسْتَجِبْ لَكُمْ

دقرآن له نظره صلوة یعنې غږ کول ، غوښتل ښکارول اومرسته غوښتل دی. نو دعا اوعبادت عبارت دی له الله (ج) ته رجوع کول گرځېدنه ، دعا اوله هغه نه مرسته غوښتنه ده . ناروغی یوه هغه بېلکه ده چې څوک ځان اړ وېولی اوهغه د الله (ج) لورته راکاږی. له بل لوری ناروغی د الله (ج) له لوری یوه آزمېښت دی چې انسان خپلو تېروتنوته متوجه کوی اوداچي نړۍ کې ژوند فانی ښه لری. چې داییا داجراو ثواب لپاره یوه لاره اودگناه لپاره دبخښنې یوه وسیله کیدای شی.

هغوی چې سم ایمان نه لری داسې فکر کوی چې شفا دطیبب اومعاصرې طبی ټکنالوژی په لاس کې ده . هغوی فکر نه کوی چې الله (ج) ددوی دجسم سیستمونه روغ پیداکړی اوهغه دی چې درمل اوطیبب یی پیداکړی دی. ډیر کسان هغه وخت الله (ج) ته راگرځی چې له طیبب اودرملو څڼې ناهیلی شی. په دې وخت کې یواځې له الله نه مرسته غواړی. څه ډول چې په لاندې مبارک آیت کې بیان شوې:

وَإِذَا مَسَّ

الْإِنْسَانَ الضُّرُّ دَعَانَا لِجَنبَيْهِ أَزْوَاجُهُ أَوَّافَعًا أَثْقَالًا فَلَمَّا كَشَفْنَا عَنْهُ صُورَ مَرَكَّانَ لَمْ يَدْعُنَا إِلَى ضَرْمِهِ

کله چې انسان په زیان کې شی په هرحالت کې چې وی ، ناست ، ولاړ ، یا غزېدلی موږ ته دعا کوی او هغه وخت چې رنځ یی لرې شی داسې دغفلت په لور ځی چې کواکې موږ یی هیڅ دخپل زیان ددفعې لپاره نه ووغوښتی. (یونس ۱۲).

یعنی په هرحال کې حتی دروغتیا اود ستونزو د نه لرولو په حالت کې هم باید انسان لمونځ وکړی اوله الله (ج) نه دهغې هوساینې لپاره چې ورکړې یی ده مننه وکړی. ددعا اولمانځه ډیر مهم اړخ عبارت له دې نه دی چې شخص باید زیار وباسې چې دده دعا له عمله سره یوځای وی. دعا اولمونځ له عمل سره یعنی دهرڅه سرته رسول چې دسرتنه رسېدو امکان یی وی. لکه ناروغ چې دعا کوی برسېره پردې چې دعا کوی باید طبیب ته هم ورشی اودرمل هم باید واخلي. ځکه الله (ج) هرڅه په دنیا کې یوله بل سره تړلی اودهرڅه لپاره یی سببونه پیدا کړی اوهرڅه دټاکلو اسبابو له لاری واقع کېږی. نو هرڅوک له الله نه باید په داسې حال کې چې صبر اومتانت به لری دنېوپایلو انتظار دې ولری. ډاکتران ددعا اولمانځه په مثبتو اغېزو اوله دې لارې چټکې روغتیا موندنې ته موجه شوی دی او هغه ټولو ته توصیه کوی.

د نیوزویک Newsweek مجلې د "الله (ج) اوروغتیا ترسربیک لاندې ، چې په کې لیکل شوی آیا دین سمه درملنه ده اوولې ساینس ایمان راوړی ؟ د ۲۰۰۳ کال د نومبر په لسمه کڼه کې یو شمېر مقالې خپرې کړې. په هغو کې ویل شوی چې عقیده دناروغ مورال اوچتوی اودروغتیاموندنې دگړندیتوب لامل یی گرځی. ساینس منلې چې ایمان دچټکې اواسانه شفا موندنې لامل کېږی. د مجیکن پوهنتون څېړنو هم ښودلې چې روانی فشارونه اوروحي انحطاط په ایمانداره خلکو کې لږ دی . د شیکاگو پوهنتون په څېړنو کې ښوول شوی چې بې وخته مړینه په هغو خلکو کې چې لمونځ کوی ترنورو ۲۵ په سلوکې لږه ده په هغو نورو اوه سوه پنځوسو تنوکې چې دزړه رگونه یی معاینه شوی وو دلمانځه اودعا اغېزه کې علماً ثابت شوې. اوڅرگنده شوه دهغو کسانو مړینه چې لمونځ یی کاوه په کال کې دیرش په سلوکې لږه وه. لمونځ نباید یواځې ددې لپاره وی چې ناروغی اوستونزې له چا لری شی. یوبایمانه اومخلص مسلمان باید تل لمونځ وکړی اویواځی د الله (ج)

وَإِذَا سَأَلَكَ

عِبَادِي عَنِّي فَإِنِّي قَرِيبٌ أُجِيبُ دَعْوَةَ الدَّاعِ إِذَا دَعَانِ فَلْيَسْتَجِيبُوا لِي وَلْيُؤْمِنُوا بِلَعَلَّهُمْ يَرْشُدُونَ

درضا غوښتونکي دی وی.

اوکله چې بنده گان له مانه وپوښتی ، ووايه چې زه هغوی ته نږدې یم اودهردعاکوونکي دعاقلېوم. نو باید زما دعوت ومنی اوايمان راوړی څوچې نېکمرغی ته ورسېږی (البقره ۱۸۶).

### د دين دنه مراعات له کبله روانی فشار اوخپګان

هَمَّازٌ مِّنْ عَمَلٍ صَادِقٍ، فَإِنَّ لَهُ مَعِيشَةً ضَنْكًا وَمَنْ يَّرِدْ أَنْ يُّضْلَهُ يَجْعَلْ صَدْرَهُ ضَيْقًا حَرَجًا

هرڅوک چې زما له ياده غافله شی معيشت به يی تنګ شی اوهر چاته چې وغواړی لارورکی يی کړی دهغه زړه تنګ اوکلکوی (طه ۱۲۴).

فَمَنْ يُرِدِ اللَّهُ أَنْ يَهْدِيَهُ يَشْرَحْ صَدْرَهُ لِلْإِسْلَامِ وَمَنْ يُرِدْ أَنْ يُضِلَّهُ يَجْعَلْ صَدْرَهُ ضَيِّقًا حَرَجًا كَأَنَّمَا يَصَّعَّدُ فِي السَّمَاءِ كَذَلِكَ يَجْعَلُ اللَّهُ الرِّجْسَ عَلَى الَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ  
اوهرځوک که وغواړی چې لارورکی یې کړی دهغه زړه به تنګ اوکلک وگرځوی (الانعام ۱۲۵).

هغه څوک چې په الله (ج) ایمان نه راوړی تل به داندېښنې، دار اواروایی ناروغیو لپاره زمینه مساعدوی چې په پای کې جسمی ناروغی هم رامېنځته کوی اوژر زېږی . ایمان لرونکی خلک داچې له اروایی پلوه ځواکمن دی نو له همدې کبله لږ په اروایی ستونزو اخته کېږی . د الله (ج) رضا ، ایمان اودخوشبېنې مثبتې اغېزې اوددې قبول چې هرڅه پېښېږی هغه د الله (ج) له لوری دی ددوی په روحی اوجسمی روغتیا کې څرګند وی. البته دغه یواځې دهغو کسانو په هکله صدق کوی چې له قرآنی احکامو پیروی کوی اوپه ریښتیا هم په خپل دین باندی کلک دی نه داچې یواځې دمسلمانې ادعا ولری . پرته له شک څخه ایمان لرونکی هم ناروغه کېږی اوزرېږی خو زړښت یې هېڅکله هم ددوی داروایی خپلتیا اومراویتوب لامل نه ګرځی . اروایی ستونزی یا مراویتوب زموږ دزمانې له ډیرو خپروشوو ناروغیو څخه ګڼل کېږی چې جسمی اواروایی ضررونه لری اوجسمی ناروغی هم رامېنځته کوی . دمراویتوب عامې ستونزی عبارت دی له عقلی ناروغۍ ، اعتیاد ، بی خوږی ، دپوستکې ناروغی ، دګېډې ناروغی ، دویني لورفشار ، حساسیت یا الرژی ، نیم سړی ، ددهوکو ناروغی ، دپښتورګو ناروغی ، دزړه حملې اوتنفسی ستونزې . دااثباته شوې چې دټولو دغوناروغیو عامل روانی ستونزې دی .

روانی فشار Stress دعقل یو اضطرابی حالت دی چې احساسات لکه دار ، ناامنی ، ګڼی ، اندېښنه اونور چې دعضویت دتوازن دګډوډیدو لامل ګرځی مېنځته راوړی . دادرناالین کچه لورېږی ، دانرژۍ مصرف اوغبرګونونه لوړې کچې ته رسېږی ، شکر کلسترول اودویني غوړ ډیږی اودویني فشار هم اوچتېږی اونبض چټکېږی . دکورتېزول زیاتېدل دشکر ، دزړه ، لورفشار ، سرطان ، ټپونو ، تنفسی ، اودپوستکو دناروغیو لامل ګرځی اوان چې ددماغ دحجرو دله مېنځه تلو زمینه برابری .

ددرد اواروایی فشار ترمېنځ یوه نېغ په نېغه اړیکه شته ، چې دغه فشار درګونو دتنګیدو او ددماغ ځېنو برخو ته دنه رسېدولامل ګرځی . دجسم یوې برخې ته دویني نه رسېدل په هغه ځای کې ددرد لامل ګرځی ، په عین وخت کې دادرناالین کچه لورېږی چې خپله درګونو دانتقباض اودعضلو دتقلص لامل ګرځی . نو دغه درد مېنځته راځی داضطراب سبب ګرځی اودغه اضطراب درد لاپسې زیاتوی .

څېړنو ښوولی چې مضطرب ، نارآمې ، عصبي ، بې صبره او بې رحمې کسان زیات دزړه دحملولاندې راځی . ځکه چې سمپاتیک اعصاب تحریکېږی اوپه زیاته کچه انسولین تولیدوی چې دانسولینو زیاتېدل دزړه لپاره ډیر زیان ښونکی وی .

هرڅومره چې دناروغ اروایی حالت بد وی دویو دسروکرویاتو فعالیت لږوی . دغه راز لېندانايلر داکسفورد پوهنتون دټکنالوژۍ دلېږدولو دکېڼې رییس دمعافیت په سیستم باندې هم دهغه بده اغېزه ثابته کړی ده . دمراویتوب ( افسرده کې یادېږیشن) په وخت کې دماغ زیات کورتېزول آزادوی چې دا په خپله دوجود دمعافیت سیستم له کمزوری سره مخامخ کوی . ثابته شوې چې دډېرو ناروغیواریکه لکه سرطان له اروایی فشارونو سره شته . لنډه داچې مراویتوب ، زړه تنکی اواروایی فشارونه دعضویت نورمال توازن له مېنځه وری روغتیا خرابوی اوبېلابېلې ستونزی مېنځته راوستلای شی .

پاک رب په یوه بل آیت کې داسې فرمایي:

حَتَّىٰ إِذَا صَافَتْ عَلَيْهِمُ الْأَرْضُ بِمَا رَحُبَتْ وَصَافَتْ عَلَيْهِمْ أَنْفُسُهُمْ وَظَنُّوا أَن لَّا مَلْجَأَ مِنَ اللَّهِ إِلَّا إِلَيْهِ

ترهغو چې ځمکه پرهغو تنکه شوه او ان چې له ځانه زړه تنکی شول اوپوه شول چې پرته له الله (ج) نه هېڅ پناه ځای ددوی لپاره نشته . (التوبه ۱۱۸).

دزړه تنکوالی اوداروایی فشارونو دغه حالت دې عقیدې اوضعیف الايمان خلکو په برخه وی . اوبله هېڅ چاره پرته له دې چې الله (ج) ته پناه یووسی نه لری . نن ډاکتران عقیده لری چې ددغو حالاتو یواځینۍ درملنه دزړه کرار والی اوآرام چاپېریال دی . اودغه حالت یواځې دقرآنی ارشاداتو څخه په پیروی کې لاسته راوړلای شو .

فَمَنْ تَبِعْ هُدَايَ فَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ

هرچا چې دهدایتونو پیروی وکړه دده لپاره دارنشته اوخپګان به پرې رانه شی (البقره ۳۸).

## د انسان پیدایښت

پرالله (ج) باندې ایمان دانسان پام په قرآن کې دخلقت بیلابیلو بېلګو ته راګرځوی لکه آسمانونه ، ژوی ، نباتات ، انسان اونور اوله انسان نه غوښتل شوی چې په دې هلکه خیرنه وکړي.

لَعَنُ خَلْقَنَّاكُمْ فَلَوْلَا تُصَدِّقُونَ

مورتاسو پیداکړی بیا ولی تصدیق نه کوی ؟ (الواقعه ۵۷)

دقرآن اعجاز په بیلابیلو آیتونو کې ښکاره دی ځینو آیتونو داسې شیان یاد کړي چې په اوومه میلادی پېړۍ کې ناممکن ووڅو چې انسان پرهغو پوه شی. لکه :انسان له ټولې منی څخه نه بلکه له یوې برخې نه یې جوړشوی.

۱-دزرنطفه دماشوم دجنسیت ټاکونکی دی.

۲-دماشوم رشیم دیوې غواړی (حلزون) په څېر دمور پررحم نښلی.

۳-جنین په رحم کې دننه په درې تیاروکې وده کوی.

## د منی څاڅکی :-

منی د مور دوجود په دننه کې خوځښت لری څو تخمې ته ورسېږي. ددوسوونځوس میلیونو سپرمونو له ډلې څخه چې په منی کې شته یواځی یوزری دښځې تخمې ته چې دنهې مالکې په کچه وی ځان رسوی. دغه موضوع دقیامت په سورې کې یاده شوې ده.

آیا یوه نطفه له انزال شوی منی څخه نه وه (القیامه ۳۷).

په دې ځای کې وینو چې الله (ج) روښانوی چې انسان له ټولې منی څخه نه بلکې دمنی له یوې لړې برخې نه جوړشوی. اودا هغه موضوع ده چې په شلمه پېړۍ کې روښانه شوې.

أَلَمْ يَكُنْ مِنْ نُطْفَةٍ مِنْ مِيْنِ يَمَنِ

## دمنی مخلوط:

دمنی مایع یواځې دسپرمو درلودونکی نه وی بلکې دبېلابېلو مایعاتو یو مخلوط وی چې په خصیو اودپروستات دغدې په منوی کیسواودبولی مجرا په نورغدو کې موجود وی. چې تجزیه یی جوتوی چې هغو کې سپرم ، ویتامین سی ، کلسترول ، فلاوین ، شکر ، دلیموجوهر ، پروستاګلادین ، فاسفولیپید فاسفیت ، جست ، هیالورنیدیز اونورې اجزای وی. دغه مایع بیلابېلې دندې لکه سپرموته دانرژۍ جوړول ، درحم دخولې دسیمې دتیزای چاپیریال خنثی کول ، دسپرم دحرکت لپاره دیوه ښویدونکې تکلوری جوړول اونورې لری.چې دغه موضوع په سلگونه کاله مخکې قرآن یاده کړې.

إِنَّا خَلَقْنَا الْإِنْسَانَ مِنْ نُطْفَةٍ أَمْشَاجٍ

مور انسان دمختلطي نطفي له اوبو نه خلق کړ (الانسان ۲).

اوپه یوه بل آیت کې دمخلوط جوهر نه دانسان پرخلقت ټینګار کوی:

ثُمَّ جَعَلْ نَسْلَهُ مِنْ سُلَالَةٍ مِنْ مَّاءٍ مَهِينٍ

هغه وخت مو دهغه نسل د یوې بیقدرې مایع له لنډیز یا جوهر څخه جوړکړ (السجده ۸).

دسلالي کلمه يعني ديوه شی اساسی اومههمه برخه یعنی دهغه جوهر.

### دماشوم جنسیت:

تردې نژدی وختو پوری خلکو فکر کاوه چې دماشوم جنس دښځې له لوری ټاکل کېږي ( اوزمورږیوشمېرخلک اوس هم په همدې باوردی) اوکله هم فکر کېده چې دواړه هم مور هم پلار دماشوم په جنسیت اغېزه لری. خو قرآن مجید روښانه کړې چې جنسیت دنارینه دمنی له څاڅکي نه نشأت کوی.

وَأَنَّهُمُ خَلَقَ الذَّكَرَ وَالْأُنثَىٰ مِنْ نُّطْفَةٍ إِذَا تُمْنَىٰ

اوهغه دنارینه اوبښځینه جفتونه پیداکړل دنارینه له نطفې نه چې توپری. (النجم ۴۶-۴۵).

أَلَمْ يَكُنْ نُطْفَةً مِنْ مَنِيٍّ يُمْنَىٰ ثُمَّ كَانَ عُلُقَةً فَمَخْلَقَ فَسَوَّىٰ ۖ فَعَمِلَ مِنْهُ الذَّكَرَ وَالْأُنثَىٰ

آیا په لومړی سر کې یوه نطفه دمنی له جنسه نه وه . بیا هغه نطفه تړلې وینه شوه اوپه پای کې یی جوړه اوپیداکړه اوله هغه نه یی دوه جنسه تر اوبښځه مېنځته راوړل (القیامه ۳۹-۳۷).

دمالیکولیر بیولوژی اوجنتیک علم پرمختګ ددغو معلوماتو پریښتینوالی داعتراف جوګه شوی دی . په شمله پېړۍ کې دا پوهه لاسته راغله چې دماشوم جنسیت دتر دسپرمو د حجرو له مخې ټاکل کېږی . دجنسیت دټاکلو عامل کروموزونه وی . شپږ څلوېښت کروموزونه دانسان دجوړښت ټاکونکی وی چې له هغو ډلې نه یی دوه عدده دجنسی کروموزونو په نامه یادېږی. دغه جنسی کروموزونه په نارینه وو کې Y او X او په ښځو کې X او X دی (چې دشکل دورته والی په خاطر په دې حرفونو نومول شوی ) د X کروموزوم ښځینه او د Y کروموزوم دنارینه ځانګړتیاوې لېږدوی. دیوه انسان یا یوه ماشوم نوی جوړیدل ددغو کروموزونو ددوو دانو له یوځای کیدو نه چې په نارینه اوبښځو کې دجوړې په توګه وجود لری صورت نیسی. دښځې جنسی حجره په دوو حجروویشل شوې چې هر یوه یی یواځې ښځینه ځانګړنې لری. په داسې حال کې چې د نارینه جنسی حجره کله چې ویشل کېږی دوه ډوله بېلابېل سپرمونه جوړوی چې یو یی د X کروموزوم اوبل یی د Y کروموزوم لری.کله چې دښځې هګې چې د X کروموزوم لری د X کروموزوم درلودونکی سپرم سره یوځای شی ماشوم د XX کروموزومونه لری یعنې چې نجلۍ به وی . اوکله چې دښځې تخمه چې یواځې د X کروموزوم لری کولای شی د Y کروموزوم درلودونکی سپرم سره یوځای شی چې ماشوم به دې توګه YX کروموزومونه وی یعنې هلک به وی. نو دماشوم جنسیت دنارینه دسپرموله لارې ټاکل کېږی. په داسې حال کې چې په زیاتو ټولنو کې فکر کېده چې دجنسیت ټاکل دښځه له لوری وی. اوبښځې دنجونو په زېږولو ملامتېدلې. څوارلس سوه کاله مخکې قرآن دغه ناوړه دود رد کړی اوداسې موضوع یی بیان کړه چې موږ یی ایله اوس په حقیقت باندې پوه شوی یو.

**هغه عقله چې په رحم پورې نښلی:**

که هغو موضوعاتو ته چې په قرآن کې یادشوی ښه خبر شو ډیرو مهمو موضوعگانو باندې به پوه شو. کله چې دنارینه سپرم دښځې له تخمې سره یوځای شی دیوه ماشوم دجوړیدو بنسټ ایښودل کېږي . دغه واحد حجره دزایگوت Zygote په نامه یادېږي چې په دوام داره توګه تکثیر کوی اودغوښې په یوه توڼه چې درشیم Embryo په نامه یادېږي بدلېږي چې دغه پړاوونه دمایکروسکوپ له لارې لیدل کېږي. دغه رشیم آزاده نه پاتې کېږي بلکې ځان درحم پردیوال نښلوی اوپه هغه کې رېښې خغلیو چې ښه کلک شی. اودهمدغو ریښوله لارې خوراګې مواد چې د ودې لپاره ډیرارین وی دمور له وینې نه اخلي.

بیا نو دا دقرآن یوه بله معجزه ده چې په رحم باندې د رشیم سرښېښدوته اشاره کوی.

**خَلَقَ الْإِنْسَانَ مِنْ عَلَقٍ.**

انسان بی له علق (ترل شوې وینې) نه جوړکړ. (العلق ۲).  
 د"علق" کلمه کله چې یو شی په بل شی ونښلی مانا لری دغه کلمه غواګي یا حلزون چې په نورو ژوو ځان نښلوی اودهغو وینه زېښی په مانا هم راغلې.  
 په ډاډمنه توګه د مور د رحم دتوضیح لپاره ددې کلمې کارونه یواځې دالله کلام کیدلای شی چې خالق دتولو کلمو دی.

**پرهډوکو دعضلو پوښونه:**

هغه مهم معلومات چې قرآن برابر کړی ، دمورپه رحم کې دودې پړاوونه دی.

فَخَلَقْنَا النُّطْفَةَ عَلَقَةً فَخَلَقْنَا الْعَلَقَةَ مُضْغَةً فَخَلَقْنَا الْمُضْغَةَ عِظْمًا فَكَسَوْنَا الْعِظْمَ لَحْمًا ثُمَّ أُنشَأْنَاهُ خَلْقًا آخَرَ

بیا مو نطفه علقه کړه اوله علقې نه مو شلېدلې غوښه جوړه کړه اوله هغې شلېدلې غوښې مو هډوکي اوبیا مو پرهډوکو عضلي رامېنځ ته کړ(المؤمنون ۱۴).

امبریولوژی Embryology داسې علم دی چې دمورپه رحم کې دماشوم دودې پړاوونه ترڅېړنې لاندې نیسی. تردې نږدې وختو پورې دامبریولوژی پوهانو فکر کاوه چې هډوکي اوعضلي یوځای جوړېږي ، په داسې حال کې چې میکروسکوپیکوڅېړنو وښودله چې په قرآن کې شرح شوی پړاوونه بشپړدقیق اوسم ویل شوی اووروسته له ډېرې مودې پوهه وتوانیده چې دقرآن دا ویل شوی حقیقت درک کړي.لومړی له غوښې نه چې دتولو نسجونو یو مخلوط وی یو غضروف جوړېږي چې وروسته بیا په هډوکي بدلېږي ، بیا وروسته دعضلو حجري جوړېږي اوپه هډوکو خورېږي اوهغه پوښوی.

یوه پوهنېزه څېړونه دانسان دتکامل په نامه داسې وایی:

"درشیم عمومي اسکلیت په اوومه اوونۍ کې دهډوکو په جوړښت سره څېره مومې اوبیا وروسته ډېر ژر دعضلو جوړښت پیلېږي.عضلي بیا خپل سم حالت غوره کوی . دعضلو جوړیدل په اتهه اوونۍ کې واقع کېږي " . لنډه داچې دانسان د ودې پړاوونه څه ډول چې په قرآن کې روښانه شوی د ننی امبریولوژی موندنو باندی دتایید مهر ږدی.

**د مورپه رحم کې پړاوونه اوتیارې:**

قرآن وایی چې ماشوم ددرې گونو تیارو په پړاوونوکې پیداکېږي.

يَخْلُقُكُمْ فِي بُطُونِ أُمَّهَاتِكُمْ خَلْقًا مِّنْ بَعْدِ خَلْقٍ فِي ظُلُمَاتٍ ثَلَاثٍ

تاسو یی پړاوپه پړاو دمور په رحم کې پیداکړی په درې گونو تیاروکې (الزمر 6).

درې گونې تیارې یا(ظلمات ثلاث) درشیم دودې په بهیر کې عبارت دی له : دبطن یا نس په جوف کې تیاره  
 1. درحم دننه تیاره

ننۍ بیولوژي ښکاره کړه چې درشیم اوماشوم وده څه ډول چې په مبارک آیت کې یاد ه شوې په درې پوښونو کې کېږي. برسېره پردې پوهې جوتنه کړې چې هریو له هغو نه له درې پوښونو پوښونو نه جوړشوی. د بطن یا نس پوښ دپوستکې ، دپوستکې لاندې اوعضلو پوښونه دی .

1. درحم پوښ دیهرنۍ برخې دعضلاتی برخې اودرحم دکورنۍ برخې چې رشیم په کې ځای په ځای کېږي جوړشوی دی. هغه پوښ چې ماشوم درحم په مېنځ کې په کې ځای په ځای شوی هم درې پوره لری چې د Chorion ، Amnion و Decidua په نومونو سره یادېږي.

برسېره پردې پورتنی آیت کولای شی درحم په مېنځ کې دژوندانه درې پړاونوته اشاره ولری. چې دغه درې پړاونونه عبارت دی له : دوه نیمې لومړنۍ اونۍ یا درشیم دجوړیدو نه مخکینی پړاو ، تراتو اوونږپوری درشیم پړاو اویا تر زېږیدنې پورې جنینی پړاو.

۱- درشیم نه مخکې پړاوPre-embryonic : چې دزایکوت په لومړی پړاو کې تقسیمېږي اودحجروپه یوه څانګه بدلېږي چې ځان درحم دیوال باندې ښلوی چې داحجرې په تدریجی توګه درې پوره جوړوی.

۲- رشیمی پړاوEmbryonic: دغه پړاو پېنځه نیمې اوونۍ وی چې انساج اودعضویت بېلابېل غړی په مېنځته راتلو پیل کوی.

۳- جنینی پړاوFoetal: وروسته له اتمې اوونۍ نه وی چې په بشپړه توګه دیوه انسان له شکل سره ورته وی په داسې حال کې چې لومړی سر کې یواځې درې سانتي متره اوږدوالی لری دغه پړاو تر درې اوونیو پوری او دولادت ترروخته پورې دوام مومی.

دمورپه نس کې دماشوم دودې په اړوند معلومات یواځې دمدرنو وسایلو له لاری په څېړونو امکان وموند خو قرآن لکه نورې په سلګونه موضوع ګانې دغه معلومات ډیروراندې روښانه کړی.

**د نطفې د صدور لومړنۍ موقیعت:**

اوپه بل آیت کې دنطفې دجوړیدو په هلکه فرمایي:

خُلِقَ مِنْ مَّاءٍ دَافِقٍ يَخْرُجُ مِنْ بَيْنِ الصُّلْبِ وَالتَّرَائِبِ

له خوځېدونکو اوبو څخه خلق شوی چې دملاتیراوپوښتیو له مېنځ نه راوځي (الطارق ۶-۷).

څوارلس پېړۍ مخکې دامبریولوژی علم نه وو اوددغو آیتونو په هدف سم څوک نه پوهېدل . کله چې ماشوم دمورپه رحم کې وی خصیې دهلک په جنین کې اوتخمدان دنجلۍ په جنین کې هلته چې پښتورګې موقیعت لری ځای پرځای وی یعنی د ملا د تیر اود پوښتیو په تقاطع کې چې وروسته بیا خپل اصلی موقیعت ته یعنی لږڅه لاندې راځی . خصیې د ملا د تیر اوپوښتیو له مېنځ نه درحم په مینځ کې په دریمه میاشت لاندې خواته خوځښت کوی اوپه حوصله کی ځای نیسی. بیا له اوومې میاشتې وروسته لاندې راځی اودنس لاندینی جدار ته رسېږی اوپه نهمه میاشت دزېږېدنې وخت ته نږدې له نس نه دباندې په خپل اصلی ځای کی ځای نیسی. دقرآن دغه حکمت بله یوه معجزه ده.

**له اوبونه د انسان پیدایښت**

وَاللَّهُ خَلَقَ كُلَّ دَابَّةٍ مِنْ مَّاءٍ

وَهُوَ الَّذِي خَلَقَ مِنَ الْمَاءِ بَشَرًا

الله (ج) ټول ژوی له اوبو نه خلق کړی (النور ۴۵).

هغه داسې ذات دی چې بشر یی له اوبو پیداکړ (الفرقان ۵۴).

کله چې په دې آیت کې دانسان اونورژوو د پیدایښت ډول گورو د قرآن په اعجاز به اعتراف وکړو. انسانان سلگونه کاله وروسته دمیکروسکوپ دجوړیدوله لارې پر دې پوه شول چې هرژوندی موجود له اوبو نه پیداشوی.

دژوندیو موجوداتو له پنځوسو نه تر نوی په سلوکې جوړښت له ابوشوی دی. بیولوژی روښانوی چې اتیا په سلو کې سائتوپلازم چې د هرحیوان دحجرې اساسی جز دی له اوبو جوړشوی اوسائتوپلازم په سلگونه کاله وروسته د قرآن له نزول څخه پېژندل شوی دی.

**له خټې نه جوړښت**

الله (ج) په قرآن کې فرمایي چې انسان یی له خټې جوړکړی اوروح یی په هغه کې پوکړی دی.

مونږ داله سربیناکې خټې څخه پیداکړل(الصافات ۱۱).

إِنَّا خَلَقْنَاهُمْ مِنْ طِينٍ لَازِبٍ

کله چې دانسان جسم ترمطالعې لاندې ونيول شی دا روښانېږی چې ټول عنصرونه چې په خاوره کې شته دانسان په بدن کې هم شته.ژوندی انساج پنځه نوی په سلوکې له کاربن ، هایدروجن ، اکسیجن ، نایتروجن ، فاسفورس اوشپروېشت نوروعنصرونو نه جوړشوی.

وَلَقَدْ خَلَقْنَا الْإِنْسَانَ مِنْ سُلَالَةٍ مِّنْ طِينٍ

انسان مو دخټې له جوهر یا خلاصی څخه پیداکړ (المومنون ۱۲).

د "سالة" کلمه يعني ديوشي بنسټيزه يا خلاصه برخه يعني دهغه جوهر. دغه معلومات خوارلس پيړۍ مخکي قرآن کي ويل شوي چي اوسني پوهه ايله اوس پرې پوه شوي ده.

## د جنيټو تنظيم Gene

مِنْ نَظْفٍ خَلَقَهُ فَقَدَرَهُ ثُمَّ السَّيْلَ يَسْرُهُ

له نطفې نه مو پيداکړ اوانډول مو ورته سم کړ. بيا مو تکلوري ورته آسان کړ (عبس ۱۹-۲۰).

د "قدره" کلمه چي متناسب ژباړل شوي دي د قدر له فعل څخه اخستل شوي. دغه کلمه د تنظيمولو، پلانونو، طرحې اچولو، وړاندوينې او په پای کي دهرڅه ليکل په تقدير کي دي. کله چي سپرم د تخمې پلار مور القاح کړه دواړه جينونه يوځای کېږي اود ماشوم د جسم ټولې ځانگړنې جوتهېږي. هريو د دې زرگونو جينو څخه ځانته ځانگړې دنده لري. دسترگو درنگ، دويښتو، ونې، څېرې اونورو جين ټاکل کېږي. برسېره پردې دعضويت په دننه کي د زرگونو بېلابېلو فعاليتونو فزيکي ځانگړنې مشخصېږي چي کنترول يي په جينو کي ليکل شوي دي. لکه دويني د فشار لوړيدل چي به جينو کي حک کېږي.

هغه لومړني جين چي دسپرم اووړم له يوځای کيدو څخه مېنځته راځي د دي. ان. اي. DNA مالیکول جوړوي چي ديوه چا ټولې نښې له لومړي سرته ترمړينې پورې دکودنو په توگه کي خايول کېږي. دغه مالیکول د داسي جينونو درلودونکي وي چي دحجرو په هسته کي ځای لري. لومړني حجره دپادوشويو معلوماتو له مخي د DNA په ويشل کيدو پيل کوي. په دې توگه يو انسان جوړېږي. ديوه انسان د جوړښت تنظيم ديوه مالیکول يا DNA له لاري صورت نيسي. دغه مالیکول له کاربن، هايډروجن، نايټروجن او فاسفورس نه جوړشوي دي. دمعلوماتو هغه ظرفيت چي په DNA کي ثبت وي، پوهان يي حيران کړي. په يوه مالیکول کي شته معلومات دومره پراخ دي چي کولای شي يو ميلیون دایرة المعارفونه چي هريو يي په زرگونه مخه ولري ډک کړي.

دپرټلي لپاره کولای شو ووايو چي دنړۍ ستر اوډير معلومات لرونکي دایرة المعارف بریتانیکا Britannica دي چي درويشت ټوکه اوپنځه ويشت زره مخه دي. په داسي حال کي چي يو مالیکول چي دحجرې په هسته کي له خپله حجرې نه هم کوچنی وي دنړۍ له ستر دایرة المعارف Encyclopedia نه څلوېښت برابره ډير معلومات په کي ځای شوي. يعني چي دغه دایرة المعارف به زر ټوکه ولري چي تراوسه ددنیا په هېڅ ځای کي نشته دا دانساني بدن يوه بله معجزه ده چي ماترياليستان اوهغه کسان چي دکايناتو خالق نه مني دروغجن غلط اوډيرنادانه ثابتوي. DNA جوړښت په کال ۱۹۵۳ ميلادي کي دفرانسيس کريک له خواکشف شوي په داسي حال کي چي په سلوکونه کاله مخکي قرآن هغه ته اشاره کړې وه.

## حيض Menstruation

دحيض دوران هغه وخت وی چې دیوې ښځې له عضویت نه القاح شوې تخمه او له مېنځه تللی نسج درحم له مېنځه دبانډې وشل شي. دغه پېښه دویني درگونو له څېړیدو سره ملګری وی چې له پای ته رسیدو وروسته یی د تخمې د پخیدو لپاره یوه بله دوره پیلېږي. دهرې ښځې لپاره ځانګړی وخت یوه میاشت ټاکل کېږي. هره میاشت ټاکل شوی هورمونونه آزادېږي او یوه پخه شوی تخمه آزادېږي. نو دښځې وجود په هره میاشت کې یوځل دالقاح لپاره چمتو کېږي. خو دسپرم مداخله یا عدم مداخله وروستی بدلونونه ټاکي. په دې پړاو کې درحم په جوف کې بدلونونه یواځې کیدلای شي چې داناتومي اونسایي کتنو له لاری ښکاره شي. په داسې حال کې مخکې له دې چې پوهان په دې بهیر پوه شي قرآن یادکړي:

اللَّهُ يَعْلَمُ مَا تَحْمِلُ كُلُّ أُنْثَىٰ وَمَا تَغِيضُ الْأَرْحَامُ وَمَا تَزِدُّواذًا وَكُلُّ شَيْءٍ عِنْدَهُ بِمِقْدَارٍ

الله (ج) پوهېږي چې دهرې ښځې دحمل بار څه دی اوهرکمی اوزیاتی په رحم کې. اوهرڅه په مناسبه کچه ټاکل شوی دی. (الرعد ۸).

دحيض دبهیر په پیل کې درحم دکورنۍ غشأ پندوالی. نږدې نیم ملی متره وی. دتخمدان له لارې دآزادو شوو هورمونونو تراغېزې لاندې دغه غشأ نوره هم پندېږي تر پنځو اوشپږو ملی مترو پورې رسېږي اودزایکوت دخښېدولپاره چمتو کېږي. دعدم القا په صورت کې دغه پورېدبانډې توپیري. بیانو په هره میاشت کې په رحم کې زیاتوالی اوکموالی راځي.

وَيَسْأَلُونَكَ عَنِ الْمَحِيضِ قُلْ هُوَ أَذًى فَأَعْرِضُوا لِلنِّسَاءِ فِي الْمَحِيضِ  
وَلَا تَقْرُبُوهُنَّ حَتَّىٰ يَطْهُرْنَ

اوپوښتنه کوې له تانه دحيض له دورې نه ،ووايه په هغه کې دښځو لپاره درد شته نو په دې حال کې له هغوی سره مه یوځای کېږي اوترې لرې والی وکړی ترهغو چې له حیضه پاکې نه شي له هغو سره مقاربت مه کوې (البقره ۲۲۲).

دطب ننی پوهې ثابته کړې چې دحيض په دوره کې جنسي مقاربت دمیګروبی ناروغیو اودرحم دسرطان لامل ګرځي.

## د ماشوم د غړو د ودې ترتیب

انسان مو له مختلطې نطفې څخه پیداکړ اوترآزموینې لاندې مو راووست اوبیامو هغه اوریدونکي اولیدونکي وګرځاوه (الانسان ۲).

إِنَّا خَلَقْنَا الْإِنْسَانَ مِنْ نُطْفَةٍ أَمْشَاجٍ نَبْتَلِيهِ فَجَعَلْنَاهُ سَمِيعًا بَصِيرًا

د قرآن په ټولو آیتونو کې د انسان دحواسو د یادښت یو ترتیب شته تل لومړی اورېدل ، بیا لیدل اوبیا حس کول یاد شوی دی . داکتر کیت مور وایی: په دوه ویشتمه ورځ د رحم په دننه کې لومړی د غوږنو جوړښت پیلېږي بیا سترګې جوړېږي اوبیا دفاعی مرکزونو چې د درک اوحس کولو توان لري جوړېږي . ماشوم په څلورمه میاشت کولای شي ټول غوږونه واورې. چې د دابول وضاحت ذکر په قرآن کې خپله یوه معجزه ده.

## د شېدو جوړښت

وَإِنْ لَكُمْ فِي الْأَنْعَمِ لَعِبْرَةٌ لِّتُؤْذِنُوا فِي بُطُونِهِمْ مِنْ بَيْنِ فَرْثٍ وَدَمٍ لِّبَنَاءٍ خَالٍصًا سَائِبًا لِلشَّيْطَانِ

ستاسو لپاره په څارویو کې هم یوعبرت دی چې تاسوته ددوی دنس نه له هضم شویوخورونه اوله وینو نه پاکې شېدې درګووجې دټولو څښونکو لپاره خوندورې وی (النحل ۶۶).

لومړنی غذایی مواد دپړاوونو له وهلو اوکیهاوی تعاملاتونه وروسته دهضم په جهاز کې بدلون مومی اودوینو بهیر ته ننوځي ، بیا دویني دبهیر له لارې بیلابیلو نسجونو اوغړوته رسېږي.

د نوروامساجو غونډې د شېدو غډې هم لومړنۍ خوراکي توکي د وینو له دوران څخه لاسته راوړی. جوړې شوې شیدې د شیدود غډوله لارې افرازېږي چې ډیر لوړ خوراکي ارزښت لري. ځکه چې د ټولو خوراکي توکو له خلاصې نه چې هضم شوی وی اود وینو د بهیر له لارې لېږدول کېږي لاسته راځي. نوشېدې له وینو اونیم هضم شویو موادو چې دواړه دخورو وړنه دی جوړېږي. هغه ډول چې وینو ددغې موضوع بیان هغه وخت چې د تی لرونکو ژوو د اناتومي اوفیزیولوژی په هکله پوره معلومات لانه وویوه فوق العاده امر دی.

### د مور شېدې یوه معجزه زېږونکي مخلوط

وَوَصَّيْنَا الْإِنْسَانَ بِوَالِدَيْهِ حَمَلَتْهُ أُمُّهُ وَهْنًا عَلَى وَهْنٍ وَفِصْلَهُ فِي عَمَلَيْنِ

اوانسان ته مو وصیت وکړ په نیکی. دخپلو والدینو په حق کې په تېره بیا مور چې د حمل بارې پورته کړې اوله دوو کلو وروسته یی ماشوم له شیدو بېل کړ (القمان 14).

د مور شېدې د ماشوم لپاره نه بدلېدونکي غذا وی چې د ماشوم د ودې لامل گرځي اوهم ماشوم د ناروغیو نه ژغوری. د مور په شېدو کې غذايي اندول په بشپړه توګه د ماشوم د اړتیا مطابق وی. د مور شېدې دکافي غذايي موادودرلودونکي وی چې د عصبي سیستم د ودې لپاره کافي وی. مصنوعي خوراکونه د شېدې خورونکو ماشومانو لپاره هېڅ وخت هم د مور د شېدو ځای نه شي نیولی. د مور د شېدو دګټو لست د انساني پوهې په پراختیا او زیاتیدو سره لاهم اوږدېږي. څېړنو ښودلې هغه ماشومان چې د مور د شېدو له لارې تغذیه کېږي د انتاناتو او هضمي اوتنفسي مکروبي ناروغیو په وړاندې مقاومت لري. ځکه هغه انتي بادی چې د مور په شېدو کې شته ماشوم د میکروبونو په وړاندې ساتي. د مور شېدې دکټورو مکروبونو دتکثر لپاره ښه زمینه مساعدوی، چې دا په خپله د ناروغیو د باکټریا، ویروسونو اوپارازیتونو په وړاندې مجادله کوي.

د مور شېدې په آسانی سره هضمېږي اوځکه چې د شېدې خورنکي ماشوم مصرف لږ وی نو په دغو شېدو کې دقوی غذايي موادو دشته والي له کبله دغه مواد دماشوم ودې ته ډیر ګټور وی. د هغو میندو شېدې چې له مودې مخکې یی ماشوم دنیا ته راوړای وی یعنی مخکې له نهو میاشتو نو د دغو میندو شېدې د غورو، پروټینو، سودیم کلورایدو او اوسپنې درلودونکي وی. څوچې دهغه ماشوم اړتیا پوره کړي چې له مودې مخکې زېږېدلي وی. کله چې دغه ماشومان د مور په شېدو لوی شي نو د ښې پوهې درلودونکي به وی.

د مور د شېدو بله ځانګړنه د اوميگا ۳ ماده وی. دغه شېدې دغه راز د دماغ اوسترګود پراختیا لپاره ښه ماده وی. Omega-3 اوميگا ۳ د شېدې خورونکي ماشوم دژوند په لومړیو پړاوونو کې ځانګړې اهمیت لري څو چې دماغ اوعصبی رشتې په نورماله توګه وده وکړي. پوهانو د مور شېدې د اوميگا ۳ د ډېرې ښې سرچینې په توګه پیژندلي.

دبريستول پوهنتون څېړنو ثابته کړه چې دمور شېدې د وینې په فشار باندې اوږد مهالې اغېزې لري. هغه ماشومان چې د مور له شېدو څخه یی ګټه اخستې وی د زړه په ناروغۍ لږ اخته کېږي ځکه چې د هغو نامشروع شحمي تېزابو موجودیت دمور په شېدو کې د رګونو جدار پوست ساتي. دغه راز هغه ماشومان چې د مور شېدې خوري په لږه کچه سودیم اخلي اولږ پندېږي چې دا دویني د فشار په لږېدو کې ډیر اهمیت لري.

داکټر لیزا مارتین او همکاران یی د امریکا د سینسناتي روغتون کې زیات پروټیني هورمونونه د ادیپونکتین Adiponectin په نامه په شېدو کې وموندل. چې دا هورمونونه دزړه له حملو نه مخنیوی کوي. ددغو هورمونونو لږوالی په پېښوګسانو کې لیدل شوی چې دزړه په ناروغیو اخته شوی. نوځکه څرګنده شوی چې ماشومانو کې دلږپندوالی عامل همدغه هورمونونه دی.

دغه راز یو بل هورمون دلیپتین په نامه کشف شوی چې دشحمو په میتابولیسیم کې بنسټیز رول لري. لپتین ددماغ دخبردارۍ لپاره غبرګون ښیي کله چې دشحمو کچه ډیره شي. دغه هورمون دمور د شېدو له لارې ماشوم ته لېږدول کېږي او هغه له بې ګټې پندوالی، د دیابت له ناروغۍ اود زړه درګونو له ناروغۍ څخه ساتي.

### د تل تازه خورو به هکله حقیقتونه:

یوشمېر نورې ګټې هم د مور په شېدو کې شته. ماشوم دخپلې ودې په بېلابېلو پړاوونو کې بېلابېلو موادو ته اړتیا لري، اود مور شېدې تل د دغو اړتیاوو پرنسب خپل مواد بدلوي. د مور شېدې تل د خورلو لپاره چمتووی اود تودوخې مناسبه درجه لري. په دغو شېدو کې شته غوړ اوشکر د دماغ دپراختیا لپاره ښه زمینه برابروي اوکلسیم یی دماشوم دودې لپاره بنسټیز رول لري.

سره له دې چې د شېدو په نامه یادېږي خو ددغو بې ساری خورو په جوړښت کې تر ډېره بریده اوبه ونډه لري، اودغه ټکی ډیر مهم دی ځکه چې شېدې خورونکي هم له شېدو پرته اوبو ته اړتیا لري. هغه روغتیاساتنه چې دمور په شېدو کې شته په اوبو اونورو خورو کې نه شي مراعاتیدلی.

**د مور شېدې او ذکاوت:**

څېړنو ښوولې چې د ذکاوت پراختیا په هغو ماشومانو کې چې د مور له شېدونه کټه اخلی له نورو ماشومانو نه ډیره وی. جیمز اندرسن دکتوکي له پوهنتون څخه دا تجربه وکړه چې د مور د شېدو خورونکو د ذکاوت ضریب IQ دهغو ماشومانو څخه چې پودری شېدې خوری ۵ نمرې زیات دی. تجربې ښوولې چې دغه اغېزې په هغو ماشومانو کې شته چې لږترلږه شپږ میاشتې یې د مور شېدې رودلې وی. اوهغو کسانو چې له اتو اونيو لږ د مور شېدې رودلې دهغوی په ذکاوت کې کوم ځانګړی بدلون نه لیدل کېږي.

**آیا د مور شېدې له سرطان سره مقابله کولای شی؟**

د هغو څېړنو په پایله کې چې ترسره شوی دا ثابت شوي چې د مور شېدې ماشوم له سرطان څخه ژغوری. پروفیسر لوند کاترینا سونبورګ دسویډن له پوهنتون نه د مور په شېدو کې یوه معجزه لرونکې اغېزه ومونده. د مور په شېدو کې یو پروتین شته چې سرطاني حجرې وژني، په داسې حال کې چې نارملو حجرونه کوم ضرر نه رسوي. ددې پروتین داغېزې په میکانیزم تراوسه څوک نه دی پوه شوی.

پوهانود نوې زېږېدلی ماشوم کولمې چې د مور شېدې یې رودلې تر مطالعې لاندې ونیولې. په دې پوه شول چې د مور شېدې دپنوموکوک میکروب چې په ماشوم کې دسېنې دناروغۍ لامل ګرځي له مېنځه وړي. برسېره پردې هغه ماشومان چې د مور له شېدو نه کټه اخلی ډیر لږ داورېدو په ستونزو اوسېني په انتاناتو اخته کېږي. د مور شېدې ماشوم دسرطان په وړاندې حمایه کوی اوپوهان دی ته هم متوجه شول هغه ماشومان چې له پودری شېدونه کټه پورته کوی نهه ځلې ډېر له نورو نه دسرطان په ناروغۍ اخته کېږي. د مور په شېدو کې پروتین په دقیقه توګه سرطاني حجره مومي او هغه له مېنځه وړي. دغه پروتین د Alpha-Lac یا Alphalactalbumin په نامه یادېږي. الفالک دداسې پروتینو له لارې تولیدېږي چې په شېدو کې د قند لکتوز په جوړېدو کې مرسته کوي.

**دا د الله (ج) یوه لوړېڼه ده:**

دمورد شېدو دکتو یوه بل اړخ دادی چې ماشوم باید له هغه نه دوه کاله واخلی. دغه معلومات چې به دا وروستیو وختو کې پوهان پرې پوه شوی څوارلس پېړۍ مخکې قرآن تبلیغ کړی.

وَالْوَالِدَاتُ يُرْضِعْنَ أَوْلَدَهُنَّ حَوْلَيْنِ كَامِلَيْنِ لِمَنْ أَرَادَ أَنْ يُنْصَبَ الرِّضَاعَةَ

مېنډې باید ماشومانوته پوره دوه کاله شېدې ورکړي که غواړي چې د شېدې ورکولو وخت بشپړکړي (البقره ۲۳۳).

موږکله هم د شېدو جوړولو لپاره هود نه کوی اونه هم په شېدو کې د موجودومغذي موادو دجوړېدو لپاره هود کولای شی چې ماشوم ته ډېر اړین دی.. الله (ج) دهرچا په اړتیا پوهېږي اوله خپل رحمت نه یې برخمن کوی اود مور شېدې هم دماشوم د اړتیا مطابق په مور کې پیداکوي.

**دګوتې د نښې له مخې پېژندنه**

په قرآن کې راغلی چې الله (ج) انسانان له مړېنې وروسته بیا ژوندی کوي او ټینګار شوی چې ګوتې به یې بیا تنظیم کړي.

بَلْ قَدَرِينَا عَلَى أَنْ نُسَوِّيَ بَنَانَهُمْ

هوګې موږ کولای شو چې دګوتو سرونه په منظم ډول جوړکړو (القیامه ۴).

دګوتو پرسرونو دغه ټینګار ډیر مهم دی ځکه چې دهرشخص دګوتی دسر نښې اوتقصیلات ځانګړی وی. ان دوه ګونې چې DNA یې یوله بل سره مشابه وی خو دګوتې نښې یې یوله بله سره توپیر لري.

دګوتې نښه چې مخکې له زېږېدلو بشپړېږي اوپه ټول ژوند کې له بدلون پرته پاتې کېږي له همدې کبله دکسانو د هویت پېژندنې مهم مدرک ګڼل کېږي. اوپه هغه کې هېڅ ډول تېروتنه نه کېږي. دګوتې د نښې اهمیت دنولسمې پېړۍ په پای کې وموندل شو په داسې حال کې چې قرآن ډیر مخکې زموږ پام هغه ته راګرځولی ؤ.

حَتَّىٰ إِذَا مَا جَاءُوهَا شَهِدَ عَلَيْهِمْ سَمْعُهُمْ وَأَبْصَرُهُمْ وَقُلُودُهُمْ بِمَا كَانُوا يَعْمَلُونَ

کله چې داسې وخت راشي چې غوږونه ، سترګې او بوستکی یې پر هغه څه چې کړی یې دی شهادت ورکړي (فصلت ۲۰).

### د انگېنو موجی

وَأَوْحَىٰ رَبُّكَ إِلَى النَّعْلِ  
أَنْ أَخَذِي مِنَ الْجَبَالِ يَوْمًا وَمِنَ الشَّجَرِ وَمِمَّا يَعْرِشُونَ ثُمَّ كُلِي  
مِنْ كُلِّ الثَّمَرَاتِ فَاسْلُكِي سُبُلَ رَبِّكِ ذُلَالًا يَخْرُجُ مِنْ بَطُونِهَا  
شَرَابٌ مُخْتَلِفٌ أَلْوَانُهُ فِيهِ شِفَاءٌ لِلنَّاسِ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَآيَةً لِّقَوْمٍ  
يَتَفَكَّرُونَ

اوستا رب د شاتو ښځېنه موجی ته وحی وکړه چې په لوړو غرونوونو کې کورونه جوړکړی له ټولو میوونه وخورئ اودالله (ج) پرلار روان شی . دهغوی له مېنځه به دځینولو دېلابېلو رنگو درلودونکي توکي راووځي چې په هغو کې به د انسانانو لپاره شفا وی اوپه هغو کې د هغو لپاره هم ښې شته چې فکرکوي . (النحل ۶۸-۶۹).

د شاتو د موجیو په ټولنه کې د هریوه دنده ځانګړې ده . نارینه موجی دملکې دالقاح پرته بل کارنه کوي . اوبځېنه موجی ټول کارونه لکه دکوراد انگېنو دکنډوجورول پاکونه ، دخورو دتوکو راټولول ، دانګېنو جوړول اونورې چارې په غاړه لري . دغه موجی سره له دې چې ښځې دی خو زیږول نه کوي یعنې دتخمې دپخېدو ظرفیت نه لري اویواځی یوه یې دانوان لری چې هغه ملکه ده .

د "نحل" کلمه یا د شاتو موجی په دې آیت کې ورته دښځېنه موجی خطاب شوی ځکه د "ان تخذي" فعل مؤنثي صیغې لپاره کارول شوی بیا نو قرآن داروښانه کوي چې د شاتو جوړونکې ښځېنه موجی دی .

ددغې موضوع وضاحت په داسې حال کې چې دپوهې کچه ډېره ټیټه په خپله دقرآن یوه معجزه ده .

### د انگېنو معجزه

بیا هم پورته یادوشویو آیتونو ته پام اړوو ( شات دانسانانو لپاره شفا ده) په ننی ساینس کې دانګېنو دخواصو مطالعې یوه نوې علمی شعبه پرانستې ده .

د شاتو یو شمېر ځانګړنې یاددو:

داچې کاربوهایدرونه یا په شاتو کې موجود قند سره له دې چې دتېزابو ډېره کچه لری په آسانی سره کلوکوز ته اوريدلای شی ، خو په ډیرو حساسو معدو کې هم په آسانی سره هضمېدلای شی . شات دپښتورګو او کولمو دندې ښې کولای شی .

کله چې شات له شېدو او اوبو سره وخورل شی د دوو دقیقو په ترڅ کې یعنی په ډېرې چټکۍ سره دویني بهیر ته ننوځي . د شاتو قند ددماغ دندې ښې کوي ، اوشات دکلوکوز اوقندونو ښه طبیعي فرکتوز شمېرل کېږي . نوې څېړنې جوتوی چې دغه ماده دستر یا دله مېنځه وړلو اودسپورتی ځواکمنی لپاره ښه مخلوط دی .

شات دویني دجوړیدولپاره ښه غذایی مواد برابروی ، برسېره پردې دویني په تصفیه کې هم مرسته کوي . اودوېني پردوران یې مثبتې اغېزې جوتې شوی . درګونو دکلکوالی مخنیوی کوي . شات دمکروبونو دوژلو ځانګړتیا لری اودلیل یې هم دادی چې شات ډیر قند لری اودغه قند دهغو اوبو دله مېنځه تلو لامل دی چې دمکروبونو وده مساعدوی ، د شاتو تیزابیت اودناپتروجنو نه درلودل چې دمکروبونو دتکثر لپاره مهم عنصر دی دهغو بله ځانګړنه ده . په شاتو کې دهایدروجن پراکساید شتون هم دمکروبونو له تکثر نه مخنیوی کوي .

انتي اوكسيدانت Antioxidan مواد دروغ ژوندانه لپاره ډير اړين دي . هغه زيان لرونكي مواد چې دحجرو په ميتابوليزم كه شته له مېنځه وړي . انتي اوكسيدانتونه دخوسا خورو له تخريبي اغېزې نه مخنيوي كوي اوله مزمنوناروغونه هم مخنيوي كوي .  
شات د بي او سي له ويتامينونو برسېره مگنيزيم ، كلسيم ، سوډيم ، كلورين ، سلفر ، اوسپنه ، فاسفورس، آيودين او جست هم په ډيره كچه لري.

### په شاتو كې د تېونو شفا بخښونكې اغېزې:

كله چې په تېونو باندې شات كېښودل شي ، د هوا لمېدېل ځان ته راکاږي دجوړيدو بهير چټکوی ، ځکه چې شات دېوسټکي دمخ دحجرو تکثر تحریکوی چې دتپ دپوش لامل گرځي اوان چې په سترو تېونو کې هم گټور ثابت شوی .

– شات دانساجو بيا وده چې دروغتيا لپاره اړينه ده خوځوی

– شات د التهاب ضد ځانگړتيا لري يعنې چې د تپ دشاوخوا پړسوب کموي ، د وينې بهير يې سموي

او رغونه چټکوي.

– شات دتپ په ځای کې پرانساجو نه نښلی ، له همدې کبله دپانسما دبدلېدوپه وخت کې ناروغ

درد نه احساسوي اونوی انساج جوړېږي اویا نه تخريبيږي.

– شات دتپ له منتن يا میکروبي کيدونه نه مخنيوي کوي . او تپ په ريم کې له شته مکروبونو نه ژر

پاکوي . ان پر هغو مکروبونو چې دانتي بيوتیک په وړاندې يې مقاومت موندلی وی هم اغېزه کوي.

– ډاکټر پيټر مولن دنيوزيلاند دپوهنتون دبيوشيمې پوهاند وایي: تجربو ښودلې چې شات دسپينوزو

دمرکباتو نه چې دسوزيدو په درملنه کې گټور وی هم اغيزمن وی .

نووينو چې شات داسې کتورې ځانگړنې لري چې له شک پرته ویلاي شو ډېرې عجيبې دي اودالله دصنعت داعجاز يوه بېلگه ده.

### کجوره(خرما) اوگټې بې

دقران آيتونو کجوره دجنت له بڼونونه يوه ډالۍ گڼلې. کله چې دغه ميوه مطالعه شوه په هغه کې ډيرې مهمې ځانگړنې وموندل شوي اوهره ورځ يې نوې ځانگړنې موندل کېږي. له کجورو نه هم دخورو اوهم ددرملو په ځای گټه اخستل کېږي.

(مريمه) دماشوم راورلو د درد له زوره دکجورې دونې لاندې ولاړه وه اووبی ويل کشکې مخکې له دې نه مړه شوې وای اوپوره هېره شوې وای . دهغې دپښو لاندې غږ وشو چې مه غمجنه کېږه چې الله ستا له پښو لاندې داوبو يوه چپنه روانه کړې. اود ونې ښاخ دخان لورته وځنډه چې تاته تازه کجورې راټوې شي. (مريم 23 — 25).

په دې توگه الله مريمې ته توصيه وکړه خوچې کجورې وخورې ، ننۍ پوهې داښايه کړې چې کجوره د اميندوارو ميندو لپاره ښه خواړه دي دغه راز دمېندو لپاره وروسته له ماشوم راورلو هم ښه

فَأَجَاءَهَا الْمَخَاضُ إِلَى جَنَعِ النَّخْلَةِ قَالَتْ يَلَيْتَنِي مِتُّ قَبْلَ هَذَا وَكُنْتُ سَيِّئًا مِّنْسَيِّئَاتٍ ﴿٢٣﴾

فَنَادَتْهُمَا مِنْ تَحْتِهَا أَلَا تَحْزَنِي قَدْ جَعَلَ رَبُّكِ تَحَاكِي سَرِيًّا ﴿٢٤﴾

وَهَؤُلَىٰ إِلَيْكَ يَجْعَلَ النَّخْلَةُ تُسْقِطُ عَلَيْكَ رَطْبًا جَنِيًّا ﴿٢٥﴾

خواره کبل کېږي . مريمې ته دا هدايت وشو خوچې ماشوم راوړنه ورته آسانه شي . کجوره دشکر ډيره کچه لري ( له شپېتو تر پنځه شپېتو په سلوکې ) د امېندوار ښخو لپاره ددې خوړوتوصيه ددوي به وجود کې دډېرې انرژۍ دجوړيدو اودمور دشبډو دهورمونونو دتحرېک لپاره شوې .

کجورې دهغو مېندولپاره چې دناروغې اووېنې بهېدو له کبله کمزورې شوي وي ډيره انرژۍ جوړوي .

په کجوره کې دډېرو ډولونو بنسټيز دخوړو توکي شته ، پوهان په دې باوردي چې يو انسان کولای شي يواځې داوبو اوکجورو په خوړلو سره کلونه ژوند وکړي . داوسنۍ دخوړو يو پوه وايي چې دروغۍ ديوي کجورې خوړل اوديوې پيالې اوبوځښل دشخص ټوله غذاي اړتيا په پوره کوي .

Oxytocin ماده چې په کجورو کې شته په طبابت کې ددرملوپه توگه دماشوم راوړلو دبهير دچټکتيا لپاره کارول کېږي . برسېره پردې دغه ماده دمورشېدې هم ډيروي . اوکسي توسين داسې يو هورمون دی چې دنخاميه په نامه ددماغ له منځنۍ برخې څخه افرازېږي . دغه ماده دمور په رحم کې دتقلصونو دجوړيدو لامل گرځي چې ماشوم دزېږېدو په وخت کې دباندې لوړته خوځوي . په کجورو کې ددغې مادې شتون په يواځې توگه دقرآن اعجاز اوددغې مادې ارزښت څرگندوي . برسېره پردې په کجورو کې دشکر شته والي کلوکوز نه دی بلکې فرکتوز دی ، له همدې کبله دهغو ناروغانو په وينه کې چې شکر شته په چټکۍ سره هغه نه اوچتوي .

کجوره د ډيرو وېتامينو ، منرالونو ، غوړو ، پروټينو ، دنه جذبېدونکو قندو اوفايبرودرلودونکې ده . سوډيم ، پتاشيم ، کلسيم ، مگنيزم ، اوسپنه ، سلفر ، فاسفورس ، کلورين ، د A او B وېتامينونه په کجوروکې شته .

کجوره دوينې جوړېدل په عضويت کې زياتوي دحمل په دوران کې له زړه بدوالي مخنيوي کوي . دوجود له ودې سره مرسته کوي ، دسترگود ليدلوخواک اواعصاب خواکېنه کوي .

کجوره يواځېنې ميوه ده چې پروټين لري ، غوښه هم يوه بشپړه غذا ده خو دغوښې زيات خوړل دحمل په بهير کې دمسئوميدو اويا زهرجنېدو لامل گرځي .

دکجورپه اړوند دا ټولې خبرې چې په دې وروستيو کې موندل شوي دانسان په وړاندې دالله (ج) حکمت اومهرباني څرگندوي .

## اینځر یوه فوق العاده مېوه

### وَالَّذِينَ وَالَّذِينَ

قسم په اینځر اوزیتون (التین 1)

په دغو دوو میووو قسم دهغوی دخورلو ارزښت ښکاروی. اینځر ترنورو میوو او سبو ډیر فایبر لری. یو دانه وچ اینځر دیوتن دفايبرو ورځنی اړتیا شل په سلو کې بشپړوی. څېړنو ښودلې چې فایبر دهضم لپاره ډیره مرسته کوی. اوهم له یو شمېر سرطانونو څخه مخنیوی کوی. فایبرونه دوه ډوله دی یو په اوبو کې کډ اونوری ناکډ. په اوبو کې کډ فایبردکولموله له لاری دفضله موادو له دفعی سره مرسته کوی اوناکډشوی فایبر غټی کولمې دسرطان د ناروغی په وړاندې وقایه کوی. برسېره پردې فایبر لرونکی خواړه دویني کلسترول ټیټوی اوپه پایله کې دزړه دحملو خطر کموی اوهمدارنګه په وینه کې دقند دیوځلی لوریډو مخنیوی هم کوی.

په اینځروکې دغه دواړه ډوله فایبر شته. دامریکا دکلفرنیا داینځرومشورتی بورډ په دې اند دی چې چې اینځر له نورو مېوو نه ډیر انټی اوکسیدانتونه Anti-oxidant لری. انټی اوکسیدانتونه موږ دډیرو ناروغیو په وړاندې وقایه کوی هغه زیان لرونکی مواد چې زموږ په بدن دکیمیاوی تعاملاتو له لاری جوړیږی هغه ځنځی کوی اودحجرو دتخریب مخنیوی کوی. دسکرانتول پوهنتون په ډیره کچه فینول Phenol چې یو انټی اوکسیدانت دی په اینځروکې تثبیت کړی. فینول دغه راز دجراثیمو په وژنه کې هم پکارپیږی.

په نیو جرسی کې درونکر پوهنتون څرګنده کړې چې داومیکا ۳ اوامېکا ۶ اوفیتوسترول په وچو اینځرو کې شته. دغه هم دکلسترول کچه راتیټوی. دکالیفرنیا داینځرومشورتی بورډ دغه دطبیعت یوه مکمله میوه بولی اووایی چې ددغې میوې روغتیاپی اوغذایی ارزښت ډیر زیات دی.ځکه اینځر غوړ، سودیم اوکلسترول نه لری اودډیرو فایبرو درلودونکی دی اوله نورو میوونه په ډیره کچه مترالونه لری. څلویښت ګرامه اینځر دوجود شپږ په سلوکې دکلسیمو، پوتاشیمو اواوسپني اړتیا پوره کوی. اینځر دناروغانو لپاره دانرژۍ یوه ښه منبع ده په دی میوه کې شکر له نورمیوو ډیر دی، اینځر دکمزوړې ټپې، توخی اوسالندی ددرملنې لپاره هم پکارپیږی. داینځرو دغه ټولې ګټې دالله (ج) یوه مهربانی ده چې داوسنی ټکنالوژی په مټ څرګنده شوې په داسې حال کې چې قرآن دهغه اهمیت په سل ګونو کاله وړاندې بیان کړی.

## کب دخورو یوه ښه منبع

أَجَلْ لَكُمْ صَيْدَ الْبَحْرِ وَطَعَامَهُ مَتَاعًا لَكُمْ وَلِلسَّيَافَةِ.

ستاسو لپاره دسیند ښکار او دهغه طعام حلال وګرځول شوڅو چې تاسو اومسافران له هغو نه ګټه واخلي (الهائده 96).

کارپوهان توصیه کوی چې کب دزړه دفعالیت لپاره اودزړه دناروغیو دمخنیوی لپاره ښه دی.چې. دکب ارزښت په دې کې دی چې هم دانسان دبدن لپاره دارینو غذایی موادو درلودونکی دی اوهم دناروغیو خطر کموی دېلګې په توګه اومېکا ۳ چې په کب کې شته دزړه دناروغیو مخنیوی کوی اودمعافیت سیستم تقویه کوی.

وَهُوَ الَّذِي سَخَّرَ الْبَحْرَ لَكُمْ تَاجِرًا وَّغُلَّامَةً لِّحِمَا طَرِيًّا

اوهغه دی چې سیند یی ستاسو لپاره مسخر کړ څو چې دکبانو له تازه غوښې نه ګټه واخلي (النحل 14).

دغه راز دکهف دسورې له ۶۰ نه تر ۶۳ آیتونه هم په اوږدوسفرنونو کې زموریام دکب دغوښې خورولو ته راګرځوی. کله چې موسی (ع) له خپل همسفر سره کب دخپلو خورو لپاره له ځان سره اخستی ؤ، نو الله پاک دکب دخورو ارزښت موږ ته څرګندوی. کله چې دکب غذایی خواص مطالعه کړو ډیر عجیب حقیقتونه راته څرګندپیږی کب چې یو الهی عطیه ده یوه بشپړه غذا ده دپروتینو اویتامین دی اودلږو میکرونوترینتونو (Micro-nutrients) څخه چې دژوندانه دپیر لپاره اړین وی برخمن دی. دمترالونو موجودیت لکه فاسفورس، سلفراوانادیم دچټکې ودې اورغیدو لامل ګرځی. دماهی غوښه غاښونه او اوری ساتی اوویشتانو ته ځواک وربښی اودمیکروبیونو پروړاندې مبارزه کوی. دویني کلسترول تنظیموی اود زړه ناروغیو څخه مخنیوی کوی. عضویت په دې توانوی څو چې نشایسته اوواژه تجزیه کړی اودلوړې انرژۍ مواد ترې جوړوی. دکب غوښه دماغې دندې ښې کوی اوهډوکي ځواکمنوی.

یوه خبره له پخواشته چې وایی: کب ددماغ لپاره کتور دی اودا دکب په غورو کې داومیکاه ۳ شتون له کبله دی .  
د امریکې روغتیايي ټولنې څېړنې جوتوی چې د زړه حملې په هغو بنځو کې چې په اونی کې یو ځل دکب غوښه خوری یو پردې لروى. اومهم عامل یی همغه اومیکاه ۳ دی چې کلسترول اوتراى گلیسراید تنظیموی اوهم په رگونو کې دوینى له ټینکیدو څخه مخنیوی کوی . په وریدونو کې دویني دپیر چټکتیا ۶۰ کیلومتره پر ساعت ده اودغه چټکتیا هغه وخت نارمل وی چې غلظت ، لزوجیت اودویني کچه هم نورمالوی.  
اومبکا ۳ دهیمو گلوبینو په جوړیدو کې چې ټول بدن ته داکسیجن دلېرد دنده په غاړه لری هم مهم رول لری.  
دغه راز اومبکا ۳ دمورپه رحم کې دماشوم ودې ته په تیره بیا دهغه اعصابو اودماغ ته ډیر کتور دی.  
ثابته شوې چې اومبکا ۳ د مفصلونو د پړسوب مخنیوی هم کوی.  
دغه راز دعصبی او عقلی ناروغيو ، خپګان ، اروايی دباو ، دار ، بي خوبي لېونتوب اودالزهایمر ناروغي لپاره هم کتور کېدای شی .  
جاپانیان اودهغو هیوادو خلک چې ډیره دکب غوښه خوری لږ دزړه اوپوستکې په ناروغيو اخته کېږی.  
دکب دغوښې گټې لانونې هم موندل کېږی اوله دې نه جوتېږي چې ولې پاک قرآن دهغه خوړل ښه گڼلی ، اودا الله (ج) دی چې داسې خواړه یی پیداکړی دی .

### د خوک د غوښې روغتیايي زیانونه

دمره شوی (مردار) غوښه ، دخوک وینه اوغوښه یی پرتاسو حرامه کړه (البقره ۱۷۳).

إِنَّمَا حَرَّمَ عَلَيْكُمُ الْمَيْتَةَ وَالدَّمَ وَلَحْمَ الْخَنَازِيرِ

دخوک غوښه ډیر زیانونه لری ، سره له دې چې نوي ټکنالوژي کولای شی ډیر څه سرته ورسوی خو په دی نه ده توانیدلې چې دخوک دغوښې زیان راکم کړی . خوک طبیعتاً "یو مردار حیوان دی. تل له خپلواغیته موادوسره لویې کوی اوهغه خوری نوله همدې کبله خوک دنوروڅارویو په پرتله په خپل بدن کې ډیرې انټی بادى کاني تولیدوی . دغه راز دودې لپاره ډیره هورمونونه دخوک په عضویت کې جوړېږی اویا دغه انټی بادیاې اهورمونونه دخوک په عضلاتو کې جوړېږی. برسېره پردې دخوک دغوښې دکلسترول اوغورو کچه ډیره لوړه ده چې دانسان دروغتیا لپاره ډیر زیان رسوونکی وی. طب داثابته کړې چې په دخوک په غوښه کې دهورمونونو ، انټی بادیانو اوکلسترول شتون دروغتیا لپاره ډیر زیان رسونکی دی.  
دهغوناوړه اغېزې په امریکا او جرمنی کې چې خلک هلته ډیر دخوک له غوښې کته اخلی ښي پېژندل شوی.  
دخوک په غوښه کې بل خطر دتریچینا Trichina دجنې شته والی دی چې دانسان په عضلو اوزره کې خای نیسی اودزړه ناروغي اومړینه مېنځته راولي گرځه اوس کیدلای شی دغه ډول خوک وپېژندل شی خویخوا ناشونی وو.  
دغه ټول دالله دکتاب حکمت ښوونکی دی چې دخوک غوښه یی مسلمان ته حرامه گرځولې اودخوک دغوښې زیانونه یواځې په شلمه پېړۍ کې دپوهې په مټ موندل شوی حال داچې قران په اوومه پېړۍ کې هغه ښوولی وو.

### زیتون یوروغتیا بخښونکی نبات

زیتون داسې خواړه دی چې په قرآن کې یادشوی . نننۍ پوهې ثابته کړې چې نه یواځې یوخوندور خواړه دی بلکې دروغتیا لپاره هم یوه کتوره منبع ده.

وَالزَّيْتُونِ

قسم په ابنخرو اوزیتونو(التین ۱).

دنور دسورې په ۳۵ آیت کې دزیتون غورو ته مبارک خطاب شوی:

يُوفِقُ مِنْ شَجَرَةٍ مُّبَارَكَةٍ زَيْتُونَةٍ

دزیتون له مبارکې ونې نه روښانه شوی .

د "مبارک" کلمه زیتون یو سپېڅلی اومبارک شی معرفی کوی.دزیتونو غوړی دخوړلو دډیرو ښو غوړیو څخه حسابېږی ددغو غوړو گټې دادی:

### **دزړه اونورو رگونو لپاره یی گټې:**

دزیتونو غوړی کلسترول نه لری دغه غوړی نه یواځی چې کلسترول نه لوړوی دهغه کنترول هم کوی . زیتون اومیکا ۶ هم لری . څېړنو ښودلې کله چې یو څوک دورځې یواځې دوه کاجوغي دزیتونو غوړ وخورى نو په وجود کې به یی زیان رسوونکی کلسترول کم وی اوانتی اوکسیدایتونه به ډیروی.

زیتون داومیکا ۳ اواومیکاه ۶ تناسب ساتی اودا ډیره مهمه خبره چې ددې دواړو ترمنځ انډول وساتل شی. چې له هغه پرته به دزړه ، سرطان اونورې ناروغی رامینځته شی. دامریکې دزړه انجمن توصیه کوی چې دزیتونو دغوړو خوړل داسې دی لکه چې په خوړو کې دغوړو کچه راټیټه کړی اودزړه ناروغی هم لږې کړی.

### **د سرطان وقایه:**

دداخلې طب څېړنو ښودلې هغه مېرمنی چې زیتون خوری لږ دسرطان په ناروغی اخته کېږی .دغه راز په زیتونو کې داسې ماده شته چې دپروستات له سرطان څخه مخنیوی کوی. داکسفور دپوهنتون څېړنو ښودلی چې زیتون دکولمو دسرطان مخنیوی هم کولای شی. زیتون دمعدې داسیدونو سره تعامل کوی اودسرطان مخنیوی په لومړی وخت کې کولای شی. دغه راز داموندل شوی چې زیتون صفرا لږوی اوددای امین اوکسیدیز انزایم ډیروی چې دا په ښه توگه دسرطانی حجرو مخنیوی کوی.

### **د مفصلونو دپرسوب وقایه:**

هغه څوک چې دزیتونو غوړ خوری دمفصلونو دالتهاب په ناروغیو نه اخته کېږی.

### **د هډوکو وده:**

په شحمو کې دگډو شویو ویتامینونو لکه K,E,D,A د هډوکو دودې لپاره اړین دی. دزیتونو غوړی په ډیر عمر لرونکو کسانو کې ژر جذبېږی اودهډوکې دکلسیم دضایع کیدو مخنیوی کوی نو زیتون داسکلیټ په کلکوالی هم ښه اغېزه کولای شی.

### **د ژړ بودا کیدو مخنیوی کوی:**

داچې په زیتونو کې شته ویتامینونه دحجرو په بیا جوړیدو کې مثبت اغېزه لری نو پوستکی تازه ساتی اودزړښت مخنیوی کوی. په زیتونو کې دډیر انټی اوکسیدانت دشته والی له کبله هم دخوړو دموادو داستقلاب مخنیوی کیږی اود بدن دانساجو دزړښت مخنیوی کوی . په زیتونو کې دویتامین E دشته والی له کبله دبدن دحجرو خرابیدو مخنیوی کېږی.

### **د ماشومانو وده:**

اومیکا 6 دماشومانو دروغتیا اوودې لپاره ډیر ښه خواړه دی . دزیتون انټی اوکسیدانتونه گټوروی په زیتونو کې دشحمی اسیدونو شته والی دحجرو غشا په جوړیدو کې مرسته کوی. دزیتون غوړی ډیر متوازن شحم چې نامشبوغ وی لکه شبدی په ځان کې لری له همدې کبله دشبدې خوړونکو لپاره ډیره ښه خواړه گڼل کېږی. دامیدواری په بهیر کې دماشوم داعصابو دودې لامل گرځی ، دامیندواره میندو لپاره یی دخوړو توصیه کېږی . که چېرې دزیتونو غوړی دغواله شیدوسره چې پیروی یی ټول شوی وی یوځای شی دمور دشبدوپه ځای ترې کټه اخستلای شو.

### **د وینې دفشارتنقیص:**

دداخلې طب آرشیف په ۲۰۰۰ میلادی کال کې دزیتونو پردې اغېزو پوه شو اوهغه یی مطالعه کړی دی.

### **د بدن دننه غړو لپاره یی گټې:**

دزیتونو غوړی دکېدې دپرسوب ، ټپ اوتیزایی کیدو مخنیوی کوی . دصفرا کیفیت ښه کوی ، دصفرا بهروتل آسانوی اودصفرا ډېرې مخنیوی کوی . په هغه کې دموجودو کلورایدو له امله ځیگر سره مرسته کوی چې له بدن څخه زیان لرونکی مواد دفع کړی . پردماغی شریانونو هم مثبت اغېزه کوی دکلوکوز له کنترول سره مرسته کوی اودشکرې ناروغی مخنیوی کوی. څه ډول مو چې ولیدل پوهان په خوړو کې دزیتونو دخوړو دزیاتولو توصیه کوی. زیتون باید دهر وخوړو اساسی برخه وی .

## د زړه د رگونو عملیات

أَلَمْ نَشْرَحْ لَكَ صَدْرَكَ وَوَضَعْنَا عَنكَ وِزْرَكَ الَّذِي أَنقَضَ ظَهْرَكَ

آيا ستا سينه مو شرح نه كړه او هغه بار چې ستا شايي درنه كړې وه اوچت مونه كړ (الشرح 3-1).

د ژوند د دوام لپاره وينه اړين مواد دى او وينه د زړه عضلو ته درگونو له لارې چې Coronary نومېږي رسېږي. درگونو د جدار د كلکيدو په صورت کې په رگونو کې دوينې دغونډېدو او ټينګېدو لامل کړځي او په پايله کې په سينه کې د درد لامل گرځي او د زړه حملې مينځته راوړي.

"الم نشرح لك صدرک" ممکنه ده چې درگونو د پاکولو د عملیاتو په مانا وی (والله اعلم). ځکه "نشر" یعنې دغونډې یا دماشې شیانو پرې کول یا پراخول. د زړه په عملیاتو کې هم سینې څیرې کېږي او درگونو بندښت لرې کېږي او پراخېږي خو چې وينه په آسانی سره وپهېږي. او مهمه داده چې دالشرح د سروې په تعقیب بیا دالتین سوره راغلې. دالتین په سوره کې دزیتونو په اهمیت ټینګار شوی چې هغه د زړه او رگونو لپاره ډیر اهمیت لري.

## د خوځښت ، وینځلو او څښلو روغتیا یی ګټې

په قرانکریم کې مودې ته پام کېږي چې ایوب (ع) ته د ناروغۍ په وخت کې داسې توصیه کېږي:

وَإِذْ كَرِهْنَا إِيَّابَ إِذْ نَادَىٰ رَبَّهُ ۖ إِنِّي مَسَّنِيَ الشَّيْطَانُ  
بُصْبُ وَعَذَابٌ ۚ إِرْكَضْ بَرْجُلَكَ هَلَّا مَغْسِلٌ بَارِدٌ وَشَرَابٌ

اوياد كړه زما بنده ايوب كله چې يی درب دربارته عرض وكړ چې شيطان زه په كلك زحمت او عذاب كې اچولی يم . (هغه ته مو وويل) پښه پرځمكه ووهه دا سړې اوبه د غسل اود څښلو لپاره دى. (ص 42-41).

الله (ع) ایوب (ع) ته د ناروغۍ په وخت کې توصیه کوي چې پښې ووهه چې اشاره همغه ورزش یا سپورت ته ده . د سپورت له کبله په تیره بیا د پښو د خوځښت له کبله دوينې بهیر ښه کېږي او په کافي کچه اکسیجن د وجود حجراتو ته رسېږي . نو شخص ځواکمنېږي او آسانی سره مضره مواد له خپله ځان څخه لرې کوي. د میکروبونو په وړاندې مقاومت زیاتېږي . هغه خلک چې سپورت کوي پاک او پراخ رگونه لري چې دا درگونو د بندیدو مخنیوی کوي او د زړه او نورو ناروغیو مخنیوی کوي.

منظم سپورت دشکر ، ځيگر ، دوينو دغوړو ، اسکلتي ناروغیو اود نورو ناروغیو دوقایې لپاره ډیر ګټوروی . په لوڅو پښو تګ لکه د برېښنايي ټوکو (Earth line) د آرت کرښه د برېښنا بهیر چې په وجود کې د خیره شوی وی آزادوی. د ځان وینځل هم په بدن کې د ذخیره شوې برېښنا د آزادولو لامل گرځي چې وروسته بیا داروايي دباو د پوستکو د ناروغیو زړه تنګوالی اوتې دله مېنځه تلو لامل گرځي. داوبو څښل د ټول ځان لپاره ګټور وی د بدن دنورو غړو فعالیت لکه کېده ، کولمې ، پښتورګي او پوستکي نیغه په نیغه دهغو اوبو سره اړیکه لري چې موږ یی دورځی څښو. دغو غړو پوری اړونده ناروغی له ورځنی عادت نه ډیر داوبو څښلو ته اړتیا لري . برسیره پردې ستومانی او کنکس توب هم داوبو په څښلو رفع کېږي. ددغو دریو توصیهو عملی کول زموږ دروغتیا لپاره ډیر ګټور دی . الله (ع) فرمایي:

وَنَزَّلْنَا مِنَ الْقُرْآنِ مَاهُو شِفَاءٌ وَرَحْمَةٌ لِّلْمُؤْمِنِينَ

هغه څه مو چې په قرآن کې راولېږل هغه رحمت او شفا ده لپاره د مؤمنانو (الاسراء 83).

## مکروسکوپیک ژوند

هغه څه یی پیدا کړل چې نه پوهېږي (النحل 8).

وَيَخْلُقُ مَا لَا تَعْلَمُونَ

سُبْحَانَ الَّذِي خَلَقَ الْأَزْوَاجَ كُلَّهَا مِمَّا تُنْبِتُ الْأَرْضُ وَمِنْ أَنْفُسِهِمْ وَمِمَّا لَا يَعْلَمُونَ

پاک دی هغه چې هرڅه یې جفت پیدا کړل ، څه نبات ، انسان اوڅه هغه څه چې نه پوهېږي (یس 36).

دغه آیتونه هغو ژووته اشاره کوي چې خلکو دقران دنزول په وخت کې نه پېژاندل . کله چې میکروسکوپ جوړ شو انسانان دډیرو ورو موجوداتو په لیدو بریالی شول چې مخکې یې هغه نه پېژندل . په داسې حال کې چې الله (ج) په سلگونو کاله مخکې دهغوی پام ورته راگرځولی وو .  
دمیکروسکوپیکو ژوو شمېره شل ځلې دهغو ژوو څخه زیاته ده چې د ځمکې پرمخ شته . داعبارت دی له باکتریاگانو ، ویروسونو ، الجی اوفنجی ، پرازیټونو ، ریکتسیا ، اکارینا اونوروڅخه . ددغو موجودیت نه یواځې داچې دناروغیو لامل گرځي بلکې دژوندانه دتوازن دساتنې لپاره هم ارزښتناک وی . لکه فنجی کان چې له خاورونه دمزالودلېږد په برخه کې دنباتاتو په رېښه کې مهمه دنده لري . زموږ په ژبه کې موجودې باکتریاوې په غوښه اونورو سبکې دزهرجنو موادو مخنیوی کوي . ځینې باکتریاوې اوفنجی دډوټو سنتېز په عملیه کې چې دځمکې دژوند لپاره اړین وی مرسته کوي . ځینې اکاریناوې عضوی مواد تجزیه کوي دنباتاتو لپاره یې په غذایی موادو بدلوي . اوپه دې ټولو خبرو موږ اوس اوس پوه شوی یو حال داچې قرآن کریم په سلگونه کاله مخکې هغو ته اشاره کړې ده .

### د حیواناتو(ژوو) ټولنې

وَمَا مِنْ دَابَّةٍ فِي الْأَرْضِ وَلَا طَيْرٍ يَطِيرُ بِجَنَاحَيْهِ إِلَّا أُمَمٌ أَمْثَلُكُمْ

په ځمکه کې نشته هېڅ یو خوځیدونکی اونه هم الوتونکی چې والوزی په ووزنومکر لکه ستاسو د ټولنو په شان (الانعام 38).

د حیوان پېژندنې دنوې پوهې په رڼاکې پوهېږو چې ټول څاروی اوالوتونکی په ټولنو کې ژوند کوي . ډیرو مطالعو ښودلې چې دحیواناتو په مېنځ کې ځانګړی نظام شتون لري . لکه دشاتو موجي چې دهغو ټولنیز ژوند پوهان حیران کړی دی ، خپله خاله داسې دونو په سوریو اونورو ځایو کې پټوی چې ډیره ځانګړې بڼه لري . دمچیو ټولنه له ملکي څو سوه نارینه مچیو اوله څوسو نه تر اتیا زره کارګوونکو پورې جوړه شوی وی . دملکي دنده هګي . اجونه اودداسې مواد افراز وی چې دټولنې یووالی ساتي . دنارینه وو دنده یواځې دملکي القاح کول وی نورکارونه لکه دکورجوړول ، دکندو جوړول ، ځای پاکونه ، دخورو ټولونه ، له ځالي دفاع اونور دکارګوونکودنده وی .  
مېریان هم دمنظمو ټولنو درلودنکی وی : لکه ټکنالوژی ، حشر یا ګډکار ، پوځي ستراتیژي ، پرمختللی ارتباطی اړیکې یا کمونېکیشن Communication ، دمراتبو سلسله ، مقررات او پلان جوړونه . مېریان په ټولنه یا Colony کې ژوند کوي اودانسانانو په څېر مشابه مدنیت لري .  
مېریان خواره مومي ، توبه کوي یې دماشومانو ساتنه کوي ، اوددښمن په وړاندې جګړه کوي . ددوی ځینې ټولنې کالي ګنډی ، کرڼه کوي داریکو ډیره ځواکمنه شبکه لري . دمېریانو ټولنیز نظام د نورو ژوو په پرتله ډیر اوچت دی . دالوتونکو ټولنې هم دخطر په وخت کې ګډ عمل سرته رسوي . کله چې یوه ډله الوتونکی ځنګله ته ننوځي هلته کوچنی الوتونکی یو ډول غږ کوي چې دسمې نورو الوتونکی پرې خبرېږي .  
دالوتونکو ډله ییزه الوتنه هم ددوی دامن لپاره وی ، لکه یوه ډله الوتونکی چې په خپاره ډول الوځي دبار په لیدو سره یوبل ته نږدې کېږي . شېدې لرونکی هم دخطر دلیدو په وخت کې په ډله ییزه توګه په داسې حال کې چې خپل کوچنی یې په مینځ کې ساتلی وی تګ کوي . دولقین هم له دښمن نه دتېښتې په وخت ډله ییز عمل کوي .  
دڅارویو اوالوتونکو بېشمېره بېلګې شته چې لاهم پېژندل شوی نه دی . اودغه موضوع ګانې وروسته له ډېرو څېړنو څرګندې شوی خو بیا هم ویني چې قرآن عظیم الشان هغه ډېر پخوا بیان کړی .

### له حیات نه تقلید: د طرحو لپاره د ژوو له جوړښت نه الهام اخستل

وَلَنْ لَكُمْ فِي الْأَنْعَامِ لَعِبْرَةٌ

اوستاسو لپاره په اهلی حیواناتو کې عبرت دی (النمل 66 و المؤمنون 21).

پوهان مخکې له دې چې څه شی جوړکړي په نړۍ کې شتو موجوداتو ته کوری دهغوی ځانگړنې څېړي اوله هغو څخه په تقلید خپل دنظرویشیان جوړوي اوله دې لاری خپله ټکنالوژی دبشردچوپړ لپاره کاروي. په پورتنۍ آیت کې دعبرت کلمه دزده کړې ، پند مشورې اهمیت اونمونې په مانا ده . یو متریک هغه اصطلاح ده چې له طبیعت نه دتقلید پربنسټ جوړه شوې. پوهان اړتیا لري چې د Robot بامصنوعی خوځېدونکی دجوړیدو لپاره له طبیعي جوړښت نه تقلید وکړي.

جنین بڼوس په مونثانا کې دلومړي ځل لپاره دبیو متریک نظریې په هکله خبرې وکړې اوبیا نورو پوهانو هغه ته پراختیا ورکړه.

له طبیعي حیات نه تقلید دبیو متري په نامه یادېږي . پوهانو په چټکۍ سره دغې پوهې ته وده ورکړې اوپه دې توگه یی دیر ښه شیان جوړکړي دي . دحیات دتقلید په هکله یوه ورځپاڼه داسې لیکي : له طبیعت نه په تقلید سره موږ کولای شو له هغه څه نه چې لرو یی هم پاییدونکی ټکنالوژی جوړه کړو. جنین بیوس لاندې بېلگې یادوي:

مچ خوړونکي مرغه دمکسیکو خلیج ددرې کرامو محروقاتو په مصرف وهي.

بمېړک څرخ لرونکي ملخ له ډیرې ښې څرخې الوتکې نه هم خپل عملیات په

ښه توگه ترسره کوي.

دویښې ( موریانه ) دتودوخې اوهوایی تهوویی سیستم دانسانانو له لوری دجوړو شوو وسیلو څخه

ډیر ښه اودانرژی په لږ مصرف کارکوي.

دآسمان ځکالي (خفاش) ترانسسمیتر له ډیرو ځواکمنو رادارونو نه هم ښه کارکوي.

جلبک یا درناچینجې له بېلابېلو کیمیاوي موادوسره یوځای کېږي څو چې ځان روښانه کړي.

دشمال سمندر کبان اوچونگېښې په ژمې کې کنکل کېږي اوپه دویي کې بیا فعالېږي اوخپل

عضویت له سړو نه ساتي.

خرتمی یا بوقلمون (فیل مرغ ) اویو ډول کب دځان رنګ محیط سره برابروي.

- دشاتو موجې ، شمشتي یا کیشو ، اوالوتونکي پرته له دې چې ځان سره نقشه ولري خپله لاره مومي.

- نهنگان اوپنګوینونه پرته له دې چې ځان سره داکسیجن ماسک ولري داوبو لاندې تګ کوي.

موږ یو څو حیرانوونکی طبیعي بېلګې یادې کړي داهغه بېلګې دی چې دټکنالوژیکي طرحو لپاره الهام ښوونکي وي. اوزموږ دپوهې دودې اولوریدو لامل ګرځي.

ټول څاروی داسې ځانګړني لري چې انسان په تعجب کې اچوی ځېنې داسې وي چې په آسانی سره په اوبو کې تګ کوي ، ځېنې نورداسې حواس لري چې زموږ لپاره دباور وړنه دي .په دې ټولو ځانګړنو په دې وروستیو کې پوهان پوه شوي . دکمپیوټر ، انجینري ، برېښنا ، الکترونیک ، ریاضی ، فزیک ، کیمیاود بیالوژی، ځانګې پوهان سره یوځای شوي څو چې دیو ژوندی بېلګې نه تقلید وکړي.

دهغه څه په هکله چې ورځ په ورځ دژوو په هکله کشفېږي پوهان حیران شوي دي اوغواړي له هغو الهام واخلي او دبشر دخدمت لپاره نوي ټکنالوژي جوړه کړي. دې ته په پام سره چې کارول شوي تخنیکونه په ژوو کې ډیربشپړدي په راتلونکي کې به وګوري څو په لرې انرژۍ اوکارسره نورې پرمختللې ټکنالوژي هم رامېنځته شي.

جنین بینوس وایی: "دطبیعت په څېر عمل کول موږ په دې توانوي چې دکرني په تګلاره دناروغیو ددرملنې ، دانرژۍ دمصرف دمعلوماتو دساتلو اوسوداګري په چاروکې نورې پرمختیاوې ترلاسه کړو."

په نولسمه پېړۍ کې دهنر ،ښایست او انځورتقلید له طبیعت څخه کیدو څو نورې ځانګړنې یی په شلمه پېړۍ کې څرګندې شوې پوهان اوس له ژوو نه زده کړه کوي څو قرآن څوارلس پېړۍ مخکې ویلي.

## د ملخانو ډلې

له کبرونو لکه دخورو وروملخانو په څېر بهر راوځي (القمر 7).

يُخْرِجُونَ مِنَ الْأَجْدَاثِ كَاتِمَةً جَرَادَ مُنْتَشِرَةً

په دې آیت کې فرمایي چې په قیامت کې خلک داسې سرونه له کبرونو راباسي لکه ملخان چې سرونه رواباسي اوخوړيږي.

دملخانو په هکله د ډیرو کوچنیو کمزوله لارې ډیر معلومات په شلمه پېړۍ کې ترلاسه شول. دملخانو یوه ډله دېشمېره ملخانو نه جوړه وې چې دوربځې دتوتې په څېر ښکاری اوڅوکیلومتره سور اوږدوالی لري. دېلکې په ډول ددښتو دملخانو خپل یوزرودوه سوه کیلومتره مربع پراخوالی لري اوله ۵۰ نه تر ۹۰ میلیارده ملخان په هرځېل کې وې. بل مهم ټکی دادی چې ملخان دښکو لاندې هکې اچوی اولارواکان یې هلته وده کوي. ښځېنه ملخ له لس ترپنځلسو سانتي مترو پورې ځمکه کیني اودپنځه نوي نه تر یوسلواتوپنځوسو پورې هکې په هغه کې اچوي. ښځېنه ملخان درې ځلې په خپل ټول ژوند کې هکې اچوي. دځمکې دتودوخې په پام کې نیولو سره لاروا له لسو نه ترپنځه شپېتوورڅو پورې پخېږي اوبیا وروسته ټول یوځای له ځمکې سر راپورته کوي. چې هرمتربمربع زر ملخه لري. اوداچې دملخانو یوخیل ډیره ځای نیسي نو له دې کبله یې دهکې اچولو ساحه هم ډیره پراخه وي. اوپه یوه وار دومره ملخان له ځمکې سرراپورته کوي اوپه هواکې خورپړی چې عجیب ښکاری او دا پېښه مشابه له همغې پېښې سره ده چې دقیامت په ورځ انسانان له کبرونو سرراپورته کړي. دملخانو په هکله دغه څېړنې یواځې دنوې ټکنالوژۍ په مټ ترسره شوي اودامربکې دخلايې څېړنو مرکز ناسا هم په دې اړوند ډیرې څېړنې کړې خو قران ۱۴ پېړۍ مخکې دابېلکه یاد ه کړې. آیا داپه خپله دقران یوه معجزه نه ده؟

### د مېريانو د اړیکو سیستم

قرآن فرمایي کله چې حضرت سلیمان <sup>(ع)</sup> له خپل لښکر سره له یوځای نه تېریده مېريانو یو له بل سره خبرې کولې اوحضرت سلیمان په هغه پوه شو: کله چې دمېريانو سېمې ته ورسېدل یو مېړی وویل: ای مېريانو ټول کورونو ته ولاړشي داسې نه چې سلیمان اولښکریې په ناپوهۍ سره تاسو ترپښولاندې کړي. (النمل 18).

حَتَّىٰ إِذَا تَوَافَوْا عَلَىٰ وَالِائِمْلَ قَالَتْ نَمْلَةٌ يَأْكُلُهَا النَّمْلُ أَذْخُلُوا  
مَسْكَنَكُمْ لَا يَحْطُمَنَّكُمْ سُلَيْمَنُ وَجُنُودُهُمْ لَا يَشْعُرُونَ

دمېړيو اوسنۍ څېړنې داجوتوی چې دغه ژوی ډیر منظم ټولنیز ژوند لري اویوه ډیره مغلقه داریکو شبکه لري، دېلکې په توګه ملی جغرافیه داسې رپوت ورکوي: " یو مېړی په خپل غټ سر کې بېلابېل حواس لري چې بصری اوسمعی انګېزې اخلی اودمېړيو ټولې ټولنې ته چې په هغه کې په میلیونونو مېریان شته هغه لېږدوي. چې داتول ښځېنه مېریان دی ". دمېړی دماغ نیم میلیون عصبي حجري لري، دمېړی سترګې مرکبې دي، دمېړی ښاخ یا آنتن ډیزې، دګوتو دسر اودلامسې دحس پراخې کارکوي، دخولې لاندی وتلې برخه خوند حس کوي، ویشتان هم کله چې ورسره تماس ونیول شي له ځانه غبرګون ښیي.

مېریان دخپلو اړیکو لپاره بیلابیلې لارې لري دوی خپل غړی تل کاروی: لکه دخوړو موندلو، دښکارموندلو، دکورجوړولو اوډله ییزو جګړو لپاره. ددوی په دوونه تر دریو ملی مترو پورې جسامت کې پنځه سوه زره عصبي حجري شته چې دحیرانوونکي داریکو دسیستم لارښوونه کوي. غبرګون دهغوی په اړیکو کې بېلابېلې څانګې لري: آلامونه یا خبرداری، په کارټوظیفول، سانه، دلاړو اودمقعد په مېنځ کې راکړه ورکړه، ټولنیز کار، پېژندنه، دموقف ټاکل اونور. مېریان چې دخپلې ټولنې له دغو غبرګونونو سره ځان تنظیموي په خپل مېنځ کې دخبرونو په راکړې ورکړې سره ګډ ژوند کوي. دمعلوماتو دراکړې ورکړې لپاره کله هم داسې دقیقې اړیکې کاروي چې انسان یې په خبرو کولو نشي کولای. لکه دټولید و لپاره، ګډولو لپاره، پاکولو اوددفاع لپاره. دمېريانو اړیکې دکیمایو موادو له لارې تامینېږي، دغه نیمه کیمایو مواد دفرومون په نامه یادېږي چې دافرازشو غډو اوداوریدو اوبوی کولو دحس له لارې اخستل کېږي. اودا دمېريانو دژوند دتنظیم په برخه کې ډیر مهم رول لري، کله چې یو مېړی یو فرومون افراز کړي بل مېړی هغه دپوږې اوخولې له لارې اخلی اودهغه مطابق غبرګون څرګندوي. دفرومون ډول داچې څه ډول پیغام استوی توپیر لري. دغه راز دفرومون چټکوالی دپیغام په مهم والی پورې اړه پیدا کوي. له دې نه ښکارې چې مېړی باید دکیمیا دپوهې په اړوند کره معلومات ولري څوچې یو ډبل په منظورپوه شي اودادقرآن عظیم الشان بله معجزه ده چې په سل ګونه کاله مخکې یې بیان کړې خو ساینس اوس پرې پوه شوی دی.

### د خوړو دوران

الْمَيِّتِ مِنَ الْحَيِّ

إِنَّ اللَّهَ فَالِقُ الْحَبِّ وَالنَّوَى يُخْرِجُ الْحَيَّ مِنَ الْمَيِّتِ وَمُخْرِجُ

الله دانه اوهسته سوري کوي اوله مړې نه ژوندي اوله ژوندي نه مړې پيدا کوي.

په دې آيت کې زموږ پاملرنه دخوړو دوران ته راړول کېږي چې دقرآن دنزول په وخت کې خلک پرې نه پوهېدل. کله چې يو ژوندی جسم مری میکروبونه په چټکۍ سره هغه تجزیه کوي ، بیا دغه مرجسم په عضوی مالیکولونو اوخوړو بدلېږي. دغه لومړنی غذايي مواد لومړی نبات بیا ژوی اوانسانان جوړوي ، که چېرې دغه دوران نه وای دځمکې په سره به ژوند ناممکنه وای. باکتریا دمنرالونو دجوړولو اودتولو ژوو اړین غذايي موادبرابروي .هغه حیوانات اونباتات چې په ژمی کې کنگل کېږي په ټول ژمی کې دباکتریاوو له لاری خپل دخوړو توکي برابروي. دژمی په بهیر کې باکتریاوې فضله مواد له حیواناتو اوانسانانو بېلوي اوهغه په منرالونو بدلوي. نوژووی ویده اوکنگل کېږي اوکله چې په پسرلی کې راویښ شي ، دیرشمیر خوارکي توکي تیارشوی وی . نوڅرنگه چې موولیدل مړه جسمونه دژوو دتغذیې لپاره اړین دی. نو داآیت هم بل قرآنی علمی اعجاز کتل کېږي.

### په خوب کې د غوږونو فعالیت

الْكَهْفِ سِنِينَ عَدَدًا

فَضَرَبْنَا عَلَى آذَانِهِمْ فِي

بیا دڅو کلونو لپاره مو ددوی غوږونه بند کړل (الکھف 11).

ددې آیت مفهوم دادی چې هرکله دکھف اصحاب ویده شول ددوی غوږونه دالله (ج) له لوری وتړل شول خو چې غږ وانه وری . له دې نه چې دلته یواځې داوړیدو حس باندې ټینګار شوی له ځانګړي اهمیت څخه برخمن دی . نویو څېړنو ښودلي چې دغوږو آخذه دخوب په وخت کې هم فعاله وی له همدې کبله دویښېدو لپاره له زنگ لرونکي ګډې څخه کاراخلو. ددوی غوږونه یی بند کړل چې په کلوکلوهم له خوبه اوچت نه شي.

### د خوب په وخت کې د خوځښت اهمیت

وَتَحْسَبُهُمْ آيَاتًا وَأَهُمْ رُفُودٌ وَقَلْبُهُمْ وَذَاتُ الْيَمِينِ وَذَاتُ الشِّمَالِ

هغوی مو وینئ وګنل په داسې حال کې چې هغوی ټول ویده وواوموږ هغوی پر ښی اړخ اوکین اړخ اړول رااړول(الکھف 18).

دغه آیت د اصحاب کھف په هکله دی چې درې سوه کاله دغره په یوه سوړی کې ویده شوی وو. الله (ج) فرمایي چې هغوی یی ښی لوراوګین لورته اړول رااړول ، ددې موضوع اهمیت په دې وروستیو کې موندل شوی دی. څوک چې ددیر وخت لپاره په همدې وضعیت کې پاتې کېږي ډیری روغتیايي ستونزې به یی په برخه شي . لکه دویني ددوران ناسموالی ، دبستر ټپ ، دویني ټینګېدل ، اونور . کله چې یو څوک په دوامداره توګه په یوه حال پاتې شي هغه برخه رګونه یی چې بستر سره اړیکه لري کېښودل کېږي اوکیدای شي وتړل شي ، چې په پایله کې اکسیجن اونور غذايي توکي نسج اوپوستکي ته نه رسېږي اودنسجونو دمړینې لامل ګرځي . لومړی به پوستکي له مېنځه ځي اوهرڅورمړه چې دوام ومومي دیوستکي لاندې واژدې اوعضلې هم له مېنځه ځي . که چېرې ددغو ټپونو درملنه ونه شي مکروب نیسی اودیږې خطري رامینځته کوي اوآن چې دمړینې لامل ګرځي . دهغو لپاره ډیره ښه روغتیايي وقایه دوضیعت بدلون ورکول دی . هغه ناروغان چې خپله خوځښت نه شي کولای باید دمرستندوی شخص له خوايی مرسته وشي اووروسته له هرو ددو ساعتونو له یوه اړخ نه بل اړخ ته واړول شي .

## په شپه کې د خوځښت کمښت

وَجَعَلَ اللَّيْلَ سَكَنًا

اوشپه یی دسکون لپاره جوړه کړه(الانعام 96).

د "سکنا" عربي کلمه يعنی استراحت ، دوقفې ، وخت، دشاته تک اوآرامښت په مانا ده . څه ډول چې الله (ج) فرمایي شپه یی دآرام اواستراحت لپاره پیداکړې . په شپه کې د دمیلاتونین Melatonin هورمون افرازېږي چې دبدن خوځښت دکراریدو ، دستوماني داعصابو دآرامښت اوخوب لامل ګرځي . دخوب په وخت کې دزړه خوځښت اوسا کښل کرارېږي دویني فشار کمېږي . سهار مهال ددغه هورمون افراز درېږي اودانسان بدن ته وپښیدل تنبیه کېږي .

دخوب په وخت کې دبدن عضلې خپلې مړې حجرې ترمیموي داځکه چې دخوب په وخت کې دانرژي مصرف لږ وي ، بدن انرژي ذخیره کوي . دمعافیتي سیستم اودبدن دودې ډیر شمېرهورمونونه هم په شپه کې افرازېږي .

دبېخوبی له کبله دمعافیت سیستم کمزوری کېږي اوشخص په آسانی سره ناروغه کېږي . که څوک پرله پسې دوه شپې ویده نه شي ښه تمرکز نه شي کولای اودېرې تیروتنې کوي ، که څوک درې شپې پرله پسې ویده نه شي ښه فکر نه شي کولای اوخیالاتي کېږي .

(Hallucination يعنی داسې څه وینی اووړي چې اصلأشتون نه لري ) .

شپه دانسانانو اونورو ژوو لپاره داستراحت وخت وي . الله (ج) داچې شپه دآرامښت لپاره پیداکړې ده اودیر فعالیتونه په دې وخت کې کمېږي نوځکه دې مسالي ته اشاره کوي . په داسې حال کې چې موږ په سترګو ډیر داسې بدلون نه شو لیدلای ، دبېلګې په ډول دفتو سنتېز عملیه په نباتاتو کې چې دلهر په راوتو سره پیلېږي . دشبې له خوا تودوخه کمېږي نباتات خولې نه کوي اواستراحت کوي . که شپه نه شي ډیر نباتات به ومري يعنی داچې شپه دنباتاتولپاره هم داستراحت اودځواک دنوی کولو وخت وي .

دمالیکولونو فعالیت هم دشبې له خوا کمېږي ، دلهر وړانګې دروخې دمالیکولونو اوتومونو دفعالیت لامل ګرځي . په تیاره کې مالیکول اوتوم لږه انرژي لري اودوړانګو په له لاسه ورکولو پیل کوي .

## په لوړو سیمو کې د سینې انقباض

انسانان دژوند لپاره داکسیجن اودهوا فشارته اړتیا لري . له هوانه داکسیجن اخستل اودهغه رسول هوایی کېسوته په سږو کې صورت نیسي . څومره چې دیوې سیمې لوړوالی ډیر وي دهوا فشار هلته کمېږي ، له همدې کبله ساه ایستل ستونزمن کېږي اوپني ته داکسیجن رسېدل کمېږي . دسږو هوایی کېسې انقباض کوي اوتنګېږي اوموږ داسې فکر کوو چې سا نه شو اخستلای . که چېرې دبدن داړتیا لپاره دویني داکسیجن کچه لږه وي بېلابېلې نښې په انسان کې لکه ستومانتیا ، دسردرد ، ګنګستوب ، زړه بدوالی پیداکېږي اوناښم قضاوت له انسان نه سړوهی . کله چې یوتاګلی لوړوالی ته ورسېږو په دې صورت کې دسا اخستل ناممکنه کېږي له همدې کبله په ډیرو

وَمِنْ يُرِيدُ أَنْ يُضِلَّهُ يَجْعَلْ صَدْرَهُ ضَيِّقًا حَرَجًا كَأَنَّمَا يَصْعَقُ فِي السَّمَاءِ

لوړو ځایو کې داکسیجن کڅوړې اوماسک ته اړتیا لري . دسمندر له سطحې نه پنځو نه تر اووه نیم مترو پورې که څوک پورته ولاړشي دسایستلو دستونزو له کبله کیدای شي دکوما حالت پرې راشي . له همدې کبله په الوتکو کې داکسیجن کڅوړی وی دغه راز په الوتکو کې داسې وسیلې شته چې فشار کنټرولوي . کله چې انساګو ته اکسیجن ونه رسېږي دې حالت ته انوکسيا Anoxia وایي . د اکسیجن کموالی له درې زره نه تر څلورنیم زره متره لوړوالی نه پیلېږي ، ویل کېږي چې په دې لوړوالی کې انسان شعور له لاسه ورکوي . پوهانو دغه حقیقتونه اوس موندلي چې په لاندې آیت کې روښانه شوی .

هرڅوک چې وغواړي لارورکي یی کړی دهغه سینه تنګوی اونیسی یی داسې لکه چې دآسمان په لوري پورته کېږي(الانعام 125).

وَتِلْكَ الْأَمْثَلُ نَضْرِبُهَا لِلنَّاسِ وَمَا يَعْقِلُهَا إِلَّا الْعَالِمُونَ

اوموړ دابېلگې ددې لپاره خلکو ته وايو خو پرته له پوهانو نورڅوک په هغه کې فکر نه کوي (العنکبوت 43).

## د قرآن وړاندوېنې

دقرآن بل اعجاز دهغو پېښو وړاندوېنه ده چې کټ مټ پېښې شوی دی چې بېلگې یې دادی:

### د روم بری

دقرآن کریم په دوهم سورت کې دختیز روم بری ددې کتاب یوه وړاندوېنه ده.

روم ماته وخوړه په ډیره ټیټه ځمکه کې ، اوهغوی به وروسته له دې ماتې نه له دریو نه تر نهوکلویه موده کې بریالی شی (الروم 4-1).

الْمَغْلِبِۦٓ ۖ غَلَبَتِ ٱلرُّومُ ۚ ۝۱ فِیٓٓ ٱدْنٰی ٱلْأَرْضِ ۚ وَهُمْ مِّنۢ بَعْدِ ۝۲ غَلَبِهِمْ سَیَغْلِبُوۡنَ ۚ فِیٓٓ بَضْعِۢ سِنِیۡنَ ۚ ۝۳ لِّلّٰهِ ٱلْأَمْرُ ۚ مِّنۢ قَبْلِ ۚ وَمِنْۢ بَعْدِ ۚ وَیَوْمَیۡذِ یَفۡرَحُ ٱلْمُؤْمِنُونَ ۝۴

دغه آیت په زېږدیز ۶۲۰ کال کې نازل شو یعنې وروسته دختیزروم ( ننۍ استانبول یا قسطنطنیه ) دعسویانو له ماتې نه چې دپارسیانو له لوری یې وخوړه. کله چې رومیانو په زېږدیز ۶۱۳ کال په انټیوچ کې ماته وخوړه پارسیانو شام، سلیسیا، تارسوس، آرمینه او بیت المقدس ترلاسه کړل. په تیره بیا دبیت المقدس له لاسه ورکول او دصلیب له مېنځه تلل رومیانو ته ډیر ستونزمن تمام شول. برسېره پردې پارسیانو، آوارانو، سلاوانو لېباردانو هم دروم امپراطوری گواښوله ، له وخت نه په گټې آوران دقسطنطنیې دیوالونو ته ورسیدل ، امپراتور هیراکلیوس فرمان ورکړ څو چې دکلېسا گانو دنولو سرو اوسپینو زرو نه پیسې جوړې کړی چی لښکرته ورکړشی ، له دې نه چې داپیسې کافی نه وی دژېړو پیسې هم جوړې شوی . ډیرو والیانو دهراکلیوس پرضد پاڅون وکړ اونږدې وو چې قسطنطنیه سقوط وکړی . عراق، سوریه، مصر، ارمنیه ، فلسطین او سلیسیا ټول دامپراطوری دله مېنځه وړلو په سوچ کې وو. خو قرآن وړاندوېنه وکړه چې له دریو نه ترنهو کلونو پورې به روم بیا بریالی شی. خو دغربو مشرکینو دانه منله چې داوړاندوېنه به سمه وی اوحقیقت به شی. په ۶۲۲ز کال کې هیراکلیوس دپارس په وړاندې بریالیتوبونه ترلاسه کړل او ارمنیه یې ونیوله د۶۲۷ زېږدیز کال په وروستیو کې دواړه لښکر ددجلې دسیند په ختیزه برخه کې بغداد ته نږدې په جگړه اخته شول ، داخل هم پارسیانو ماته وخوړه اوڅو میاشتی وروسته پارسیانو له رومیانو سره سوله وکړه اوپه زورسره خپل هیواد ته ستانه شول.

په کال ۶۳۰ز کې دپارس دڅسروپاچا په ماتې سره اودبیت المقدس په بیانپولو اودصلیب په لاسته راوړو سره په پارس باندې دروم بری په حقیقت بدل شواوڅه ډول چې قرآن وړاندوېنه کړې وه له دریو نه ترنهوکلونوپورې روم په پارس غالب شو.

بل اعجاز لرونکی ټکی په دې آیت کې یو جغرافیایی مثل دی چې دهغه وخت پوهې سره د اټکل وړنه وه . رومیانو دخمکې په ډیره ټیټه برخه کې ماته وخوړه.

"ادنی الارض" په ډیرو تفسیرونو کې نږدې ژباړل شوی په داسې حالی کې چې اصلی مانای یې دخمکې ډیره ټیټه برخه ده . مفسرینو دجگړې دسیمې نږدې والی دغربو دژوندانه له سیمې سره په پام کې نیولی . حقیقت په دې کې دی چې جگړه په بحر میت کې په کال ۶۱۳ — ۶۱۴ ز کې پېښه شوې . دغه سیمه ۳۳۹ متره دسمندر له سطحې نه ټیټه ده اودخمکې پر سر ډیره ټیټه وجه ده . دبیت المقدس ښار هم دهمدې بحرالْمیت سره نږدې دی . جگړه دسورېې ، فلسطین او اردن دتقاطع په ځای کې شوې اودخمکې ددې سیمې ډیر ټیټ والی یواځې اوس اوس دپرمختللو وسیلو له لاری تثبیت شوی اوهغه وخت یې په قران کې ذکر ددې الهی کلام یوه بله معجزه ده.

### د فرعون د بدن ساتنه

څه ډول چې پوهېږو دمصر فرعون دخدايي دعوه درلوده ، او حضرت موسی (ع) چې د الله (ج) بنده کي. ته یی خلک رابلل ترکواښ اوتیری لاندې ونيو. اودې حال ترهغه وخته دوام وموند چې فرعون ډوبېدو ته نږدې شوی و. چې په دې وخت کې یی دفعتاً" په الله (ج) ایمان راوړ اودخپل خلاصون دعایی وکړه ، خو دده توبه دهرېنې په وخت کې قبوله نه شوه الله (ج) ده ته په خطاب کې وویل:

فَالْيَوْمَ نُنَجِّيكَ بِبَدَنِكَ لِتَكُونَ لِمَنْ خَلَقَكَ آيَةً

له نن نه ( وروسته له ډوبېدو) ستا بدن دخلکو دعبرت لپاره ساتو (یونس 92).

دغه معلومات چې دفرعون جسد به وساتل شی دې ته اشاره ده چې دده جسد به نه خرابېږی . ددغه ظالم حاکم جسد وروسته له ډوبېدو ساحل ته ورسېد اومصريانو هغه موميایی کړ دغه جسد اوس هم دقاهرې په موزیم کې دخلکو دعبرت لپاره شته اوساتل کېږی.

### د مکې فتحه

لَقَدْ صَدَقَ اللَّهُ رَسُولَهُ الرُّؤْيَا بِالْحَقِّ لَتَدْخُلَنَّ الْمَسْجِدَ  
الْحَرَامَ إِنْ شَاءَ اللَّهُ آمِنِينَ مُحَلِّقِينَ رُءُوسَكُمْ وَمُقَصِّرِينَ  
لَا تَخَافُونَ فَعَلِمَ مَا لَمْ تَعْلَمُوا فُجِعَلْ مِنْ دُونِ ذَلِكَ  
فَتْحًا قَرِيبًا

البتة الله (ج) دخپل رسول خوب ريښتيا کړ که الله غوښتي وی مسجدالحرام ته به په امن سره ننوخی په داسې حال کې چې ( دحج لپاره) به سرونه وخریږی اویا به یی لنډ کړی له ډاره پرته. .  
الله (ج) پوهېږی په هغه څه چې تاسو نه پوهېږی برسېره پردې به ډیره ژر بل بری هم ولری (الفتح 27).

یو شېبه حضرت محمد (ص) خوب ولید چې مؤمنان مکې ته ننوخی اودمسجدالحرام په شاوخوا راگرځی . سهار یی خپل دغه خوب مهاجرو ته ووايه. وروسته دغه آیت نازل شو او ډاډ ورکړ شو چې خوب به یی په حقیقت بدل شی . هغه وخت لا مکه نه وه فتح شوې چې وروسته له هغه په لږه موده کې دحديبي سوله اودمکې فتح وشوه اومؤمنان مسجدالحرام ته ننوتل . الله (ج) وښوده چې دا دده اراده وه چې رسول دخدای خوب ولید.

که چېرې خبر شو دابه ومومو چې په دې آیت کې یوې بلې فتحې ته چې مخکې دمکې له فتح به واقع شی هم اشاره شوې اودا دخیبر فتح ده چې ډیر ژر وروسته دمکې له فتحې وشوه. هغه وخت خیبرکلا ديهودانو په واک کې وه چې ترې آزاده شوه.

حضرت محمد (ص) په زېږدیز ۶۳۰ کال کې مکه فتح کړه اودوه کاله وروسته ټولو کفارو مکه خوشې کړه څه ډول چې الله (ج) فرمایلی وو.

مهم ټکۍ دلته دی چې کله محمد <sup>(ص)</sup> ددې سويې زېږې مسلمانانو ته ورکړ ، حالات داسې وو چې هېچا دابورو نه درلود چې مسلمانان به دومره ژر مکې ته ننوځي او هغه به فتح کړي اوان ځينې مسلمانان چې مذبذبه ول ددې وړاند ويني په وړاندې يې شک وکړ. خو بياهم حضرت محمد(ص) هغوی ته کومه پاملرنه ونه کړه اوالهي وحیه يې ټولو ته تېلېغ کړه . الله <sup>(ج)</sup> خپلې خبرې په عملي توگه تاييد کړې او بری ډير ژر راغی.

### د بنی اسرایلو قوم به ډیر کبرجن شی

وَقَضَيْنَا إِلَى بَنِي إِسْرَءِيلَ فِي الْكِتَابِ لُتْفُسِدَنَّ فِي الْأَرْضِ  
مَرَّتَيْنِ وَلَنَعْلُنَ عُلُوًّا كَبِيرًا ۖ فَإِذَا جَاءَ وَعْدُ أُولَاهُمَا بَعَثْنَا  
عَلَيْكُمْ عِبَادًا لَنَا أُولَىٰ بَاسٍ شَدِيدِينَ فَجَاسُوا خِلَالَ الدِّيَارِ  
وَكَانَ وَعْدًا مَّفْعُولًا ۖ ثُمَّ رَدَدْنَا لَكُمُ الْكَرَّةَ عَلَيْهِمْ  
وَأَمَدَدْنَا لَكُمُ الْيَمَالَ وَنَبِيتَ وَجَعَلْنَا كُمُ أَكْثَرَنَفِيرًا ۖ

اوپه کتاب کې موبنې اسرایلو ته خبرورکړو چې تاسو به دوه ځلې په ځمکه کې فساد ته پاڅېږئ اوکبر اوسرکېښی به کوئ . کله چې لومړنی پړاو راشي کلک جگړه مار اوځواکمن بنده گان به تاسو ته راپاڅوو څو چې ستاسې کورونه هم ولټوی اوزموږ وعده هر ورو ترسره کیدونکې ده . او بیا تاسو دهغوی په لور راگرځو او په ډیرو مالونو او اولادونو سره به ستاسو مرسته وکړو اوستاسو شهر به ډېر کړو . (الاسراء 64)

په دې آیتونو کې فرمایي چې بنی اسرایل به دوه ځلې فساد لامل شي چې هرځل به ډیر متکبره اوسرکېښه شي . ا. والله <sup>(ج)</sup> به ځواکمنه قوه ددوی پرضد راواستوي . لومړی ځل کله چې یهودانو یحیی <sup>(ع)</sup> وواژه اوزیار یې وایست چې عیسی <sup>(ع)</sup> هم ووژني ډیر کبرجن شول . خو بیا ژر په ۷۰ زیږدیز کال کې رومیانو هغوی له بیت المقدس نه وویستل او وروسته له هغه یهودان په ټوله نړۍ کې تبت او پرک اوسرگردانه شول .

ددغو آیتونو دنزول په وخت کې یهودان په بېلابېلو سیمو کې په ډیرې خواری سره ژوند کاوه له ځانه یې کوم هیواد نه درلود. الله <sup>(ج)</sup> بنی اسرائیلوته وویل چې یو ځل بیا به خپل ځواک اوتکبر ترلاسه کړي په هغه وخت کې چا دافکر نه کاوه چې داکار به ترسره شي .

وروسته له څو سوه کلونو په ۱۹۴۸ زیږدیز کال کې یهودان فلسطین ته راوگرځېدل اوداسرایلو دولت یې جوړ کړ . نن اسرایل ډیرپوځي اواقصادی ځواک لري اوپه ډېر کبر سره یې مسلمانان اوعیسویان خورولي . دا د بنی اسرایلو فساد دوهمه دوره ده.

نوهغه وخت کله چې هېچا هم فکر نه کاوه د بنی اسرایلو قوم په داسې حال کې چې ډیر کبرجن شوی وو اوپه ځمکه کې یې فساد خور کړی وو خدای خوار اوذلیل کړ ، اودادی اوس یې په تیره سلیزه کې بیا ځواک وموند اودځمکې پرسر فساد دخورلو سرچینه شو.

«خدای پاک قادر دی چی داسرایلو اوسنی کبر اوفساد ته هم داسې قوم راپاڅوی څه ډول یې چې پخوا راپاڅولی وو اودوی به انشاالله بیرته خوار اوذلیل کړي اوځمکه به ددوی له شر څخه پاکه کړي» . ژباړن .

### خلايي څېړنې

د انسانانو له خوا خلايي څېړنو هغه وخت پراختيا وموندله چې د لومړي ځل لپاره روسي پيلوټ يوري گاگارين د سپوټنیک مصنوعي سپوږمکي له لارې د ۱۹۵۷ کال د اکتوبر په څلورمه نېټه د ځمکې له فضا نه ووت. ورپسې "امريکايي نيل آرمسټرانگ لومړی انسان وو چې د ۱۹۶۹ز کال د جولای شلمه نېټه يې د سپوږمۍ په کره قدم کېښود. په داسې حال کې چې الله (ج) دغه پرمختګ له وړاندې په قرآن کریم کې يادګړی وو.

يَنْمَعَشِرُ الْجِنَّ وَالْإِنْسَ إِنِ اسْتَطَعْتُمْ أَنْ تَنْفُذُوا مِنْ أَقْطَارِ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ فَانْفُذُوا لَا تَنْفُذُونَ

إِلَّا بِإِذْنِ

ای پیرانو او انسانانو که کولای شی د آسمانونو او ځمکې چاپیریال ته نفوذ وکړی، نفوذ نه شی کولای مګر په یوه ښکاره صلاحیت سره (الرحمن 33). د سلطان کلمه چې په ښکاره صلاحیت ژباړل شوی د قوې، ځواک، قانون، تګلوری، بهرینو، استدلال، ثابتولو، حاکمیت او سلطنت په مانا هم دی. په دقیقې مطالعې سره پردې پوهېږو چې په دې آیت کې د ځمکې او آسمانونو په لور پرمختګ ته اشاره شوې خو په هغه صورت کې چې ښه ځواک به لری. اودغه ځواک همدغه ننی ټکنالوژی ده چې پوهان یې توانولی چې د ځمکې په مینځ او ځلا کې نفوذ وکړی.

### د سپوږمۍ سفر

وَالْقَمَرِ إِذَا اتَّسَقَ لَتَرَكُنَّ بَطِيقًا عَن طَبَقٍ

قسم په سپوږمۍ، کله چې تمامه شی پړاوپه پړاو به پورته شی (الانشقاق 18-19).

د سپوږمۍ له یادښت نه وروسته د پړاوپه پړاو پورته تلو یادونه شوې د "ترکین" کلمه له مراکې نه د پورته کېدو، ګام پورته کولو، تعقیب، سورېدو، یوځای کېدو او حاکمیت په مانا ده، ددې مانا په رڼا کې امکان لری چې ددې آیت موخه د سوریدو او لېږد واسطه وی. دخلاوهلو واسطه هم پړاو په پړاو د ځمکې د چاپیریال له پورونو نه تېره شوه او د سپوږمۍ د جاذبې ساحې ته ورسېده. اویا د څو پوړونو په وهلو سره سپوږمۍ ته ورسېده. اوپه سپوږمۍ قسم یادول پردې ټکی ټینګار کوی یعنې چې دا آیتونه کیدای شی د سپوږمۍ پر لور سفر ته اشاره وکړی.

پروفیسر آرمسٹرانگ لومرنی امریکانی خلاوہونکی چي پرسپورمی یی پل کینود وایی: په یقین سره داموضوع دساینس له اړخه ډیره ستونزمنه ده چي بیان شی ، هغه څه چي موږ ولیدل له هغه څه نه ډیر اوچت دی چي یو عادی سړی وکولای پرهغه پوه شی اوڅه پرې ولیکی.

### د لېږد رالېږد عصری وسایل

وَالْحَيْلُ وَالْبَغَالُ وَالْحَمِيرُ لَتَرْكَبُنَّهَا وَرِيْنَهُ وَيَخْلُقُ مَا لَا تَعْلَمُونَ

آس اوکچره اوخر یی تاسوته دتجمل اوسورېدولپاره اونورشیان چي تاسو پرې نه پوهېږی خلق کړی دی. (النحل 8).

دغه آیت جوتوی چي له یادوشوو څارویو برسېره دلېږد رالېږد نوروسایل چي دهغه وخت خلک پرې نه پوهېدل لکه موټر ، الوتکه اونورونه هم اشاره شوې . دغه بل آیت هم کیدای شی مدرنودلېږد رالېږد وسایلو لکه کښتی ، ته په کي اشاره شوې وی:

وَأَيُّهَا هُمْ أَنَا حَمَلْنَا ذُرِّيَّتَهُمْ فِي الْفُلِّ الْمَشْحُونِ وَخَلَقْنَا لَهُمْ مِنْ مِثْلِهِ مَا يَرْكَبُونَ

نورې نښې ددوی لپاره دادی چي دانسان نژاد مو په کښتیوکې ولېږداوه اوهم مودهغو غوندې نور دلېږد وسایل پیداکړل (یس 41-42).

## د الوتکې ټکنالوژۍ

وَلَسْلَيْمَنَ الرِّيحَ عَاصِفَةً تَجْرِي بِأَمْرِ إِلَى الْأَرْضِ الَّتِي بَرَكْنَا فِيهَا

اوسليمان ته مو ددې توان ورکړ چې له جټک باد سره چې دده په واکي ده دځمکې لورته حرکت وکړي او هغه مو مبارک وگرځاوه. (الانبيا 81).

څه ډول چې آيت روښانوي الله <sup>(ع)</sup> سليمان <sup>(ع)</sup> ته داتوان ورکړ چې له باد نه په خپل واک کې دلېږد رالېږد دوسيلې په توگه کارواخلي او په زيات گومان له باد څخه دسليمان (ع) دغه گټه اخستنه دالوتکې دجوړولو لپاره اشاره ده.

اوباد مو دسليمان په واک کې ورکړ چې ديوې مياشتې سفر په سهارکې اوبو يومياشتني سفر په مازديکر کې ووهي (سبا 12).

وَلَسْلَيْمَنَ الرِّيحَ غَدُوًّا هَاشِمًا رَوَّاحَهَا شَمْرًا

يو مياشتني سفر په سهار کې اوبو يو مياشتني سفر مازديکر مهال دسليمان (ع) ډير جټک تک ته اشاره ده ، په همدې توگه دغسې سفرونه نن دالوتکې له لارې چې دباد دقوي پراساس کارکوي په جټکې سره ممکن دي (والله اعلم). په ډيره گومان سره پورتنی آيتونه دانسان له لارې دالوتکې اختراع ته اشاره کوي.

## د تصوير لېږد

قَالَ الَّذِي عِنْدَهُ عِلْمٌ مِّنَ الْكِتَابِ أَنَا آتِيكَ بِهِ قَبْلَ أَنْ يَرْتَدَّ إِلَيْكَ طَرْفُكَ

او هغه څوک چې په علم او کتاب باندې پوه ؤ ويي ويل چې زه هغه ( دسبادملکي تخت ) مخکې له هغه چې ستا سترگې راوگرځي راوړم (النمل 40). څوک چې پوه ؤ سليمان <sup>(ع)</sup> ته يي وويل چې دسبا ملکي تخت ډير ژر دسترگو په رپ کې راوړم . دغه موضوع کيدای شي دتصوير لېږد ته اشاره وکړي چې پرنښو وسايلو يي کولای شو ترسره کړو. نن هرليک ، تصوير او فلم کولای شو دانترنت تلويزيون اوفاکس له لارې دڅو ثانيو په موده کې ولېږدوو اوددري بعدی تصوير لېږد هم دانترنت له لارې شوني دي. پوهان په دې اند دي چې په راتلونکې کې به داتومونو ، ماليکولونو اوجسمونو لېږد هم ممکن شي . دا کيداشي داسې وشي چې دجسم ځانگړنې له يو ځای نه بل ځای ته واخستل شي اوبل ځای ته ولېږدول شي او هلته به بيا ورغول شي . ددغې ټکنالوژۍ په بری سره به دلېږد لپاره زمان اومکان کومه مانع نه وي او هرڅه به دڅو شېبو په موده کې هرځای ته ولېږدول شي. په کال ۱۹۹۸ کې اروپايي پوهان اودکالفورنيا دټکنالوژۍ انستيتوت په دې وتوانېدل چې يو فوټون ولېږدوي . پوهان داتومي جوړښت په مطالعې سره ديو فوټون کاپي جوړه کړه اوبو متري واټن ته يي ولېږدوله . دغه راز پنگ کوي لام داستراليا دپوهنتون غړی وکولای شول چې دلایزر وړانگې ځای ته بدلون ورکړي. اودڅو مترو په واټن کې يي تجزيه اوبيايي جوړه کړي. پنگ کوي لام وايي: "تراوسه نه دي توانيدلي چې جسمونه پر اتومونو تجزيه کړي اوبل ځای ته يي ولېږدوي خو دغه کار به په راتلونکې کې شوني شي."

سَرُّيَهُمْ ءَايَتُنَا فِي الْأَفَاقِ وَفِي أَنْفُسِهِمْ حَتَّىٰ يَبَيِّنَ لَهُمُ أَنَّهُ الْحَقُّ

دي (فصلت

موږ خپلې نښې په افاق او انفس کې ددنبا ښکاره کوو څو چې خلکو ته ښکاره شي چې ټول پرحقه

(53).

دغه ټکنالوژۍ دهغو شيانو يوه برخه ده چې قرآن بيان کړې اودغه ټول دقرآن اعجاز دي.

## د بوی لېږد

وَلَمَّا فَصَلَتِ الْعِيرُ قَالَ أَبُوهُمْ إِنِّي لَأَجِدُ رِيحَ يُوسُفَ لَوْلَا أَن تَفْقَهُونَ

ځکه چې کاروان له (مصر نه ) بهر راغی پلاري يعقوب <sup>(ع)</sup> وويل: زه د يوسف بوی مومم اوتاسو زما عقل کمزوری گنی (يوسف 94).

پوهان په دې باور دی چې د تصویر په څېر د بوی لېږد هم لرو ځایو نو ته ممکن دی. دیوسف<sup>(ع)</sup> پلار وایی چې دیوسف بوی له بل ښارنه ماته رارسېږي، پوهان وایی لکه درې بعدی تصویر په شان د بوی لېږدول هم امکان لری په همدې خاطر دغه آیت د پرمختللي تکنالوژۍ وړاندوینه کوی. لکه زموږ نور حواس بوی هم په دماغ کې جوړېږي او همدلته یې تشخیص کېږي. د بېلګې په ډول د لیمو د پوستکي مالیکولونه پوزې ته رسېږي او د پوزې آخذه تحریک کوی. دغه آخذي معلومات په الکترونیک ډول دماغ ته لېږدوي خو خپله د لیمو مالیکول دماغ ته نه ننوځي. بڼا پر دې پوهان عقیده لری چې دغه ډول الکترونیکي معلومات په مصنوعی ډول هم جوړیدلای شی. یعنی د الکترونیکي پوزې د جوړیدو امکان په نږدې راتلونکې کې شونی دی. د مسلکي کسانو پوزې تر لسو زرو ډولونو پورې بویونه احساس کوی. مسلکي عطر جوړونکې د بوی کیمیاوی مادې په بویولو سل ډوله جزونه یې پېژندلای شی، دانسان په پوزه کې دغه ډول خارق العاده جوړښت پوهان دې ته هڅولی دی چې له هغه سره یوه مشابه آله جوړه کړي. دانسان د پوزې آخذي له پروتینو نه جوړې شوی. الکترونیکه پوزه د کیمیاوی آخذي درلودونکي وی، هره آخذه یواځې یو ډول بوی اخستلای شی، نو هرڅومره چې ددغې پوزې تشخیصیه قوه ډیره مصنوعی شی، ډیرو آخذو ته اړتیا لری اوبیه یې هم گرانېږي. آخذو ته رسېدونکې علامې په الکترونیکي کود بدلېږي او کمپیوټر ته لېږدول کېږي. د عصبي تارونو معادل الکترونیک سیستم د پوزې اودماغ ترمنځ وی او کمپیوټر د دماغ دنده ترسره کوی. کمپیوټر داسې تنظیم شوی چې معلومات اخلي او اخستل شوی کودونه تعبیروي. الکترونیکه پوزه د درمل جوړولو، خوراکي توکو، عصرونو، او کیمیاوی صنایعو د جوړولو لپاره په کارېږي.

وَأَسْلَمْنَا لَهُ عَيْنَ الْقَطْرِ

### له برېښنا نه کټه

اودده لپاره مو دویلي شوو مسوچینه جاري کړه (سبا 12).

دالله (ج) یو ستر نعمت د سلیمان<sup>(ع)</sup> لپاره دویلي شوو مسوچینه وه، اودا په څو مانا کانو تعبیریدلای شی. له ویلي شوو مسونه منظور چې روان وی کیدای شی د برېښنا تکنالوژي وی، مس د برېښنا اوتودوخي ډیر ښه لېږدونکي دی بڼا پر دې د برېښنايي صنایعو بنسټ جوړوي اودجاري کولو اشاره کیدای شی د برېښنا په مزو کې د برېښنا بهیر ته اشاره وی. (والله اعلم).

### د اریزین شاه

وَأَوْحَيْنَا إِلَىٰ مُوسَىٰ إِذِ اسْتَسْقَاهُ قَوْمُهُ أَنِ اضْرِبْ بِعَصَاكَ الْحَجَرَ  
فَانْبَجَسَتْ مِنْهُ اثْنَتَا عَشْرَةَ عَيْنًا

او موسی<sup>(ع)</sup> ته مووحي وکړه چې په خپله لکړه ډبره ووهه بیا دولس چېنې ترې وپېږدي (الاعراف 160).

دموسی<sup>(ع)</sup> قوم له ده نه اوبه وغوښتلې اوبه دې توگه دوی ته د څښاک اوبه تیارې شولې اودا هغه خلک وو چې داوبو له کمښت سره مخامخ ول. داوبو قحطی اوس هم شته یو میلیارده خلک روغتیايي اوبو ته لاس رسي نه لری. اودوه نیم میلیارده خلک پرته له مناسب تشنابه ژوند تیروي، داسې اټکل کېږي چې په دوه زره پنځه ویشتم زیږدیز کال کې به پنځه میلیارده خلک داوبو له کمښت سره مخامخ شی. هرکال دولس میلیونه خلک داوبو د کمښت له کبله مړه کېږي دهغو له ډلې نه درې میلیونه یې هغه ماشومان دی چې دککړو اوبو دکارونې له کبله خپل ژوند له لاسه ورکوی.

دځمکي لاندې اوبه د لویو ذخیرو په توګه ۹۰ په سلوکي داوبو زېرمې جوړوي له دې کبله ډېرې مهمې دي اودنړۍ د دوومیلیاردو انسانانو اړتیاوې پوره کوي . په منځنۍ توګه په امریکا کې پنځوس په سلوکي په ښارونو او پنځه نوی په سلوکي په کلیو کې دڅښاک اوبه دځمکې لاندې سرچینو څخه لاسته راځي ، برسېره پردې ددې اوبو له طبیعي حرارت نه ګټه اخستنه د تودوخې دانرژۍ لګښت راکموي.

کله چې اوبه خاورته جذبېږي داسې ځای ته رسېږي چې نور ښکته نه شي تلای هلته سره ټولېږي اوداوبو زېرمې جوړوي . دغه اوبه د آرټیزین Artesian څاه له لارې دځمکې سرته رسېږي ، د آرټیزین چینې درسوې ډبرو له لارې چې دځمکې لاندې اوبه زېرمه کوي جوړېږي.

دا حقیقت چې د آرټیزین څاه ګانې له ډبرینو سمیو نه لاسته راځي دقرآن آیت په دې اړوند ورته مطلب بیانوي . کله چې الله (ج) موسی (ع) ته امر وکړ چې خپله لکړه په ډبره ووهه داوبو دلاسته راوړلو دې طریقي ته اشاره ده (و الله اعلم). د اضرې کلمه دوهلو ، پورته کولو اوخلاصولو په ماناده. نو ددې آیت مانا داهم کیدای شي چې اوبه کولای شي دلکړې له لارې دډبرې په اوچتولو سره جاري شوې. اواوبه په فشار سره دباندې راووتې (دانجست کلمه ) دانجست دتویدو ، بهیدو ، جاري کیدو په مانا ده چې د آرټیزین څاه کې هم همدا ډول بهیرسره رسېږي. کله چې پوره فشاروی اوبه پرته داوبو له پمپه بهیږي.

مهم ټکی دادی چې په اوسني عصر کې داوبو دکمښت دمخنیو لپاره دځمکې لاندې اوبو څخه ګټه اخستل کېږي اوګټوره لاره یې همدا د آرټیزین څاه ده یعنې موږ په داسې حال کې چې نه پوهېږو دموسی (ع) په طریقه روان یو.داعراف دسورې ۱۶۰ آیت د آرټیزین څاه ته اشاره لري چې په کال ۱۱۲۶ زیږدیز کې لومړی ځل په فرانسه کې له هغه نه ګټه واخستل شوه.

## په ټکنالوژۍ کې د مېريانو لښکر

حَتَّىٰ إِذَا أَنزَلْنَا عَلَىٰ وَادٍ النَّمْلُ قَالَتْ نَمْلَةٌ يَأْكُلُهَا النَّمْلُ ادْخُلُوا  
مَسْكَنَكُمْ لَا يَحْطِمَنَّكُمْ سُلَيْمَانُ وَجُنُودُهُ وَهُمْ لَا يَشْعُرُونَ

څو چې د مېريو وادی ته ورسېدل ، يو ه مېري نوروته وويل چې ای مېريانو ټول خپلو کورونو ته ننوځي داسې نه چې دسليمان لښکر تاسو په ناپوهۍ سره ترپښو لاندې کړي. (النمل ۱۸).  
دمېريو وادی دمشخصو مېريو ځانګړې ځای ته اشاره کوي برسېره پردې دمېريو پرخبروباندې دسليمان (ع) پوهيدل په ټکنالوژۍ کې يوه بله وړاندوينه ده. دنړۍ دټکنالوژۍ مرکز دسليکان دواډی Silicon valley په نامه يادېږي . په زړه پورې ده چې دسليمان (ع) په وخت کې دمېريو له وادی نه خبرې کېږي ، کيدای شي الله (ج) زموږ پاملرنه په راتلونکې کې دټکنالوژۍ پرمختګ ته راګرځولي وي .

دمېري او نورو ژوو ماډل په مصنوعي روبات Robot کې هم په ډيره کچه کارول کېږي. دمېري دماډل ښه بېلګه د مصنوعي مېريودلښکر پروژه ده چې دنړۍ په بېلابېلو هيوادونو کې شته. دامريکې دويرجينيا پوهنتون پوهان په دې هڅه کې دي څو چې دمصنوعي کوچنيوژوو لښکر چې ارزانه اوآسانه وي جوړ کړي ، دغه پروژه چې په رسمي ډول پرمخ بېول کېږي داسې روښانوي: "دغه مصنوعي ژوی په ډلييزه توګه هوډ کوي اوکړنه سرته رسوي.ددغو ژوو برېښنايي اوميخانیکي جوړښت دمېريو دټولنې دکاردډول له مخې جوړه شوې دغه لښکر دمصنوعي مېريو Army-Ant Robot په نامه يادېږي".

په لومړۍ سرکې دغه لښکر دلېږد رالېږد لپاره جوړشوی وو ، هغوی دنده لري څو چې په اتفاق سره يودروند شي له يوه ځای نه بل ځای ته ولېږدوي اووروسته څرګنده شوه چې دنورو دندو لپاره هم کارترې اخستل کيدای شي.دبېلګې په ډول په لاندې کارونو کې کارترې اخستل کيدای شي:

● دهستوی انرژۍ پاکول او له هغه نه دفضله موادو لرې کول .

● ماین اېښودنه

● ماین پاکونه

● دسيارو له سطحې نه خپرنه

● ساتنه يا پېره

اسرائیل واګنر په دې هکله داسې وایي: "مصنوعي مېرپان ساده مخلوقات دی چې دیوه کنترول کوونکي له لاری اوهم مخکې له مخکې دپروګرام ورکولو له لارې نه تنظیمېږي اوورکړشوی دندې سرته رسوي. دریمه لار داده چې دغه مېرپان داسې جوړېږي چې یو له بل سره دهمکاری حس ولري اوپرتله له مخکیني پروګرام نه یوله بل سره کاروکړي. په بېلابېلو اړخونو کې په دې اړوند څېړنې دوام لري اودغه مخلوقات بېلابېل کارونه لکه دکورونو ، پاکونه دماين پاکونه او هم نورو سیارو کې څېړنې سرته رسولی شي".

دبېلګې په ډول مو ولیدل چې دمېرپانو ټولنیز ژوند دنننیوډیرو پروژو بنسټ جوړوي . له همدې کبله الله (ج) دمېرپو دواډی موضوع په قرآن کې یاده کړې ده. دمېرپونوم اخستنه کیدای شي دې ته اشاره وي چې انسانان دهغوی ژوندانه ته په پام سره ټکنالوژي جوړه کړي (و الله اعلم).

### اتومي انرژي اوانشقاق

إِنَّ اللَّهَ فَالِقُ الْحَبِّ وَالنَّوَى يُخْرِجُ الْحَيَّ مِنَ الْمَيِّتِ وَيُخْرِجُ الْمَيِّتَ مِنَ الْحَيِّ

الله (ج) دانه او هسته بېلوي اوژوندی له مړي اومړی له ژوندی نه راباسي. (الانعام ۹۵).

د حب (دانه) بېلول یا سوري کول اود نوی (هسته) کیدای شي داتوم انشقاق ته اشاره وي. دنوی عربي کلمه دهستي مرکز اوداتوم دهستي په ماناده . برسېره پردې دغه موضوع له ژوندی نه دمړي راويستل او دهغه برعکس کیدای شي دې ته اشاره وي چې الله (ج) انرژي له مادې نه اوماده له انرژي نه مینځ ته راوړي. له ژوندی منظور ماده ده او له مړي منظور انرژي ده ځکه دې مادې په مینځ کې اتومونه اواجزاوی یی دی ځکه په خوځښت کې وی اوانرژي خو خپله په خپل مېنځ کې خوځښت نه لري. پوهان انرژي دکارکولو دخواک په مانا پېژني . ټول مواد له مالیکولونو جوړ دي اومالیکولونه له اتوم نه جوړشوي چې خوځښت یی کولای شو ترالکترونيکي میکروسکوب لاندې ووينو . دشلمې زېږيزې پېړۍ په لومړيو کې البرت اينيشټين نظر ورکړ چې ماده په انرژي بدلېدلی شي اووی ویل چې ماده اوانرژي داتوم په سطح یو له بل سره اړېکي لري . نو له مړي نه دژوندی روابستل کیدای شي له مادې نه دانرژي راويستل وي.

اوس پوهان کولای شي چې اتوم اوهسته یی ماته کړي ، دانشتین له فرضېې څخه په الهام اخستلو پوهان وتوانیدل چې هسته شق کړي او له هغه نه ډیره انرژي آزاده کړي . دفالق کلمه دهستي دشق کولوپه مانا ده چی له کبله یی ډیره انرژي لاسته راځي .

دالانعام دسورې د ۹۵ آيت ټاکنه ډیره په پوهې سره شوی اوکيدای شي دا به اتومي چاودونو اودانرژي نه گټې اخستې ته اشاره وي. (و الله اعلم).

د قرآن تاریخی اعجاز

## هامان او د مصر اهرام

قرآن د موسی (ع) د ژوند په هکله مفصل توضیحات لری ، دفرعون او بنی اسرائیلو دبنمنیو ته په اشارې سره دمصر په هکله هم معتبر معلومات وړاندې کوی. ددغو معلوماتو ډیری اهمیت په دی وروستیو کې څرگند شوی. دقرآن دحکمت یوه بېلگه په دې کتاب کې دهامان یادښت دی دده نوم شپږ ځلی دفرعون دنېردې کسانو په توگه یادشوی. دحیرانی ځای دادی چې په تورات کې د موسی (ع) دکیسې په هیڅ ځای کې هم دهامان یادښت نه شو موندلی. یوهامان نومی ډیر وروسته له فرعون نه یعنی دموسی (ع) له زمانې نه یوزروسل کاله وروسته په عهد عتیق کې دبابل دیوه پاچا دمرستیالانو له ډلې نه هم یو څوک دی . خو قرآن له نویو موندنو سره په یوه ژبه له هامان نه دموسی (ع) په عصر کې یادونه کوی. دناسلمانانو نیوکه پردې ده چې ولې د تورات اوقرآن اوعهد عتیق په مېنځ کې دغه اختلاف شته خو دوه سوه کاله مخکې دهروغلیف دلیکې په لوستلو سره دغه ادعا ناسمه ثابته شوه ، داڅکه چې دهامان نوم په مخکینو کتیبو کې وموندل شو . تر اتلسمې زېږدیزې پېړۍ پورې مصری لیک چې له نورو نه بلکې دڅېرو له انځورونو جوړشوی ؤ دلوستلو وړ نه ؤ ، دهروغلیف دلیک تصویرونه چې دهمو تاریخی پېښو ثبتونکی دی په ډېرو باندی کښل شوی . په دویمه اودریمه زیږدیزه پېړۍ کې دعیسویت څېړېدل دپخوانیو عقیدو اودهروغلیف دلیک دهرېدو لامل شو. دهروغلیف دلیک وروستی بېلگې په کال ۳۹۴ زېږدیز کې لیکل شوی ، په پایله کې لرغون پېژندونکو ته تر اتلسمې پېړۍ پورې پر تاریخ اولیکل شویو معلوماتوپوهیدل ناشونی وو. په کال ۱۷۹۹ زېږدیز کې دروزیتا ستون Rosetta Stone په نامه دیوې ډبرې په موندلو سره دهروغلیف معما حل شوه .دغه ډبره په ۱۶۹ مخکې له میلاده پورې اړه لری. ددې ډبرې اهمیت په دې کې دی چې په درې ډوله لیک یعنی هېروغلیف ، دموتیک او یونانی باندې اغل شوې. نو دمصر دغه پخوانی توری دیونانی تورو په مرسته وپېژندل شول. دهروغلیف ژباړه دیوه فرانسوی ژبیوه ژان فرانسوا شپېولېون له خوا بشپړه شوه. په دې توگه دتاریخ ، دپنونو ، دپخوانیو مصریانو اود ټولنیزژوندانه په هکله ډیر معلومات په لاس راغلل.

لرغون پېژندنکیو دهروغلیف په لوستلو سره دهامان نوم دمصر په پخوانیو کتیبو کې وموند. دغه کتیبه دویانا دهوف په موزیم کې شته چې دفرعون اوهامان ترمنځ نږدې اړیکې بیانوی . دلغاتو په فرهنگ کې چې «خلک په نوی سلطنت کې» نوم لری هامان دډېرو توکولو(سنگتراشی) دکارکونکو دمشر په توگه یاد شوی. چې دغو څېړنو دقرآن دمخالفینو نظر رد کړ. هامان داسې څوک وو چې په مصر کې یی دموسی (ع) په زمانه کې له فرعون سره یوځای ژوندکاوه اوله فرعون سره نږدې وو اوتعمیراتی کارونو کې دخپل وو.

وَقَالَ فِرْعَوْنُ يَا أَيُّهَا الْمَلَأُ مَا عَلِمْتُ لَكُمْ مِنْ إِلَهِ غَيْرِي فَأَوْقِدْ لِي يَهْمَنُ عَلَى الطِّينِ فَاجْعَلْ لِي صَرْحًا لَعَلِّي أَطِيعُ إِلَهِ مُوسَى وَإِنِّي لَأَظُنُّهُ مِنَ الْكَاذِبِينَ  
اوفرعون وويل اي زما دقوم مشرانو هيڅوک پرته له خانه خداى نه گنم اى هامانه اور پرخته بل کړه اوزما لپاره يو لوړ برج جوړ کړه څو چې دموسى له خدايه خبرشم اوزه هغه دروغجن بولم  
(القصص ۳۸).

په دې آيت کې فرعون له هامان څخه غواړی چې يو لوړ برج جوړ کړی چې تاريخی موندنې د قران له دې وينا سره اړخ لکوی ، او په دې موندنو سره دقرآن د مخالفينو نظر به بشپړه توگه رد شو.

## موسی (ع) او د سمنردوه ځايه کول

دمصر پاچایانو ته هغه وخت فرعون ويل کيدل چې خلکو په خپلو عقيدو کې هغوی خدايان گڼل. کله چې هغو اوهام پرستیو کې خلک غرق ول ، الله (ج) دخلکو دهدايت اودبنی اسرائیلو دخلاصون لپاره موسی (ع) راولېږه. فرعون او دمصر قاضيانو اوتولو خلکو دموسی (ع) نظر رد کړ چې هغوی یی دیوه الله بنده کې ته رابلل. خو هغوی موسی لیونی ، جادوگر اودروغجن وباله اوخپل ظلم یی دبنی اسرائیلو پرقوم لاډیر کړ. د الله (ج) خدايي یی ونه منله او موسی (ع) یی شوم اودمصر دمصیبتونو لامل وگاڼه ، له همدې کبله یی هود وکړ چې هغه یا ووژنی یا یی له مصر څخه دباندی وباسی.

څه ډول چې قرآن فرمایي دبنی اسرائیلو قوم تنبتي اودفرعون لښکر یی تعقیبوی اونږدې وو چې له سیند سره ونیول شی..

فَاتَّبَعُوهُمْ مُشْرِقِينَ

فَلَمَّا تَرَأَى الْجَمْعَانِ قَالِ أَصْحَابُ مُوسَى إِنَّا لَمَدْرُكُونَ ﴿٦١﴾ قَالِ  
 كَلَّا إِنَّ مَعِيَ رَبِّي سَيَهْدِينِ ﴿٦٢﴾ فَأَوْحَيْنَا إِلَى مُوسَى أَنْ أَضْرِبْ  
 بِعَصَاكَ الْبَحْرَ فَانْفَلَقَ فَكَانَ كُلُّ فَرَقٍ كَالطُّورِ الْعَظِيمِ ﴿٦٣﴾  
 وَأَرْزَلْنَا تَأْنِمْ الْأَخْرِينَ ﴿٦٤﴾ وَأَجْعَلْنَا مُوسَى وَمَعَهُ أَجْمَعِينَ ﴿٦٥﴾  
 ثُمَّ أَغْرَقْنَا الْأَخْرِينَ ﴿٦٦﴾

اوهغوی یی دختیزلوری ته تعقیب کرل . بیا دموسی دوستان ودار شول او وی ویل اوس به هلاک شو . موسی وویل هېڅکله هم نه بلکې زموږ رب به موږ ته لارښوونه وکړی . بیا مو موسی ته وحی ولېرله چې خپله لکره په سیند ووهه سیند دوه خایه شو او اوبه یی دوو خواووته لکه سترغر پورته شوې . اونور مو هم دهغه لورته راوستل نوموسی اوملکروته مو خلاصون ورکړاونورچې دوی یی تعقیبول ټول مو غرق کرل (الشعرا 60-66).

په دې اړه دفرعون دزمانې له کتیبې نه لاندې معلومات لاسته راغلی : دامنا مونی دمانی . دسپینې کوتې دساتنې دکتابونو دمشر له خوا میرزانیتهورت : " کله چې دغه لیک تاته ورسېد اوټکی په ټکی دې هغه ولوست ، ستا په زړه به زورو درد راشی ، لکه یوه پاڼه چې دتویان په لاس کې وی خکه چې په سیند کې به ددویدو له ناوړه پېښې خبر شی . پېښې داسې وواهه چې دتېښتې توان یی نه درلود . فکر وکړه چې دالاهې له مېنځه تلل ، دقومونو له مېنځه تلل ، اودختیز اولویدیز دپاچا له مېنځه تلل . خوب په اوبو کې له یو ستر شی نه یو وړوکي اوناچاره کس جوړکړ کوم خبر به له دې معلوماتو سره چې تاته درورسېدل برابر وی . " د الله (ج) دا معجزه چې بنی اسرائیل یی سم سلامت له سره سمندګرې څخه تېر کرل تر ډیرو څېړنو لاندې راغلې . لرغون پېژندونکي نه یواځی له مصر نه دسره سمندګرې لورته دبنی اسرائیلو دتېښتې تګلوری بلکې دهغوی دیو ځای کیدو ځای یی هم دفرعون له لښکر سره موندلی چې غرونو راچاپېر کړی . دغه غر دجبل موسی په نامه یادېږی اودسینا په ټاپووزمه کې دسره سمندګرې په ساحل کې واقع دی .

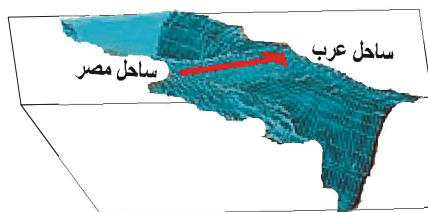
پوهانوله ډېرو څېړنو وروسته دسره سمندګرې داوبو ددوه خایه کیدو په هکله عجیب معلومات لاسته راوړل . دڅېړنو پایلې هغه ډول وې څه ډول چې قرآن عظیم الشان بیان کړی دی . دوو روسی ریاضی پوهانو نوم ولزنگر او الکسی اندروسوف ثابت کړه چې موسی (ع) په رېښتیا هم وګولای شول چې سمندر دوځایه کړی . نورو پوهانو ددې احتمال په خلاف فکر کاوه خو دغه دوه ریاضی پوهانو هغه شرایط چې ددغې معجزې لپاره یی شرایط مساعد کړی مطالعه کرل اودا بیا دمعجزې دثابتېدو لامل شول .

دروسی د ساینس اکاډمی دڅېړونې له نظره په سره سمندګرې کې داسې داوبو مخنیونکې یوه غونډۍ شته چې چې داوبو له سطحې سره نږدې ده . په دې ځای کې پوهانو دباد لوری اوجتکتیا چې وګولای شی دغه اوبه نیونکی دجذراومد له اغېزې وچ کړی محاسبه کړ ، په پایله کې څرګنده شوه داسې یو باد چې په ثانیه کې دیرش متره جتکتیا ولری دغه داوبو غونډۍ وچولای شی . نوم ولزنگر چې دروسی دساینس اکاډمی دسمندری څېړنو په دیپارتمنت کې یی کارکاوه داسې وویل : "که چېرې سبایی باد ټوله شپه د ۳۰ مترو په ثانیه کې په چټکوالی په سمندګرې وچلېږی اوبه له اوبه نیونکې نه لرې کېږی او هغه وچوی . اودبنی اسرائیلو لپاره چې په ډیر گمان شپړلکه تنه به وو څلورساعته یی ونیول څو چې ددو ساحلونو په مېنځ کې دسمندګرې اووه کیلومتره واټن ووهی ، اووروسته له نیم ساعت نه اوبه بیا بهېږی . " ولزنگر او دده ملګری اندروسوف دغه مسأله دنیوټن دقانون له لارې مطالعه کړه اوبیا یی داسې وویل : " زه ډاډه یم چې الله (ج) دځمکې کره دفزیک دقانون له لارې اداره کوی . "

باید پام مووی چې ددادول طبیعي پېښې اټکل هروخت کېدای شی . که الله (ج) وغواړی هروخت چې دباد مناسب ځای ، مناسب وخت اومناسبه جتکتیا سره راټوله شی دغه معجزه تکراریدلای شی . دمووضوع اهمیت په دې کې دی چې معجزه هغه وخت پېښه شوې چې موسی (ع) اوملګری یی له سمندګرې نه تېر شول . اوبه هغه وخت بېرته یوله بل سره یوځای شوې کله چې فرعون اولښکر یی دسمندر په مېنځ کې دغه ځای ته رسېدلی وو . اودا دعاقلانو اومؤمنانو لپاره ستر عبرت دی . برسېره پردې په داسې ستونزمن حالت کې د الله (ج) پر حکم باندې د موسی (ع) باور دمعنوی ارزښتونو یوه ښه بېلګه شمیرل کیدای شی .

قَالَ كَلَّا إِنَّ مَعِيَ رَبِّي سَيَهْدِينِ

وې ویل هېڅکله نه ، رب له موږ سره دی اوموږ ته لارښوونه کوی(الشعرا ۶۲).





## هغه ستونزې چې فرعون اود ده ملګری ورسره مخامخ شول

دمصرخلک اوفرعون داسې په اوهامو اودخودایانو په عبادت کې غرق ول چې دموسی (ع) حکمت اومعجزو ونه شو کولای ددوی زړونه نرم کړی اوله خرافاتو نه یی لری کړی.

اووی ویل که که داسې آیتونه دې راوړی وی چې موږ جادوکړی ، موږ به هیڅکله هم ایمان رانورو (الاعراف ۱۳۲).

نظرپه دومره کبر سره الله (ج) ډیر مصائب دوی ته راولېږل خوچې دوی تنبیه شی اوکواې اصلاح لومړنی ددغو مصایبو وچکالی وه چې دقحطی لامل شوه

وَلَقَدْ أَخَذْنَا آلَ فِرْعَوْنَ بِالسِّنِينَ وَنَقْصٍ مِنَ الثَّمَرَاتِ لَعَلَّهُمْ يَذْكُرُونَ

اوفرعونیان مو په وچکالی اوقحطی اخته کړل خو کواکې پاملرنه وکړی(الاعراف ۱۳۰).

دمصر کرڼه چې دنیل په سیند پورې تړاو لری ډیره اغېزمنه شوه، په داسې حال کې چې چې فرعون اودوستان یی دالله (ج) اویغمبر په ردولو سره اغېزمن شول ، خویبایی هم دغه حالت دموسی (ع) له بد شاګوم نه وګاڼه بیا الله (ج) په نوروآزمویښتنو کې واچول.

فَأَرْسَلْنَا عَلَيْهِمُ الطُّوفَانَ وَالْجَرَادَ وَالْقُمَّلَ وَالْبَصْفَ وَالْكَاعَ وَالْجَبَّارَ وَالْمُفَصِّلَ الْفَصْلَ فَاَسْتَكْبَرُوا وَكَانُوا قَوْمًا مُّجْرِمِينَ

بیا مو توپان او ملخان او سپړۍ اوچونکنيې اووینه چې یو له بله بېلې نښې وې پرهغوی را ولېږل بیا هم هغوی کبر وکړ اوګناه کوونکی قوم و(الاعراف ۱۳۳).

ددغو ټولوطبیعی پېښو تفصیل چې په قرآن کې یادشوی دپیېروس په کتیبو کې راغلی . موږ له دغو پېښو دقرآن له لارې خبر شوی یو. خو دغه معلومات په نولسمه زېږدیزه پېړۍ کې دمصر دتاریخ په موندلو سره نورو پوهانو څرګند کړی. کله چې په ۱۹۰۹ کال دایپور پیېروسونه وموندل شول دهالند دلایدن موزیم ته واستول شول ، گاردینر یو مصر پېژندونکی دغه لېکنې وژباړې. په پیېروس کې دقحطی ، وچکالی ، اوله مصرنه دمریانو دتېښتې پېښې یادې شوی. برسېره پردې دپیېروسونو لیکوال چې یو مصری (Ipuwer) حکیم دی په خپله یی دغه پېښې په سترګو لیدلی اوداسې لیکي:

"طاعون په ځمکه خور شو ، ټول ځایونه وینې ونيول ، سیند وینه دی . الحق هغه چې پروڼ لیدل شوی له مېنځه تللی . ځمکه داسې ستومانه ده لکه لو چې پرې شوی وی ، کوز مصر ژاړی ... په ټوله مانی کې د راتلو څه نشته په هغه پوری غنم ، وربشې ، مولخ اوکیان تراولری په ریښتیا سره غلې هرچېرې له مېنځه تللی. ټوله ځمکه ډاروونکونارو اولالهاندی نیولې،... نه له مانی نه دورځې څوک وتلی او نه هم چا دخپل ملګری مخ لیدلی ... ښارونه دجزر اومد له لاسه له مېنځه تللي ... پورتنی مصر وران شو...هرلورته وینی ... طاعون په ټول هیواد کې ... هېڅوک دبایبلوس شمال لورته کښتۍ نه لېږی ... خپلو دصبر ونو او موم کړای شووسره څه وکړو?...طلا نشته . انسانان له انسانیت نه بېزاره دی ، او یو غړپ اوبو ته تړی دی. هغه زمور اوبه دی . نو موږ څه وکړو.هرڅه وران شول . هرڅه وران شول . ښارونه وران شول ، پورتنی مصر وچ شوی . په شېبه کې اوسېدل بل مخ شول ."

ددغولرغونو یادښتونو پربنسټ هغه ناوړه پېښې چې مصر پرې واووبښت هغه څه دی چې قرآن یادکړی.

د پیېروس په کتیبو کې موسی (ع) دیوه جادوگر په توګه معرفی شوی. (دغه کتیبې دانګلستان په موزیم کې ساتل کېږی) خو فرعونیان په خپلو ټولو هڅو سره چې ویی کړی پر موسی (ع) اوبنی اسراییلو بریالی نشول.

دجادوگر تورپه پرموسی (ع) د الاعراف دسورې په ۱۰۹ آیت کې یاد شوی:

قَالَ الْمَلَأُ مِنْ قَوْمِ فِرْعَوْنَ إِنَّ هَذَا السَّحَرُ عَلِيمٌ

دفرعون دقام لویانو ووویل چې دایو پوه جادوگر دی .

## په قرآن کې د فرعون کلمه

په عتيق عهد کې سپېڅلی کتاب (انجيل) دمصر پاچايان د ابراهيم<sup>(ع)</sup> او يوسف<sup>(ع)</sup>، په وخت کې دفرعون په نامه يادول. په واقعيت کې دفرعون کلمه ددې دوو پيغمبرانو له وخته کارول شوې ده. قرآن کریم د يوسف<sup>(ع)</sup> په وخت کې دملک کلمه کارولې.

ملک وويل هغه ماته راوړی. (يوسف ۵۰).

دمصر پاچا دموسی<sup>(ع)</sup> په وخت کې دفرعون په نامه يادشوی ، دکلېمو دغه توپير چې په قرآن کې شته په عتيق عهد کې په **وَقَالَ الْمَلِكُ أَتَأْتُونِي** نظر نه راځي . په انجيل کې دفرعون کلمه دمصر ټولو پاچايانو ته کارول شوې. په داسې حال کې چې قرآن کلېمې ډيرې سمې کارولي دي . دفرعون لقب دمصر پاچايانو ته کاریده دغه لقب مخکې له ميلاده په څوارلسمه پېړۍ کې د څلورم اينهوټپ په واکدارۍ کې کاریده. په داسې حال کې چې يوسف<sup>(ع)</sup> حد اقل دوه سوه کاله مخکې له دغې واکمنۍ نه ژوند کاوه. دبريتانيا دايرة المعارف ليکي چې فرعون دنوې واکمنۍ لپاره يو دروند لقب وو چې داتلسمبوليو پاچايانو (۱۲۹۲ – ۱۵۳۹ مخکې له ميلاده) اوددوه ويشتنې لړۍ پاچايانو له ( ۷۳۰ – ۹۴۰ مخکې له ميلاده) کاریده اودپاچا دکلېمې ځای ناستی شو. دامريکا علمي دايرة المعارف هم ددغې کلېمې کارونه په همدغه پړاو کې سمه گڼي.

**كَذَلِكَ نَقُصُّ عَلَيْكَ مِنْ أَنْبَاءٍ مَا قَدْ سَبَقَ**

دغه راز ستا لپاره دپخوانيو خبرونو نکل کوو (طه ۹۹).

څه ډول چې وينو دفرعون کلمه دمصر دتاريخ په يوه ټاکلې پړاو کې دود وه. اودا چې قرآن دمصر دپاچايانو لقبونه په بېلابېلو تاريخي پړاوونو کې تشخيص کړی ددغه کتاب له عظمت او بل اعجاز نه پرده پورته کوي.

## دنوح(ع) توپان

**وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا نُوحًا إِلَىٰ قَوْمِهِ فَلَبِثَ فِيهِمْ أَلْفَ سَنَةٍ  
إِلَّا خَمْسِينَ عَامًا فَأَخَذَهُمُ الطُّوفَانُ وَهُمْ ظَالِمُونَ**

اونوح مو دخپل قام لپاره ولېره چې پنځوس کم زرکاله ددوی په مېنځ کې ؤ اوهغوی توپان ونيول ځکه چې ظالمان ول (العنکبوت ۱۴).

نوح<sup>(ع)</sup> دخپل قام دلارښوونې لپاره ولېرل شو. خو دده قام له ده نه لرې والی وکړاوپه خپل شرک باندې ثابت پاتې شول . نوح<sup>(ع)</sup> په ډير متانت سره خلک ديوه خدای بنده گڼي ته راوبلل اوهغوی يی دخدای له نيولو وډارکړل. خوبياهم خلک له ده نه بېزاره شول. الله<sup>(ج)</sup> نوح<sup>(ع)</sup> ته وويل چې دالله<sup>(ج)</sup> منکران به ډوب کړی اومؤمنان چې دحق دين يی قبول کړی هغوی ته به خلاصون ورکړی اوبه يی ساتی.

**وَأَغْرَقْنَا الَّذِينَ كَذَبُوا بِآيَاتِنَا**

اوهغه کسان چې زموږ آيتونه يی دروغ وگڼل ډوب موکړل(الاعراف ۶۴).

اوکله چې دسزا ورکولو وخت راورسېد دخمکې اوبه له سختو بارانونو سره يو ځای شوې اودسېلاولامل شوې ، مخکې له دسېلاو راتلو الله<sup>(ج)</sup> نوح<sup>(ع)</sup> ته وويل:

فَأَوْحَيْنَا إِلَيْهِ أَنْ اصْنَعْ الْفُلَ يَا عِيسَى  
وَوَحَيْنَا إِذَا جَاءَ أَمْرُنَا وَفَارَ التَّنُورُ فَاسْلُكْ فِيهَا مِنْ  
كُلِّ زَوْجَيْنِ اثْنَيْنِ وَأَهْلَكَ إِلَّا مَنْ سَبَقَ عَلَيْهِ الْقَوْلُ  
مِنْهُمْ وَلَا تُخَاطِبُنِي فِي الَّذِينَ ظَلَمُوا إِنَّهُمْ مُعْرِضُونَ

نو وحیه موورته کړه چې زموږ ترنظرلاندې بهی. جوړه کړه اوکله چې زموږ فرمان ورسېد او اوبه دځمکې له سوریو راووتلې په هغه (کبیتی) کې له خان سره له هرډول نه یوه جوړه اوځپل اهل واخله ، پرته له هغو کسانو چې مخکې دهغو په هکله درته ویل شوی دی اود ظالمانو له شفاعت نه ماته خبرې مه کوه چې هغوی ټول ډوبېږی. (الم ۲۷ و نمون).

پرته له هغو چې له نوح (ع) سره په بهی کې ول نورټول ډوب شول ان دنوح (ع) زوی هم غرق شو چې دده اطاعت یی نه و کړی اوغره ته تېښتېدلی و . اووویل شول چې ای ځمکې اوبه لاندې یوسه اوای آسمانه باران بس کړه اواوبه وچې شوې اوامر پایلې ته ونه رسېد او بهی دجودی غره دپاسه ځای ونيو(هود ۴۴).

وَقِيلَ يَا أَرْضُ ابْلَعِي مَاءَكِ وَبَسِّمَاءِ أَقْلَعِي وَغِيصَ الْمَاءِ وَفُضِيَ الْأَمْرُ وَاسْتَوَتْ عَلَى الْجُودِيِّ

یاد شوی معلومات په قرآن کې چې دالله (ج) لاس نه خورلی کلام دی له تورات اونورو سرچینو نه معتبره دی ، تورات چې تحریف شوی دی وایی چې توپان په ټوله نړۍ کې پېښ شوی و ، خو قرآنی آیتونه بیا داپه ډاگه کوی چې دنوح توپان په یوه ځای کې پېښ شوی اویواځې هغه قام چې نوح (ع) یی نه و منلی هغه یی له مېنځه وری. په قرآن کې هېڅ داسې نښه نشته چې له هغه نه په

وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا نُوحًا إِلَى قَوْمِهِ إِتَىٰ لَكُمْ نَذِيرٌ مُّبِينٌ

ټوله نړۍ کې دتوپان پېښېدل جوت شی .

اوموږ نوح دده دقام دلارښوونې لپاره ولېږه اویی ویل چې زه ستاسو لپاره ښکاره ډاروونکی یم(هود ۲۵).

وَيَقَوْمِ لَا يَجْرِمَنَّكُمْ شِقَاقِي أَنْ يُصِيبَكُمْ مِثْلُ مَا أَصَابَ قَوْمَ نُوحٍ

ورسېږی کوم

(شعیب وویل) ای زما قامه ستاسو ضد له ما سره ددې لامل نه شی چې تاسو ته هم مصیبت

چې دنوح قام ته رسېدلی و(هود ۸۹).

څه ډول چې وینو قرآن وایی چې یواځې د نوح (ع) قام له مېنځه تللی نه دځمکې په سره دهغه وخت ټول خلک .

په هغه ځای کې چې اټکل کېږی دنوح (ع) قام اوسېده ، لرغون پېژندنې داجوته کړې چې یو ځواکمن توپان د عراق دڅاورې دډوبېدو لامل ګرځېدلی اوتوپان په ټوله نړۍ کې نه دی پېښ شوی. "کله چې اوبه لږې شوې بهی. دجودی پروجې کېناسته ". دجودی کلېمه دیوه غره له نامه نه اخستل شوې چې جودی نومېده په داسې حال کې چې جودی په عربی کې دلورې سطحې یا غونډی په مانا ده. نو د توپان اوبه دځمکې ټیټې برخې لاندې کړې اوتریوه ټاکلې کچې لوړې شوی . یعنې دځمکې دسر ټوله وچه اونول غرونه یی نه وو نیولی.

### د نوح(ع) د توپان لرغونې نښې

کله چې طبیعي پېښې ، جګړه اوتولیز مهاجرتونه دیوه مدنیت دله مېنځه تلو لامل ګرځېدلی وی ، دهغه مدنیت نښې نښانې ساتل کېږی .ځکه دخلکو کورونه اواسباب یی زر تر خاورولاندې څښېږی . اوپه هغه صورت کې چې په هغو لاس ونه لګېږی ددیرو مودو لپاره خوندي ساتل کېږی اودغه آثار دلرغون پېژندنې لپاره ښې نښانې وی.

په اوسني عصر كې تاريخ پوهانو اولرغون پېژندونكو د نوح د توپان په هكله كره اوبشپر مدركونه موندلې . اټكل كېړۍ چې دغه توپان به درې زره كاله مخكې له ميلاده دسيمې ټول مدنيت له مېنځه وړى وى . چې د دغه مدنيت آثار زرگونه كاله ترخاورو لاندې پاتې وو .

د دجلې اوفرات تر مېنځ دښتو كې ددغه توپان دڅېړنې لپاره ډير كارشوى . كيندنې ددغه توپان آثار د عراق په څلورو ښارونو كې ښى : د ار ښار ، د ارچ ښار ، د كيش اوشورپاك ښارونه . كيندنې جوتوى چې دغه ښارونه درې زره كاله مخكې له ميلاده توپان له مېنځه وړى .

د ار د ښار د مدنيت تاريخ چې د تل المقيار په نامه يادېږي اووه زره كاله مخكې له ميلاده اټكل كېړۍ . اودا د بشر د مدنيت له پخوانيو ځايونو څخه دى اونور ډير مدنيتونه هلته رامېنځته شوى اوله مېنځه تللى .

لرغون پوهانو د خاورو دڅېړنې نه پوه شوى چې دلته داسې يو مدنيت وو چې ديوه ستر توپان له كبله له مېنځه تللى اوپرځاى يې بيا په پړاويز ډول بل مدنيت رامېنځته شوى . ليونارد وولى د انكلستان د موزيم اود پنسلوانيا دپوهنتون دكيندونولارښوونه دبغداد اودفارس دخليج ددښتو په مېنځ كې په غاړه درلوده ، آلمانى لرغون پېژندونكى ورنكلر دوولى دڅېړنو په هكله ليكي :

"د وولى څېړنې دسومريانو له معبد نه لرى ديوه غونډۍ لاندې داسې كېرونه وموندل چې دكېرونو ترډبرينو تختو لاندې واقعي خزاني وې لكه ، گران بيه پيالې ، ښكلې جكونه ، صراحيانې ، دژېړو ميزونه ، دمرورېدو تختې لاجورد او سپين زر چې ترڅمكې لاندې څښ شوى وو اودسازالې په ديوالونو كې ځورندې وى .

وروسته له څوورځو دوولى كاركونكو غږ وكړ چې موږ دڅمكې پرسطح يو ، وولى هلته كوزشو ترڅو هغې سطحې ته ورشې اوځان داده كړى ، وولى فكر وكړ اوپه پاى كې ... دادى: دڅمكې سطح كې دسيند شكه وه ، هغوى هود وكړ چې كيندنو ته دوام وركړى اوځا نوره هم وكينى . بيل يې واهه ، درې فته ، شپږ فته ، لاهم خاوره اوپه پاى له لسوفتولاندې خاوره پاى ته ورسېده اوله هغو لاندې يې دانسان داوسېدو ځاى وموند...."

د ار دښار په غونډۍ كې دومره خاورې اوشكوپواځينى لامل ډيرې اوبه كيدلاى شى چې ددوو مسكونى پوړونو په مېنځ كې حايل شوى . ميكروسكوپيكو څېړنو ښوولې چې دغونډۍ لاندې دغه دخټو پوړونه دسېلاو له لارې جوړ شوى اودومره ستر اوپراخ دى چې دسومريانو مدنيت يې له مېنځه وړى . دكلېكش حماسې اودنوح د داستان ښې دواړه دعراق دصحرې په كيندنو كې وموندل شوى .

مكس مالوان د ليونارد وولى خبره تاييدوى چې دادول يو رسوبى پور يواځې د ستر اونايبړه سېلاو له امله جوړيدلاى شى . دغه راز وولى ددغې سيمې په كيندنو كې د ار ښارپاتې شونې دالعبيد له ښاره چې اوسېدونكويې رنكين كاللى لوبنى كارول تشرېح كړى دى .

دغه حقيقتونه داجوتوى چې د ار ښار داسې يو ځاى ؤ چې دسېلاو له امله بشپړ وران شوى . آلمانى لرغون پېژندونكى ورنر كلر هم ددغو كيندنو اهميت بيان كړى . دى وايي چې دلرغون پېژندونكوڅېړنې ښې چې دعراق په دغه سيمه كې يو ستر سېلاو پېښ شوى دى .

دعراق بل ښار چې دسېلاو له كبله له مېنځه تللى دسومريانو دكيش سيمه ده ، چې اوس دطال الاحمر په نامه يادېږي . دسومريانو پخوانى ليكنې دغه ځاى وروسته له توپانه دپاچاهى ځاى ثبت كړى دى . د شورو پاك ښار چې دعراق په سويل يا بين النهرين كې موقعيت لرى اونن دطال الفرح په نامه يادېږي ، هم ديوه پخوانى سېلاونښې لرى . دلرغون پېژندنې څېړنې چې په كال ۱۹۲۰ — ۱۹۳۰ ز كې د پنسلوانيا پوهنتون داريك شهيد له خواسترته رسېدلى دغه كيندنې دخلكو داوسيدودې پوړونه وښودل چې دماقبل تاريخ په وروستيو پړاوونو كې د پاچايانو تر دريمې لړۍ پورې (۲۱۱۳ نه تر ۲۰۰۴ مخكې له ميلاده ) وې . ډيروښانه موندنې دكوردجورښت ددارې اسنادو په مخروطى لوحوباندې ليكل شوې كلمې وې چې دډير پرمختللى مدنيت ښكارندويى كوى چې څه ناڅه درې زره كاله مخكې له ميلاده لرغون توب لرى .

كله چې ددغو پوهانو نظريې مطالعه شى روښانه كېږى چې يو ځواكمن توپان د ۲۹۰۰ نه تر ۳۰۰۰ مخكې له ميلاده لكيدلى دى . دشمبرنو پربنسټ كله چې مالوان له څلورونه ترپنځو مترو شهيد نومي ځاى ورسېد نوهلته يې ديوې ژېړې خټې چې شكو اوخاورو پورې رسېدله ديوه سېلاو ښه ومونده . دغه پور دغونډې سطحې ته نږدې اوچارچاپېره ليدل كېږي چې دشهيد دنظر مطابق دسهدت دپاچاهى دورته رسېږي . بل ځاى چې دسېلاو له لارې اغېزمن شوى د ارک ښاردى چې دشورپاك جنوب كې موقعيت لرى . نن دغه ښار دطال الور په نامه پېژندل كېږي . لكه دنورو ښارونو په شان دلته هم ۲۹۰۰ نه تر ۳۰۰۰ كاله مخكې پورې دسېلاو ښې موندل شوى .

ددجلې اوفرات سيندونه عراق له يوه سرته تربل سره پورې وېشى . داسې په نظراځى چې دتوپان په وخت كې دغه دواړه سيندونه ډك شوى اوبه ترې زياتې شوې چې له بارانونو سره يو ځاى يې ستر سېلاو جوړكړى .

فَفَحْنَا أَتُوبَ السَّمَاءِ مِمَّا مَنَّمْهُمُ وَفَجَرْنَا الْأَرْضَ عِيُونًا فَالْتَقَى الْمَاءُ عَلَى أَمْرٍ قَدَرٍ

دآسمان وروڼه مو په چټكو بهيدونكو اوبوپرانستل اوپه ځمكه كې مو داوبو چينې روانې كړې څو په هغه امر چې ټاكلى مو وو دواړه اوبه سره يو يوځاى شوې (القدر 11-12).

کله چې دلرغون پېژندنې نښې وازرول شې څرگندېږي چې ټول بين النهرين دسېلاو اوبوښولې ؤ . د اړ ، اړک ، شورپاک اوکېش ښارونودسېلاو پاتې شوني لاهم په ځان کې ساتلي چې ټول په يوه تکلوري کې قرار لري . دين بين النهرين ځمکو له اوس نه درې زره کاله مخکې له ميلاده ډير توپير درلود . دفرات دسيند داوسنی ځای په ختيز کې ؤ اود اړ ، اړک ، شورپاک اوکېش ښارونو له تکلوري تېريده نو ښکاره ده چې دفرات دسيند سېلاو په خپلو ساحلونو کې ښارونه له مېنځه وړي .  
الله (ج) د نوح (ع) توپان اودهغه پاتې شوني دځمکې په سر زموږ دعبرت لپاره پرايښي . دپيغمبرانو اوکتابونو له لارې يې ټولنو ته لارښوونه کړې . خو هرځلې دالله (ج) ويناوې خلکو تحريف کړي . خلکو نورې موضوع گانې له خپل فرهنگ ، عقيدو اودودونو اخستې اوپه هغه کې يې نغاړلي اودنوح (ع) داستان يې مغشوش کړی . پاک قرآن له دې نه چې دالله(ج) کلام دی اوده يې په خپله دساتنې ژمنه کړې نو له همدې کبله دلرغون پېژندنې په هکله ډير دقيق معلومات وړاندې کوي .

### د اړم ښار

دنړۍ نومباليو ورځپاڼو په کال ۱۹۹۰ کې اعلان وکړ چې دعربو ورک شوی ښار وموندل شو . مهم ټکی دادی چې دغه ښار په قرآن کې ياد شوی دی . ډير خلک په دې باور وو چې داسې ښار يواځې يو نکل دی اوهېڅکله به هم ونه موندل شي ددې ښارپه موندلو سره خلکو هم ونشوگرای چې دخپلې حيرانۍ مخنيوی وکړي .  
نيکولای کلب دمستندوفلمونو يو جوړونکی او يو وتلی لرغون پېژندونکی همدغه ښار چې په قرآن کې يادشوی وموند . دعربو دتاريخ دڅېړنو په بهير کې ده يو په زړه پورې کتاب وموند ، دغه کتاب دانگليسي توماس برتمن له خوا په کال ۱۹۳۲ زېږديز کې د Arabia Flix تر سرليک لاندې ليکل شوی ؤ . Arabia Flix عرب فليکس دعربو دټاپوسويل ته رومي مقرري وه چې نن ديمن اودعمان يوه برخه ده . يونانيانو دغه ځای عرب يوديمون او عربي پوهانو په منځنيو پېړيو کې هغه داليمن السعيد په نامه ياداوه ، چې دواړه دغه کلمې ديمن خوښ مانا ورکوي ځکه چې ددې سيمو خلک دهند اوعربستان ترمنځ دگرانبيو مصالو په سوداگرۍ بوخت ول . دغو خلکو کندر چې يو ډول عطر دی له ونو نه لاسته راوړل اويا به يې خرڅول .  
توماس ددغو سيمو دمېشتو قبيلوپه هکله ډير په تفصيل سره ليکلی ، دی وايي چې دپخوانيو ښارونو لرغوني آثار يې موندلي . دغه ښار دصحرامېشتو عربو له خوا د اوږد په نامه يادېده . په يوه سفر کې دغو صحرامېشتو هغه لاره چې دعربو يوه وران پخوانۍ ښارته تله وروښووله . توماس مخکې له دې چې داوږ په هکله خپلې څېړنې بشپړې کړي مړ شو .  
نيکولاس کلب ډاډه ؤ چې ياد شوی ښار د توماس په کتاب کې حقيقت لري ، اوډير ژر يې دتوماس مطالعې تعقيب کړې . ده داوږ دښار دثبوت لپاره له دوو طريقو نه کارواخست ، لومړی يې دصحرامېشتو خلکو نښې ناسا يا دامريکې د هوايي څېړنو ادارې ته ورکړې څوچې دمصنوعي سپوږمکۍ له لارې يې ځای ومومي اوپه ډير ټينگار سره يې مسولين دې ته وهڅول چې له سيمې نه عکسونه واخلي . برسېره پردې پخوانۍ فلمي ليکنې اونخشې چې دامريکې دکاليفورنيا دهوتنکتون په کتابون کې وې مطالعه کړې . اوډير ژر يې يوه نخشه وموندله چې دده دمطالعې لاندې ځای هم په کې وموندل شو . دغه نخشه يوناني مصري جغرافيه پوه پټولمې په دوه سووم زيږديزکال کې جوړه کړې وه چې په همدې تکلورې کې يې ديوه زاړه ښار موقيعت څرگنداوه .

دده څېړنو د هغو عکسونو له لارې چې له مصنوعي سپوږمکۍ نه اخستل شوي وو مرسته ترلاسه کړه . په دې عکسونو کې دکاروانونو تکلوري چې په سترگو دپېژندلو نه دی دکلب پام ځان ته راوگرځاوه . داتکلوري له پاسه په آساني سره ليدل کيدای شي کله چې دغه عکسونه ددوهمې ميلادي پېړۍ له نخشې سره پرتله شوې کلب وموندله چې دغه تکلوري په يوه سترځای کې يوله بل سره نښلې چې پخوا يو ښار ؤ .

په پای کې دتوماس ، کلب اوناسا دمطالعې له برکته دغه لرغونی ښار چې عربانو يې په هکله ډېرې کيسې درلودې وموندل شو . وروسته له لږې مودې کيندنې پيل شوی اودلرغونی ښار پاتې شوني وموندل شوې . اودغه ورک شوی ښار دشکو داتلاتيس په نامه ونومول شو .

له څېړنوخلک په دې پوه شول چې داهمغه دعاد د ښار پاتې شوني دی . پوهانو د اړم هغه ستنې چې په قرآن کې يادې شوې وې وموندلې ، چې دلورو برجونو په څير د عاد په ځمکه کې ليدل کېږي . داکتر جورينس زريتس دڅېړنو دپلاوی يوه غړی وويل : نظر پردې چې دغه برجونه د ابر دښار نښې دی اوهم اړم دبرجونو يا ستنو درلودونکی په قرآن کې يادشوی نو دا ټکی پردې دلالت کوي چې ابر همغه د اړم ښاردی چې په عمان کې دی .

أَلَمْ تَرَ كَيْفَ فَعَلَ رَبُّكَ بِعَادٍ إِذْ رَمَدَّتْ الْعِمَادُ الَّتِي لَمْ يُخْلَقْ مِثْلُهَا فِي الْبِلَادِ

آيا ودې نه ليدل چې ستا رب له عاد سره څه وکړل چې په اړم کې د ستنو درلودونکی وو هغه چې دهغه په شان مو په نورو ښارونو کې نه وو پيدا کړی (الفجر ۸-۶) .

ليدل کېږي چې له قرآن نه لاسته راغلي معلومات چې څوارلس پېړۍ مخکې ويل شوي کتب مټ دتاريخي معلوماتو غوندی دی .

### د سدوم او ګموره ښارونه

حضرت لوط<sup>(ع)</sup> له ابراهيم<sup>(ع)</sup> سره په يوه وخت کې ژوند کاوه. هغه دخپل قام د لارښوونې لپاره د ابراهيم<sup>(ع)</sup> په ګاونډ کې ولېږل شو. دقرآن دشرحي پربنسټ دهغه قام فاحش اولوطی عادتونه ول، کله چې لوط<sup>(ع)</sup> د الله<sup>(ج)</sup> لارښوونه هغوی ته واوروله څو له دې سترې ګناه نه واورى هغوی له دې نه انکار وکړ چې ګواکې لوط<sup>(ع)</sup> پيغمبر دی اوخپل دغه ناوړه عمل ته يی دوام ورکړ. په پای کې دغه قام له کلک عذاب سره مخامخ شو اوله مېنځه ولاړ.

اولوط خپل قام ته وويل چې آيا ناوړه عمل چې هېچا مخکې له تاسو نه وکړى کوى يی. دنبځو پرځای له نارينه ووسره جنسى اړيکه کوى اوتاسو فاسد قام ياست. (الاعراف ۸۱-۸۰).

وَأَمْطَرْنَا عَلَيْهِمْ مَطَرًا فَأَنْظَرْ كَيْفَ كَانَتْ عَقِبَةُ الْمُجْرِمِينَ

اوپه هغوى مو باران واوراوه نو ووينه چې دګناه کوونکو پای څه دی (الاعراف ۸۴).

اوداسې نښې مو له هغوى نه پرېښودې چې دعاقلانو لپاره عبرت وى (العنکبوت ۳۵).

وَلَقَدْ تَرَكْنَاهُ مِّنْهَا آيَةً يِّنْتَه لِقَوْمٍ يَعْلَمُونَ

هغه ښار چې په هغه کې لوط<sup>(ع)</sup> ژوند کاوه اوييا وروسته وران شو په پخوانۍ زمانه کې دسدوم په نامه يادېده. داسې په نظر راځي دغه قام چې د سره سمندرګي په شمال کې يی ژوند کاوه اوهغه ډول چې قرآن وايی له مېنځه تللى. دلرغون پېژندونو کيندنو ښوولې چې دغه ښار دبحرमित سره نږدې داسرايلو اواردن په مېنځ کې واقع دی. پوهان وايی چې په دغه ځای کې دسلفرو سترې زېرمې شته. بنا پر دې په دغه ځای کې نه د انسان اونه هم د نورو ژوو ژوند ممکن دی. سلفر داسې عنصر دی چې داورغورخونکو له لارې مېنځته راځي. قرآن دا روښانوى چې ددې ښار وړانډل دزلزلې او اور غورځونکو له اغېزې دی. آلمانى لرغون پېژندونکې ورنرکړ ددې ځای په هکله وايی:

"له قاعدې سره يوځای دغه ستر درز دصدم او ګمورې له درې سره يوه ورځ په دوزخ بدل شول. ددغو ښارونوله مېنځه تلل ديوې زلزلې له امله رامېنځته شوى چې له بريښنا اوچاودونو سره يوځای وه اويو ستر اور يی هم له ځانه سره درلود. دغه مسأله داورغورخونې لامل شوى چې دهمدې درې په اوږدو کې يی وجود درلود. اوس هم داورغورخونې له کبله سوری اودمذابو اوچونې ډېرو نښې داردن په پورتنیو لمنو کې له شن سره نږدې ليدل کېږی.

داوبلنودېرودغه پور اوتورې ډېرى ددزلزلې اواورغورخونې ښکاره نښې دی په هرصورت دلوط سيند چې دبحرमित په نامه يادېږی نيغ په نيغه د دزلزلې مېنځ اوملاکې قرارلری.

دبحر ميت قاعده په يو لاندې ځای کې پرته ده. دغه دښته دطبرى سيند دشمال اودعرايه د دښتې دجنوب په مېنځ کې ځای لری.

ددې فاجعې تخنيکى اړخ چې دلوط قام يی له مېنځه يووړ دجيولوجيستانو له خوا وڅېړل شو. هغوى وښوده چې زلزله په يوه اوږده کرښه کې پېښه شوې. داردن سيند په خپل ۱۹۰ کيلومتري تکلورى کې ۱۸۰ متره لاندې ځی. داردن دسيند دغه خورى اود سمندر له سطحې نه لاندې د بحرमित تيت واقع کيدل ديوې سترې جيولوژيکي پېښې څرګندويى کوى.

داردن د سيند تکلورى يواځې دماټېدلو يوه برخه ده چې په سيمه کې واقع ده دغه ماتيېدل دتوروس له غرونو پيل اود سوېل لورى ته د بحرमित له ساحلونو نه تېرېږی دعرې د دښتې لورته ترعقبې خليجه پورې په هغه ځای کې چې سورسمندرګى دافريقا په پای کې پرې کوى ادامه لری. داورغورخونې ځواکمن فعاليت دهمدې کرښې په دوام کې شتون لری. په واقعيت کې داورغورخونې تورې ډېرې داسرايلو دکالهلې په غره کې، داردن په لوړوسطحوکې، دعقبې په خليج اونورځايونو کې ليدل کېږی. تولې دغه نښې جوتوى چې په بحر ميت کې يوه ستره فاجعه رامېنځته شوې.

دملى جغرافيهي مجله ۱۹۵۷ کال ددسمبر دمياشتې په ګڼه کې داسې ليکى:

"دسدوم لامزروع غونډۍ لکه ديوې څوکې په څېر دبحرमित په سره لوره شوې. هېچا دسدوم اوګمورې دښار آثار نه دی موندلی. پوهان په دې عقېدې دي چې دا دصدم په دره کې ددې سوريو په مقابل کې ول، اوممکنه ده چې يوې زلزلې اوسېلاو له ځانه سره ورې وى."

په قران کې موجود معلومات داڅرګندوى چې دغه ښارونه اوس هم د مهم تکلورى په سرکې شته. جيولوجيستانو هغه لاره چې دبحرमित له سويل ختيزنه پيل اودعربو ترټاپووزمى پورې ترسوريې اومصر پورې دوام لری دهغه دپاره ټاکلى دی.

فَجَعَلْنَا عَلَيْهِمْ سَافِلَهَا وَأَمْطَرْنَا عَلَيْهِمْ حِجَارَةً مِّن سِجِّيلٍ ﴿٧٤﴾ إِنَّ فِي ذَٰلِكَ  
لَآيَاتٍ لِّمَن تَوَسَّعَ بَصِيرَتُهُ ۖ وَأَن تَابَ لِيَسِيلَ مَقِيمٍ

اوددوی بنارمو لاندې باندې کړی او له کلکې اوسړیناکې خټې نه موږدوی ډبرې واورولې. اوپه دې کې دبصیرت دځاوندانو لپاره دعبرت نښې دی. اودا دلاری په اوږدو کې شته (الحجر ٧٤-٧٦).

### د سباخلک او د عرم سېلاو

پېړۍ، پېړۍ وړاندې دسبا ټولنې د عربستان ستر مدنیت جوړاوه. تاریخي سرچینې وایی چې سبا د فنیقیانو غوندې فرهنګ درلود. ډیر په سوداګریزو کړنو بوخت ول. دسبا خلک فرهنګي اومدرن خلک ول. دسبا دخلکو په کتیبوکې د بیا روغاونې، وقف او جوړښت کلمې ډیرې کارول شوي. دمغرب بند چې ددوی یو تاریخي اثر دی ددوی د ټکنالوژۍ ښه بېلګه ګڼل کېږي. دسبا دولت په خپله سیمه کې ځواکمن لښکر درلود. دسبا دپوځي ځواک په هکله په قرآن کې هم یادونه شوې. دسبا دیوه قوماندان پر ځان باور دسبا ملکې ته په ځواب کې موندلی شو:

قَالُوا لَحْنٌ أُولُو قُوَّةٍ وَأُولُوا بَأْسٍ شَدِيدٍ وَالْأَمْرُ لِلنَّبِيِّ فَاَنْظُرِي مَاذَا تَأْمُرِينَ

وی ویل چې موږ د بشپړ ځواک او ځواکمنو جګړه مارونارینه ووڅخه برخمن یو. نو هوډ ستاسو پرغاړه دی چې په څه شی امرکوي (النمل ٣٣).

دروم په پرمختللي ټکنالوژۍ او دمغرب د بند په جوړېدوسره په سبا کې ډېرې ځمکې کرل کیدې او خړوبېدې. دښوځمکو اودسوداګرۍ لارو دوی ته ښه ژوند ورپه برخه کړی وو. خو دوی پرځای ددی چې له خدای څخه شاګرځه اومندوی واوسی ناشکره اوسرکښه ول، اوڅه ډول چې قرآن ورته اشاره کوي دوی ته د عرم د بند په نړیدو اودسېلاو په راتلو سره سزا ورکړل شوه. دسبا دباچاهي پلازمینه مغرب وه چې دخپل جغرافیایي موقعیت په درلودو سره ډیر بدای شوی ؤ. دغه ښار داضحانه سیند ته نږدې ؤ، هغه ځای چې دجبل بلق سیند ته رسېده د بند دجوړېدو لپاره ښه ځای ګڼل کیده. دسبا خلکو دلته یو بند جوړکړ او خپل مدنیت ته یې پراختیا ورکړه. په پایله کې یې اقتصاد ډیر ښه شو. مغرب دخپل وخت یو پرمختللی ښار ؤ. یوناني لیکوال پلیسی دغه ځای له نږدې لیدلی اودهغه ځای برم اوشین والی یې ستایلی دی.

ددغه بند جګوالی شپاړس متره اوسوری شپېته متره او اوږدوالی یې شپږسوه شل متره ؤ. ددغه بند له لاری نه زره شپږسوه هکتاره ځمکه خړوبېدله. دسبا په کتیبوکې دغه ځای ددوو جلیکو اومغرب په نامه یادشوی. دغه بند بڼونه اودانګوروتاګونه خړوبول. ددغه بند له برکته دغه سیمه ډیره شنه، حاصل ورکونکې اودیمن ډیره وتلې سیمه شمېرل کیده. دوو فرانسویانو هریوه هولوې او آسترین ددتاریخي اسنادو پرېنست ثابت کړه چې دغه بند له پخوا زمانې نه دلته شتون درلود. دغه بند په کال ۵۴۲ میلادی کې مات اودعرم سېلاو زیاتې وړانې رامېنځته کړې دانګوروتاګونه، دمیوو بڼونه اوکښتونه چې سلګونه کاله دسبا دخلکو له ځواکته ترې اخستل کیده ټول له مېنځه لاړل. خلک بېوزلی شول اوپه پای کې دسبا حکومت له مېنځه ولاړ. دغو تاریخي واقعیتونو ته په پام سره کله چې عظیم الشان قرآن ته وګورو دابه ومومو چودواړه یوله بل سره مطابقت لري.

لَقَدْ كَانَ لِسَبَإٍ فِي مَسْكَنِهِمْ ءَايَةٌ جَنَّتَانِ عَنْ يَمِينٍ وَشِمَالٍ  
كُلُوا مِن رِّزْقِ رَبِّكُمْ وَاشْكُرُوا لِلَّهِ بَلَدًا طَيِّبَةً وَرَبِّ غَفُورٌ  
﴿١٥﴾ فَأَعْرَضُوا فَأَرْسَلْنَا عَلَيْهِمْ سَبِيلَ الْعَرَمِ وَبَدَّلْنَاهُم بِجَنَّتَيْنِ  
جَنَّتَيْنِ ذَوَاتِ أَكْمَلٍ خَمَلٍ وَأَقْلٍ وَشَىٰءٍ مِّن سِدْرٍ قَلِيلٍ  
﴿١٦﴾ ذَٰلِكَ جَزَاؤُهُمْ بِمَا كَفَرُوا وَهَلْ يُجْزَىٰ إِلَّا الْكَافِرُونَ ﴿١٧﴾

اودسبا دخلکولپاره په خپل وطن کې نښې وې په کښ اوښې خواښونکي. وڅوړی دخپل رب له روزی نه اوله هغه منندوی واوسی ددې لپاره چې ستاسو ټاټوبی نعمت لرونکی اونیک ښاردی اوستاسو رب ښونکی دی. سره له دې هم تاسو مخ وگرځاوه بیا موږ له بندنه سېلاو راولېږه اوددوی ښونه مویه دوو دترخو مېوو لرونکی ، گراولېرشمېر سدریاندي بدل کړل دغه ددوی دناشکری سزاوه اوپرته له ناشکرانه چاته سزانه ورکوه. (سبا ۱۷-۱۵).

په قرآن کې دسبا دخلکوسزا د "سبل العرم" په نامه ياده شوې . دغه کلمې دسېلاو ډول روښانوي. عرم دښد يا خنډ په ماناده. دالعرم سېلاو يعنی هغه سېلاو چې دښد دماټيدو له کبله مېنځ ته راځي . اسلامي پوهان ددغه سيلاو ځای اووخت هم ښکاره کړی علامه مودودي فرمايي:

"د العرم په سېلاوکې ، دعرم کلمه دښد په مانا ده څه ډول چې دعرستان دسويلی برخې په خبرو کې کارول کېږي . هغه کېندنې چې په يمين کې سرته رسېدلی دورانپو پاتې شوني په وار وارسره په همدې مانا موندل شوي . لکه هغه ليک چې ديمين باچا دمعرب دديوالونو جوړونکي ابرهه ته په ۵۴۳ او ۵۴۲ ميلادي کې ورکړی ، همدغه دعرم کلمه دښد په مانا کارول شوې . له همدې کبله دالعرم سېلاو يعنې هغه سېلاو چې دښد دماټيدو له امله مېنځته راغلی . سېلاو ټوله سيمه ونيوه هغه کانالونه چې دسباخلکو کيندلی وو اوهمغه ديوال چې دښد لپاره ددو غرونو په مېنځ کې جوړشوی ؤ ، وران شواوداوبو لکلولو سيستم يی له مېنځه ولاړ. په پايله کې هغه هيواد چې له ښونو ډک ؤ په داسې يوه شاړه بدل شوی چې يو لړ شمېر ترخې اوتروې اود سدرونې په کې وې. ورنر کلکر عيسوی لرغون پېژندونکی اود (( سپېڅلی کتاب حق ؤ )) ليکوال دامنلې چې دعرم سېلاو هغه ډول چې قرآن يادکړی پېښ شوی دی . دداډول يو بند شتون او دهغه مائېدل اودټول هيواد اوښونو ورانېدل چې په قرآن کې يادشوی ټول حقيقت لری.

دعرم له سېلاووروسته دسبا خلکو خپل عايد له لاسه ورکړی ، دهغوی ځمکې ورانې شوې هغو خلکو چې له الله (ج) يی مخ گرځولی وو پرده يی ايمن رانه ور اوناشکری يی وکړه نوهمداسې سزا ورکړل شوه.

### د حجر خلك

د ټمود خلك داسې يوه قبيله ده چې په قرآن كې ياده شوې اود دوى په هكله ډير لږ معلومات شته . تاريخي سرچينې نښي چې كلونه مخكې د ټمود په نامه خلكو شتون درلود . داسې ويل كېږي چې د حجر خلك هغه ډول چې په قرآن كې يادشوى ټمود دى ځكه چې دټمود بل نوم اصحاب الحجر دى. شايد ټمود د قبيلې نوم او حجر دهغه ځاى نوم دى چې دوى په كې اوسېدل. په حقيقت كې داسمه ده چې يوناني جغرافيه پوه پلني هم ليكلي چې دټمود خلكو ددوموئي اوحكرې په ښارونوكي چې اوسني حجر دى ژوند كاوه. پخوانى سند چې په هغه كې دټمود نوم شته دبابلانو په حكومت پورې اړه لري . دغه سند په اتمه مخكې له ميلاده پېړۍ كې پريوقوم باندې د بابليانو ددوم سارگون پاچا د برى په اړه دى . سارگون په يوه جگړه كې هغوى ته د عربستان په شمال كې ماته وركړه. ددغه قوم ټولې نښې نښانې دپيغمبر حضرت محمد (ص) له زېږېدومخكې له مېنځه تللي. ديونان په پخوانيو يادښتونو كې دهغوى نوم دټمودپه نامه راغلى.

وَلَقَدْ كَذَّبَ أَصْحَابُ الْحَجَرِ الْمُرْسَلِينَ ﴿٨٠﴾ وَءَاتَيْنَاهُمْ ءَايَاتِنَا فَكَانُوا عَنْهَا مُعْرِضِينَ ﴿٨١﴾ وَكَانُوا يُضِلُّونَ مِنَ الْجِبَالِ بُيُوتًا ءَامِنِينَ

اودحجرخلكو پيغمبران دروغجن وگڼل . او هغه نښې مو چې هغوى ته لېږلي وې له هغوتولونه يى مخ وگرځاوه. هغوى په غرونو كې باامنه كورونه جوړول (الحجر ٨٢-٨٠).

داردن دروم په دره كې اوس هم ددوى دكورنواو ظريفو توكل شوودېرو نښې اوځايونه شته چې دپترا په نامه يادېږي . قرآن هم دكورونو په جوړولو اوددېروپه توكلوكې ددغوخلكو استعدادته اشاره كوي.

### په قرآن كې د رياضي معجزې

#### په قرآن كې دكلمو تکرار

برسېره پرهغو معجزو چې تر اوسه مو وشمېرلې ، درياضي له نظره نورى معجزې هم په قرآن كې شته ، چې ډيرې بېلگې يى ليدل كېږي اوپه يو شمېر ويى پوهان پوه شوى. يوه له دغو بېلگوڅخې دځينو مشخصوكلمو حيرانوونكى تكراردى چې په لاندې توگه يى يادونه کوو:

- اووه آسمانونه په قرآن كې اووه ځلې يادشوى اودآسمانونو پيدايښت هم اووه ځلې يادشوى..
- دورځې كلمه (يوم) ۳۶۵ ځلې په مفردة توگه اود ورځوكلمه په جمعې ډول (ايام) ۳۰ ځلې ياده شوې . دمياشتې كلمه دوولس ځلې ياده شوى .
- دكرلوكلمه او دونې كلمه هريوه ۲۶ ځلې ياده شوې.
- دمكافات كلمه ۱۱۷ ځلې اودبخښلوكلمه ۲۳۴ ځلې چې دمكافاتو دوه برابره كېږي ياده شوې.
- دووايه كلمه اوووايى هريو ۳۳۲ ځلې ياده شوې.
- ددنيا كلمه او آخرت كلمه هريوه په مساوى ډول ۱۱۵ ځلې ياده شوې.
- دشيطان كلمه اوملاييكه كلمه هريوه ۸۸ ځلې ياده شوې.

دایمان اوکفر کلمه هریوه ۲۵ ځلې ياده شوې.

د دوزخ او جنت کلمې هریوه ۷۷ ځلې ياده شوې.

دذکات اوبرکات کلمه هریوه ۳۲ ځلې ياده شوې.

دنیکو خلکو (ابرار) اوبدو(فجار) کلمې هریو درې درې ځلې يادې شوی.

د تاوده اوری اوساره ژمی کلمې هره یوه په مساوی توګه ۵ ځلې يادې شوی.

دخمراونشې کلمې هریوه ۶ ځلې يادې شوی.

دپوهېدواوروشنایی کلمې هریو په مساوی توګه ۴۹ وارې يادې شوی.

دوعظ اوژبي کلمې هریوه ۲۵ ځلې يادې شوی.

دسود اوفساد کلمې هریوه ۵۰ ځلې يادې شوی.

داجر اوفعل کلمې هریوه ۱۰۷ ځلې يادې شوی.

دمحبت اوطاعت کلمې هریوه ۸۳ ځلې يادې شوی ،

دتکلوری یا مسیر اوابداً کلمې هریوه ۲۸ ځلې يادې شوی.

دمصیبت اوشکر کلمې هریوه ۷۵ ځلې يادې شوی.

دشمس اونور کلمې هریوه ۳۳ ځلې يادې شوی.

دلارینوونې کلمې اودرحمت کلمې په مساوی توګه هریوه ۷۹ ځلې يادې شوی.

دستونزو کلمه اودآرامنیت کلمه هریوه ۱۳ ځلې ياده شوې.

دنبځي اونر کلمه هریوه ۲۳ ځلې يادې شوې چې دواړه ۴۶ کېږی.

دنارینه (هکې) اودنبځې (چر) هریو یواځې ۲۳ کروموزومه لری کله چې سره یوځای شی ۴۶

کروموزمه لری .

دخیانت اوخیبت کلمه هریوه ۱۶ ځلې ياده شوې.

دبشر اوانسان کلمه ۶۵ ځلې اودانسان دپراختیا پړاوونه هم ۶۵ کېږی . تراب یا خاوری ۱۷ ځلې ،

نطفه ۱۲ ځلې ،علق ۶ ځلې ، اولحم یا غوښه ۱۲ ځلې چې ټول ۶۵ ځلې کېږی یادشوی.

دصلوات یا لمانځه کلمه ۵ ځلې ياده شوې چې په شپه اوورځ کې پنځه ځلې لمونځ هم فرض دی.

## د ځمکې د وچې او اوبو اندول

د بر یا وچې کلمه ۱۳ ځلې اوبحر ۳۲ ځلې ياده شوې چې ټول ۴۵ کېږی او که دهغو فیصدی وشمېرو دځمکې ۲۸ اعشاریه ۸ په سلوکې وچه ده او ۱۷اعشاریه ۱ په سلوکې اوبه دی ، دحیرانتیا خبر داده چې په همدې اندول وچه اوسمند دځمکې پرمخ شته.

په قرآن کې د ابجدشمېرې

دعربي هريو توري يو حسابي ارزښت لري . يعنې هريو توري يوه شمېره څرگندوي اوپه دې توگه دتوريو له مخې محاسبې کېږي. دغې پوهې ته جمل حساب يا ابجد وايي: خلک له دغې پوهې نه په بېلابېلو ځايو کې کټه اخلي چې يوه بېلگه يې دجفر پوهه ده.

|      |     |     |     |     |     |     |     |     |
|------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| ۲۱   | ۳   | ۴   | ۵   | ۶   | ۷   | ۸   | ۹   |     |
| ا    | ب   | ج   | د   | ه   | و   | ز   | ح   | ط   |
| ۱۰   | ۲۰  | ۳۰  | ۴۰  | ۵۰  | ۶۰  | ۷۰  | ۸۰  | ۹۰  |
| ی    | ک   | ل   | م   | ن   | س   | ع   | ف   | ص   |
| ۱۰۰  | ۲۰۰ | ۳۰۰ | ۴۰۰ | ۵۰۰ | ۶۰۰ | ۷۰۰ | ۸۰۰ | ۹۰۰ |
| ق    | ر   | ش   | ت   | ث   | خ   | ذ   | ض   | ظ   |
| ۱۰۰۰ |     |     |     |     |     |     |     |     |
| غ    |     |     |     |     |     |     |     |     |

جفر دوراندوينې پوهه ده . پوهان دکلمو حسابي مانا تعبيروي . دابجد اوجفر په مېنځ کې توپير دادی چې ابجد پيښ شوی حالت اواوسنی حالت ښکاروی اوجفر دراتلونکو پيښو احتمال بيانوی. دغه علوم دقرآن کريم له نازلېدو سلگونه کاله وړاندې دخلکو په مېنځ کې رواج درلود. دعربو خلکو تاريخي پيښې دابجد په توريو ليکلی اودهرې پيښې نېټه يې ثبتوله اوبيا وروسته دعددې مانا په زياتولو سره يې کولای شول نېټه ومومي. که قرآني ځينې آيتونه دابجد له نظره مطالعه کړو داسې رقمونه موترسترگو کېږي چې د آيت له موضوع سره اړيکه لري . کله پوهېږو يوه پيښه سمه په هغه وخت کې شوې چې دابجد له لاری له

أَقْرَبَتِ السَّاعَةُ وَالشَّقُّ الْقَمَرُ

قرآنه استنباط شوې پوهېږو چې دا ديوه رمز په شانې پيښې ته يوه اشاره ده. (والله اعلم). په کال ۱۹۶۹ ميلادي کې دسپوږمۍ په کرې باندې دپل اېښېدوپه هکله قرآن کې داسې راغلی: هغه گړۍ نږدې شوه اومياشت شق شوه (القمر ۱).

په عربي کې دانشقاق کلمه دسوري کيدو ، شق کيدو ،ديوشي دلوريدو لامل ، دخمکي کيندل اوکولبه کولو په مانا ده. بيا مو خمکه شق کړه اوله هغه نه مو جوبات راشنه کړل. (عبس ۲۶-۲۷).

ثُمَّ سَفَقْنَا الْأَرْضَ شَقًّا فَأَلْبَنَّا فِيهَا حَبًّا

وينو چې انشقاق دشق کولو يادخمکې د څيرلواوکولبه کولو په مانا هم کارول شوې ده. ددې موضوع په پام کې نيولو سره د "الشق القمر" موضوع کولای شى په کال ۱۹۶۹ کې دسپوږمۍ په کرې باندې دښکته کيدو اودسپوږمۍ په خاوره باندې څېړنوته اشاره وي. (والله اعلم). په زړه پورې داده چې دابجد له نظره په دې موضوع کې هم ۱۹۶۹ آيت لاسته راځي. پام بايد وکړو چې دابجد په طريقه کې ډير بي ارتباطه رقمونه هم لاسته راتلاى شي. اودمناسبو رقمونو موندل ډير لږ دی خو بياهم له دغه آيت نه لاسته راغلی عدد ډيره عالي پايله په لاس راكوي. په کال ۱۹۶۹ کې امريکايي خلاوهونکو دسپوږمۍ کره په بېلابيلو وسايلو کينلي وه اوخاوره يې دخپرلو لپاره خمکې ته روارې وه. داهم بايد روښانه کړو چې دسپوږمۍ شق کول زموږ دپيغمبر حضرت محمد (ص) معجزه هم وه. خلکو له رسول الله (ص) وغوښتل څوچې يوه معجزه دوى ته وروښيي څو چې دوى ايمان راوړي ، محمد (ص) دکوتې په اشاره سپوږمۍ دوه توتې کړه اودهغه په مينځ کې دحرم دغره دوه څوکې ليدل کېدې (بخاری). له دې آيت نه منظور د رسول اکرم(ص) معجزه هم کيدلاشۍ . خوداچې قرآن داسې يو کتاب دی چې په ټولو زمانو پورې اړه لري نو ځکه په عين وخت کې دسپوږمۍ پرکړې څېړنو ته هم کې اشاره کيدلاى شي.

ددې عددونو ټولګه ۱۳۹۰ کبړی او ۱۳۹۰ سپوږميز هجری کال برابر ؤ له ۱۹۶۹ میلادی کال سره.

## په قرآن کې د نولس عدد معجزه

بله معجزه په قرآن کې د ۱۹ عدد معجزه ده په لاندې آیت کې پردې عدد ټینګار شوی.  
اوپر هغه نولس تنه ګمارل شوی دی (المذثر ۳۰).

عَلَيْهَا تِسْعَةَ عَشَرَ

بسم الله الرحمن الرحيم له نولسو تورو جوړ شوی.

قرآن ۱۱۴ سوري يعنى (6×19) لری.

لومړنۍ سوره چې نازل شوې ۹۶ سوره ده چې دقرآن له پايه دپيل لورته تردې سوري پورې ۱۹

سوري کېږی.

لومړی ځل د شپږنوی يمي سوري لومړنۍ پنځه آيتونه نازل شوی چې دعلق سوره ده . دغه آيتونه

۱۹ کلمي لری.

اقرا باسم ربك الذي خلق \* خلق الانسان من علق \* اقرا و ربك الاكرم \*

۱ ۲ ۳ ۴ ۵ ۶ ۷ ۸ ۹ ۱۰ ۱۱ ۱۲

الذي علم بالقلم \* علم الانسان ما لم يعلم \*

۱۳ ۱۴ ۱۵ ۱۶ ۱۷ ۱۸ ۱۹

څه ډول مو چې وليدل دغه پنځه آيتونه ۱۹ کلمي لری د. (و ، د ، ب) توری کلمه نه شمېرل کېږی نوځکه نه دی شمېرل شوی.

دقران لومړنۍ سوره يعنې دعلق سوره ۱۹ آيتونه لری اوټول ۲۸۵ توری لری چې (15×19) کېږی.

دقرآن وروستی سوره يعنې نصر ټول نولس کلمي لری.

دنصر لومړنۍ آيت "اذا جاء نصر الله و الفتح" له نولسو تورو جوړ شوی.

بسم الله الرحمن الرحيم ۱۱۴ ځلي يعنى (6×19) په قرآن کې ياد شوی .دقرآن ۱۱۳ سوري په

بسم الله الرحمن الرحيم پيل شوی او يواځې يوه سوره دتوبي په خپل پيل کې بسم الله الرحمن الرحيم نه لری . پرځای يی دنهل سوره کې دوه ځلي بسم الله الرحمن الرحيم شته . يو ځل دسوري

په پيل کې بيا په ۳۵ آيت کې په زړه پورې داده که چېرې دتوبي له سوري نه دنهل ترسوري پورې وشمېرو دنهل سوره نولسمه کېږی .

که دنهل دسوري شمېره چې ۲۷ ده دهغه آيت له شمېرې سره چې په هغه کې بسم الله الرحمن

الرحيم راغلی يعنې ۳۰ آيت سره جمع کړو ۵۷ (3×19) به لاس راځی.

دتوبي له سوري نه دنهل ترسوري پورې دشمېرو مجموعه ۳۴۲ (18×19) .

(۹+۱۰+۱۱+۱۲+۱۳+۱۴+۱۵+۱۶+۱۷+۱۸+۱۹+۲۰+۲۱+۲۲+۲۳+۲۴+۲۵+۲۶+۲۷+۳۴۲)

- د الله (ج) دنامه مجموعه په ټولو آيتونو كې چې شمېره يې پر ۱۹ پوره وي شل كېږي لكه ۱۹ ، ۳۸ ، ۵۷ ، ۷۶ و غېره (۱۳۳ كېږي يعنې (7×19)).
- ديونس ، هود ، يوسف ، ابراهيم ، الحجر دسورې لومړۍ كلمه "الر" ده.
- ددغو تورو دشمېرمجموعه (الف ، لام و را) په دې سورو كې داسې ده:  
۲۴۸۹ (131×19) ، ۲۴۸۹ (19×131) ، ۲۳۷۵ (125×19) ، ۱۱۹۷ (63×19) او ۹۱۲ (۱۹×۴۸).
- دپيل دتوروشمېر يعنې الف ، لام ،ميم او را مجموعه ۱۴۸۲ (78×19) ځلي ده. الف ۶۰۵ ځلي ، لام ۴۸۰ ځلي ، ميم ۲۶۰ ځلي او را ۱۳۷ ځلي راغلي.
- د قاف ، حا ، يا ، عين او صاد نورې يواځې دقرآن په يوه سوره كې راغلي . په دې سوره كې ق ۱۳۷ ځلي ، ح ۱۷۵ ځلي ، ي ۳۴۳ ځلي ، ع ۱۱۷ ځلي او ص ۲۶ ځلي راغلي. چې مجموعه يې ۷۹۸ (42×19) كېږي.
- د "واحد" ارزښت په مانا ديوه ۱۹ عدد دی. دغه كلمې له نورو بېلابېلو كلموسره په قرآن كې كار ديدلې خو دالله له كلمې سره ۱۹ ځلي يادشوی.
- و  
۶
- دهغو سورو اوآيتونو دشمېرې مجموعه چې د "واحد" كلمه نولس ځلي په كې واقع شوې ۳۶۱ (19×19) دی.
- د "وحده" عربي كلمه يعنې يواځې د الله بنده كې وگړه په ۷۰ آيت ، د ۷ سوري ۴۵ آيت د ۳۹ سوري ، ۱۲ آيت ۴۰ سوري ، ۸۴ آيت د ۴۰ سوري او ۴ آيت د ۶۰ سوري ياده شوې ده. ددغو عددونو مجموعه ۳۶۱ (19×19) كيږي.
- دآيتونو شمېر له لومړنيو مقطعاتو تورو (الم ديقري دسوري په پيل كې) تر وروستيو (ن د القلم په سوره كې) ۵۲۶۳ (277×19) دی. ددې دواړوسورو په مينځ كې ۳۸ (2×19) سوري چې د مقطعاتو توري نه لري شته. درحمن كلمه ۵۷ ځلي (۳×۱۹) په قرآن كې شته.
- ديرش بېلابېل عددونه په قرآن كې يادشوی چې ټولگه يې 8534×19) كېږي.  
۱۶۲۱۴۶=۱+۲+۳+۴+۵+۶+۷+۸+۹+۱۰+۱۱+۱۲+۱۳+۱۴+۱۵+۱۶+۱۷+۱۸+۱۹+۲۰+۲۱+۲۲+۲۳+۲۴+۲۵+۲۶+۲۷+۲۸+۲۹+۳۰+۳۱+۳۲+۳۳+۳۴+۳۵+۳۶+۳۷+۳۸+۳۹+۴۰+۴۱+۴۲+۴۳+۴۴+۴۵+۴۶+۴۷+۴۸+۴۹+۵۰+۵۱+۵۲+۵۳+۵۴+۵۵+۵۶+۵۷+۵۸+۵۹+۶۰+۶۱+۶۲+۶۳+۶۴+۶۵+۶۶+۶۷+۶۸+۶۹+۷۰+۷۱+۷۲+۷۳+۷۴+۷۵+۷۶+۷۷+۷۸+۷۹+۸۰+۸۱+۸۲+۸۳+۸۴+۸۵+۸۶+۸۷+۸۸+۸۹+۹۰+۹۱+۹۲+۹۳+۹۴+۹۵+۹۶+۹۷+۹۸+۹۹+۱۰۰+۱۰۱+۱۰۲+۱۰۳+۱۰۴+۱۰۵+۱۰۶+۱۰۷+۱۰۸+۱۰۹+۱۱۰+۱۱۱+۱۱۲+۱۱۳+۱۱۴+۱۱۵+۱۱۶+۱۱۷+۱۱۸+۱۱۹+۱۲۰+۱۲۱+۱۲۲+۱۲۳+۱۲۴+۱۲۵+۱۲۶+۱۲۷+۱۲۸+۱۲۹+۱۳۰+۱۳۱+۱۳۲+۱۳۳+۱۳۴+۱۳۵+۱۳۶+۱۳۷+۱۳۸+۱۳۹+۱۴۰+۱۴۱+۱۴۲+۱۴۳+۱۴۴+۱۴۵+۱۴۶+۱۴۷+۱۴۸+۱۴۹+۱۵۰+۱۵۱+۱۵۲+۱۵۳+۱۵۴+۱۵۵+۱۵۶+۱۵۷+۱۵۸+۱۵۹+۱۶۰+۱۶۱+۱۶۲+۱۶۳+۱۶۴+۱۶۵+۱۶۶+۱۶۷+۱۶۸+۱۶۹+۱۷۰+۱۷۱+۱۷۲+۱۷۳+۱۷۴+۱۷۵+۱۷۶+۱۷۷+۱۷۸+۱۷۹+۱۸۰+۱۸۱+۱۸۲+۱۸۳+۱۸۴+۱۸۵+۱۸۶+۱۸۷+۱۸۸+۱۸۹+۱۹۰+۱۹۱+۱۹۲+۱۹۳+۱۹۴+۱۹۵+۱۹۶+۱۹۷+۱۹۸+۱۹۹+۲۰۰
- برسېره پردې ديرش عددونو په قرآن كې اته كسري عددونه هم يادشوی (۱/۲ ، ۱/۱۰ ، ۱/۸ ، ۱/۶ ، ۱/۵ ، ۱/۴ ، ۱/۳ ، ۲/۳) يعنې ټول عددونه ۳۸ (۲×۱۹) كېږي.
- لومړنۍ سوره چې ۱۹ آيتونه لري دانفطار سوره ده چې دالله په كلمې پای ته رسېږي . اودا دپای له لوري نولسمه دالله كلمه ده. د "ق" سوره ۵۷ دق توري لري يعنې(۳×۱۹) دی. دغه راز دشوري سوره هم چې دق په مقطعه پيلېږي ۵۷ دق توري لري چې بياهم (۳×۱۹) كېږي.
- دق سوره چې پنځوسمه سوره ده او ۴۵ آيتونه لري ، نو مجموعه يې ۹۵ (۵×۱۹) كېږي.
- دشوري سوره چې دوڅلوېښتمه سوره ده او ۵۳ آيتونه لري چې ټولگه يې بياهم ۹۵ يعنې (۵×۱۹) كېږي.
- د مجيد كلمه چې د "ق" سوري په لومړنۍ آيت كې راغلي دابجد له نظره ۵۷ كېږي اوپه دې سوره كې دق توري ۷۵ ځلي راغلي چې ۵۷ هم معادل دی له (۳×۱۹) كېږي.
- په قرآن شريف كې دق توري مجموعه ۷۹۸ كېږي چې مساوی دی له (۴۲×۱۹) كېږي او دق سوره ۴۲ سوره ده چې دمقطعاتو توري په كې راغلي.

"ن" د قلم سورې په سره کې راغلی چې ټول ۱۳۳ (۷×۱۹) عدده "ن" په دې سوره کې شته .  
د (ی) او (س) توري ديس سورې په سرکې راغلي . "س" په دې سوره کې ۴۸ ځلي او د ی توري ۲۳۷ ځلي راغلي چې ددواړو مجموعه مساوی ده له ۲۸۵ سره يعنې (۱۵×۱۹) .

د "الم" دمقطعاتو توري د شپږو سورو په سرکې راغلي . په البقره ، ال عمران ، العنكبوت ، الروم ، لقمان او السجده کې . د الف دتوري شمير دلام اوميم هريو په دې سوره کې ۱۹ ضريب دی . ددغو تورو ټولگه په دغو سورو کې ، ۱۹۸۷۴ (۱۰۴۶×۱۹) کېږي .  
۹۸۹۹ (52۱×۱۹) ، ۵۶۶۲ (298×۱۹) ، ۱۶۷۲ (88×۱۹) ، ۱۲۵۴ (66×۱۹) و ۸۱۷ (43×۱۹)

کله چې دهغو سورو دآيتونو شمېر چې ضريب يی ۱۹ کېږي له بسم الله سره جمع کړو لاندې عدد ترلاسه کېږي . ۱×۱۹ نولسمه سوره يا دمريم سوره ۹۹ آيتونه  
۲×۱۹ سوره ۳۸ يا ص ۸۹ آيتونه

۳×۱۹ ، ۵۷ سوره يا حديد ۳۰ آيتونه  
۴×۱۹ سوره ۱۱۴ يا ناس ۷ آيتونه

چې ددې سورتونو دآيتونو شمېر ۲۶۶ (14×۱۹) کېږي .

دفرمان يوسه کلمه نولس ځلي .  
د عبد ، عابد او اعبدو کلېي مجموعا ۱۹۲ (8×۱۹) ځلي يادې شوی .  
د الله نوم الواحد دابجد له نظره ۱۹ دی .  
الجامع نوم دابجد له نظره ۱۱۴ (۶×۱۹) دی .

**۱۹يوخارق العاده عدد:**

نولس د ۹ او ۱۰ په توان ديو مجموعه ده . د ۹ او ۱۰ په توان د ۲ مېنځ کې توپير هم ۱۹ کېږي .  
۱۹                      ۹+۱۰                      ۱۰<sup>۱</sup>  
۱۹                      ۸۱-۱۰۰                      ۱۰<sup>۲</sup>

لهر ، سپوږمۍ اوځمکه وروسته له هرو ۱۹ کلونو ديوي مستقيمې کرښې په سر واقع کېږي .  
دهالي لکۍ لرونکي ستوري وروسته له ۷۶ کلونو يعنې ( ۴×۱۹ ) له شمسي يالمریز نظام څخه تېرېږي .  
دانسان بدن ۲۰۹ ( ۱۹×۱۱ ) هډوکي لری .  
دانسان لاس ۱۹ هډوکي لری ( پرته دلاس له بنده )

**د پاسکال په مثلث کې د ۱۹ ځای:**

د پاسکال په مثلث کې دلومړنيو عددونو مجموعه ۳۸ يا (۱۹×۲) کېږي .

۱

|   |   |    |    |    |    |   |   |
|---|---|----|----|----|----|---|---|
| ۱ | ۱ |    |    |    |    |   |   |
| ۱ | ۲ | ۱  |    |    |    |   |   |
| ۱ | ۳ | ۳  | ۱  |    |    |   |   |
| ۱ | ۴ | ۶  | ۴  | ۱  |    |   |   |
| ۱ | ۵ | ۱۰ | ۱۰ | ۵  | ۱  |   |   |
| ۱ | ۶ | ۱۵ | ۲۰ | ۱۵ | ۶  | ۱ |   |
| ۱ | ۷ | ۲۱ | ۳۵ | ۳۵ | ۲۱ | ۷ | ۱ |

- د پاسکال د مثلث د ۱۹ لومړنیو عددونو ټولګه ۵۷ (۱۹×۳) کېږي.
- د پاسکال مثلث په ریاضی کې د احتمالاتو د محاسبې لپاره پکارېږي.
- نو د لومړنیو عددونو مجموعه او د پاسکال د مثلث د ۱۹ لومړنیو عددونو مجموعه دواړه په ۱۹ د تقسیم وړ دي.

**دقرآنی ځینې آیتونو اوپاسکال مثلث په مېنځ کې یوشمېر اړیکې:**

- دغلق سوره چې لومړنۍ نازل شوې سوره ده له وروسته نه مخکې لوړته نولسمه سوره ده . دغه سوره نولس آیتونه لری چې ټول له ۲۸۵ توری ده یعنې ( ۱۹ ضرب د۱۵) ددې آیت پنځه لومړنی آیتونه ۷۶ توری لری یعنی ۴ ضرب د۱۹ . د القلم د سورې لومړنی آیتونه چې دویمه نازل شوې سوره ده له ۳۸ کلمو نه جوړه شوې (۱۹×۲).
- دریڼه وحیه چې دمزمل سوره وه ۵۷ کلمې (۱۹×۳) ده.

د ادبیاتو له اړخه د قرآن کمال

## د قرآن د تقلید ناشونتیا

د قرآن اعجاز مو د ساینس او حساب اوتاریخ له اړخه تردې دمه وښوده . برسېره پردې د قرآن یوه ځانګړنه داده چې له ادب اوبلاغت نه ډکه بڼه لری.چې تقلید ترې نه شی کیدلای. باید ووايو چې قرآن د انسانانود هر عمر اوهرجنس ډلو ته خطاب کوی . قرآن په یوه روښانه او جامع ژبه خپلووویونکو ته په هرکچه زده کړې اوپوهه چې لری لیکل شوی .

وَلَقَدْ يَسَّرْنَا الْقُرْآنَ لِلذِّكْرِ فَهَلْ مِنْ مُدَكِّرٍ

اومور: قرآن آسانه کړ لپاره د یادولو(القمر ۲۲).

وَإِنْ كُنْتُمْ فِي رَيْبٍ مِمَّا نَزَّلْنَا عَلَىٰ عَبْدِنَا  
فَأْتُوا بِسُورَةٍ مِثْلِهِ ۚ وَادْعُوا شُهَدَاءَكُمْ مِنْ دُونِ اللَّهِ  
إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ ﴿٢٣﴾ فَإِنْ لَمْ تَفْعَلُوا وَلَنْ تَفْعَلُوا فَأْزَنُوا  
النَّارَ الَّتِي وَفُودُهَا النَّاسُ وَالْحِجَارَةُ أُعِدَّتْ لِلْكَافِرِينَ ﴿٢٤﴾

سره له دې چې قرآن یوه آسانه اوجامع بڼه لری خو کله هم د قرآن د بیان تقلید څوک کولای نه شی .

که تاسو په هغه څه کې چې موږ دخپلو بنده گانو لپاره لېږلی شک کوی نو یوه سوره دهغه په څیر جوړه کړی اوخپل شاهدان پرته له الله نه خپلې مرستې ته وغواړی که رښتیا وایی. که ومو نشو کړای اوهیڅ کله هم نشی کولای نو وډار شی له هغه اورنه چې دسونک توکی یی انسانان اودېرې دی او دکافرانو لپاره یی وعده شوې. (البقره ۲۳-۲۴).

د قرآن یو اعجاز چې په پورتنیو آیتونو کې ورته اشاره شوې دادی چې هېڅ څوک هم نه شی کولای له هغه سره مشابه سورې اوآیتونه جوړکړی ، څومره چې د یوه کلام د تقلید امکان ناشونی وی په هماغه کچه یی اعجاز ستر دی . بیاکله چې میلیاردونه انسانان دسلکونو کلونو په ترڅ کې نه شی کولای د قرآن سره مشابه څه ولیکي د دغه مبارک کتاب پر اعجاز باندی ټنیک دلیل دی. اربوتنات په خپل کتاب چې د انجیل اوقران د جوړښت ترنامه لاندی لیکل شوی داسې وایی:

" د ادبیاتو له اړخه قرآن دیوې خالصې عربی بېلګه ده چې په نیمه شعری اونیمه نثری ډول لیکل شوی. ان دژبي استادان کله کله دخپلې ژبې دادبیاتو قاعده اودستور دقرآنی آیتونو پربنسټ تنظیموی. سره له دې چې دیرو خلکو زیار ایستلی خو هېڅوک هم پردې نه دی بریالی شوی چې په داسې ښکلې بڼه څه ولیکي. "

هغه کلمې چې په قرآن کې کارول شوی هم دمانا اوهم له اروایی اړخه دځانګړی فصاحت ، اغېزې اودلیکلودبني څخه برخمنې دی . په داسې حال کې چې هغه کسان چې نه غواړی په قرآن ایمان راوړی دخان لپاره ډیرې بانې لټوی هغوی دقرآن له ټولو ښکلاوو نه انکارکوی.

## په قرآن کې د قافيو عالي ماهيت

دقرآن تقلید ځکه هم ناشونی دی ، سره له دې چې عربی دی خو د مروجوعربی بیانونو ډول یی په کارنه دی وری.

قافېي د اډول په قرآن کې کارول شوی چې د قافیه لرونکی نثر په نامه یادې شوی اودهغوی دکارونې ډول دژبو پېژندونکو له لوری یو معجزه ګڼل شوې.

پروفیسر عادل عباس یو وتلی انګریز ساینس پوه د قرآن پرقافیو اوتورو ډېرې څېړنې ترسره کړی . هغه ډیر حیرانوونکی حقیقتونه دقرآن د قافیو په هکله په خپل کتاب کې چې دساینس معجزې نومېری یادې کړی.

څه ډول چې څرګنده ده د قرآن ۲۹ سورې په مقطعاتو پیل شوی چې ټول څوارلس توری دی : ۱ ، ص ، ط ، ح ، ی ، س ، ق ، ل ، م ، ک ، ع ، ن ، ر ، ه.

له دې ډلې نه که د "ن" توری مطالعه کړو دقلم په سوره کې 88.8% آیتونه د الشعرا په سوره کې 84.6% آیتونه د النمل په سوره کې 90.32% آیتونه او القصص په سوره کې 92.5% آیتونه په نون باندې قافیه شوی.

ټول تال په قرآن کې 50.58% آیتونه دنون په توری قافیه شوی په بل عبارت دقرآن له نیهایي نه ډیر آیتونه دی چې قافیه یی په نون سره تړل شوې. ددنیا په هېڅ یوه ژبه کې او هېڅ کتاب کې دا شونې نه ده . چې له نیهایي کتاب نه ډیر په نوم سره مقفی شوی وی.

که دقرآن قافیه په ټولیز ډول مطالعه کړو موږ وینو چې اتیا په سلوکې دهغوی یواځې په درې غرونو یعنی **الف**، **میم**، او **نون** چې له **ا**، **م**، **ن**، **ی**، نه جوړشوی. که نون وویستل شی نو ۳۰ په سلوکې آیتونه په **م**، **ا** او **ی** باندې مقفی شوی.

لاندې جدول پورتنیو څلورگونو یادشوو تورو باندې دقافیې تړل رابښی :

|  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |

دیوه اوږده قافیه لرونکی نثر جوړول چې له دوونه تر درې زرو پورې کرښې له لړشېر غرونو سره قافیه شوی وی دعالی کیفیت نښانه ده اوکافي ده چې د ادبي ډیر اوچتو بېلګواتل وپېژندل شي. دقرآن اوږدو خبروته په پام سره دغه قافیه تړل ډیر خارق العاده کار دی.

قرآن په حقیقت کې د بېلابېلو معلوماتو اوماناو یوسمندر دی. دغومعلوماتو کې دینیات، اخلاقیات، عبرت، د الله (ج) د پیغمبرانو پیغامونه، ساینس، تاریخ اونور شامل دی. خو دا سره له دې چې ډیر روان بیان لری په قافیه لرونکی اوبښکلی ډول راوړل شوی. هېڅ ډول انساني هڅه نه شی کولای چې ټول دغه ډول معلومات په څو قافیو کې سره راټول کړی، نو دحیرانتیا ځای نه دی چې دغری ژبو پېژندونکو دقرآن تقلید ناشونی بللی.

پایله (نتیجه)

قرآن د الله (ج) کلام دی

ټول هغه څه چې مو په دې کتاب کې ولوستل یو څه روښانوی چې دغه خارق العاده کتاب چې د محمد (ص) مېر له ځانه سره لری د الهام او پوهې سرچینه ده. دغه کتاب چې ډیرې موضوع گانې په ځان کې رانغاړی دالله (ج) کتاب دی . هره پراختیا چې په ساینس ، ټکنالوژی ، تاریخ اولرغون پېژندنه کې مېنځ ته راځی ددغه کتاب حقانیت نورهم روښانوی. د قرآن له نازلیدو وروسته په ساینس کې داسې پرمختگونه رامنځته شوی چې قرآن یی وړاندوینه کړې وه چې هیڅ کتاب به نری کې داسې نشته چې دتېروپېښو بیان اودراتلونکي وړاندوینه یی په سمه توگه کړی وی. د قران ویناوی او وړاندوینې داوومې زېږدیزې پېړۍ د عربو دپوهې دگچې اوتکنالوژی نه ډیرې اوچتې وې دې موضوع ته په پام سره راځی له ځانه وپوښتو چې:

- آیا په اوومه میلادې پېړۍ کې څوک پوهیدل چې دځمکې فضا له اووپورونو نه جوړه شوې ؟
  - آیا په همدې پېړۍ کې دمور په رحم کې دماشوم دودې په پړاوونو څوک پوهېدل ؟
  - آیا په دې پېړۍ کې څوک پوهیدل چې نړۍ تل دودې په حال کې ده ؟
  - آیا په یاده شوې زمانه کې څوک پوهېدل چې دهرچا دکوتونښې یواځې په همغه شخص پورې اړه لری ؟
  - آیا په دې پېړۍ کې کله چې دهروغلیف لیک دلوستلو وړنه وو څوک پوهېدل چې همان دفرعون له نږدې کسانو څخه ؤ .
  - آیا په اوومه میلادی پېړۍ کې څوک پوهېدل چې دفرعون لقب یواځې څوارلس کاله وړاندې له میلاده کاریده اومخکې له هغه نه ؤ ؟
  - آیاپه دې وخت کې دوریځو اود ارم دستنوپه هکله چا معلومات درلود ؟
- ددې ټولو سوالونو ځواب یودی: هغه داچې قرآن دالله جل جلاله برحقه کلام دی هغه الله (ج) چې هرڅه یی پیداکړی اوهرڅه دده په پوهې پورې اړه لری ، په قرآن کې هریو معلومات دقرآن داعجاز یوه نښه ده. نو پرتولوانسانو لازمه ده چې هرڅه ژر دغه کتاب دخپل ژوند لارښود وگرځوی.

أَفَلَا يَتَذَكَّرُونَ الْقُرْآنَ وَلَوْ كَانَ مِنْ عِنْدِ غَيْرِ اللَّهِ لَوَجَدُوا فِيهِ اخْتِلَافًا كَثِيرًا

آیا په قران کې فکر نه کوی . که دالله نه دغیر له لوری وای په هغه کې به یی ډیر اختلاف موندلای وای (النساء ۸۲).

اللَّهُ وَلَكِنْ تَصْدِيقَ الَّذِي بَيْنَ يَدَيْهِ وَتَفْصِيلَ الْكِتَابِ لَا رَيْبَ وَمَا كَانَ هَذَا الْقُرْآنُ أَنْ يُفْتَرَىٰ مِنْ دُونِ رَبِّ الْعَالَمِينَ

اوداقرآن داسې نه دی چې غیر له الله نه بل چا جوړکړی وی. اونورکتابونه مو چې په

لاس کې درلودل هغه تصدیقوی اوپه تفصیل یی بیانوی. له شک پرته دا(قرآن) دعالمیانو درب له لوری دی (یونس ۳۷).

وَهَذَا كِتَابٌ أَنْزَلْنَاهُ مُبَارَكٌ مُّزَكَّاتٍ لَهُمْ وَأَتَّقُوا لَعَلَّكُمْ تُرْحَمُونَ

اودامبارک کتاب دی. له هغه نه متابعت وکړی اوپرهمزکونکی شی څوچې پرتاسو رحم وشي(الانعام ۱۵۵).



د ژباړن چاپ شوی کتابونه:  
د هیلو غوتې، شعری ټولګه  
پراروایی ستونزو بری  
اوسنی عصر  
د قرآن اعجاز ژباړه (همدا کتاب)

**Get more e-books from [www.ketabton.com](http://www.ketabton.com)**  
**Ketabton.com: The Digital Library**